राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 5 अंक 40

मूल्य ₹8.00, नई दिल्ली, मंगलवार, 20 जुलाई, 2021

www.jagran.com

पृष्ठ 14



बुनियाद मजबूत, इकोनामी पर एफडीआइ को भरोसा : सीतारमण >>7

जागरण विशेष

भौतिकी पढ़ाकर हिंदी की अलख जगा रहे प्रो. वर्मा



समीर दीक्षित, कानपुर : सेवानिवृत्ति के बाद प्रोफेसर एचसी वर्मा हिंदी में भौतिक विज्ञान पढ़ाकर मातृभाषा की अलख भी जगा रहे हैं। देश-विदेश में मशहूर प्रो. वर्मा की निश्शुल्क आनलाइन क्लास में हिंदी के कोर्स अधिक हैं। (पेज-10)

न्यूज गैलरी

राष्ट्रीय राजधानी ▶ पृष्ठ 2

बारिश की खुशियों पर जलभराव और जाम ने फेरा पानी

नई दिल्ली : उमस और गर्मी से जूझ रहे लोग मानसून का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। 13 जुलाई को मानसून आया, लेकिन दिल्ली में कुछ स्थानों को ही भिगोकर निकल गया। ऐसे में लोगों को झमाझम बारिश का इंतजार था। यह इंतजार सोमवार को खत्म हुआ। हालांकि बारिश की इन खुशियों पर अव्यवस्था भारी पड़ गई। लोगों का जाम और जलभराव के चलते निकलना मुश्किल हो गया।

राष्ट्रीय फलक ▶ पृष्ठ 5

महाराष्ट्र में भारी बारिश से आठ और की मौत

मुंबई : महाराष्ट्र के मुंबई, कोंकण, रायगढ़, ठाणे एवं पालघर में शनिवार रात से ही हो रही भारी बरसात की वजह से सोमवार को भी आठ लोगों के मारे जाने की खबर है। मुंबई व नवी मुंबई का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने मुंबई एवं आसपास में अगले 48 घंटों तक भारी बारिश जारी रहने की चेतावनी दी है।

कोरोना से जंग ▶ पृष्ठ 6

रोज मिल रहे नए मामलों में से 80 फीसद डेल्टा वैरिएंट के

नई दिल्ली : देश में कोरोना की दूसरी लहर के लिए जिम्मेदार माने जाने वाला डेल्टा वैरिएंट इसी वायरस के अल्फा वैरिएंट से 40-60 फीसद तक ज्यादा संक्रामक है। भारतीय सार्स-कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम के सह अध्यक्ष डा. एनके अरोड़ा ने यह जानकारी देते हुए कहा, अभी भी देश में रोजाना सामने आ रहे नए मामलों में से 80 फीसद इसी वैरिएंट के हैं।

विपक्ष का ऐसा व्यवहार कभी नहीं देखा : मोदी

संसद में हंगामे पर पीएम ने विपक्षी दलों की मानसिकता पर उठाए सवाल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

मानसून सत्र के पहले दिन संसद में हंगामे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया है। हंगामे के चलते प्रधानमंत्री अपने नए मंत्रियों का सदन में परिचय तक नहीं करा पाए। इससे खफा मोदी ने विपक्षी दलों के कुछ सदस्यों की मानसिकता पर सवाल उठाते हुए कहा, इससे पहले उन्होंने सदन में विपक्ष का ऐसा व्यवहार कभी नहीं देखा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल ने पीएम को मंत्रियों का परिचय कराने से रोकने को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया और विपक्ष के रवैये को संसदीय परंपरा के खिलाफ बताया। नेताओं, पत्रकारों के फोन टैपिंग, महंगाई समेत कई मुद्दों पर विपक्ष के हंगामे के चलते दोनों सदनों की कार्यवाही कई बार स्थगित करनी पड़ी। हंगामा कम नहीं हुआ तो दोनों सदनों की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही पीएम ने अपने मंत्रियों का परिचय कराना शुरू ही किया कि कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, वामदल के अलावा अकाली दल के सदस्यों ने पेट्रोल-डीजल के दाम में इजाफे व उपभोक्ता वस्तुओं की महंगाई पर सरकार को घेरते हुए हंगामा शुरू कर दिया। विपक्षी सदस्य पोस्टर-बैनर लेकर अध्यक्ष के आसन के समक्ष पहुंच गए। कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा, उनकी पार्टी के सदस्यों के अलावा कई दूसरे सदस्यों ने महंगाई व अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर चर्चा कराने के लिए कार्यस्थगन नोटिस दिया है। पहले इस पर चर्चा करायी जाए। विपक्षी सदस्यों के हंगामे पर एतराज जताते हुए मोदी ने मंत्रियों के परिचय के दौरान उनके व्यवहार पर यह कहते हुए सवाल उठाया कि पहली बार वे इस सदन में इस तरह का व्यवहार देख रहे हैं। आखिर यह कैसी मानसिकता है? हंगामा थमता नहीं देख पीएम ने स्पीकर ओम बिरला की सहमति से मंत्रियों का परिचय सदन के पटल पर रख दिया।

विपक्ष ने संसदीय परंपरा तोड़ी : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, संसदीय परंपरा को तोड़ा गया। बीते 24 साल के संसदीय जीवन में ऐसा नहीं देखा। स्वस्थ संसदीय परंपरा कायम रखना सरकार व विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है।

- विरोधी दलों के हंगामे के चलते मंत्रियों का संसद में परिचय नहीं करा पाए प्रधानमंत्री
- इजरायली स्पाइवेयर पेगासस के जरिये नेताओं-पत्रकारों के फोन टैप कराने की रिपोर्ट पर विपक्ष ने किया हंगामा



नई दिल्ली में सोमवार को संसद के मानसून सत्र के प्रथम दिन बारिश से बचने के लिए छाता लगाकर जाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। प्रेट्र

देश के दलित, महिला, ओबीसी, किसानों के बेटे मंत्री बने हैं, ये बात कुछ लोगों को हजम नहीं हो रही और वे इनका नाम तक सुनना और इन्हें उचित सम्मान नहीं देना चाहते। मेज थपथपाकर उनका गौरव बढ़ाया गया होता तो बेहतर होता।

मैं सभी सांसदों और राजनीतिक दलों से तीखे से तीखे और धारदार सवाल पूछने का आग्रह करता हूं, लेकिन वे सौहार्दपूर्ण वातावरण में सरकार को जवाब देने का मौका भी दें, क्योंकि जनता तक सत्य पहुंचाने से लोकतंत्र को ताकत मिलती है। इससे जनता का विश्वास बढ़ता है और देश की विकास की गति भी तेज होती है।

– नरेंद्र मोदी, पीएम

- मानसून सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गई
- राज्यसभा में विपक्ष ने महंगाई, अर्थव्यवस्था और कृषि सुधार कानूनों को रद करने संबंधी 17 नोटिस दिए
- सभापति ने एक साथ इतने मुद्दों पर चर्चा कराने से इन्कार करते हुए सभी नोटिस खारिज कर दिए

विपक्षी शोर की क्रोनोलाजी समझिए : अमित शाह

नई दिल्ली : पेगासस स्पाइवेयर के माध्यम से जासूसी कराने की रिपोर्ट को भारत के विकास में विघ्न डालने वाला बताते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने इसे जारी करने के समय और विपक्ष के संसद के भीतर हंगामे की क्रोनोलाजी को समझने की जरूरत बताई। उन्होंने साफ कर दिया कि 'विघटनकारी और अवरोधक शक्तियां अपने षड्यंत्रों से भारत की विकास यात्रा को नहीं रोक पाएंगी। मानसून सत्र देश में विकास के नए मापदंड स्थापित करेगा।' रविवार देर शाम पेगासस पर रिपोर्ट जारी होने और सोमवार को संसद के भीतर हंगामे के पीछे एक सोची समझी साजिश बताते हुए अमित शाह ने कहा कि देश की जनता इस क्रोनोलोजी और इसे फैलाने वालों के रिश्ते को बहुत अच्छे तरीके से समझती है। उन्होंने कहा कि पूरे घटनाक्रम का उद्देश्य भारत की विकास यात्रा को पटरी से उतारना और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को अपमानित करना है।



विपक्ष का रुख लोकतंत्र की गरिमा के खिलाफ : अमित शाह ने नए मंत्रियों का परिचय कराते समय सदन के भीतर विपक्ष के हंगामे को लोकतंत्र के मंदिर और उसकी गरिमा के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार इन तमाम बाधाओं से निपटने के तैयार है और वह 'राष्ट्रीय कल्याण' के लिए निरंतर काम करती रहेगी।

स्पीकर ने विपक्ष को फटकारा: स्पीकर ने भी विपक्ष को फटकारते हुए कहा, वे सदन की मर्यादा गिरा रहे हैं। इसके बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही को दो बजे तक स्थगित कर दिया। दूसरी बार सदन की बैठक शुरू हुई तब भी विपक्ष का हंगामा जारी रहा और सदन 3.30 बजे तक के लिए स्थगित हुआ। तीसरी बार सदन शुरू हुआ तो सिर्फ संचार व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव का पेगासस जासूसी विवाद पर बयान हुआ। इसके बाद सदन पूरे दिन के लिए ठप हो गया।

राज्यसभा में भी मंत्रियों का परिचय नहीं करा पाए पीएम: राज्यसभा में भी पीएम के मंत्रियों का परिचय कराए जाने के दौरान विपक्ष ने व्यवधान डाला। सभापति एम वेंकैया नायडू की सहमति से उन्होंने मंत्रियों का परिचय सदन के पटल पर रख दिया। पीएम ने विपक्षी दलों को ऊपरी सदन में भी उन्हें खरी खोटी सुनाई।

जासूसी का आरोप भारतीय लोकतंत्र को बदनाम करने का प्रयास : वैष्णव

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- फोन हैकिंग कर जासूसी कराए जाने के दावों से सरकार का इन्कार
- लोकसभा में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने दिया सरकार की ओर से बयान



नई दिल्ली में सोमवार को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन लोकसभा को संबोधित करते आइटी मंत्री अश्विनी वैष्णव। प्रेट्र

संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले राजनेताओं, जजों, पत्रकारों समेत सामाजिक क्षेत्र के कई प्रमुख लोगों के फोन हैक करके जासूसी कराए जाने के विवाद को सरकार ने सनसनीखेज बनाकर भारतीय लोकतंत्र को बदनाम करने का प्रयास करार दिया है। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में साफ कहा कि इस बारे में नियंत्रण एवं निगरानी की कई स्तरीय व्यवस्था पहले से है और ऐसे में अवैध तरीके से डाटा की निगरानी संभव नहीं है।

इजरायली साफ्टवेयर पेगासस के जरिये जासूसी के ताजा विवाद पर विपक्षी दलों की आक्रामकता को थामने की रणनीति के तहत सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने लोकसभा में स्वतः बयान देते हुए यह बात कही। कांग्रेस समेत विपक्षी दल पेगासस जासूसी विवाद को लेकर बेहद आक्रामक हैं और मंगलवार को संसद में इस मुद्दे पर सरकार पर हमला बोलने की तैयारी में हैं। वैष्णव ने सरकार पर लगाए जा रहे आरोपों को खारिज करते हुए कहा, सत्र से पहले जासूसी से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट भारतीय लोकतंत्र की छवि को धूमिल करने का प्रयास है।

उन्होंने कहा, 18 जुलाई की रात एक वेब पोर्टल पर बेहद संवेदनशील स्टोरी प्रकाशित की गई जिसमें कई बड़े आरोप लगाए गए हैं। मगर यह भी देखना चाहिए कि यह रिपोर्ट संसद के मानसून सत्र से ठीक एक दिन पहले आई है जो महज संयोग नहीं हो सकता। वैष्णव ने कहा कि पहले भी पेगासस के जरिये वाट्सएप की निगरानी किए जाने के ऐसे ही दावे किए गए थे मगर उन रिपोर्टों का भी कोई तथ्यात्मक आधार नहीं था। इतना ही नहीं, सभी संबद्ध पक्षों ने भी तब उस दावे को नकार दिया था।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि इस तरह की रिपोर्ट भारतीय लोकतंत्र और इसके स्थापित संस्थानों की छवि खराब करने का प्रयास जान पड़ता है। नेताओं, जजों, पत्रकारों से लेकर अलग-अलग क्षेत्रों के 300 से अधिक लोगों के फोन की जासूसी करने के दावों पर मंत्री ने कहा कि इस तरह के डाटा से यह साबित नहीं होता कि इनकी निगरानी की गई है। लीक हुए डाटा का जासूसी से कोई लेना-देना नहीं है। फोन टैपिंग को लेकर सरकार का प्रोटोकाल बेहद सख्त है और जासूसी की बात आधारहीन है। (पेज-3 भी देखें)

बकरीद पर लाकडाउन से तीन दिन की छूट पर केरल से जवाब तलब

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- सर्वोच्च न्यायालय में आज फिर होगी मामले की सुनवाई
- यूपी की कांवड़ यात्रा नहीं कराने की घोषणा के बाद केस बंद



फाइल/इंटरनेट मीडिया

केरल में बकरीद पर कोरोना लाकडाउन में तीन दिन की छूट दिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। कोर्ट ने केरल को जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले को मंगलवार को फिर सुनवाई पर लगाने का आदेश दिया। वहीं, अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कांवड़ यात्रा रद करने की जानकारी देने के बाद इस मामले की सुनवाई बंद कर दी।

जस्टिस आरएफ नरीमन और बीआर गवई की पीठ सोमवार को कोरोना महामारी के दौरान उप्र में कांवड़ यात्रा की इजाजत पर स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई कर रही थी। इसी दौरान वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने केरल के संदर्भ में दाखिल अर्जी का जिक्र करते हुए कहा, केरल में सबसे ज्यादा कोरोना संक्रमण फैला है। 13,000 पाजिटिव केस हैं। पाजिटिविटी दर 10.96 फीसद है। इस पर भी सरकार ने बकरीद को देखते हुए कोरोना लाकडाउन में तीन दिन (18,19 और 20 जुलाई) की ढील दी है। सिंह ने महामारी की स्थिति गंभीर होने के बावजूद ढील दिए जाने पर सवाल उठाए और उस पर रोक लगाने की मांग की। केरल सरकार के वकील ने कहा, सारे एहतियात बरते जा रहे हैं। वह इस मामले में जवाब दाखिल करेंगे।

इससे पहले कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से दाखिल ताजा हलफनामे को देखा जिसमें कहा गया था कि अधिकारियों के साथ बैठक के बाद कांवड़ संघों ने कोरोना के मद्देनजर यात्रा नहीं निकालने का निर्णय लिया है। प्रदेश सरकार के वकील सीएस वैद्यनाथन ने बताया कि उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा नहीं निकलेगी। कोर्ट ने हलफनामे को रिकार्ड पर लेते हुए केस बंद कर दिया। साथ ही कहा, किसी तरह का उल्लंघन होने पर कड़ी कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने दोहराया कि जीवन का अधिकार सर्वोपरि है और बाकी सारी भावनाएं इसके अधीन हैं।

कैप्टन से नहीं मिले सिद्धू, पड़ोस में बैठक कर दिखाई ताकत

चंडीगढ़ : पंजाब कांग्रेस का अध्यक्ष बनने के बाद नवजोत सिंह सिद्धू ने सोमवार को यहां मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के आवास से चंद कदमों की दूरी पर बैठक कर अपनी ताकत दिखाई। पार्टी के प्रदेश कार्यालय के बजाय मंत्री तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा के आवास पर हाई टी रखी गई, जिसमें पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ व पांच मंत्रियों सहित 35 विधायक मौजूद रहे। 11 मंत्रियों समेत 45 विधायकों ने सिद्धू की बैठक से दूरी बनाए रखी। सिद्धू जिस समय बाजवा के घर शक्ति प्रदर्शन कर रहे थे उस समय कैप्टन अपने सरकारी आवास पर मौजूद थे। (पेज-4)

भारत और नेपाल के रिश्तों के पटरी पर लौटने के संकेत

नई दिल्ली : तकरीबन तीन वर्षों बाद भारत व नेपाल के रिश्ते पटरी पर लौट सकते हैं। दोनों देश खटास वाले मुद्दों को ठंडे बस्ते में डाल सकते हैं। नेपाल में नई सरकार आने के बाद हवा के बदलने के साफ संकेत हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के नए पीएम शेर बहादुर देउबा से सोमवार को टेलीफोन पर बात की। दोनों के बीच व्यक्तिगत तौर पर भेंट करने और द्विपक्षीय रिश्तों की मजबूती की दिशा में काम करने को लेकर बात हुई। मोदी ने दोनों देशों के ऐतिहासिक रिश्तों को याद किया। कोरोना महामारी से बचाव में भावी सहयोग को लेकर भी बात हुई। (पेज-11)

50 मिनट में डीएम ने पढ़ाया कृषि कानून का पाठ, निरुत्तर हुए प्रदर्शनकारी

अभिषेक सिंह, गाजियाबाद

बारिश होने से सोमवार को दोपहर पौने दो बजे भले ही तापमान में गिरावट आ गई, लेकिन कलक्ट्रेट में माहौल गर्म था। यहां भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता गुट) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी ऋषिपाल अम्बावता व प्रदेश अध्यक्ष सचिन की अगुआई में संगठन से जुड़े पदाधिकारी कृषि कानूनों के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। नारेबाजी का शोर कार्यालय में बैठकर दो बजे होने वाली वीडियो कान्फ्रेंसिंग की तैयारी कर रहे गाजियाबाद के जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह के कानों में पड़ी, तो उन्होंने संगठन से जुड़े पदाधिकारियों को बुलवाया। उन्हें कार्यालय में बैठाकर कृषि कानून के मुद्दे की विरोध की वजह पूछी।

- प्रदर्शनकारियों से बोले डीएम, मेरे पिता भी किसान हैं, 75 साल की उम्र में करते हैं खेती



प्रदर्शनकारियों को समझाते जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह। जागरण

जागरूक होने के बजाय प्रदर्शनकारियों को कृषि कानून के मुद्दे पर भ्रमित देख जिलाधिकारी ने तसल्ली से उनके एक-एक सवाल का जवाब दिया, तो वे 50 मिनट में ही निरुत्तर हो गए। 2:40 बजे स्थानीय समस्याओं का समाधान कराने और केंद्र सरकार तक ज्ञापन पहुंचाने की बात कहकर वापस लौट गए। आइए, बताते हैं डीएम ने प्रदर्शनकारियों को कैसे किया निरुत्तर...

प्रदर्शनकारी : कृषि कानून किसान विरोधी है।

जिलाधिकारी : नए कृषि कानून से सरकार भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाकर किसानों की आय बढ़ाने की तैयारी में है। ऐसा होता है तो कृषि कानून में बुराई क्या है?

प्रदर्शनकारी : किसानों को फसल का दाम ठीक नहीं मिल पाता और मंडी बंद होने पर किसानों को फसल बेचने में परेशानी होगी।

जिलाधिकारी : मंडी को इसलिए बनाया गया था कि किसानों का उनकी फसल का ज्यादा दाम मिले। किसान उत्पाद लेकर मंडी जाएं और वहां बोली लगाकर आढ़ती उसे खरीदें। अब ऐसा नहीं होता है। एजेंटों के जरिये खरीद होती है। इससे किसानों को उत्पाद का सही दाम नहीं मिल पाता है। नए कृषि कानून से इस समस्या का समाधान होगा। खेत से ही किसान की फसल बिक जाएगी। जो किसान चाहें वे मंडी लाकर भी बेच सकते हैं।

प्रदर्शनकारी : कृषि कानून अच्छे हैं तो देश के किसान धरने पर क्यों बैठे हैं?

जिलाधिकारी : कुछ संगठन या विरोध कर रहे लोग ही किसान नहीं है। देश की 70 फीसद आबादी जीविकापार्जन के लिए खेती पर निर्भर है। मेरे पिता भी किसान हैं। विश्वास न हो तो अयोध्या में जाकर देख लो वे 75 साल की उम्र में भी खेती करते हैं। दिन में किसी खेत की मेड़ पर खड़े दिखेंगे। सरकार किसानों के लिए गलत पालिसी लाकर खुद का नुकसान क्यों करेगी?

सेवा के बजाय उद्योग बन गए हैं अस्पताल : सुप्रीम कोर्ट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- अस्पतालों में सुरक्षा नियमों के प्रति लापरवाही पर शीर्ष अदालत सख्त
- कहा, बंद किए जाएं नियमों का उल्लंघन करने वाले हास्पिटल



सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अस्पतालों के मौजूदा रवैये पर तल्ख टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा, मानवता की सेवा करने के बजाय अस्पताल उद्योग की तरह हो गए हैं। भवन मानकों और अग्नि सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने वाले अस्पतालों के प्रति कड़ा रुख अपनाते हुए कोर्ट ने कहा कि इंसानों की जान की कीमत पर इनके संचालन की इजाजत नहीं दी जा सकती, बेहतर हो कि ऐसे अस्पताल बंद कर दिए जाएं। राज्य सरकार को स्वास्थ्य का बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना चाहिए।

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ व एमआर शाह की पीठ ने गुजरात में पिछले साल कोविड अस्पताल में लगी आग के मामले की सुनवाई के दौरान कहा, 'आपदा के इस दौर में मानवता की सेवा करने की जगह ये अस्पताल बड़े रियल एस्टेट उद्योग की तरह हो गए हैं। अस्पतालों का निर्माण आपदा के समय मरीजों को राहत देने के लिए किया गया है, लेकिन वे पैसा बनाने की मशीन की तरह हो गए हैं।'

मामलों पर लिया है स्वतः संज्ञान : कोर्ट ने कोरोना मरीजों के इलाज, शवों के साथ गरिमा पूर्ण व्यवहार व गुजरात के अस्पताल में आग लगने के मामले पर स्वतः संज्ञान लिया है। कोर्ट ने 18 दिसंबर 2020 को सभी राज्यों को हर जिले में कोविड अस्पतालों के अग्नि सुरक्षा आडिट के लिए समिति गठित करने का आदेश दिया था। यह भी कहा था कि जिन अस्पतालों ने अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं लिया है वे तत्काल आवेदन करें। इस मामले में गुजरात सरकार ने अधिसूचना जारी की है, जिसमें अस्पतालों को सुरक्षा मानक अपनाने में 31 मार्च, 2022 की तय सीमा के बाद तीन माह की छूट दी गई है।

गुजरात सरकार की अधिसूचना पर ऐतराज : शीर्ष अदालत ने गुजरात सरकार की अधिसूचना पर एतराज जताते हुए कहा, राज्य सरकार 18 दिसंबर को कोर्ट के आदेश के बाद इस तरह की छूट कैसे दे सकती है। इससे लगता है कि राज्य सरकार अस्पतालों को संरक्षण दे रही है। सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, कोर्ट को मौजूदा कोरोना महामारी का ध्यान रखना चाहिए। ये अस्पताल कोरोना काल में इलाज मुहैया करा रहे हैं। इस पर पीठ ने कहा कि अस्पताल बड़े उद्योग बन गए हैं।

रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में क्यों : कोर्ट ने गुजरात सरकार को जांच आयोग की रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल करने को कहा और मामलों को दो हफ्ते बाद फिर सुनवाई पर लगाने का निर्देश दिया। जब गुजरात सरकार ने सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट दाखिल करने की बात कही तो कोर्ट ने पूछा- 'ऐसा क्यों?' राज्य सरकार ने बताया कि रिपोर्ट सदन मे पेश होनी है, इसलिए सीलबंद लिफाफे में कोर्ट को दी जाएगी।

नहीं होनी चाहिए मानवीय त्रासदी : जस्टिस चंद्रचूड़ ने गत वर्ष नासिक के एक अस्पताल मे लगी आग का जिक्र करते हुए कहा, उसमें एक मरीज और दो नर्सें जिंदा जल गई थीं। यह मानवीय त्रासदी है। ऐसा नहीं होना चाहिए।

सच साबित हो रही आशंका

भारत में अफगानी राजदूत फरीद मामुंदजई ने आपसी संपर्कों के बारे में दी जानकारी, इनमें जैश और लश्कर-ए-तैयबा के सक्रिय आतंकी शामिल, कश्मीर को लेकर भारत की सुरक्षा चिंताएं बढ़ीं, अफगान सरकार लगातार उठा रही यह मुद्दा

तालिबान के साथ हैं पाक के 21 आतंकी संगठन

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

तालिबान को लेकर भारत की आशंका सच साबित हो रही है। अफगानिस्तान से जो सूचनाएं आ रही हैं उससे यह बात पता चली है कि तालिबान के साथ वहां अफगानी सेना और जनता पर हमला करने वालों में पाकिस्तान में पनाह पाए 21 आतंकी संगठनों के सदस्य भी बड़ी संख्या में शामिल हैं। अफगानिस्तान की अशरफ गनी सरकार ने इस मामले को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाना शुरू कर दिया है। इन सूचनाओं से भारत की चिंता भी बढ़ी है क्योंकि जिन आतंकी संगठनों के तालिबान के साथ शामिल होने की बात हो रही है वे सभी भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहे हैं। इन संगठनों का तालिबान के साथ युद्धरत होना, कश्मीर को लेकर भारत की सुरक्षा चिंताओं को भी बढ़ा रहा है।

अफगानिस्तान के भारत में राजदूत फरीद मामुंदजई ने 'दैनिक जागरण' को एक साक्षात्कार में तालिबान व पाकिस्तानी आतंकी संगठनों के आपसी संपर्क के बारे में विस्तार से बताया। मामुंदजई के मुताबिक, तालिबान का पाकिस्तानी संपर्क किसी से छिपा नहीं है। ये संगठन पिछले दो दशक से पाक में फलफूल रहे थे और पाकिस्तानी सेना उन्हें शरण दे रही थी। अब हमें पता चला है कि तालिबान के साथ 21 आतंकी संगठन भी शामिल हैं। इनमें जैश-ए-मुहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा शामिल हैं। अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने भी ताशकंद में कनेक्टिविटी पर हुए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कहा था कि पाकिस्तान से 10 हजार आतंकियों ने अफगानिस्तान में तालिबान की मदद के लिए घुसपैठ की है। उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने ट्वीट किया है कि तालिबान के गिरोह में अलकायदा, इस्लामिक संगठन व लश्कर के आतंकी शामिल हैं।



फरीद मामुंदजई। फाइल/इंटरनेट मीडिया

पाक की तरफ से पोषित लश्कर-ए-जांघवी, तहरीक-ए-तालिबान के सदस्यों के भी तालिबान के साथ लड़ाई में शामिल होने की सूचना भारतीय खुफिया एजेंसियों को मिली है। माना जा रहा है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ ने दो वर्षों से इन आतंकी संगठनों को चुप्पी साधने को कहा था क्योंकि उसे मालूम था कि देर-सबेर अमेरिकी सेना की वापसी के बाद तालिबान के साथ इन आतंकियों की अफगानिस्तान में घुसपैठ करवाई जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, गत सात दिनों से अफगानिस्तान को लेकर जितनी भी शांति वार्ताएं हुई हैं उसमें गनी सरकार ने तालिबान के साथ वैश्विक आतंकी संगठनों के शामिल होने का मुद्दा उठाया है। तालिबान के आक्रामक रवैये और आतंकी संगठनों संग उसकी साठगांठ को लेकर रूस व चीन भी सतर्क हैं पर कूटनीतिक वजहों से कुछ नहीं बोल रहे हैं। (पेज-11 भी देखें)

शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा पोर्नोग्राफी के आरोप में गिरफ्तार



राज्य ब्यूरो, मुंबई : अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा को सोमवार देर शाम मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया। कुंद्रा पर अश्लील (पोर्न) फिल्में बनाने एवं उन्हें कुछ एप पर दिखाने का आरोप है।

मुंबई पुलिस के अनुसार राज कुंद्रा इस मामले की मुख्य कड़ी के रूप में सामने आए हैं। पुलिस के पास पर्याप्त सुबूत हैं। बता दें कि पिछले वर्ष नवंबर में एक शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने कुछ ओटीटी प्लेटफार्म एवं वेब पोर्टल के विरुद्ध इस साल फरवरी में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। इस मामले में नाम आने के बाद पिछले महीने कुंद्रा ने अग्रिम जमानत की अर्जी लगाई थी। अब क्राइम ब्रांच ने पक्के सबूत मिलने पर कुंद्रा को गिरफ्तार कर लिया। पेशे से व्यवसायी राज कुंद्रा इससे पहले क्रिकेट सट्टेबाजी में भी दोषी पाए जा चुके हैं।

36 नए कोरोना के मरीज मिले हैं सोमवार को दिल्ली में जो पिछले साल छह अप्रैल के बाद सबसे कम है। पिछले साल छह अप्रैल को 22 मामले आए थे। 24 घंटे में 58 मरीज ठीक हुए, जबकि तीन मरीजों की मौत हो गई।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार 20 जुलाई, 2021

बारिश की खुशियों पर जाम और जलभराव ने फेरा पानी

अव्यस्था की मार ▶ घरों में भी भरा पानी, लोगों को उठाना पड़ा नुकसान

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

उमस और गर्मी से जूझ रहे लोग मानसून का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। 13 जुलाई को मानसून आया, लेकिन दिल्ली में कुछ स्थानों को ही भिगोकर निकल गया। ऐसे में लोगों को मानसून की झमाझम बारिश का इंतजार था। यह इंतजार सोमवार को खत्म हुआ और मेघों ने पूरी दिल्ली का दिल जीत लिया। हालांकि बारिश की इन खुशियों पर अव्यवस्था भारी पड़ गई। दिल्ली के लोगों का जाम और जलभराव के चलते निकलना मुश्किल हो गया।

सोमवार तड़के सुबह से शुरू हुई बारिश से दिल्ली के अधिकतर इलाकों में पानी भर गया। कई सड़कें तीन से चार फीट तक पानी से भर गईं। इससे दर्जनों वाहन डूब गए। साथ ही घरों और दुकानों में भी पानी घुस गया। इससे लोगों का काफी नुकसान हुआ। सड़कें जलमग्न होने से वाहन चालकों को भीषण जाम से जूझना पड़ा। कई जगहों पर सड़क धंसने से यातायात को दूसरे रास्ते पर डायवर्ट करना पड़ा। इससे भी जाम लगा। इसके साथ ही 20 से ज्यादा जगहों पर पेड़ गिरने से भी लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की सड़कों पर 253 जगह जलभराव की शिकायतें मिलीं। इनमें से शाम तक 110 जगहों पर जलनिकासी के साथ शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया।

यहां हुआ जलभराव: पुलप्रह्लादपुर अंडरपास, महीपालपुर अंडरपास, आरपीसएस कालोनी खानपुर, सामुदायिक केंद्र ईस्ट आफ कैलाश, हौजखास, एकता अपार्टमेंट साकेत, सेक्टर-4 आरके पुरम, नंगली सकरावती, राजापुरी मेन रोड, दुर्गा विहार फेस-2, मंगलापुरी डीडीए आफिस रोड, कृष्णा कालोनी सुरखपुर रोड, तिलक नगर, हरी नगर घंटाघर, लाजपत नगर, नेहरू नगर, रतिया मार्ग संगम विहार, बाटला हाउस नजदीक इमामबाड़ा, आइटीओ पर पुराने पुलिस मुख्यालय के पीछे, बहादुरशाह जफर मार्ग, पांडव नगर अंडर पास, गाजीपुर मुर्गा मंडी, ओखला मंडी रोड, मालवीय नगर, मुबारकपुर, मदनपुर, मीर विहार, कुतुबगढ़, जटखोड़, औचंदी, बवाना, रोहिणी- हेलीपोर्ट रोड, माडल टाउन, वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र, संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर, पालम फ्लाईओवर के नीचे आदि जगहों पर जलभराव हुआ।

यहां जाम से जूझते रहे लोग: रिंग रोड, आइटीओ चौराहा, विकास मार्ग, मदर डेयरी रोड, कश्मीरी गेट, मथुरा रोड, सराय काले खां, एनएच-91, आश्रम चौक, डीएनडी, कालिंदी कुंज, आजादपुर से मुकरबा चौक तक, आजादपुर मंडी, रिठाला से पीतमपुरा चौक तक, पीरागढ़ी चौक, धौला कुआं, मोती बाग, आइएनए, ओखला एस्टेट रोड आदि पर जाम लग गया।


विकास मार्ग पर बारिश के बीच जाम में परेशान रहे लोग। संजय

इन जगहों पर गिरे पेड़

द्वारका सेक्टर-19, 22, स्वामी नगर, जीके-2, अरावली अपार्टमेंट, सीआर पार्क, ग्रीन पार्क, कैलाश कालोनी, बुधेला गांव विकासपुरी, बिंदापुर डीडीए फ्लैट, सीआरपीएफ कैंप महावीर नगर, जनकपुरी, अशोक नगर, सूरज अपार्टमेंट पुलप्रह्लादपुर, जंगपुरा, कालकाजी, अमर कालोनी, मिनी मार्केट नेहरू प्लेस, ओखला फेस-3 और अशोक नगर।

इन जगहों पर मकान और सड़कें हुईं क्षतिग्रस्त

गीतांजलि पार्क सागरपुर, बीडीओ आफिस नजफगढ़, सरस्वती एंक्लेव गोपालनगर, ओम विहार फेस-5, मधुबन एंक्लेव मादीपुर, जसोला गांव में मकानों की दीवारें क्षतिग्रस्त हो गईं। वहीं, अतुल्य चौक द्वारका और बीआरटी कारीडोर रोड पर सड़क क्षतिग्रस्त हो गई।


द्वारका में बारिश के दौरान सड़क में बने गहरे गड्ढे में कांस्टेबल की कार देखते-देखते समा गई। गनीमत रही कि कांस्टेबल को ज्यादा चोटें नही आईं। पुलिस ने कार को गड्ढे से बाहर निकाला। जागरण

चलती कार के नीचे से सड़क खिसकी, गड्ढे में समा गई

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

बारिश के दौरान अगर आप दिल्ली की सड़कों पर यात्रा कर रहे हैं तो संभल जाएं। हो न हो कहीं चलती गाड़ी ही गड्ढे में न समा जाए और जान पर बन आए। ऐसा ही एक मामला द्वारका इलाके में देखने को मिला। दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल अश्वनी अपनी कार से द्वारका सेक्टर-18 स्थित अतुल्य चौक से गुजर रहे थे। इसी दौरान जोरदार आवाज के साथ उनकी कार के नीचे की सड़क धंस गई। गड्ढा इतना बड़ा था कि महज कुछ सेकंड के अंदर ही पूरी आइ-10 कार उस गड्ढे में समा गई। आसपास गुजर रहे वाहन चालकों ने अचानक हुई जोरदार आवाज के बाद अपने वाहन रोके और कार का शीशा तोड़कर कांस्टेबल को बाहर निकाला। गनीमत यह रही कि उन्हें ज्यादा चोटें नहीं आईं। लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार को गड्ढे से बाहर निकाला। अश्वनी द्वारका में अपने दोस्त से मुलाकात कर वापस घर जा रहे थे।

इस घटना के बाद विकास एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। स्थानीय निवासी रमेश मुमुक्षू ने बताया कि इस मामले की पूरी जांच हो और जो भी इसमें दोषी हो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही इस मामले की तह में जाकर इसके कारणों को ढूंढा जाए। उन्होंने कहा कि अगर सीवर लाइन में रिसाव की वजह से यह हादसा हुआ है तो यह गंभीर मसला है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी द्वारका के फुटपाथ इसी तरह भरभराकर कई बार गिर चुके हैं। कई लोग इसमें चोटिल हो चुके हैं। ऐसे में दिल्ली विकास प्राधिकरण को इन सभी बातों पर गौर करते हुए लोगों की सुरक्षा के मद्देनजर कदम उठाने चाहिए। इस संबंध में दिल्ली विकास प्राधिकरण के मुख्य अभियंता से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन नहीं हो पाई।

मेघों के मल्हार ने धोया गर्मी का घमंड

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

मानसून की दस्तक के बाद भी पिछले एक सप्ताह से गर्मी और उमस दिल्ली वालों को परेशान कर रही थी। ऐसे में सोमवार को जब मानसून के मेघों ने अपना रूप दिखाया तो गर्मी का घमंड भी चूर-चूर हो गया। झमाझम बारिश से न सिर्फ तापमान में आठ डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई, बल्कि न्यूनतम तापमान और अधिकतम तापमान के बीच का अंतर भी करीब दो डिग्री सेल्सियस ही रह गया। मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार को भी बारिश का यह दौर जारी रहेगा।

सोमवार को दिल्लीवासी सोकर उठे तो बाहर मूसलधार बारिश हो रही थी। मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से आठ डिग्री कम 26.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड हुआ। यह पिछले 13 सालों में जुलाई का सबसे कम अधिकतम तापमान है। न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री दर्ज किया गया। बारिश सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक 38.4 मिमी दर्ज की गई।

मौसम विभाग ने जारी की एडवाइजरी

लगातार तेज बारिश होने पर मौसम विभाग की ओर से एक एडवाइजरी भी जारी की गई। इसमें कहा गया कि आवश्यक कार्य होने पर ही लोग घर से निकलें, अन्यथा नहीं। जर्जर इमारतों, बिजली के खंभों और पेड़ों इत्यादि से भी दूर रहें।

पुल प्रहलादपुर अंडरपास में भरे पानी में डूबकर युवक की मौत


झमाझम बारिश के कारण पुल प्रहलादपुर रेलवे अंडरपास के नीचे हुए जलभराव में बस सहित तीन वाहन डूब गए और युवक रवि चौटाला की डूबकर मौत हो गई। घटनास्थल पर खड़े पुलिस कर्मी। ध्रुव कुमार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

राजधानी में सोमवार को हुई बारिश के बाद महरौली-बदरपुर रोड पर स्थित पुल प्रहलादपुर अंडरपास में भरे बारिश के पानी में डूबने की वजह से एक युवक की मौत हो गई। घटना के वक्त युवक वीडियो बना रहा था व सेल्फी ले रहा था। मृतक की पहचान 27 वर्षीय रवि चौटाला के रूप में हुई है। दक्षिण-पूर्वी जिला पुलिस अधिकारी के अनुसार, रवि चौटाला अपने परिवार के साथ पुल प्रहलादपुर इलाके में रहते थे। वह सोमवार दोपहर अंडरपास के पास पहुंचे और पानी में घुसकर सेल्फी लेने लगे व वीडियो बनाने लगे।

इस दौरान वह गहरे पानी की तरफ चले गए और डूब गए। मौके पर मौजूद लोगों से मिली सूचना के बाद पुलिस और दमकलर्मियों ने उन्हें बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने रवि को मृत घोषित कर दिया है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए एम्स की मोर्चरी में रखवा दिया है।

10 माह की बेटी के सिर से उठा पिता का साया

मृतक के पिता राम किशन ने बताया कि रवि बोखला स्थित एक एक्सपोर्ट हाउस में काम करते थे। बीते कुछ दिनों से पत्नी, 10 माह की बेटी, तीन भाइयों व तीन बहनों के साथ पुल प्रहलादपुर में रह रहे थे। सोमवार सुबह वह काम पर जाने की बात कहकर घर से निकले थे। करीब 12 बजे फोन कर उन्होंने बहन को बताया कि वह आफिस पहुंच गए हैं, लेकिन उसके बाद वह घटनास्थल पर क्यों और कैसे गए, यह पता नहीं चल सका।

पुलिस की अपील के बाद भी फोटो खींचने पहुंचते हैं लोग

पुल प्रहलादपुर अंडरपास में हर साल कई फीट पानी भर जाता है। इस दौरान पुलिस मार्ग को बंद कर देती है, लेकिन लोग बैरीकेडिंग पार कर फोटो और वीडियो बनाने पहुंचते हैं।

दावों का खेल, दिल्ली हो गई फेल

वीके शुक्ला, नई दिल्ली

राजधानी में मानसून की बारिश से निपटने की तैयारियों और नालों की सफाई को लेकर किए गए दावों में कितना दम था। इसकी पोल मानसून में पहली बार हुई अच्छी बारिश में ही खुल गई। दिल्ली सरकार और नगर निगम के दावे न सिर्फ फेल हुए, बल्कि देश की राजधानी में जलभराव और जाम की चिंतित करने वाली तस्वीरें भी इंटरनेट मीडिया पर दिखाई दीं।

मानसून आने से पहले दावा किया गया था कि सभी तैयारियां पूरी हैं। जलभराव नहीं होने दिया जाएगा, लेकिन जिस तरह से दिल्ली में जलभराव हुआ है, उससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। यहां तक कि दक्षिणी दिल्ली के पुल प्रहलादपुर अंडरपास में फिर जलभराव हुआ, यहां एक युवक की जान चली गई।

डूबी थीं जहां बसें, वहां भी दिखी लापरवाही

हवा-हवाई बयानबाजी का आलम यह है कि जिन अंडरपास में बसें डूबती रही हैं। वर्षों से जलभराव होता रहा है। उन पर भी ध्यान नहीं दिया गया है। पुल प्रहलादपुर अंडरपास में फिर पानी भरा है, जबकि विभाग की ओर से पर्याप्त पंप लगाने की बात कही गई थी। इंद्रलोक के पास जखीरा अंडरपास जलभराव से मुक्त नहीं हो सका। बाहरी दिल्ली के लामपुर अंडरपास में भी जलभराव हुआ है। यहां तक पानी में एक बस डूब गई। इस बार जल भराव का एक नया प्वाइंट आइटीओ के पास विश्व स्वास्थ्य संगठन के सामने रिंग रोड पर बन गया है। हालांकि, लोक निर्माण विभाग ने कहा है कि यहां सीवर के मेन होल के ओवर फ्लो हो जाने से जलभराव हुआ है।

'दिल्ली में बनाएंगे विश्व स्तरीय ड्रेनेज सिस्टम'

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

मानसून में पहली बार हुई झमाझम बारिश ने दिल्ली को पानी-पानी कर दिया। इससे दिल्ली के लोग दिनभर जलभराव और जाम की समस्या से जूझते रहे। इसे लेकर उपराज्यपाल अनिल बैजल और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए ड्रेनेज सिस्टम को लेकर समीक्षा बैठक की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने दावा किया कि दिल्ली में विश्वस्तरीय ड्रेनेज सिस्टम बनाया जाएगा। दिल्ली देश की राजधानी है, इसलिए यहां का ड्रेनेज सिस्टम सबसे बेहतर होना चाहिए। उन्होंने सभी विभागों को ड्रेनेज सिस्टम के लिए अभ्यास शुरू करने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार की सभी एजेंसियों ने मिलकर बहुत अच्छा काम किया है। मिंटो ब्रिज इसका सुबूत है। इस बार मिंटो ब्रिज नहीं भरा है। ऐसा ही प्लान दिल्ली के अन्य 147 प्वाइंटों पर भी लागू करने की जरूरत है। सोमवार को ड्रेनेज सिस्टम को लेकर मुख्यमंत्री के सामने अधिकारियों ने कार्ययोजना भी रखी। इसके बाद उन्होंने कहा कि इसमें अभी और प्वाइंटों का जोड़े जाने की जरूरत है। मैपिंग कराएं तो 147 से ज्यादा ऐसे प्वाइंट मिलेंगे, जहां जलभराव होता है।

सीएम ने कहा कि दिल्ली में कई जगह ऐसी हैं, जहां दिल्ली जल बोर्ड का नाला नगर निगम के नाले में मिलता है, लेकिन कोई तालमेल नहीं है। दिल्ली के ड्रेनेज सिस्टम में सुधार के लिए सभी एजेंसियां अभ्यास शुरू कर दें। अगर सारी एजेंसियों से यह डिजाइन बन कर आए, तो हम उसे लागू भी कराएंगे। फिर साल में हमें एक बार नालों की सफाई करनी पड़ेगी। सीएम ने कहा कि ग्रीवांस नंबर के बारे में बहुत से लोगों को पता नहीं है। इसको जितना हो सके, उतना लोकप्रिय करें। इसके बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जानकारी दें।

बहुत कठिन हो सकते हैं तीन दिन : जैन

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री सत्येंद्र जैन ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि संभावना है कि तीन दिनों तक लगातार बारिश होगी। अगर ऐसा होता है तो अगले तीन दिन काफी कठिन होंगे। इसके लिए सब लोग तैयार रहें। दिन-रात बारिश हो सकती है। हमें रात में ज्यादा तैयारी रखनी पड़ेगी। हमारे पास 1500 से अधिक पंप सेट हैं। हमें उन सभी को अलर्ट पर रखना है। इस दौरान सभी अधिकारी और इंजीनियर हमेशा उपलब्ध रहेंगे, क्योंकि इनकी अगले कुछ दिनों तक 24 घंटे में कभी भी जरूरत पड़ सकती है।

जामिया के प्रोफेसर मो. जाहिद अशरफ का मिलेगा विजिटर्स अवार्ड

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: मिया मिल्लिया इस्लामिया में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. मो. जाहिद अशरफ को उनके एक शोध के लिए विजिटर्स अवार्ड के लिए चयनित किया गया है। प्रो. अशरफ ने अपने शोध में अधिक ऊंचाई पर आक्सीजन की कमी के कारण रक्त के थक्के बनने के रहस्य को सुलझाया है। इसके लिए उन्हें राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द की ओर से अनुसंधान क्षेत्र के प्रतिष्ठित विजिटर्स अवार्ड-2020 से राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

प्रो. अशरफ को जैव विज्ञान श्रेणी के तहत यह पुरस्कार प्राप्त होगा। उनके कार्य ने अधिक ऊंचाई पर अत्यंत चुनौतीपूर्ण पर्यावरणीय परिस्थितियों में रक्त के थक्के बनने की समस्या के शीघ्र निदान और उपचार के लिए रणनीति विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जामिया की कुलपति प्रो. नजमा अख्तर ने इस सम्मान के लिए प्रो. अशरफ को बधाई दी।


डोभाल की चहेती स्नूपी हुई सेवानिवृत्त...

दिल्ली हवाई अड्डे पर डाग स्क्वायड की सदस्य 'स्नूपी' 10 साल की सेवा पूरी करने के सेवानिवृत्त हो गई। स्क्वायड में रहने के दौरान उसने कभी भी चूक नहीं की। इसे विमान के केबिन में विस्फोटकों का पता लगाने में विशेषज्ञा हासिल थी। सेवाकाल के दौरान वह कभी भी बीमार नही पड़ी। कहा जाता है कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल की भी चहेती थी। एनएसए जब भी उसे एयरपोर्ट पर दिख जाते थे, वह उन्हें देखते ही सैल्यूट करने लगती। एएनआइ

लखनऊ के प्रेमी जोड़े को दिल्ली हाई कोर्ट ने दी अंतरिम सुरक्षा

जासं, नई दिल्ली : अलग-अलग धर्म से ताल्लुक रखने वाले एक प्रेमी जोड़े ने शादी करने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर सुरक्षा की मांग की है।

न्यायमूर्ति मुक्ता गुप्ता की पीठ ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि प्रेमी जोड़े को सुरक्षा प्रदान करे। कोर्ट ने 27 जुलाई को इस संबंध में जवाब दाखिल करने का निर्देश भी दिया है। लखनऊ निवासी प्रेमी जोड़े ने अपनी याचिका में बताया है कि वे हिंदू और मुस्लिम हैं और विशेष विवाह कानून के तहत शादी के लिए आवेदन किया है, लेकिन दोनों परिवार शादी करने को तैयार नहीं हैं। याचिका में कहा गया है कि दोनों परिवार के लोगों से बचकर 14 जुलाई को दिल्ली आए और उन्होंने डीसीपी स्पेशल सेल से सुरक्षा और सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने की मांग की, लेकिन वहां से उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने दलील दी कि उन्हें अपनी मर्जी से शादी करने का अधिकार है, लेकिन स्वजन से जान का खतरा है।

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा से मांगी स्थिति रिपोर्ट

▶ नोएडा से दिल्ली के रास्ते में जाम और व्यवधान का मामला

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

नोएडा से दिल्ली जाने के रास्ते में जाम और व्यवधान के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा सरकार से स्थिति रिपोर्ट देने को कहा है। याचिकाकर्ता ने सोमवार को कोर्ट में कहा कि अभी भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है।

जस्टिस संजय किशन कौल और हेमंत गुप्ता की पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान उप्र सरकार की ओर से पेश वकील से पूछा कि आपका जवाब कहां है। दिल्ली पुलिस ने जवाब दाखिल कर नजरिया स्पष्ट किया है। आप बताएं कि आपका क्या कहना है। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश वकील ने कहा कि उन्होंने पिछली सुनवाई पर ही स्थिति रिपोर्ट दाखिल कर दी थी। लेकिन कोर्ट को आज रिपोर्ट नहीं मिली जिस पर वकील ने कहा कि वह फिर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करेंगी।

हरियाणा की ओर से पेश वकील ने भी कोर्ट से स्थिति रिपोर्ट पेश करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा। कोर्ट ने दोनों को समय देते हुए मामला 23 अगस्त को फिर सुनवाई पर लगाने का आदेश दिया। साथ ही कोर्ट ने याचिकाकर्ता मोनिका अग्रवाल से पूछा कि अब स्थिति क्या है। याचिकाकर्ता ने कहा कि स्थिति पहले जैसी ही है। वहां पूरी बस्ती है। स्थिति में कोई बदलाव नहीं है। इस मामले में कोर्ट ने पहले दिए आदेश में कहा था, कोर्ट के पूर्व फैसले में कहा जा चुका है कि रास्ते में कोई व्यवधान और बाधा नहीं होनी चाहिए। प्रशासन को सुनिश्चित करना चाहिए कि आने-जाने वालों को रास्ते में व्यवधान न मिले। कृषि कानूनों के विरोध में यूपी-दिल्ली बार्डर पर करीब सात महीने से चल रहे धरने से लोगों को नोएडा व गाजियाबाद से दिल्ली आने-जाने में परेशानी हो रही है।

दिल्ली सरकार लागू करेगी वन नेशन-वन राशन कार्ड योजना

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली सरकार ने पीडीएस कार्डधारकों को मुफ्त राशन वितरित करने के लिए वन नेशन-वन राशन कार्ड योजना लागू करने का निर्णय लिया है। सभी लाभार्थियों को राशन दुकानों पर बायोमीट्रिक प्रमाणीकरण पर ई-पीओएस के माध्यम से चरणबद्ध तरीके से निशुल्क राशन मिलेगा।

नेशनल पोर्टेबिलिटी के तहत राशन कार्ड वाले लाभार्थियों और जिनकी पहचान उनके मूल राज्य में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत की गई है, उन्हें भी इस योजना के तहत मुफ्त राशन मिलेगा। दिल्ली के खाद्य और आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने कहा कि लाकडाउन के दौरान खाद्य व आपूर्ति विभाग ने एनएफएस लाभार्थियों सहित शहर के गरीब व कमजोर वर्गों की खाद्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रयास किए हैं। दिल्ली सरकार ने पहले एनएफएस लाभार्थियों को मई-जून के लिए भी मुफ्त में राशन उपलब्ध कराया था।

सुविधा : एम्स में महिलाओं और बच्चों के इलाज के लिए शुरू हुआ नया केंद्र

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

एम्स में महिलाओं व बच्चों के इलाज के लिए अलग मातृ व शिशु सेंटर का निर्माण किया गया है। इस नवनिर्मित मातृ व शिशु ब्लाक को इलाज के लिए खोल दिया गया। एम्स के निदेशक डा. रणदीप गुलेरिया ने सोमवार को इस सेंटर में ओपीडी सेवा की शुरुआत की। इससे महिलाओं व बच्चों के इलाज में सुविधा होगी। हालांकि अभी इस सेंटर में सर्जरी व मरीजों को भर्ती करने की सुविधा शुरू नहीं हुई है, लेकिन जल्दी ही ये सुविधाएं भी शुरू की जाएंगी।

मातृ व शिशु ब्लाक का निर्माण 2014 में शुरू हुआ। एम्स के नए ओपीडी ब्लाक के पास तैयार किए गए इस आठ मंजिला केंद्र में 427 बेड व 12 आपरेशन थियेटर व डे-केयर की सुविधा होगी। एम्स प्रशासन का कहना है कि अभी इस सेंटर में शिशु व स्त्री रोग विभाग की ओपीडी सेवा शुरू की गई है। इसलिए अब इन विभागों की ओपीडी मुख्य अस्पताल में नहीं होगी। नए सेंटर की ओपीडी में मरीजों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। इस ब्लाक में महिलाओं के कैंसर का भी इलाज होगा। इसके अलावा सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए स्क्रीनिंग की भी सुविधा होगी। मरीजों के आवागमन के लिए लिफ्ट व एस्केलेटर भी लगाए गए हैं।

सर्जरी ब्लाक शुरू होने का इंतजार : मातृ व शिशु ब्लाक के नजदीक ही 200 बेड का सर्जरी ब्लाक पिछले कई वर्ष से बनकर तैयार है, जिसमें चिकित्सा सुविधाएं शुरू होने का इंतजार है।

सर्जरी के लिए नहीं करना पड़ेगा ज्यादा इंतजार

मौजूदा समय में एम्स के मुख्य अस्पताल में स्त्री रोग विभाग के लिए सिर्फ चार आपरेशन थियेटर है, जबकि नए सेंटर में 12 हैं। इससे महिला मरीजों को सर्जरी के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। एम्स की कुल बेड क्षमता भी बढ़कर 2,800 से अधिक हो जाएगी।

मास्टर प्लान में बदलाव चाहती है केजरीवाल सरकार

राज्य ब्यूरो,नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के मास्टर प्लान 2041 में दिल्ली सरकार कुछ बदलाव चाहती है। इसे लेकर सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। इसमें अधिकारियों के साथ चर्चा के बाद मास्टर प्लान में कुछ बदलाव किए जाने का सुझाव दिए जाने का निर्णय लिया गया।

इस बैठक में मास्टर प्लान 2041 को लेकर सभी हितधारकों से प्राप्त आपत्तियों और सुझावों की समीक्षा भी की गई। बैठक में दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री सत्येंद्र जैन और मुख्य सचिव के अलावा लोक निर्माण विभाग, दिल्ली जल बोर्ड, दिल्ली परिवहन निगम, बिजली, उद्योग और परिवहन समेत अन्य सभी विभागों के संबंधित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

समीक्षा बैठक में आवास, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और पार्किंग के मुद्दों के संबंध में मुख्य रूप से सुझाव रखे गए। अन्य सुझावों में सार्वजनिक पार्कों में बहु-स्तरीय पार्किंग के निर्माण की अनुमति देने, एफएआर रीजेनरेशन स्कीम (पुनर्जनन योजना) को लागू करने, दिल्ली जल बोर्ड की उपयोगी भूमि का मोनेटाइजिंग (मुद्रीकरण) और किफायती आवास बढ़ाने जैसे कुछ सुझाव प्रस्तावित किए गए।

आवास के लिए प्रस्तावित अहम सुझाव

- ईडब्ल्यूएस आवास बढ़ाने के लिए 2000 वर्ग मीटर के न्यूनतम भूखंड क्षेत्र के अधीन सभी भूमि उपयोग श्रेणियों में 50 वर्गमीटर के कारपेट क्षेत्र तक ईडब्ल्यूएस/किफायती आवास की अनुमति दी जानी चाहिए।
- किफायती पब्लिक रेंटल हाउसिंग के लिए अधिकतम ग्राउंड कवरेज को 33.33 फीसद से बढ़ाकर 40 फीसद किया जाना चाहिए। एफएआर को 200 से बढ़ाकर 400 किया जाना चाहिए।
- अधिक किफायती आवास उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली सरकार ने ईडब्ल्यूएस/किफायती ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट के मामलों में रूपांतरण (कंवर्जन) शुल्क नही लेने और ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट्स के एफएआर को 200 से बढ़ाकर 300 करने का प्रस्ताव दिया है।

अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए कुछ सुझाव

- बजट होटलों के लिए एफएआर बढ़ाया जाना चाहिए।
- सर्विस अपार्टमेंट के लिए एफएआर होटलों के समान होना चाहिए।
- सभी प्रकार के व्यावसायिक भवनों में शैक्षिक, खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रशिक्षण केंद्रों की अनुमति दी जाएगी।
- थोक व्यापार में वृद्धि के लिए ग्राउंड कवरेज को 40 फीसद से बढ़ाकर 50 फीसद किया जाना चाहिए
- स्थानीय शापिंग सेंटर के एफएआर को 100 से बढ़ाकर 200 किया जाना चाहिए, कमर्शियल कम्युनिटी सेंटर के एफएआर को 125 से बढ़ाकर 250 किया जाए।

2014 से 2019 के बीच देश में देशद्रोह कानून के तहत 326 मामले दर्ज किए गए थे। इनमें से महज छह लोगों को दोषी ठहराया गया। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2014 से 2019 के बीच देशद्रोह कानून के तहत सबसे ज्यादा 54 केस असम में दर्ज किए गए।

सरकार ने किया संविधान और कानून पर हमला : कांग्रेस

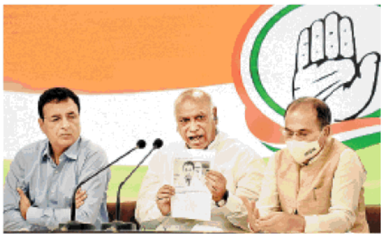
तीखे तेवर ▸ राहुल की जासूसी को लेकर भड़की कांग्रेस, दिखाया आक्रामक रूप

सुरजेवाला ने कहा, लोगों के बेडरूम में पत्नी-बेटियों की बात सुन रही सरकार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कांग्रेस ने राहुल गांधी समेत दर्जनों राजनेताओं-पत्रकारों और जजों समेत दूसरी हस्तियों के कथित रूप से फोन हैक कर जासूसी कराए जाने की खबरों को लेकर सरकार पर बेहद आक्रामक हमला बोला है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया कंसोर्टियम की अध्ययन रिपोर्ट का हवाला देते हुए पार्टी ने कहा कि मोदी सरकार ने देश के संविधान और कानून पर हमला बोल दिया है। सरकार पर जासूसी का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने कहा है कि उसकी यह हरकत राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ ही नहीं, बल्कि देशद्रोह भी है। राहुल समेत विपक्षी नेताओं की जासूसी को लेकर भड़की कांग्रेस ने पेगासस जासूसी के इस ताजा प्रकरण को मानसून सत्र में उठाने के साथ प्रधानमंत्री को भी घेरने का एलान किया है।

अमेरिकी अखबार वाशिंगटन पोस्ट में राहुल गांधी समेत अलग-अलग क्षेत्रों के प्रमुख लोगों के फोन की जासूसी कराए जाने की रिपोर्ट सोमवार को प्रकाशित होने के कुछ ही देर बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं मल्लिकार्जुन खड़गे, अधीर रंजन चौधरी और रणदीप सुरजेवाला ने संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस कर मोदी सरकार को कठघरे में खड़ा किया। सुरजेवाला ने कहा कि पेगासस के माध्यम से सरकार ने राहुल गांधी और दूसरे विपक्षी नेताओं, अपने मंत्रियों, जजों, पत्रकारों और यहां तक कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों तथा सुरक्षा-खुफिया एजेंसियों के प्रमुखों तक के फोन की अवैध तरीके से जासूसी की है।



नई दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में सोमवार को मीडिया से बातचीत करते वरिष्ठ कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, अधीर रंजन चौधरी और रणदीप सुरजेवाला। एएनआइ

कांग्रेस नेता का कहना था कि इसके जरिये सरकार आपके बेडरूम तक भी पहुंच गई है और आपकी बेटी-पत्नी की बातचीत से लेकर घर के अंदर की हर चीज पर सरकार की निगाह है। सुरजेवाला ने इसे शर्मनाक करार देते हुए कहा कि भाजपा का नाम अब भारतीय जासूस पार्टी कर दिया जाना चाहिए। पेगासस के जरिये जासूसी को लेकर उन्होंने कहा कि सरकार पिछले लोकसभा चुनाव से पूर्व से ही यह काम करा रही है और सरकार की एजेंसी सीइआरटी ने 2017 में अपनी एक रिपोर्ट में इसका साफ संकेत देते हुए सतर्क किया था। राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि गृहमंत्री अमित शाह को इस्तीफा देना चाहिए और साथ ही प्रधानमंत्री की भूमिका की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम इस मामले को संसद में उठाएंगे। लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि पीएम मोदी डिजिटल इंडिया की बात करते हैं, मगर ये तो सर्विलांस इंडिया हो गया है और सभी विपक्षी दल संसद में इसके खिलाफ मुखर आवाज उठाएंगे। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने इस मसले पर टवीट करते हुए कहा, 'पेगासस के जरिये जासूसी से जुड़े रहस्योद्घाटन बहुत ही घिनौनी कारगुजारियों की तरफ इशारा करते हैं। अगर ये सच है तो मोदी सरकार संविधान द्वारा देशवासियों को दिए गए निजता के अधिकार पर गंभीर और खतरनाक हमला कर रही है।' राहुल गांधी ने भी सुबह ट्वीट कर सरकार पर तंज कसते हुए कहा था, 'हम जानते हैं कि वे क्या पढ़ रहे हैं- आपके फोन की हर चीज।' अपने फोन की जासूसी किए जाने की रिपोर्ट आने के बाद शाम को राहुल ने दूसरे ट्वीट में भी भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा, 'उसके डर पर हंसी आती है-ये भारतीय जासूस पार्टी है।'

जासूसी कराने का इतिहास कांग्रेस का रहा है : रविशंकर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ कहा, बेबुनियाद, स्तरहीन और मर्यादाविहीन राजनीति कर रही है कांग्रेस

▸ पेगासस स्पाइवेयर के माध्यम से जासूसी का कोई सुबूत नहीं

पेगासस स्पाइवेयर के माध्यम से विपक्षी नेताओं की कथित जासूसी कराने के कांग्रेस के आरोपों को भाजपा ने सिरे से खारिज कर दिया है। पूर्व आइटी मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस के आरोपों को बेबुनियाद और स्तरहीन करार दिया। उन्होंने संसद के मानसून सत्र के ठीक पहले बिना किसी ठोस सबूत पेगासस का मुद्दा उछाले जाने के पीछे गहरी साजिश की आशंका जताई।

रविशंकर प्रसाद ने पेगासस स्पाइवेयर के माध्यम से जासूसी कराने के आरोपों को पूरी तरह गलत बताते हुए कहा कि जिस डाटा के आधार पर जासूसी के आरोप लगाए जा रहे हैं उसे जारी करने वाले ने ही साफ कर दिया कि डाटा में मोबाइल नंबर होने मात्र से उसकी पेगासस से जासूसी की बात साबित नहीं होती है। इसके साथ ही उन्होंने 2019 के लोकसभा चुनाव के पहले पेगासस के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान वाट्सएप्प की ओर से पेश हुए वकील कपिल सिब्बल द्वारा किए गए दावे का भी हवाला दिया। उनके अनुसार सुप्रीम कोर्ट में वाट्सअप ने साफ कर दिया था कि पेगासस स्पाइवेयर के माध्यम से उसके सिक्योरिटी सिस्टम के ध्वस्त करना कतई संभव नहीं है।

रविशंकर प्रसाद ने पेगासस का मुद्दा उठाने के समय और उसमें शामिल संस्थाओं की पहले संदिग्ध भूमिका का हवाला देते इसके पीछे गहरी साजिश की आशंका जताई। उन्होंने कहा कि इस डाटा को जारी करने में द वायर और एमनेस्टी इंटरनेशनल की मुख्य भूमिका रही है। द वायर की वेबसाइट पर डाली गईं कई स्टोरी गलत साबित हो चुकी हैं। वहीं, एमनेस्टी इंटरनेशनल संस्था लगातार भारत को निशाना बनाती रही है। उन्होंने कहा कि संसद के मानसून सत्र के ठीक एक दिन पहले बिना किसी आधार पर इसे मुद्दा बनाकर भारत की छवि धूमिल करने और सरकार को बदनाम करने की साजिश की गई है।



नई दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में सोमवार को मीडिया से बातचीत करते भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद। एएनआइ

आधारहीन रिपोर्ट के आधार पर कांग्रेस लगा रही आरोप

रविशंकर के अनुसार पंजाब और राजस्थान में अंदरूनी संकट से गुजर रही कांग्रेस एक आधारहीन रिपोर्ट के आधार पर सरकार पर विपक्षी नेताओं की जासूसी कराने का आरोप लगा रही है, जबकि हकीकत यह है कि खुद कांग्रेस का विपक्षी नेताओं की जासूसी कराने का पुराना इतिहास रहा है। राजस्थान में खुद कांग्रेस के विधायक फोन टैपिंग किए जाने का आरोप लगा रहे हैं। इसके पहले पूर्व राष्ट्रपति और तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से लिखित शिकायत कर तत्कालीन गृह मंत्री पी. चिदंबरम के खिलाफ अपने दफ्तर में बग लगाकर जासूसी किए जाने की शिकायत की थी। इसी तरह से 2013 में संप्रग सरकार के दौरान हजारों लोगों के फोन टैपिंग की खबरें आ चुकी हैं।

आर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड के कर्मचारियों के सुरक्षित रहेंगे हित : केंद्र सरकार

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार ने कहा है कि सात सरकारी स्वामित्व वाले कारपोरेट उद्यमों में बांटे जाने के बाद आर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड (ओएफबी) के कर्मचारियों के हित सुरक्षित रखने के लिए कदम उठाए गए हैं। राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट ने कहा, 'ओएफबी के निगमीकरण के बाद सरकार ने आर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड (ओएफबी) के कर्मचारियों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की है।'

एक बड़े सुधार पहल के तहत सरकार ने पिछले महीने ओएफबी को पुनर्गठित करने के लंबे समय से लंबित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। देश भर में 41 हथियार एवं सैन्य उपकरणों का उत्पादन केंद्रों का संचालन करने वाले ओएफबी की जवाबदेही, क्षमता और प्रतियोगिता बढ़ाने के लिए सरकार ने यह कदम उठाया है।

'मन की बात' ने 2014 से 30.80 करोड़ राजस्व अर्जित किया : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर महीने प्रसारित होने वाले रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' ने 2014 में शुरू होने के समय से 30.80 करोड़ रुपये राजस्व अर्जित किए हैं। राज्यसभा को सोमवार को बताया गया कि सबसे ज्यादा 2017-18 में 10.64 करोड़ रुपये की कमाई हुई।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक सवाल के लिखित उत्तर में राज्यसभा को बताया कि प्रसार भारती ने अपने आकाशवाणी और दूरदर्शन नेटवर्क के साथ ही इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर अभी तक 'मन की बात' कार्यक्रम की 78 कड़ियों का प्रसारण किया है।

राज्यसभा प्रश्नोत्तर

▸ जवाबदेही और क्षमता बढ़ाने के लिए ओएफबी को कारपोरेट उद्यमों में बांटने की दी गई है मंजूरी

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे परियोजना पूरी करने के प्रयास जारी

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा में एक सवाल के लिखित उत्तर में कहा कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे परियोजना तेजी से पूरी करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि परियोजना की कुल लंबाई में से 350 किलोमीटर का निर्माण हो चुका है और 825 किलोमीटर के निर्माण का काम प्रगति पर है। यह परियोजना जनवरी 2023 में पूरी की जानी है।

2019-20 में 34 लाख टन से ज्यादा प्लास्टिक कचरा पैदा हुआ

केंद्रीय पर्यावरण राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने संसद के ऊपरी सदन में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान 34 लाख टन से ज्यादा प्लास्टिक कचरा पैदा हुआ। यह 2017-18 के दौरान उत्पन्न कचरे की तुलना में 10 टन से ज्यादा है।

मोबाइल की भी हो सकती है हैकिंग

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

पेगासस जासूसी कांड के बीच एक बार फिर साइबर क्राइम से बचने के लिए सुरक्षित प्रबंध होने की चर्चा छिड़ गई है। लैपटाप और डेस्कटाप की तरह मोबाइल फोन को भी आसानी से मालवेयर अटैक का शिकार बनाया जा सकता है। आइटी एक्सपर्ट के मुताबिक इससे बचने के लिए फोन को हमेशा फार्मेट करते रहना चाहिए। हाल ही में नैसकाम ने अपनी रिपोर्ट में डार्कसाइड रैनसमवेयर की चेतावनी दी थी जो दुनिया के 15 देशों में इसकी मदद से लोगों से वसूली करता है।

आइटी मंत्रालय से जुड़ी एजेंसी सीईआरटी-ईन के मुताबिक वर्ष 2020 में भारत में 11.6 लाख साइबर हमले हुए जो वर्ष 2019 के मुकाबले तीन गुना अधिक हैं। आइटी एक्सपर्ट जितिन जैन के मुताबिक किसी लिंक को महज क्लिक करने से ही सामान्य मालवेयर आपके फोन तक पहुंच बना सकता है। जबकि पेगासस इतना प्रभावी है कि वह सिर्फ मैसेज के जरिए फोन में सेंध लगा लेता है। यह मोबाइल फोन के हर डाटा की कापी कर लेता है।

विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि आम भारतीय लैपटाप और डेस्कटाप के लिए एंटी वायरस पैक लेते हैं या वायरस से बचने का अन्य उपाय करते हैं, लेकिन मोबाइल फोन के लिए ऐसा नहीं करते। जबकि आजकल के अधिकतर मोबाइल फोन लैपटाप और डेस्कटाप से अधिक शक्तिशाली होते हैं। एंटी वायरस प्रोडक्ट बेचने वाली कंपनी नार्टन की रिपोर्ट के मुताबिक एपल आइओएस यूजर्स को मालवेयर अटैक से बचने के लिए बेहतर सुरक्षा मुहैया कराती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि एपल फोन को हैक नहीं किया जा सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक डाटा चोरी करने के उद्देश्य से कई एंड्रायड फोन में पहले से ही मालवेयर इंस्टाल होते हैं।

ऐसे करें बचाव

आइटी विशेषज्ञ पवन दुग्गल के अनुसार नियमित तौर पर फोन को फार्मेट करते रहें। संवेदनशील डाटा को फोन में रखने से बचे।

मानहानि का मुकदमा दाखिल करेगी एनएसओ

नई दिल्ली, एएनआइ : पेगासस स्पाइवेयर के जरिये कई भारतीय पत्रकारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के फोन हैक किए जाने की खबरों के बीच इजरायली कंपनी एनएसओ ग्रुप ने आरोपों को गलत और गुमराह करने वाला बताया है। कंपनी ने कहा कि वह मानहानि का मुकदमा दाखिल करने पर विचार कर रही है।

कंपनी ने कहा कि यह रिपोर्ट पूरी तरह से गलत धारणाओं और अपुष्ट सिद्धांत पर आधारित है जो उसके स्रोत की विश्वसनीयता और हितों के बारे में गंभीर संदेह पैदा करती है। ऐसा लगता है कि अज्ञात स्रोतों ने ऐसी सूचना दी है जिसका कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है और जो सच्चाई से बहुत दूर है। इजरायली कंपनी ने कहा है कि रिपोर्ट में जो भी दावे किए गए हैं वो पूरी तरह से गलत और आधारहीन हैं। एनएसओ मानहानि का मुकदमा दायर करने पर विचार कर रही है। कंपनी ने रिपोर्ट में किए गए इस दावे को भी गलत और हास्यास्पद बताया है कि यह डाटा उसके सरवर से लीक हुआ है। एनएसओ का कहना है कि इस तरह का डाटा उसके सरवर पर कभी मौजूद ही नहीं रहा है।

पेगासस का मतलब ग्रीक मायथोलाजी में पंखों वाला घोड़ा होता है। इजरायल की कंपनी एनएसओ ग्रुप टेक्नोलाजीज ने भी इसी पर अपने स्पाई साफ्टवेयर का नाम रखा है। देश में कई पत्रकारों, नेताओं और प्रसिद्ध लोगों के मोबाइल से डाटा चोरी के आरोपों को लेकर पेगासस स्पाईवेयर एक बार फिर चर्चा में है। यह साफ्टवेयर पहली बार 2019 में उस समय चर्चा में आया था जब कई मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के वाट्सएप से डाटा चोरी होने की रिपोर्ट सामने आई थी।

5% से ज्यादा स्पेस का इस्तेमाल कभी नहीं करता है यह स्पाईवेयर स्मार्टफोन में



पेगासस का जासूसी जाल

कई जासूसों को मात देता है एक साफ्टवेयर

इजरायल की कंपनी एनएसओ ग्रुप टेक्नोलाजीज ने इसे तैयार किया है। पहली बार 2016 में संयुक्त अरब अमीरात के मानवाधिकार कार्यकर्ता पर इस्तेमाल के बाद यह सामने आया था। इसने आइफोन की सुरक्षा को भी तोड़ दिया था। बाद में आइफोन इससे निपटने के लिए अपडेट लाया था। 2017 में सामने आया कि यह साफ्टवेयर एंड्रायड की सुरक्षा को भी भेद सकता है। यह इकलौता साफ्टवेयर कई जासूसों को मात देने में सक्षम है। इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है कि सामने वाले को अपने फोन में इसके होने की भनक भी नहीं लगती।

इस तरह लगाता है सेंध

- मोबाइल में एक बग के रूप में खुद को इंस्टाल कर लेता है।
- वायस काल और वाट्सएप के जरिये भी मोबाइल पर इंस्टाल हो सकता है।
- एक बार इंस्टाल होने पर मोबाइल पर मौजूद सभी डाटा एक्सेस कर सकता है।
- यह मोबाइल की काल और हिस्ट्री को भी डिलीट कर सकता है।
- डाटा चोरी की खबर ना लगे इसके लिए सभी साक्ष्य मिटा देता है।
- केवल वाईफाई पर ही काम करता है, जिससे किसी को पता न लग सके।

इन जानकारियों को चुराता है

- मैसेज और मेल पढ़ सकता है
- फोन काल को सुन सकता है
- कांटेक्ट की जानकारी ले सकता है
- मोबाइल से स्क्रीनशाट ले सकता है
- यूजर के फोन की रियल टाइम लोकेशन का पता लगा सकता है
- मोबाइल के कैमरा और माइक का इस्तेमाल कर सकता है।

जागरण इन्फो

राज्यसभा में उप नेता नियुक्त किए गए नकवी

मानसून सत्र



नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी को राज्यसभा में उप नेता नियुक्त किया गया है। वह सदन का नेता बनाए गए पीयूष गोयल की जगह लेंगे। राज्यसभा में सत्ताधारी भाजपा बहुमत में नहीं है।

गोयल के साथ नकवी को संसद के ऊपरी सदन में सरकार के विधायी एजेंडे को पूरा करते हुए विभिन्न राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। संसदीय कार्यमंत्री प्रल्हाद जोशी ने राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू को भेजे गए पत्र में कहा, 'प्रधानमंत्री ने मुझे यह सूचित करने का निर्देश दिया है कि केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी को राज्यसभा में उप नेता नियुक्त किया गया है।'

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री नकवी दशकों से भाजपा के एक विश्वसनीय नेता हैं। वह एक अनुभवी सांसद हैं और मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में संसदीय कार्य राज्यमंत्री रह चुके हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल में वह एक मात्र मुस्लिम चेहरा हैं। वह अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में भी मंत्रि परिषद के सदस्य रह चुके हैं। संपूर्ण राजनीतिक परिदृश्य में नेताओं के साथ मैत्रीपूर्ण रिश्ता रखने के लिए ज्ञात नकवी की नियुक्ति ऐसे समय में की गई है जब कई मुद्दों को लेकर संपूर्ण विपक्ष सत्ताधारी गठबंधन की घेराबंदी करने में जुटा है।



राज्यसभा में सदन के नवनियुक्त नेता पीयूष गोयल को बधाई देते भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी। नकवी को राज्यसभा में उपनेता नियुक्त किया गया है। एएनआइ

मंत्रिमंडल के नए सदस्यों को नायडू की सलाह

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के उपसभापति एम. वेंकैया नायडू ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किए गए नए मंत्रियों को अपने मंत्रालय व विभाग से संबंधित गहन जानकारी प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि संसद में बेहतर प्रदर्शन के लिए विषय की समझ अच्छी होनी चाहिए।

▸ उपराष्ट्रपति ने कहा, सदन में अच्छे प्रदर्शन के लिए करनी होगी कड़ी मेहनत

नायडू ने कहा कि अगर किसी विषय में कहीं संदेह अथवा किसी तरह का दबाव हो तो वरिष्ठ सहयोगियों और विषय विशेषज्ञों से सीखने में गुरेज नहीं करना चाहिए। नए मंत्री सदन में अपनी जानकारी की बदौलत धाक जमा सकते हैं। उन्होंने नए मंत्रियों से कहा, 'संसदीय प्रक्रिया और नियमों में आपके उत्तरदायित्वों का निर्धारण किया गया है।' नायडू ने मंत्रियों को संसद सत्र के दौरान सदन में उपस्थित रहने की भी हिदायत दी।

उपसभापति नायडू से पिछले तीन दिनों में 40 नए मंत्रियों ने मुलाकात की है। इनमें भूपेंद्र यादव, ज्योतिरादित्य सिंधिया, आरसीपी सिंह, सर्बानंद सोनोवाल, विरेंद्र कुमार, पीके पारस, अनुराग ठाकुर, अश्विनी वैष्णव, जी. किशन रेड्डी, राजीव चंद्रशेखर, शोभा करांदलाजे और प्रतिमा भौमिक आदि प्रमुख हैं। राज्यसभा के नवनियुक्त नेता पीयूष गोयल, कर्नाटक के नए राज्यपाल थावरचंद गहलोत व मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल भी नायडू से मिल चुके हैं।

आइयूएमएल नेता वहाब ने राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली

नई दिल्ली, प्रेट्र : इंडियन मुस्लिम लीग (आइयूएमएल) नेता पीवी अब्दुल वहाब ने राज्यसभा के सदस्य के रूप में सोमवार को शपथ ली। यह उनका तीसरा कार्यकाल होगा। पहली बार वह 2004 में ऊपरी सदन के सदस्य चुने गए थे और उसके बाद 2015 में सदस्य बने। सदस्यों ने मेज थपथपा कर बधाई दी और राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू ने कहा, 'अभिनंदन।'

पीएम मोदी ने कोरोना रोधी टीका लगवाने वाले 40 करोड़ लोगों को बताया 'बाहुबली'

नई दिल्ली, प्रेट्र : संसद के मानसून सत्र में कोरोना के खिलाफ लड़ाई को लेकर विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी में है। इस बीच, प्रधानमंत्री ने कोरोना रोधी वैक्सीन लगवाने वालों का हौसला बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि बाहु यानी बांह में वैक्सीन दी जाती है और जो इसे लेते हैं वो 'बाहुबली' बन जाते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में कोरोना के खिलाफ लड़ाई में 40 करोड़ लोगों ने टीका लगवाया है और वे 'बाहुबली' बन गए हैं। संसद के मानसून सत्र से पहले प्रधानमंत्री संवाददाताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में 'बाहुबली' बनने का एक मात्र तरीका टीका लगवाना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया है। वह चाहते हैं कि इस मुद्दे पर संसद में उच्च प्राथमिकता के साथ सार्थक बहस हो। वह संसद के साथ ही बाहर भी इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं।

बदलाव

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जारी किए संशोधित दिशानिर्देश, सीधे नालियों में नहीं बहाया जा सकेगा पशुओं का मल-मूत्र

डेयरी फार्म व गोशालाओं के लिए और सख्त हुए नियम

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर सहित देशभर में डेयरी फार्म और गोशालाओं के लिए नियम और अब सख्त कर दिए गए हैं। इनके संचालकों को जल एवं वायु प्रदूषण की रोकथाम सुनिश्चित करनी होगी और पानी की बर्बादी भी रोकनी होगी। सभी डेयरियों और गोशालाओं का स्थानीय स्तर पर पंजीकरण कराना भी अनिवार्य कर दिया गया है।

गौरतलब है कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने 2020 में पहली बार इस दिशा में दिशा-निर्देश जारी किए थे। इसमें पर्यावरणीय प्रबंधन, मलमूत्र के यथोचित निष्पादन, इनकी साफ-सफाई व बेहतर रखरखाव को अनिवार्य किया गया था। अब महज एक साल के भीतर ही सीपीसीबी ने 51 पृष्ठों के संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके अनुसार अब किसी भी डेयरी फार्म या गोशाला का दूषित जल सीधे नालियों में नहीं बहाया जा सकेगा। पहले इसका परिशोधन करना होगा। इसके लिए कामन इफ्यूलेंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) लगाना होगा। गाय-भैंस का गोबर वातावरण को प्रदूषत न करे, इसके लिए इसका समुचित भंडारण और उपयोग सुनिश्चित करना होगा। इस दिशा में बायोगैस संयंत्र लगाने और वर्मी कम्पोस्ट खाद बनाने जैसे उपाय भी अपनाए जा सकते हैं। डेयरियों और गौशालाओं पर भी ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2016 ही लागू होंगे।

भैंस के लिए 100 और गाय के लिए महज 50 लीटर पानी : डेयरी और गोशालाओं के लिए जल आवंटन भी घटा दिया है। अब एक भैंस के लिए रोजाना 100 लीटर और गाय के लिए 50 लीटर जल ही इस्तेमाल किया जा सकेगा। पहले इन दोनों के ही नहाने और पीने के लिए पानी की मात्रा 150 लीटर प्रति पशु प्रति दिन रखी गई थी।

आडिट हुआ अनिवार्य : नियम-कायदों का पालन कराने लिए स्थानीय निकायों और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों की भूमिका को भी और सख्त किया गया है। अब हर छमाही में दो डेयरी फार्म और दो गोशालाओं का आडिट अनिवार्य कर दिया गया है। हर डेयरी और गोशाला सरकारी स्तर पर पंजीकृत हो, इसके लिए ग्राम पंचायत के स्तर पर भी जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। सीपीसीबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि संशोधित गाइडलाइंस में एनजीटी के कुछ आदेशों और विभिन्न माध्यमों प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों का भी समावेश किया गया है।

ऐसे पहुंचता पर्यावरण को नुकसान : एक स्वस्थ गाय-भैंस-सांड रोज 15 से 20 किलो गोबर और इतने ही लीटर मूत्र विसर्जित करते हैं। ज्यादातर डेयरी और गोशालाओं से यह सब नाली में बहा दिया जाता है। इससे नाले-नालियां भी जाम होतीं हैं और नदियां भी प्रदूषित होती हैं। गोबर से कार्बन डाइआक्साइड, अमोनिया, हाइड्रोजन सल्फाइड और मीथेन गैस निकलती है, जो वायु मंडल में प्रदूषण ही नहीं, दुर्गंध भी फैलाती हैं।

इन नियमों में मिली रियायत

▸ डेयरी और गोशाला आवासीय क्षेत्र और स्कूल-कालेज से 100 मीटर की दूरी पर होनी चाहिए। पहले यह दायरा 200 से 500 मीटर रखा गया था।

▸ जलाशयों से इनकी दूरी कम से कम 200 मीटर होनी चाहिए। पहले यह भी 100 से 500 मीटर तक थी।



अब सभी डेयरियों और गोशालाओं का स्थानीय स्तर पर पंजीकरण हुआ अनिवार्य। फाइल फोटो इंटरनेट मीडिया

कह के रहेंगे माधव जोशी



24 हजार पदों पर भर्ती का उत्तराखंड सरकार ने लक्ष्य तय किया है अगले छह महीनों के दौरान। इनमें से लगभग आठ हजार पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया एक महीने के भीतर शुरू कर दी जाएगी।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार 20 जुलाई, 2021

कैप्टन से नहीं मिले सिद्धू, पड़ोस में बैठक कर दिखाई ताकत

कलह बरकरार ▸ सीएम अमरिंदर के आवास से चंद कदम दूर मंत्री बाजवा के घर की बैठक, सिद्धू की हाई टी डिप्लोमेसी से 11 मंत्रियों सहित 45 विधायकों ने बनाए रखी दूरी

कैलाश नाथ, चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस का अध्यक्ष बनने के बाद नवजोत सिंह सिद्धू ने सोमवार को यहां मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के आवास से चंद कदमों की दूरी पर अपनी ताकत दिखाई। कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय के बजाय मंत्री तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा के सरकारी आवास पर हाई टी रखी गई, जिसमें पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ व पांच मंत्रियों सहित 35 विधायक मौजूद रहे। कैप्टन समर्थक विधायक कुलदीप वैद्य व जोगिंदर पाल भी मौजूद थे।

दूसरी तरफ कैप्टन खेमा शांत रहा और 11 मंत्रियों सहित 45 विधायकों ने सिद्धू की बैठक से दूरी बनाए रखी। सिद्धू जिस समय बाजवा के घर पर शक्ति प्रदर्शन कर रहे थे उस समय मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह अपने सरकारी आवास पर मौजूद थे। सभी की नजरें इस बात पर टिकी हुई थीं कि क्या सिद्धू कैप्टन से मिलने जाएंगे या नहीं। न तो सिद्धू कैप्टन से मिलने गए और न ही कैप्टन ने उन्हें अध्यक्ष बनने पर बधाई दी है। शाम के समय मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने विकास के कामों को लेकर बैठक जरूर की परंतु पार्टी हाईकमान के फैसले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।


चंडीगढ़ में पार्टी नेताओं के साथ बैठक करते पंजाब प्रदेश कांग्रेस के नए अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू। प्रेट्र

कैप्टन खेमा देखो और इंतजार करो की भूमिका में

कैप्टन खेमे ने सिद्धू की नियुक्ति पर चुप्पी साध रखी है। सूत्रों के अनुसार कैप्टन खेमा अभी देखो और इंतजार करो की रणनीति पर चल रहा है। दिनभर चर्चा भी रही कि कैप्टन ने भी मंत्रियों और विधायकों को 21 जुलाई को लंच पर बुलाया है, लेकिन उनके मीडिया सलाहकार रवीन ठुकराल ने स्पष्ट किया कि ऐसी कोई बैठक नहीं बुलाई गई है।

इससे पूर्व चंडीगढ़ पहुंचे सिद्धू ने नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष कुलजीत नागरा से उनके मोहाली स्थित आवास पर मुलाकात कर केक काटा। इसके बाद वह विधायक अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और कुलबीर जीरा के साथ युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बरिंदर ढिल्लों, पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ व कैबिनेट मंत्री रजिया सुल्ताना से उनके घर पर मिले।

बाजवा के आवास पर पहुंचने पर मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा, सुखबिंदर सिंह सरकारिया, चरणजीत सिंह चन्नी और विधायकों ने नवजोत सिंह सिद्धू का स्वागत किया। इस दौरान नए कार्यकारी अध्यक्ष सुखविंदर सिंह डैनी, संगत सिंह गिलजियां और पवन गोयल मौजूद नहीं थे। बाद में सिद्धू ने पूर्व मुख्यमंत्री राजिंदर कौर भट्ठल के पांव छूकर आशीर्वाद लिया और फिर मंत्री चन्नी के साथ विधानसभा स्पीकर राणा केपी व विधायक रणदीप नाभा के घर पहुंचे।

हाईकमान का धन्यवाद कर सबका सहयोग मांगा

सिद्धू ने मीडिया से दूरी बनाए रखी लेकिन ट्वीट कर सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि पंजाब माडल, हाईकमान के 18 सूत्रीय कार्यक्रम और मिशन जीतेगा पंजाब को पूरा करने के लिए सभी सदस्यों का सहयोग लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री को मुलाकात के लिए भेजी एप्लीकेशन : वड़िंग

सिद्धू के साथ चल रहे विधायक अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि कैप्टन अमरिंदर सिंह को एप्लीकेशन भेजी गई है। उनके हां कहने पर मुलाकात के लिए जाएंगे। कहा कि सिद्धू के अध्यक्ष बनने से पंजाब की तस्वीर ही नहीं तकदीर भी बदलेगी।

पहले कभी इतने असहज नहीं हुए कैप्टन

इन्द्रप्रीत सिंह, चंडीगढ़

मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के तमाम विरोध और जातीय समीकरणों का हवाला देने के बावजूद कांग्रेस हाईकमान ने जिस तरह नवजोत सिंह सिद्धू को पार्टी का पंजाब अध्यक्ष बना दिया है उससे कैप्टन असहज हैं। वहीं, सिद्धू लगातार सभी मंत्रियों, विधायकों, पूर्व अध्यक्षों आदि से मिलकर अपना काफिला बढ़ाने में जुटे हुए हैं। कैप्टन के कई नजदीकी भी सिद्धू खेमे में दिखाई दे रहे हैं।

ऐसा नहीं है कि कैप्टन अमरिंदर सिंह के साथ ऐसा पहली बार हो रहा है। 1997 में अकाली दल को छोड़कर कांग्रेस में आने के बाद वह ऐसे कई दौर से गुजरे हैं, परंतु पहली बार वह इतने असहज हुए हैं। दूसरी तरफ, सिद्धू पूरे उत्साह में हैं। वह एक-दो दिन में श्री दरबार साहिब में नतमस्तक होने जाएंगे। बताया जा रहा है कि उनके साथ कांग्रेस के 80 में से से 65 विधायक भी होंगे। करीब पांच साल पहले भी ऐसे ही हालात थे। फर्क इतना था कि तब कैप्टन अमरिंदर ने ऐसा ही संघर्ष करके प्रताप सिंह बाजवा से अध्यक्ष पद छीना था। उस समय लगभग सभी विधायक बाजवा का साथ छोड़कर कैप्टन के खेमे में चले गए थे। मौजूदा समय में वही स्थिति सिद्धू की है। विधायकों को लगने लगा है कि कांग्रेस का सूर्य सिद्धू के रूप में उदय हो रहा है।

टिकट नहीं मिलने पर छोड़ा था शिअद

कैप्टन व सिद्धू में एक और समानता देखी जा रही है। 1997 में शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष प्रकाश सिंह बादल ने कैप्टन को तलवंडी साबो से टिकट नहीं दिया, तो उन्होंने पार्टी को अलविदा कह दिया और कांग्रेस में शामिल हो गए। 2002 के विस चुनाव से पूर्व कांग्रेस ने उनको प्रदेश की कमान सौंप दी। उस समय कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने कैप्टन का जोरदार विरोध किया था। 2002 में कांग्रेस की सरकार बनी तो पूर्व अध्यक्ष राजिंदर कौर भट्ठल ने पहले मुख्यमंत्री बनने और बाद में उप मुख्यमंत्री बनने के लिए कैप्टन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। 2007 के चुनाव के दौरान तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष शमशेर सिंह दूलो व कैप्टन के बीच टिकट वितरण को लेकर टकराव हुआ, लेकिन उन्होंने दूलो की ज्यादा चलने नहीं दी। 2017 के चुनाव से पहले तो प्रताप सिंह बाजवा और कैप्टन अमरिंदर के बीच अध्यक्ष पद को लेकर जमकर संघर्ष हुआ। इसी तरह के एक फार्मूले में सुनील जाखड़ को विपक्ष के नेता और प्रताप बाजवा को अध्यक्ष पद गंवाना पड़ा।

कैप्टन के पास क्या हैं विकल्प

यह सवाल राजनीतिक गलियारों में उठने लगा है कि जिस तरह से हाईकमान ने कमान सौंपी है, उससे सिद्धू बहुत ही मजबूत होकर उभरे हैं। हालत यह है कि कैप्टन के करीबी भी सिद्धू के साथ भविष्य देख रहे हैं। कैप्टन उम्र के ऐसे पड़ाव पर हैं जहां उनके लिए अलग राह तलाशना आसान नहीं है। वह एक सीमा तक ही विरोध कर पाएंगे। मंत्री तृप्त राजिंदर बाजवा की सलाह मायने रखती है कि जब कैप्टन ने व्यक्तिगत हमला करने वाले सुखपाल सिंह खैहरा को पार्टी में वापस ले लिया है तो सिद्धू ने तो सिर्फ मुद्दों पर आधारित टिप्पणियां की हैं।

वोट गांधी-नेहरू परिवार दिलाता है, सीएम समझते हैं खुद जीते : माकन

जागरण संवाददाता, जयपुर

पंजाब की तरह अंतर्कलह से जूझ रही राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी अजय माकन के रीट्वीट ने हलचल मचा दी है। इस ट्वीट में लिखा है कि किसी भी राज्य में कोई क्षत्रप अपने दम पर नहीं जीतता है। गांधी नेहरू परिवार के नाम पर ही गरीब, कमजोर व आम आदमी का वोट मिलता है। चाहे वह अमरिंदर सिंह हों या अशोक गहलोत। पहले शीला दीक्षित रही हों या कोई और। मुख्यमंत्री बनते ही लोग समझ लेते हैं कि उनकी वजह से ही पार्टी जीती है।

शकील अख्तर नाम के व्यक्ति के 18 जुलाई को किए इस ट्वीट को अजय माकन ने 19 जुलाई की सुबह लाइक और रीट्वीट किया। इससे संदेश गया कि ट्वीट में कही बातों से उनकी सहमति है। ट्वीट के दूसरे थ्रेड में लिखा है कि 20 साल से ज्यादा अध्यक्ष रहीं सोनिया ने कभी अपना महत्व नहीं जताया। नतीजा यह हुआ कि वह वोट लाती थीं और कांग्रेसी अपना चमत्कार समझकर गैर जवाबदेही से काम करते थे। हार जाते थे तो दोष राहुल पर, जीत का सेहरा खुद के माथे, सिद्धू को बनाकर नेतृत्व ने सही किया। ताकत बताना जरूरी था।

उम्मीद है कैप्टन हाईकमान का आदेश मानेंगे : गहलोतः इसके कुछ देर बाद राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट किया। लिखा, कांग्रेस की परंपरा रही है कि हर निर्णय से पहले राय-मशविरा होता है। सभी की राय को ध्यान में रखकर जब हाईकमान फैसल ले लेता है तब सभी कांग्रेसजन एकजुट होकर उसे स्वीकार करने की परंपरा निभाते हैं। यही कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है। उम्मीद है, कैप्टन अमरिंदर इस परंपरा का निर्वहन करेंगे और सभी को साथ लेकर पार्टी की रीति-नीति को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे।

ट्वीट वार

▸ राजस्थान प्रभारी अजय माकन के रीट्वीट से मची हलचल, बाद में गहलोत ने ट्वीट कर दी परंपरा की दुहाई


अजय माकन। फाइल/इंटरनेट मीडिया

सामने आई हाईकमान की नाराजगी

माकन के इस रीट्वीट से संदेश गया कि आलाकमान गहलोत से खुश नहीं है। दरअसल, प्रदेश प्रभारी बनने के बाद माकन 10 माह में चार बार सार्वजनिक रूप से जल्द ही राजनीतिक नियुक्तियां व मंत्रिमंडल विस्तार की बात कह चुके हैं। इसको लेकर वह कई बार गहलोत से मुलाकात भी कर चुके हैं, लेकिन गहलोत उनकी बात नहीं सुन रहे हैं। वह मंत्रिमंडल विस्तार व राजनीतिक नियुक्तियां नहीं करना चाहते हैं। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित कई नेता शीघ्र फैसला कराने का दबाव बना रहे हैं।

मप्र में ओवैसी की पार्टी लड़ेगी निकाय चुनाव

मोहम्मद रफीक, भोपालः मध्य प्रदेश में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआइएमआइएम) नगरीय निकाय चुनाव लड़ेगी। इसके लिए तैयारी तेज कर दी गई है। अभी यह तय नहीं है कि पार्टी कितने स्थानों पर चुनाव लड़ेगी, लेकिन मुस्लिम बहुल क्षेत्रों पर उसकी नजर है।

प्रदेश में नगरीय निकाय चुनावों की सुगबुगाहट शुरू होते ही एआइएमआइएम के सदस्यों ने भी गतिविधियां तेज कर दी हैं। पार्टी के प्रदेश प्रभारी हक नजीर और सैयद मिन्हाजुद्दीन जल्द ही प्रदेश के दौरे पर आ रहे हैं। इससे पहले पार्टी के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डा. नईम अंसारी हैदराबाद जाएंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव के संबंध में निर्णय जल्द ही लिए जाएंगे। पार्टी की भोपाल इकाई के अध्यक्ष ताहिर अनवर ने कहा, यह तय है कि पार्टी नगरीय निकाय चुनाव लड़ेगी। हालांकि अभी यह तय होना बाकी है कि किन-किन स्थानों पर कितने प्रत्याशी उतारे जाएंगे। प्रत्याशी चयन को लेकर भाजपा और कांग्रेस के संभावित उम्मीदवारों का इंतजार करने की भी रणनीति रहेगी। पार्टी पदाधिकारियों की ओर से बताया गया है कि प्रदेश प्रभारी हक नजरी और सैयद मिन्हाजुद्दीन अगस्त के पहले या दूसरे सप्ताह में प्रदेश के दौरे पर आने का कार्यक्रम है।

सिंगुर को भूल 13 साल बाद टाटा समूह ने फिर बढ़ाए बंगाल की ओर कदम

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

बंगाल के सिंगुर में भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन के कारण बंगाल से अपनी छोटी नैनो कार परियोजना को बाहर ले जाने के लिए मजबूर होने के 13 साल बाद टाटा समूह एक बार फिर राज्य में निवेश के लिए आगे आ सकता है। राज्य के उद्योग और आइटी मंत्री पार्थ चटर्जी ने कहा कि टाटा के साथ बड़े निवेश के लिए बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि टाटा समूह ने कोलकाता में अपने कार्यालयों के लिए एक और टाटा सेंटर स्थापित करने में रुचि दिखाई है।

चटर्जी ने कहा कि टाटा के साथ हमारी कभी कोई दुश्मनी नहीं थी, न ही हमने उनके खिलाफ लड़ाई लड़ी। वे इस देश के सबसे सम्मानित और सबसे बड़े व्यापारिक घरानों में से एक हैं। आप टाटा को (सिंगुर उपद्रव के लिए) दोष नहीं दे सकते। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव चटर्जी ने एक न्यूज एजेंसी को दिए साक्षात्कार में कहा कि समस्या वाममोर्चा सरकार और उसकी जबरन भूमि अधिग्रहण नीति के चलते थी। टाटा समूह का हमेशा बंगाल में आने और निवेश करने के लिए स्वागत है।

उन्होंने कहा कि हमारे यहां पहले ही टाटा मेटालिक्स, टीसीएस के अलावा एक टाटा सेंटर है। लेकिन अगर वे विनिर्माण या अन्य क्षेत्रों में बड़े निवेश के साथ आने के इच्छुक हैं, तो कोई समस्या नहीं है। हमारे आइटी सचिव ने हाल में मुझे बताया था कि उन्होंने यहां टाटा सेंटर स्थापित करने में रुचि दिखाई है। यह पूछे जाने पर कि क्या राज्य सरकार टाटा से बात करने के लिए अतिरिक्त कोशिश करेगी, चटर्जी ने कहा कि वह निवेश आकर्षित करने के लिए पहले ही समूह के अधिकारियों के संपर्क में हैं।

चर्चा है कि प्रदेश में बड़े विनेश के लिए राज्य सरकार की ओर से कई प्रयास किए जा रहे हैं। अन्य बड़े व्यापारिक घरानों को भी राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित किया जा रहा है।

▸ भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन के कारण नैनो परियोजना को बंगाल से बाहर ले जाने को होना पड़ा था मजबूर


पार्थ चटर्जी ने कहा, कोलकाता में टाटा समूह ने सेंटर स्थापित करने में रुचि दिखाई है। फाइल

टाटा को बंगाल से परियोजना स्थानांतरित करनी पड़ी थी

पूर्ववर्ती वाममोर्चा सरकार द्वारा हुगली के सिंगुर में टाटा की लखटकिया नैनो कार परियोजना के लिए किसानों से किए गए भूमि अधिग्रहण के खिलाफ टीएमसी प्रमुख ममता द्वारा चलाए गए आंदोलन के चलते टाटा को परियोजना से हाथ खींचना पड़ा था। इसके बाद उन्होंने अपनी परियोजना को गुजरात में स्थानांतरित कर लिया था। माना जाता है कि इसी आंदोलन के चलते ममता बनर्जी 2011 में बंगाल की सत्ता पर काबिज हुईं और 34 साल लंबे वाममोर्चा शासन का अंत हो गया था।

रवि किशन का मायावती पर निशाना, लालची नहीं हैं ब्राह्मण

नई दिल्ली, एएनआइ : भाजपा सांसद रवि किशन ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती को ब्राह्मण समुदाय को प्रभावित करने का प्रयास नहीं करना चाहिए। यह समुदाय विकास में विश्वास करता है।

भाजपा नेता ने कहा, 'ब्राह्मण समुदाय मायावती के जाल में नहीं फंसेगा। समुदाय विकास में विश्वास करता है। ब्राह्मणों को ज्ञान के लिए जाना जाता है, लालच के लिए नहीं। मैं मायावती जी और अखिलेश जी से ब्राह्मण समुदाय को नहीं लुभाने का अनुरोध करता हूं।' रवि किशन ने यह टिप्पणी बसपा द्वारा 23 जुलाई को अयोध्या में आयोजित किए जाने वाले ब्राह्मण सम्मेलन को देखते हुए की है। भाजपा नेता ने कहा, 'मेरा नाम रवि किशन शुक्ला है और मैं ब्राह्मण समुदाय से आता हूं। समुदाय से कई ऐसे लोग हैं जो भाजपा में प्रमुख पदों पर हैं।' बसपा पर तंज कसते हुए रवि किशन ने कहा, 'ये चालें काम नहीं आएंगी। आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा सत्ता में आएगी।'

दिग्विजय ने छोड़ा नया शिगूफा, मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री बदला जाना तय

आरोप-प्रत्यारोप

नईदुनिया, भोपाल

वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने सोमवार को यह ट्वीट कर सियासी गलियारे में गरमाहट ला दी कि मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बदला जाना तय है। उम्मीदवार भी सिर्फ दो ही रह गए हैं। एक केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल और दूसरे प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा। उन्होंने बाकी उम्मीदवारों के प्रति सहानुभूति भी जताई। इस पर भाजपा के विष्णु दत्त शर्मा ने कहा कि उनके गोरखधंधे बंद हो गए, इसलिए पीड़ा स्वभाविक है।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने रविवार को ट्वीट किया था कि आजकल भाजपा में मोदी-शाह अपने मुख्यमंत्रियों को बदल रहे हैं। मध्य प्रदेश में भी स्वयं को योग्य समझने वाले कुछ नेताओं की उम्मीदें बढ़ गई हैं। कितने और कौन-कौन भाजपा में उम्मीदवार है, क्या कोई हमें बता सकता है। नहीं बताओगे तो मैं कल सूची दे दूंगा। इसके बाद उन्होंने सोमवार को ट्वीट कर दो नाम बताए। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उम्मीदवार केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल को तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का प्रत्याशी विष्णु दत्त शर्मा को बताया।

जवाब में विष्णु दत्त शर्मा ने कहा कि कांग्रेस में पार्टी अध्यक्ष के लिए केवल दो ही उम्मीदवार दौड़ में हैं। सोनिया गांधी के उम्मीदवार राहुल गांधी व राहुल गांधी की उम्मीदवार सोनिया गांधी। बाकी हसरतें रखने वालों के प्रति मेरी सहानुभूति है। वहीं, पत्रकार वार्ता में दिग्विजय सिंह ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की प्रतिक्रिया पर कहा कि मुझे उत्तर देने की जरूरत नहीं है। अनौपचारिक चर्चा में उन्होंने ट्वीट में कही बातों को दोहराया और कहा कि मुख्यमंत्री का बदला जाना तय है।

उधर, राज्य सरकार के प्रवक्ता गृहमंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा ने मीडिया से चर्चा में कहा कि दिग्विजय आजकल भाजपा की कुछ ज्यादा ही चिंता कर रहे हैं, जबकि, उन्हें कांग्रेस की चिंता करने की जरूरत है।

किसने क्या कहा ट्वीट में

अब मध्य प्रदेश भाजपा में मुख्यमंत्री के लिए केवल दो ही उम्मीदवार दौड़ में रह गए हैं। मोदी जी के उम्मीदवार प्रहलाद पटेल व संघ के उम्मीदवार वीडी शर्मा। बाकी उम्मीदवारों के प्रति मेरी सहानुभूति है। मामू का जाना तय।

दिग्विजय सिंह

कमल नाथ जी की सरकार गिराने का श्रेय आपको ही जाता है और आपको इस पर गर्व है। ये कांग्रेस के संस्कार हैं, भाजपा के नहीं। हमें शिवराज जी के नेतृत्व में अपनी सरकार पर गर्व है और हम जनकल्याण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। आपके गोरखधंधे बंद हो गए, इसलिए पीड़ा स्वभाविक है।

विष्णु दत्त शर्मा

तेजस्वी को कभी भी सौंपी जा सकती है राजद की कमान

राज्य ब्यूरो, पटना

राजद प्रमुख लालू प्रसाद के बुलावे पर तेजस्वी यादव अचानक दिल्ली चले गए। राजद की ओर से महंगाई के खिलाफ जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किया जा रहा था। तेजस्वी ने भी शिरकत की थी। किंतु सुबह लालू के बुलावे पर कार्यक्रम को डेढ़ घंटा पहले ही खत्म कर दिया और बीच में ही दिल्ली के लिए रवाना हो गए। राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह पहले से ही दिल्ली में मौजूद हैं।

तेजस्वी की इस यात्रा को राजद में नेतृत्व परिवर्तन से जोड़कर देखा जा रहा है। राजद में सियासी विरासत के हस्तांतरण का दूसरा दौर निर्णायक मोड़ पर है। लालू परिवार के सूत्रों का दावा है कि तेजस्वी के हाथ में राजद की कमान कभी भी सौंपी जा सकती है। तेजस्वी को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की प्रक्रिया धीरे-धीरे पूरी होगी। पहले उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष बनाने की बात है। उसके बाद पार्टी की पूरी कमान भी सौंप दी जाएगी। तेजस्वी को छह वर्ष पहले विधायक दल का नेता बनाकर लालू ने साफ कर दिया था कि भविष्य में राजद की कमान भी उन्हीं के हाथ में होगी। लालू की खराब सेहत और ढलती उम्र की वजह से अब वह वक्त भी आ गया है।

जगदानंद कर रहे पहल

तेजस्वी को राजद का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने के लिए जगदानंद सिंह खुद पहल कर रहे हैं। उन्होंने लालू को भी प्रस्ताव दे रखा है। माना जा रहा कि उनकी दिल्ली यात्रा इसी सिलसिले में हुई है। उन्हें लालू का भरोसेमंद नेता माना जाता है। तेजस्वी को नेता प्रतिपक्ष बनवाने में भी जगदानंद सिंह ने बड़ी भूमिका निभाई थी। तेजस्वी के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव में राजद के बेहतर प्रदर्शन में भी जगदानंद का सहयोग रहा है। तेजस्वी की पहल पर ही चुनाव के पहले उन्हें राजद का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था।

'मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड का राजनीति से नहीं है कोई लेना-देना'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना सैयद मोहम्मद राबे हसनी नदवी ने कहा कि बोर्ड का किसी भी राजनीतिक पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है। न ही बोर्ड चुनाव से पहले कोई सियासी एलान या किसी सियासी पार्टी को समर्थन देने की अपील करता है।

उत्तर प्रदेश में चुनावी गहमा-गहमी शुरू होने पर बोर्ड के अध्यक्ष ने जारी बयान में कहा कि चुनाव के मौके पर अफवाहों का बाजार गर्म हो जाता है और झूठे और फर्जी बयानों से लोगों को गुमराह किया जाता है। वोट देना सभी का संवैधानिक हक है और किसको चुनें यह फैसला आपको खुद करना है। सोच समझ कर अपने मताधिकार का प्रयोग कीजिए। मुल्क और कौम की भलाई को सामने रखिए। उन्होंने कहा कि कुछ लोग मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड और खासकर मेरे अध्यक्ष होने के नाते मुझसे यह मांग कर रहे हैं कि किसी एक पार्टी की हिमायत में अपील जारी करूं।

कर्नाटक की सियासत

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का वायरल हुआ आडियो टेप, जिसमें कही गई थी नेतृत्व परिवर्तन की बात, टेप के बाद राज्य की राजनीति में पैठ रखने वाले मठ और स्वामी भी होने लगे हैं सक्रिय

आडियो टेप ने उलझाई नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कर्नाटक भाजपा के अंदर कितनी दुविधा और जटिलता है यह फिर दिखने लगा है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार कतील का एक आडियो टेप वायरल हुआ है जिसमें नेतृत्व परिवर्तन की बात कही गई थी। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कथित आडियो टेप को खारिज किया है, लेकिन उसके बाद पार्टी में असंतोष और मतभेद की चर्चा फिर शुरू हो गई हैं। टेप में दो ऐसे नेताओं को भी बाहर का रास्ता दिखाने की बात कही गई है जो मुख्यमंत्री येदियुरप्पा की विदाई की बात से खुश थे। टेप के वायरल होने के बाद राज्य की राजनीति में पैठ रखने वाले मठ और स्वामी भी सक्रिय हो गए हैं।

बता दें कि येदियुरप्पा की ओर से अब तक यह नहीं कहा गया है कि उन्होंने इस्तीफे की पेशकश की है, लेकिन माना जा रहा है कि वह मन बना चुके हैं। अटकलें हैं कि वह 26 जुलाई को अपने इस्तीफे की घोषणा कर देंगे। पूरी प्रक्रिया ऐसी होनी थी कि लिंगायत समुदाय के बीच संदेश जाए कि उनको सम्मानपूर्वक सक्रिय राजनीति से विदा किया जा रहा है। उनकी इच्छा का ध्यान रखा जा रहा है। बहरहाल जिस तरह प्रदेश अध्यक्ष कतील का कथित आडियो लीक हुआ है उसने पूरी योजना पर पानी फेर दिया है।



नलिन कुमार कतील। येदियुरप्पा। फाइल

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार कतील ने इस टेप की जांच कराने की मांग की है जिसमें यह भी कहा गया है कि येदियुरप्पा के साथ-साथ ग्रामीण विकास मंत्री केएस. ईश्वरप्पा और वर्तमान मंत्री व पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार को भी हटाया जाएगा। सूत्रों की मानें तो शेट्टार, जो खुद लिंगायत समुदाय से आते हैं, के साथ-साथ ईश्वरप्पा की भी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नजर है। टेप में कहा गया है कि अब जो भी आएगा, वह उनके पाकेट में होगा। इसके बाद ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में उबाल शुरू हो गया है।

ध्यान रहे कि 2011 में जब येदियुरप्पा को हटाया गया था तो प्रदेश में काफी विवाद खड़ा हुआ था। येदियुरप्पा ने शक्ति प्रदर्शन किया था। इस बार येदियुरप्पा राजी दिख रहे हैं तो पार्टी के अंदर से ऐसी स्थिति पैदा हो रही है जो परेशान कर सकती है। जिस लिंगायत वोट बैंक को बचाने की कोशिश हो रही है वहां अभी से चेतावनी दी जाने लगी है।

लिंगायत समुदाय के प्रभावशाली रंभापुरी मठ के स्वामी ने बयान जारी कर कहा कि येदियुरप्पा को हटाया गया तो भाजपा को उसका नुकसान झेलना पड़ सकता है। रोचक तथ्य यह है कि कांग्रेस के भी लिंगायत नेता एमबी पाटिल येदियुरप्पा के पक्ष में खड़े हो गए हैं। बताया जाता है कि टेप लीक होने के बाद अब येदियुरप्पा के पक्ष में कुछ प्रदर्शन भी हो सकते हैं। आश्चर्य नहीं कि ऐसी स्थिति में येदियुरप्पा कोई नई शर्त पेश कर दें जिसे मानना भाजपा नेतृत्व के लिए मुश्किल हो जाए। बहरहाल, कर्नाटक मामले में भाजपा को बहुत संभलकर कदम उठाने पड़ेंगे।

माकपा नेता सुधाकरण के भविष्य का फैसला लेगी दो सदस्यीय समिति

तिरुअनंतपुरम, आइएएनएस : केरल में माकपा नेता और राज्य के पूर्व मंत्री जी. सुधाकरण के भविष्य का फैसला दो सदस्यीय समिति करेगी। पार्टी की राज्य समिति की पिछले सप्ताह हुई बैठक में कद्दावर नेता और राज्यसभा सदस्य एलामारम करीम और दूसरे पार्टी नेता केजे थोमस की समिति गठित की गई थी। समिति इस बात की जांच करेगी कि सुधाकरण ने अपने गृह क्षेत्र अलपुझा जिले में विधानसभा चुनाव का नेतृत्व करने में ढिलाई तो नहीं बरती। दोनों नेता इसी सप्ताह के दौरान पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात कर इस बात की जांच करेंगे।

छह अप्रैल को संपन्न हुए विस चुनाव में सुधाकरण को प्रत्याशी नहीं बनाया गया था। इस पर खुशी मनाने वालों के खिलाफ उन्होंने नाराजगी जाहिर की थी। पिनराई विजयन की पिछली सरकार में मंत्री रह चुके सुधाकरण चुप्पी साधे हुए हैं। उन्हें पार्टी के वरिष्ठ नेता वीएस अच्युतानंदन का विश्वासपात्र बताया जाता है।

शिवसेना पर भड़के नीतीश, कहा-नहीं देते उनको तवज्जो

राज्य ब्यूरो, पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि शिवसेना के लोग क्या बोलते हैं, उस पर हम ध्यान नहीं देते हैं। तल्खी भरे स्वर में कहा, वे किसको छोड़ कहां गए और अब कहां छोड़कर कहां जाने की तैयारी कर रहे, यह तो वे ही जानेंगे। हमलोगों का इन सब से कोई मतलब नहीं है। मैं तो बिना वजह किसी पर बोलता भी नहीं। सबके अपने-अपने विचार हैं, उसी अनुसार वे जो चाहें, करते रहें।

उन्होंने कहा कि कौन राज्य क्या करेगा, यह वह जाने। मैंने तो यह कहा था कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए सबसे अधिक प्रभावी चीज क्या है। यह बताया था कि पत्नी पढ़ी है तो प्रजनन दर पर क्या असर पड़ेगा। हम ने लड़कियों के लिए पढ़ाई की व्यवस्था की तो हमारे यहां प्रजनन दर चार से घटकर तीन पर आ गई। कहा, हमारी तो सोच है कि लड़कियां अगर शिक्षित होंगी तो प्रजनन दर में कमी आएगी।


बोले- वे किसको छोड़कर कहां गए और अब कहां जाएंगे, यह वे जाने

सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनसंख्या नियंत्रण को ले उत्तर प्रदेश में कानून लाए जाने की बात से असहमति जताते हुए कहा था कि यह कानून के जरिए संभव नहीं हो सकता। लड़कियां अगर शिक्षित होंगी तो जनसंख्या नियंत्रित होगी। इस पर शिवसेना ने भाजपा को बिहार में सरकार से समर्थन वापस लेने की सलाह दी थी।

फोन टैंपिंग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि नई तकनीक तो आफत करेगी ही। इस पर गौर करना चाहिए। फोन टैंपिंग बहुत गलत है। किसी को इस तरह अपमानित करना ठीक नहीं है। कई लोगों को तंग करना और परेशान करना चलता रहता है।

रोज मिल रहे मामलों में से 80 फीसद डेल्टा वैरिएंट के

पड़ताल ▸ पिछले साल अक्टूबर में पहली बार देश में आया था सामने, दूसरी लहर के रूप में मचाई तबाही

अल्फा वैरिएंट से 40–60 फीसद तक ज्यादा संक्रामक है डेल्टा



मुंबई में सोमवार को सीएसएमटी रेलवे स्टेशन पर कोरोना की जांच के लिए यात्री का स्वैब सैंपल लेती बीएमसी की हेल्थ वर्कर। प्रेट्र

नई दिल्ली, एएनआइ : देश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर के लिए जिम्मेदार माने जाने वाला डेल्टा वैरिएंट इसी वायरस के अल्फा वैरिएंट से 40-60 फीसद तक ज्यादा संक्रामक है। भारतीय सार्स-कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (इंसाकाग) के सह अध्यक्ष डा. एनके अरोड़ा ने यह जानकारी देते हुए कहा कि अभी भी देश में रोजाना सामने आ रहे नए मामलों में से 80 फीसद इसी वैरिएंट के हैं। इसी वैरिएंट का असर है कि देश के कई हिस्सों में दूसरी लहरा का प्रकोप बना हुआ है और कोरोना संक्रमण के प्रतिदिन 40 हजार के आसपास नए मामले पाए जा रहे हैं।

डा. अरोड़ा ने बताया कि भारत में पिछले साल अक्टूबर में पहली बार महाराष्ट्र में सामने आए डेल्टा वैरिएंट (बी.1.617.2) को पहले डबल म्यूटेंट के नाम से जाना जाता था। बाद में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इसे डेल्टा वैरिएंट नाम दिया। धीरे-धीरे यह चारों तरफ फैल गया और आज भी देश में सामने आ रहे संक्रमण के कुल मामलों में से 80 फीसद डेल्टा वैरिएंट से संक्रमित मिल रहे हैं। ब्रिटेन और अमेरिका समेत लगभग 80 देशों में यह वैरिएंट फैल चुका है। अल्फा वैरिएंट भी पिछले साल ब्रिटेन में पहली बार मिला था। ब्रिटेन में अल्फा वैरिएंट भी बहुत तेजी से फैला था। बाद में ब्रिटेन के कई क्षेत्र डेल्टा वैरिएंट की चपेट में आ गए थे।

उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस के स्पाइक प्रोटीन में म्यूटेशन से डेल्टा वैरिएंट बना है। मानव शरीर की कोशिकाओं में पहुंचकर यह तेजी से अपनी प्रतिकृति बनाता है जो कम समय में ही गंभीर संक्रमण का कारण बनता है।

डेल्टा वैरिएंट में म्यूटेशन के बाद डेल्टा प्लस वैरिएंट बना है। अभी तक महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश समेत देश के 11 राज्यों में इसके 55-60 मामले मिले हैं। इसके अलावा डेल्टा प्लस वैरिएंट नेपाल, पुर्तगाल, स्विट्जरलैंड, पोलैंड और जापान में भी पाया गया है। डा. अरोड़ा ने कहा कि वैक्सीन डेल्टा वैरिएंट के खिलाफ प्रभावी हैं।

नए मामलों में गिरावट की रफ्तार हुई धीमी : इस बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से सोमवार सुबह आठ बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के मुताबिक केरल में मामलों के बढ़ने और महाराष्ट्र में स्थिर रहने के चलते दूसरी लहर में नए मामलों गिरावट धीमी पड़ गई है।

बीते 24 घंटे में सक्रिय मामलों में सिर्फ 995 की कमी आई है। दैनिक संक्रमण दर कुछ बढ़ी है। यही वजह है केंद्र सरकार सहित सभी जवाबदार एजेंसिया बार-बार आगाह कर रही हैं।

देश में कोरोना की स्थिति

24 घंटे में नए मामले	38,164
कुल सक्रिय मामले	4,21,665
24 घंटे में टीकाकरण	13.63 लाख
कुल टीकाकरण	40.64 करोड़

राज्यों के पास अभी 2.60 करोड़ डोज

मंत्रालय ने बताया कि केंद्र ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अब तक कोरोना रोधी वैक्सीन की कुल 42.15 करोड़ डोज उपलब्ध कराई हैं। इसके साथ ही निजी अस्पतालों के पास 2.60 करोड़ डोज बची हैं।

सोमवार सुबह आठ बजे तक कोरोना की स्थिति

नए मामले	38,164
कुल मामले	3,11,44,229
सक्रिय मामले	4,22,660
मौतें (24 घंटे में)	499
कुल मौतें	4,14,108
ठीक होने की दर	97.32 फीसद
मृत्यु दर	1.33 फीसद
पाजिटिविटी दर	2.61 फीसद
सा. पाजिटिविटी दर	2.08 फीसद
जांचें (रविवार)	14,63,593
कुल जांचें (रविवार)	44,54,22,256

कोरोना की तीसरी लहर रोकने को अगले 15 दिन महत्वपूर्ण

धर्मेन्द्र मिश्रा, लखनऊ

तीसरी लहर के लिए घातक माने जा रहे डेल्टा प्लस वायरस के मामले भी बहुत अधिक रिपोर्ट नहीं हुए हैं। उप्र की देश में सबसे बेहतर स्थिति है। अभी तक यहां डेल्टा प्लस के सिर्फ दो मामले संज्ञान में आए हैं। बाहरी राज्यों से आने वाले लोगों की हाईवे, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन व एक्सप्रेस-वे पर कोरोना जांच और निगरानी बढ़ा दी गई है।

टीकाकरण तेजी से हो रहा है। सोमवार को एक ही दिन में देश में 30.85 लाख से अधिक, जबकि यूपी में 5.88 लाख से अधिक लोगों को टीका लगाया गया। संक्रमितों व मौतों की संख्या में भी भारी कमी आई है। इस लिहाज से विशेषज्ञ तीसरी लहर रोकने के लिए अगले 15 दिनों को बेहद महत्वपूर्ण मानकर चल रहे हैं। एसजीपीजीआइ के निदेशक डा.आरके धीमन का कहना है कि मौजूदा स्थिति खासी नियंत्रण में है। विशेषकर यूपी की स्थिति देश के अन्य राज्यों से बेहतर है। यहां बाहरी राज्यों से आने वाले एक-एक व्यक्ति की कोरोना जांच कराई जा रही है। वैक्सीनेशन भी ठीक चल रहा है। यह स्थिति अगले 15 दिन बनी रही तो तीसरी लहर अभी दूर रहेगी।

15 दिन में तय होगा स्वरूप

लोहिया संस्थान के चिकित्सा अधीक्षक डा.विक्रम सिंह का कहना है कि जो स्थिति अभी चल रही है, वह भी 15 दिन तक स्थिर रही तो फिर तीसरी लहर की आशंका काफी कम होगी। उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन, हर्ड इम्युनिटी व कोविड अनुरूप व्यवहार से ही स्थिति नियंत्रण में है। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मैथमेटिकल साइंस, चेन्नई के विशेषज्ञों के अनुसार वायरस की रिप्रोडक्टिव दर यदि एक से नीचे रहती है तो वह नई चेन नहीं बना पाता। इस दौरान केरल और महाराष्ट्र को छोड़कर देश में यह दर एक से नीचे चल रही है।

हर्ड इम्युनिटी आएगी काम : डा.धीमन के अनुसार कोरोना के खिलाफ दो तरह की इम्युनिटी होती है। एक तो नेचुरली एक्वायर्ड इंफेक्शन यानि प्राकृतिक रूप से संक्रमण होने पर और दूसरी कोविड वैक्सीनेशन से। पहली व दूसरी लहर में देश में अधिसंख्य लोग हर्ड इम्युनिटी प्राप्त कर चुके हैं। अब वैक्सीनेशन उनकी सुरक्षा को और मजबूत कर रहा है, इसलिए हर्ड इम्युनिटी भी तीसरी लहर के प्रभाव को कम करने के काम आएगी।

कोरोना टीका लगा है तो उत्तराखंड आने को 'रिपोर्ट' से मुक्ति

राज्य ब्यूरो, देहरादून : कोरोना संक्रमण की रोकथाम के मद्देनजर प्रदेश में लागू कोविड कर्फ्यू को सरकार ने नई रियायत के साथ 27 जुलाई सुबह छह बजे तक बढ़ा दिया है। राज्य के भीतर आवाजाही के लिए कोरोना जांच की निगेटिव रिपोर्ट की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है। दूसरे राज्यों से आने वालों को भी राहत है।

15 दिन पहले वैक्सीन की दोनों डोज लगवा चुके व्यक्तियों को उत्तराखंड आने के लिए कोरोना जांच रिपोर्ट से छूट दी गई है। जिनके पास कोविड वैक्सीनेशन का प्रमाणपत्र नहीं है, उनके लिए 72 घंटे पहले तक की कोविड जांच की निगेटिव रिपोर्ट अनिवार्य होगी। इसके अलावा प्रदेश में मंगलवार से वाटर पार्क, सिनेमाहाल, मल्टीप्लेक्स को 50 फीसद क्षमता के साथ खोलने की छूट दे दी गई है। बाजार खुलने का समय भी बढ़ाया गया है और अब दुकानें सुबह आठ से रात नौ बजे तक खुलेंगी। सरकार के फैसले के बाद शासन ने कोविड कर्फ्यू के संबंध में शाम को मानक प्रचालन कार्यविधि (एसओपी) जारी कर दी। प्रदेश में लागू कोविड कर्फ्यू की अवधि मंगलवार सुबह छह बजे समाप्त हो रही है।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बसे तीन गांव में सौ फीसद टीकाकरण

राज्य ब्यूरो, जम्मू

▸ पांच किमी के दायरे में बसे हैं मंगुचक, दौलियां और कुल्लियां गांव



जीवन रक्षक टीका। फाइल फोटो

सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बसे तीन गांवों में कोरोनारोधी टीकाकरण का सौ फीसद लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। प्रशासन का दावा है कि सीमा पर बसे यह तीन गांव सौ फीसद टीकाकरण का लक्ष्य हासिल करने वाले पहले सीमावर्ती गांव बन गए हैं। मंगुचक, दौलियां और कुल्लियां गांव अंतरराष्ट्रीय सीमा से पांच किलोमीटर के दायरे में बसे हैं। इन गांवों में स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने पैदल चलकर ही लक्ष्य हासिल किया है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इन गांवों में लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं था, लेकिन सभी ने पूरी मेहनत के साथ काम किया है। सांबा जिले की उपायुक्त अनुराधा गुप्ता का कहना है कि ब्लाक राजपुरा के इन तीनों गांव मंगुचक, दौलियां और कुल्लियां में सौ फीसद टीकाकरण एक बड़ी उपलब्धि है। 18-44 वर्ष और 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में कुल 369 लोगों का टीकाकरण किया गया है। उन्होंने कहा कि मंगुचक गांव तो सीमा पर जीरोलाइन पर बसा हुआ है। प्रशासन हाई रिस्क वाले ग्रुप को लक्ष्य बनाकर पहले उनका टीकाकरण कर रहा है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों के कठिन प्रयास के कारण ही ऐसा संभव हो पाया है। विदित रहे कि शुरू में लोगों में वैक्सीन को लेकर कुछ हिचकिचाहट थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। सांबा जिले में 45 साल से अधिक आयु वर्ग में पहली डोज का सौ फीसद का लक्ष्य हासिल कर लिया है।

कोलकाता के फर्जी टीकाकरण मामले की जांच शुरू

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोलकाता के फर्जी टीकाकरण मामले की जांच शुरू कर दी है। इस कड़ी में केंद्रीय जांच एजेंसी मुख्य आरोपित फर्जी आइएएस देबांजन देब को हिरासत में लेकर पूछताछ करेगी। केंद्रीय जांच एजेंसी ने जांच का विवरण जानने के लिए कोलकाता पुलिस से रिपोर्ट मांगी है।

बता दें कि ईडी ने पिछले हफ्ते मामला दर्ज किया था। इस बार जांच एजेंसी ने कोलकाता पुलिस से पूछा है कि इस मामले में कहां-कहां तलाशी ली गई और कौन-कौन से सामान जब्त किए गए हैं। पुलिस से देबांजन देब से जुड़ी घटना के बारे में और जानकारी मांगी गई है। दरअसल ईडी मुख्य आरोपित देबांजन देब को हिरासत में लेने से पहले अपना होमवर्क करना चाहती है। **देबांजन के पास आती थी रकम :** जांच में पता चला है कि देबांजन के पास मोटी रकम आती थी। ईडी पता लगाना चाहती है कि इसके स्रोत कौन-कौन से हैं तथा इन पैसों का इस्तेमाल कहां और कैसे किया गया। सूत्रों ने बताया कि प्राथमिकी की सभी प्रतियों की जांच के बाद दिल्ली में ईडी की विशेष समिति की बैठक में जांच फैसला लिया गया है।

मिथिला पेंटिंग से संदेश, टीका–मास्क जरूरी और भीड़ से परहेज

प्रकाश कुमार, समस्तीपुर

▸ स्वास्थ्य मंत्री के साथ-साथ अन्य मंत्रियों ने भी पेंटिंग को इंटरनेट मीडिया पर साझा किया





रंगों से संदेश देती है डा. कुंदन कुमार राय (बाएं) द्वारा चित्रित तस्वीर। फाइल फोटो

उन्हें रंगों की पहचान नहीं, घरवालों से पूछते हैं या डिब्बे पर लिखे रंगों के नाम से पहचानते हैं, लेकिन जब कैनवास पर कूची चलती है तो मूक पात्र जीवंत हो उठते हैं। ये हैं बिहार के समस्तीपुर के डॉ. कुंदन कुमार राय। कोरोना टीकाकरण को प्रेरित करती उनकी पेंटिंग की इन दिनों खूब वाहवाही हो रही है। सूबे के स्वास्थ्य मंत्री से लेकर अन्य मंत्री तक इसे इंटरनेट मीडिया पर साझा कर रहे हैं। कुंदन कलर ब्लाइंड (वर्णांध) हैं, उन्हें प्रारंभिक रंगों लाल, हरा और नीले की पहचान नहीं है।

पेंटिंग से बताया टीकाकरण का महत्व : 10 दिन पहले बनाई गई पेंटिंग में मास्क पहने नर्स द्वारा एक महिला को वैक्सीन देने की पृष्ठभूमि दर्शायी गई है। इसके माध्यम से संदेश देने की कोशिश है कि आधी आबादी पूरी सुरक्षा के साथ टीकाकरण के लिए आगे आ रही है, इसलिए हम सब की भी संपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित हो। वे कहते हैं कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सभी अपनी भूमिका निभा रहे हैं। वे कला के जरिए लोगों को जागरूक कर रहे हैं। इसे देशभर में सराहा जा रहाहै

10 साल पहले मूर्ति पेंटिंग से शुरू हुआ सफर : करीब 10 साल पहले समस्तीपुर से स्नातक के बाद एमबीए की पढ़ाई करने वे नागपुर पहुंचे थे। उन्हें पेंटिंग का शौक था, लेकिन कलर ब्लाइंडनेस बाधा थी। रंगों की पहचान में उनकी बहन की मदद मिली। वहीं से पेंटिंग का सिलसिला शुरू हुआ। नागपुर में पुरानी मूर्तियों को पेंटिंग करने से शुरुआत करने वाले कुंदन मिथिला पेंटिंग में दक्ष हैं। कई अवसरों पर प्रेरक पेंटिंग बना चुके हैं। पिछले साल कोरोना ने जब कहर बरपाना शुरू किया तो कई पेंटिंग बनाई। जनता कर्फ्यू, लॉकडाउन, मास्क और शारीरिक दूरी की अनिवार्यता संबंधी कई पेंटिंग सराही गई। दुर्गापूजा में कोरोना रूपी राक्षस का संहार करतीं मां दुर्गा की पेंटिंग खूब चर्चा में रही थी। इससे पहले पर्यावरण संरक्षण, पौधा लगाने, पानी बचाने की प्रेरणा देती पेंटिंग बना चुके हैं। पिछले साल मतदाताओं को जागरूक करने के लिए बनाई गई पेंटिंग के लिए राज्यस्तरीय सम्मान से उन्हें सम्मानित किया गया था।

राष्ट्रीय फलक

श्रावणी मेला नहीं लगेगा, बाबा की आनलाइन पूजा कर सकेंगे श्रद्धालु

आरसी सिन्हा, देवघर

कोरोना की तीसरी लहर के आने की आहट से विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर में श्रावणी मेला नहीं लगना लगभग तय है। लेकिन, बाबा के भक्तों के लिए राहत भरी खबर है कि वह सावन शुरू होने के दिन 25 जुलाई से ही बाबा बैद्यनाथ की आनलाइन पूजा कर सकेंगे। जिला प्रशासन ने इसके लिए साफ्टवेयर तैयार कर लिया है, जिसका ट्रायल चल रहा है। कोशिश है कि मुख्यमंत्री से इस वेबसाइट का उद्घाटन कराया जाए। भक्त आनलाइन पूजा के साथ आनलाइन बेलपत्र अर्पण, रुद्राभिषेक जैसे अनुष्ठान भी कर पाएंगे। शर्त यह होगी कि भक्त वेबसाइट पर पूजा की तिथि व टाइम का स्लॉट बुक करें। बुकिंग के समय अपने पंडा का नाम बताएं, जिनसे पूजा कराना चाहते हैं। यजमान के मन मुताबिक पंडा अनुष्ठान करेंगे। हर तरह की आनलाइन पूजा के लिए शुल्क होगा, जिसपर अभी मंथन चल रहा है। आनलाइन पूजा शुल्क से ही भक्त को उनके पते पर स्पीड पोस्ट से प्रसाद भी भेजने की व्यवस्था होगी।

देवघर आने के हर मार्ग पर सावन शुरू होने से पहले लगेगा पहरा : बिहार और बंगाल से आने वाले भक्तों को रोका जाएगा। कांवरिया पथ पर बिहार-झारखंड की सीमा दुम्मा पर चेक पोस्ट बनेगा। मंगलवार को देवघर में संताल परगना के डीआइजी की अध्यक्षता में इंटर स्टेट बैठक होगी, जिसमें मेला से संबद्ध सभी जिले अधिकारी शामिल होंगे।

सुबह और शाम का होगा स्लॉट

आनलाइन पूजा के लिए तैयार ड्राफ्ट के मुताबिक प्रातः कालीन पूजा के बाद दो घंटे आम भक्तों के लिए आनलाइन पूजा होगी। शाम में शृंगार के बाद भी आनलाइन आरती का अवसर मिलेगा। दो दिन के अंदर पूजा शुल्क की भी घोषणा प्रशासनिक स्तर पर कर दी जाएगी।

पूजा के बाद स्पीड पोस्ट से भक्तों के पते पर प्रसाद भेजा जाएगा। हमारी कोशिश है कि भक्त बाबा के दर्शन कर सकें।

मंजूनाथ भजंत्री, उपायुक्त सह प्रशासक, बाबा बैद्यनाथ मंदिर, देवघर।

बिहार में भी इस साल कांवड़ यात्रा पर रोक

जागरण संवाददाता, पटना : बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड ने राज्य के मंदिरों में कांवड़ यात्रा पर रोक लगा दी है। कोरोना की तीसरी लहर के मद्देनजर यह रोक लगाई गई है, ताकि भीड़ न जमा हो सके। राज्य सरकार ने मंदिरों को खोलने की अनुमति अभी नहीं दी है। मंदिरों में रुद्राभिषेक भी नहीं होगा। मंदिर के पुजारी या महंत केवल नियमित पूजा करेंगे। बता दें उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड ने भी कांवड़ यात्रा इस साल स्थगित कर दी है।

बकरीद : 50 से अधिक लोग नहीं हो पाएंगे एकत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में बकरीद (ईद-उल-अजहा) से जुड़े किसी भी आयोजन में 50 से ज्यादा लोग एक समय में एकत्र नहीं हो सकेंगे। इसको लेकर उप्र सरकार ने दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। बता दें, कांवड़ यात्रा को तो उप्र सरकार ने कांवड़ संघों से अनुरोध कर स्थगित करा दिया, अब बकरीद को लेकर भी सतर्कता बरती जा रही है कि कहीं इस बड़े त्योहार की वजह से भी संक्रमण न फैल जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ-सफाई और शारीरिक दूरी के पालन के निर्देश के साथ स्पष्ट कहा है कि गोवंश, ऊंट या किसी प्रतिबंधित जानवर की कुर्बानी न हो पाए। ईद-उल-अजहा बुधवार को मनाया जाएगा। इस त्योहार को व्यवस्थित और सुरक्षित ढंग से मनाने के लिए सरकार ने निर्देश जारी किए हैं।

सीएम ने कहा कि कुर्बानी चिन्हित स्थलों व निजी परिसरों में ही की जाए। इस दौरान स्वच्छता का भी विशेष ध्यान रखा जाए। सीएम के निर्देश के बाद शहर के उलमा ने भी लोगों से अपील की है कि ईद की नमाज में 50 से अधिक लोग न एकत्र हों। इमाम ऐशबाग ईदगाह मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने लोगों से प्रतिबंधित जानवरों की कुर्बानी न करने की भी अपील की है। उन्होंने कुर्बानी के फोटो इंटरनेट मीडिया पर न डालने को कहा है। मौलाना ने अपील की है कि घरों में ही नमाज अदा की जाए। साथ ही कोरोना प्रोटोकाल का पूरी तरह से पालन किया जाए।

'बेजुबानों का जीवन बचाने की पहल करें मुस्लिम धर्मगुरु'

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

▸ अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने की अपील

▸ महंत नरेंद्र गिरि ने कहा, कट्टरपंथियों के हाथों में खेल रहे मुनव्वर राना

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि ने मुस्लिम धर्मगुरुओं से बकरीद में जीव हत्या बचाने की अपील की है। महंत ने कहा कि कोई भी धर्म किसी जीव की हत्या करना नहीं सिखाता, बल्कि सभी दूसरों के जीवन की रक्षा की सीख देते हैं। कुछ साल पहले तक हिंदुओं में बलि देने की प्रथा थी, लेकिन धर्मगुरुओं ने आपसी चिंतन व सहमति से जीव हत्या रुकवा दी। सोमवार को जारी बयान में अखाड़ा परिषद अध्यक्ष ने कहा कि सनातन मतावलंबियों में अब नारियल की बलि देकर परंपरा का निर्वाह किया जाता है। इससे न किसी की आस्था को ठेस पहुंचती है और न ही परंपरा से छेड़छाड़ होती है। जीव हत्या भी रुक गई। ऐसा ही प्रयास मुस्लिम धर्मगुरुओं को करना चाहिए। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि ने प्रदेश सरकार द्वारा कोरोना के मद्देनजर कांवड़ यात्रा रोके जाने के फैसले को उचित बताया है। तीसरी लहर को रोकने के लिए सभी वर्गों का योगदान बेहद जरूरी है।

कट्टरपंथियों के हाथों में खेल रहे मुनव्वर राना

महंत नरेंद्र गिरि ने शायर मुनव्वर राना के उस बयान पर भी आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने कहा कि 'प्रदेश में भाजपा की सरकार दोबारा बनी तो वह यूपी छोड़कर कोलकाता चले जाएंगे।' महंत ने कहा कि मुनव्वर राना कट्टरपंथियों के हाथों में खेल रहे हैं, वह अपने बेटे को पुलिस से बचाने व एक वर्ग विशेष को खुश करने के लिए समाज को तोड़ने वाला बयान दे रहे हैं। योगी सरकार बनने के बाद प्रदेश में एक भी बड़ा दंगा नहीं हुआ। इसके बावजूद राना खुद को यूपी में असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और अगर वह कोलकाता में बसना चाहते हैं तो उसकी तैयारी कर लें, क्योंकि प्रदेश में पुनः योगी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनेगी।

लुधियाना में घर से भागी चचेरी बहनों ने आपस में रचाई शादी

जागरण संवाददाता, लुधियाना

▸ कुछ दिन पहले घर से लापता हो गई थीं दोनों, भाई ने किया कन्यादान

▸ शादी का वीडियो वायरल कर पहुंचीं घर तो हुआ विरोध

लुधियाना जिले के जगराओं क्षेत्र में घर से भागी दो चचेरी बहनों के आपस में ही शादी रचा ली। हैरानी की बात है कि एक युवती के भाई ने कन्यादान किया। बताया जा रहा है कि इस शादी को लेकर गांव में तनाव व्याप्त है।

मालूम हो कि सवद्दी कलां की रहने वालीं दो चचेरी बहनें 23 जून को घर से लापता हो गई थीं। एक युवती के पिता ने पुलिस में उनके गुम होने की शिकायत दर्ज कराई थी। अब इन दोनों ने शादी रचाने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल किया और गांव पहुंच गईं। बताते हैं कि परिवार के कड़े विरोध के बाद दोनों कहीं चली गईं।

वायरल वीडियो से पता चलता है कि इन्होंने किसी मंदिर में जाकर एक दूसरे को हार पहना कर शादी रचाई। इसमें एक वर बनी हुई है और दूसरी वधू। वर बनी युवती ने दूसरी को मंगलसूत्र पहनाया और उसकी मांग में सिंदूर भी भरा। वधू बनी युवती के भाई ने मंदिर में उसका कन्यादान किया।

परिवार के साथ पंचायत भी खफा : दोनों युवतियों के आपस में शादी करने से उनके परिवार के सदस्य खफा हैं। गांव की पंचायत भी बहुत नाराज है। एक युवती के पिता ने कहा कि यह गलत हुआ है। दोनों साथ रहना चाहती हैं तो गांव में न आएं। मंगलवार को गांव की पंचायत भी बुलाई जा रही है। इसमें प्रस्ताव पारित किया जाएगा कि दोनों लड़कियां गांव में न रहें।

कोरोना से बेसहारा हुए बच्चों के पुनर्वास को लेकर सरकार गंभीर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : कोरोना महामारी में माता-पिता की मौत के कारण बेसहारा हुए बच्चों के हितों की रक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं और ऐसे बच्चों के तत्काल पुनर्वास के लिए राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखा गया है। एक जनहित याचिका पर हलफनामा दायर कर यह जानकारी केंद्र सरकार ने हाई कोर्ट में दी।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने हलफनामे में कहा कि कोरोना महामारी के कारण बेसहारा हुए बच्चों के संबंध में 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर पर जानकारी साझा की जा सकती है। केंद्र सरकार ने कहा कि महामारी से प्रभावित बच्चों को देखते हुए 'कमजोर परिस्थितियों और संकट में बच्चों के लिए समर्थन, वकालत और मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप' नामक राष्ट्रीय पहल शुरू की गई है।

बिना मानक चल रहे थे ट्रामा सेंटर, 45 अस्पतालों में से 26 में गंभीर खामियां

जागरण टीम, लखनऊ

▸ 'जागरण' के 'ट्रामा का ड्रामा' अभियान का उप्र के मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान

▸ बोले, जनता के स्वास्थ्य और चिकित्सा कार्य से खिलवाड़ की छूट नहीं

कोरोना की आपदा ने सरकार को सबक दे दिया कि स्वास्थ्य ढांचे का मजबूत होना कितना जरूरी है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग के शीर्ष अधिकारियों की आंखों से लापरवाही की पट्टी नहीं हट रही। बिना मानक के, मनमाने ढंग से चल रहे ट्रामा सेंटरों के खिलाफ जागरण ने अभियान शुरू किया तो उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसका संज्ञान लिया है। स्थितियों पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने बिना मानकों के चल रहे ट्रामा सेंटरों को चिन्हित कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

उप्र सरकार के संज्ञान लेने के बाद लखनऊ में प्रशासन की आधा दर्जन टीमों ने ऐसे सेंटरों पर छापामारी की। देर रात तक अस्पतालों की चेकिंग जारी थी। 45 अस्पतालों की जांच में 26 में गंभीर खामियां सामने आई हैं। इनसे 24 घंटे में जवाब मांगा गया है। प्रशासनिक टीम ने हरदोई रोड पर न्यू एशियन अस्पताल, मेडविन अस्पताल और ट्रामा सेंटर को सील कर दिया है। योगी सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करना चाहती है। हर जिले में एक मेडिकल कालेज बनाया जा रहा है। लेकिन सरकार को 'आल इज वेल' की रिपोर्ट देने वाले स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी यह तक देखने नहीं निकलते कि ट्रामा सेंटर मानक पूरे कर रहे हैं या नहीं। लिहाजा जन स्वास्थ्य के इस बेहद अहम मुद्दे को 'जागरण' ने उठाया। 'ट्रामा का ड्रामा' समाचारीय श्रृंखला में अव्यवस्थाएं उजागर हुईं तो मुख्यमंत्री ने इसे गंभीरता से लिया है।

सोमवार को लोकभवन में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में योगी ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में मानकविहीन ट्रामा सेंटरों के संचालन की जानकारी सामने आई है। यह स्थिति स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी को भी लोगों के स्वास्थ्य और चिकित्सा कार्य से खिलवाड़ की छूट नहीं दी जा सकती। इस संबंध में गहन पड़ताल की जानी चाहिए। मानवाधिकार आयोग ने भी दैनिक जागरण के अभियान को संज्ञान मे लेते हुए सरकार से इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। जल्दी ही यह रिपोर्ट सौंप दी जाएगी। जिसके आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारी की जाएगी।

मुंबई-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस को मिले तेजस स्मार्ट कोच

नई दिल्ली, आइएएनएस : यात्रियों की सुविधाओं को और बेहतर बनाने के प्रयास के तहत रेलवे ने कहा है कि वह अपग्रेड तेजस स्मार्ट कोच के साथ राजधानी एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन करेगा। रेल मंत्रालय के प्रवक्ता डीजे नारायण ने कहा कि भारतीय रेलवे में उन्नत आरामदेह रेल यात्रा अनुभव के एक नए युग का आरंभ किया जा रहा है। पश्चिम रेलवे में नए अपग्रेड तेजस स्लीपर कोच रैक का इस्तेमाल शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि ये चमकीले गोल्डन कोच स्मार्ट फीचर से लैस हैं। मुंबई राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन में इनका इस्तेमाल शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि सोमवार को नए रैक का पहला संचालन किया गया।

दैनिक जागरण

शिक्षा ही व्यक्ति के समग्र विकास का साधन है

सही साबित हुई आशंका

जैसी आशंका थी, वैसा ही हुआ। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत हंगामे से हुई और हंगामा भी ऐसा कि दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इसका अंदेशा पहले से था कि विपक्ष हंगामा करेगा, लेकिन यह आभास नहीं था कि वह प्रधानमंत्री को अपने नए मंत्रियों का परिचय कराने का भी अवसर नहीं देगा। विपक्ष की ओर से उठाए गए मुद्दों की महत्ता से इन्कार नहीं, लेकिन प्रधानमंत्री को अपने मंत्रियों को सदन से परिचित कराने का अवसर दिया जाना चाहिए था, क्योंकि यह एक परंपरा है और संसद को अपनी परंपराओं के पालन के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। यदि इस परंपरा के निर्वहन के बाद विपक्ष अपनी बात कहता तो कोई देर या अंधेर होने वाली नहीं थी। विपक्ष ने हंगामा करने के लिए महंगाई, किसान आंदोलन आदि के अलावा जासूसी प्रकरण का भी सहारा लिया। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि यह मसला खासतौर पर विपक्ष को हंगामा करने के लिए उपलब्ध कराया गया। इसकी सुगबुगाहट दो-तीन दिनों से जारी थी कि संसद का मानसून सत्र शुरू होते ही मीडिया के एक हिस्से में ऐसा कुछ आएगा, जिससे विपक्ष को हंगामा करने में आसानी होगी। अंततः ऐसा ही हुआ। इस आशय की खबरें आईं कि एनएसओ नामक एक इजरायली कंपनी के पेगासस स्पाईवेयर के जरिये कुछ चुनिंदा लोगों की जासूसी की कोशिश की गई। हालांकि खबरें यही कहती हैं कि पेगासस के जरिये जासूसी करने की कोशिश की गई और यह स्पष्ट नहीं कि इसमें सफलता मिली या नहीं, लेकिन विपक्ष अपनी सुविधा के लिए इसी निष्कर्ष पर पहुंचा कि चुनिंदा लोगों के मोबाइल फोन की जानकारी हासिल की गई अथवा उनकी बातें गोपनीय रूप से सुनी गईं। बेहतर हो कि इस मामले को उछालने वाले पहले इस बारे में सुनिश्चित हो लें कि जासूसी की गई या नहीं? इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि सरकार के साथ संबंधित इजरायली कंपनी ने भी इससे इन्कार किया है कि पेगासस के जरिये भारत समेत अन्य देशों के खास लोगों की जासूसी की गई। यह मामला कुछ इसी रूप में पहले भी सामने आ चुका है और तब भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सका था। कहीं इस मामले को सिर्फ सनसनी पैदा करने के लिए ही तो नए सिरे से नहीं उछाला गया? वस्तुस्थिति जो भी हो, विपक्ष के लिए यह तय करना आवश्यक है कि वह अपने मसलों पर संसद में चर्चा करना चाहता है या फिर हंगामा? निःसंदेह यदि हंगामा होगा तो संसद में सरकार के जरूरी कामों में अड़ंगा लगेगा और ऐसा होने का मतलब है देश का जानबूझकर नुकसान किया जाना। क्या विपक्ष यही चाहता है?

गरिमा भरा परिधान

किसी भी व्यक्ति का परिधान उसके पूरे व्यक्तित्व का द्योतक तो होता ही है, लेकिन यह ड्रेस यदि संस्थागत रूप से तय की जाती है तो पहचान भी बन जाती है। इसी नजरिये से पुलिस और ट्रैफिक विभाग की यूनिफार्म भी अलग-अलग हैं और अधिकारी एवं कर्मचारी दोनों के लिए पहनना अनिवार्य है। अधिवक्ताओं का काला कोट और डाक्टरों का सफेद कोट भी उनकी पहचान सुनिश्चित कर देता है। ऐसे में उत्तर प्रदेश विधानसभा सचिवालय ने कर्मचारियों के लिए गरिमामय परिधान की अपेक्षा की है तो इसके पीछे निहित भावना को समझने की जरूरत है। निश्चित रूप से इसके पीछे यही उद्देश्य है कि उप्र सचिवालय में कर्मचारियों की भीड़ में सदन के कर्मी अलग और विशिष्ट दिखाई दें। विधानसभा अध्यक्ष ने कर्मचारियों से जींस, टीशर्ट जैसे परिधान न पहनने की अपेक्षा इसलिए भी की है, ताकि कर्मियों में अनुशासन की प्रवृत्ति जागे। गरिमामय परिधान व्यक्ति के आचरण को भी प्रभावित करता है, जिसका असर विधानसभा सचिवालय के कार्यों में सीधे तौर पर देखने को मिलेगा। विधानसभा सचिवालय में कर्मचारियों की संख्या वैसे तो अधिक नहीं होती, लेकिन उनके जरिये यह एक बड़ा संदेश देने का प्रयास जरूर है। यह संदेश है मनमानी पर नियंत्रण। अचरज की बात है कि विधानसभा सचिवालय के कर्मचारी यूनिफार्म भत्ता तो लेते थे, लेकिन अधिकांश लोग उसे पहनकर कार्यालय नहीं आते थे। उन पर नकेल कसे जाने के बाद सरकार से अन्य मदों में भत्ता लेकर मनमानी करने वाले कार्मिकों पर भी अंकुश लगाया जा सकेगा। प्रतिक्रियावादी सरकार के इस फैसले की आलोचना भी कर सकते हैं, जैसे कि पहले भी ड्रेस कोड के फैसलों पर होता रहा है, लेकिन यह निर्णय इसलिए भिन्न है, क्योंकि इसके निहितार्थ कार्य में संस्कृति और संस्कार विकसित करने से जुड़े हुए हैं। थानों में भी एक शीशा सिर्फ इसीलिए लगाया जाता है कि पुलिसकर्मी वर्दी को समय-समय पर चेक करते रहें।

यदि कर्मचारियों को अपने वाहनों पर विधान सभा सचिवालय का पास लगाने पर गौरव बोध होता है तो नियत किए गए परिधान को पहनकर भी उन्हें यही अनुभूति होनी चाहिए

अफगानिस्तान में तालिबानी वर्चस्व के खतरे



आर विक्रम सिंह

भारत तालिबान से संपर्क साधने की कोशिश में तो है, लेकिन कुछ बेहतर होने की संभावनाएं बहुत कम हैं

अफगान समस्या आखिर है क्या? अफगानिस्तान में भारत की क्या भूमिका है? आज ऐसे कई सवाल उभर आए हैं। अफगानिस्तान की विकास योजनाओं-सड़क, बांध, स्कूल, अस्पताल, संसद भवन आदि के निर्माण में हमारी भूमिका रही है। शांतिकाल में तो भारत अफगानों में बहुत लोकप्रिय है, लेकिन जब सत्ता के जमीनी समीकरण की बात आती है तो इस्लामिक अफगानिस्तान में हमारी कोई भूमिका नहीं बनती। रणनीति हमारे गांधीवादी नेतृत्व का विषय कभी रहा ही नहीं। जब पाकिस्तान अस्तित्व में आ गया तो हमारे पास अफगानिस्तान के लिए कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान से होकर ही एक रास्ता बचता था। उसके पाकिस्तान के पास जाने से वह रास्ता भी हाथ से निकल गया। पाकिस्तान से हुए युद्धों में हमारे पास गिलगित-बाल्टिस्तान को उसके कब्जे से मुक्त कराने के बड़े अवसर आए, पर न तो इच्छाशक्ति थी और न ही कोई रणनीतिक सोच। वरना आज चीन का सीपैक प्रोजेक्ट तो अस्तित्व में ही न आ पाता। अफगानिस्तान को देखने का दुनिया का और हमारा नजरिया अलग है। यह क्षेत्र जिसे हमारा इतिहास गांधार, कंबोज के नाम से जानता रहा है, भारत का ऐतिहासिक पश्चिमी प्रवेश द्वार था। हूण-कुषाण भी इन्हीं क्षेत्रों में आकर बसे। पर्वतीय दर्रों की सुरक्षा शताब्दियों से जिस गांधार का दायित्व रही, वह गांधार लगातार हुए मजहबी आक्रमण के फलस्वरूप आज कंधार बन गया। हमारी संस्कृति पर स्मृतिलोप का प्रभाव इतना भयंकर है कि हमें अपना भूला हुआ इतिहास भी याद नहीं आता।

अफगानिस्तान और हमारे बीच दोनों देशों को विभाजित करने वाली ब्रिटिश औपनिवेशिक दौर की दो सीमा रेखाएं हैं। पहली तो डूरंड लाइन है, जो अफगानिस्तान और आज के पाकिस्तान की सीमा है। दूसरी रेडक्लिफ लाइन है, जो बंटवारे के दौर में मारे गए हिंदुस्तानियों के खून से नहाई पंजाब और सिंध से होकर खींची गई थी। अफगानिस्तान ने तो पहाड़ों से गुजरती पख्तून समाज को दो टुकड़ों में बांटने वाली इस रेखा को आज तक स्वीकार नहीं किया, मगर हमारे शासकों ने इस रेडक्लिफ लाइन को एक ऐसी रेखा मान लिया गया, जिसे बदलने का कोई समय जैसे कभी आएगा ही नहीं। आज अर्थहीन हो चुकी डूरंड रेखा मात्र पख्तूनों को बांटने के काम आ रही है। यही अफगानिस्तान की मूल समस्या है। हमारे नेताओं ने कभी महसूस ही नहीं किया कि हमारा अफगानिस्तान से जमीनी संपर्क होना इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि अब वहीं से होकर पश्चिमोत्तर एशिया के लिए रास्ता जाता है। पाकिस्तान के कारण ईरान-इराक से संपर्क बाधित हो जाना हमारी एक बड़ी समस्या थी, लेकिन उस पर कभी गौर नहीं किया गया। भारत का बंटवारा अफगानिस्तान का दुर्भाग्य लेकर आया। वह अफगानिस्तान जो कभी एशिया का चौराहा हुआ करता था, आज एक अविकसित जिहादी इस्लामिक देश है।



अवधेश राजपूत

9/11 के बाद से बेहद महंगी अमेरिकी जंग के बाद अब अमेरिका की अफगानिस्तान से वापसी हो रही है। अफगान सेनाएं अमेरिकी सेनाओं की पूरी वापसी से पहले ही मैदान छोड़ती दिख रही हैं। तालिबान लड़ाकों की रणनीतिक क्षमता इससे प्रकट हो रही है कि उन्होंने सबसे पहले काबुल के उत्तरी ताजिक, उजबेक और हजारा इलाकों में ही कब्जे का अभियान चलाया। देश के अधिकांश प्रवेश मार्गों पर उनका कब्जा हो गया है। ये नार्दर्न एलायंस के वे क्षेत्र हैं, जो आने वाली जंग में तालिबान के लिए बड़ी समस्या बनते। पाकिस्तानी सेना तालिबान के समर्थन में है। ताशकंद शांतिवार्ता में राष्ट्रपति गनी ने साफ आरोप लगाया कि पाकिस्तान अफगानिस्तान में बड़े पैमाने पर आतंकी भेज रहा है। हमारे विदेश मंत्री जयशंकर निकटवर्ती राजधानियों का दौरा कर रहे हैं, लेकिन रूस समेत इन सभी देशों के विकल्प सीमित हैं। आशंकाओं के मद्देनजर भारत ने भी अपने राजनयिक बुला लिए हैं। हम तालिबान से संपर्क साधने की कोशिश में तो हैं, पर कुछ बेहतर होने की संभावनाएं बहुत कम हैं। तेजी से वर्चस्व बढ़ाता तालिबान काबुल सरकार से किसी समझौते की रेंज से दूर जा रहा है। तालिबान के वर्चस्व का परिणाम अफगानिस्तान और इस क्षेत्र के देशों के लिए अच्छा संकेत नहीं होगा। अपने धार्मिक मिशन के तहत वे आसपास के देशों में जिहाद निर्यात करने वाली एक बड़ी एजेंसी बन जाएंगे। वे कश्मीर को भी लक्षित करने की कोशिश करेंगे।

अमेरिकी रणनीति की सबसे बड़ी असफलता यह है कि वह इन 20 वर्षों में उत्तरी अफगानिस्तान के ताजिक-उजबेक-हजारा बहुल नार्दर्न एलायंस को अहमद शाह मसूद जैसा कोई सशक्त सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व नहीं दे सका, जबकि यह क्षेत्र एक अलग राजनीतिक पहचान की मांग करता है। आज अफगानिस्तान का संकट मूलतः उस औपनिवेशिक षड्यंत्र का परिणाम है, जिसमें अंग्रेजों ने अपना तात्कालिक हित देखते हुए डूरंड रेखा के जरिये पख्तून राष्ट्र को दो हिस्सों में विभाजित कर दिया। जब पाकिस्तान बना तो डूरंड रेखा के दक्षिण का पख्तून इलाका अनायास उसके पास आ गया। वैश्विक महाशक्तियों के राजनयिक इसे कभी समझ नहीं पाएंगे कि अफगानिस्तान की समस्या दरअसल पख्तून राष्ट्रवाद के नकार की समस्या है, जिसे इस्लामिक आवरण में छिपाए रखने की कोशिश हो रही है। मंजूर पश्तीन के पख्तून आंदोलन को खैबर पख्तूनख्वा में मिल रहा व्यापक समर्थन इसी पहचान के संकट को ही तो संबोधित कर रहा है। यह संकट डूरंड रेखा के दोनों ओर है। अफगानिस्तान की किसी सरकार ने यहां तक कि तालिबान ने भी आज तक डूरंड रेखा को मान्यता नहीं दी है।

भारत का विभाजन तो सांप्रदायिक आधार पर हुआ, पर अफगानिस्तान में तो एक ही मजहब के पख्तून राष्ट्र को मात्र औपनिवेशिक वर्चस्व के लिए दो टुकड़ों में बांट दिया गया। उपनिवेशों के समापन के 75 वर्ष बाद भी अफगानिस्तान को उसका परिणाम भुगतने को क्यों बाध्य किया जा रहा है? एक सक्षम राष्ट्र के रूप में अफगानिस्तान का अस्तित्व उसे आतंकवाद की दिशाविहीनता से मुक्त कर देगा। विश्व के द्वारा पख्तून राष्ट्रवाद का स्वीकार ही वह राजनीतिक लक्ष्य है, जिसमें भारत की सक्रिय भूमिका बन सकती है। अफगानिस्तान की शांति और स्थिरता के लिए डूरंड के अभिशाप से पख्तून समाज की मुक्ति ही समाधान का एकमात्र मार्ग है।

(लेखक पूर्व सैनिक एवं पूर्व प्रशासक हैं)

response@jagran.com

दक्षिण अफ्रीका में प्रताड़ित भारतवंशी



आरके सिन्हा

जिस देश में गांधी जी ने नस्लवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी वहां गांधी के देशवासियों संग घोर अन्याय हो रहा है

यह कितनी बड़ी विडंबना है कि जब भारत में दक्षिण अफ्रीका के मुक्ति योद्धा नेल्सन मंडेला की जयंती पर उनका स्मरण करने का उपक्रम हो रहा था, तब कई दक्षिण अफ्रीकी शहरों में भारतवंशियों पर हमले हो रहे थे। वहां बसे भारतीयों के घरों और दुकानों को निशाना बनाया जा रहा है। एक अनुमान के मुताबिक दक्षिण अफ्रीका में 20 लाख से अधिक भारतीय मूल के लोग हैं। भारतीय मूल के लोगों को जोहानिसबर्ग और क्वाजुलु नटाल में निशाना बनाया जा रहा है। आप पूछेंगे कि हिंसक तत्वों के निशाने पर भारतीय ही क्यों हैं? इसका जवाब जानना जरूरी है। यह सब दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा को 15 महीने कैद की सजा सुनाए जाने के बाद हुआ। जुमा पर 2009 और 2018 के बीच राष्ट्रपति पद पर रहते हुए सरकारी राजस्व में लूट-खसोट का आरोप है। उन पर यह भी आरोप है कि उन्होंने भारत के उद्योगपति गुप्ता बंधुओं को खूब लाभ पहुंचाया। जिन अरबों रुपये के भ्रष्टाचार के मामलों में जुमा आरोपी हैं, उसी में गुप्ता बंधुओं का नाम भी शामिल है। आखिर जब जुमा पर दक्षिण अफ्रीकी कानूनों के तहत ही कार्रवाई की गई, तब वहां के भारतवंशियों के साथ ज्यादती करने का भला क्या तुक है?

अफसोस होता है कि जिस देश में महात्मा गांधी ने अश्वेतों के हक और नस्लवाद के लिए खिलाफ लड़ाई लड़ी, वहां गांधी के देशवासियों संग घोर अन्याय हो रहा है। दक्षिण अफ्रीकी सरकार हिंसा को रोकने में कमजोर क्यों पड़ रही है? क्या वह भूल गई है कि उनके देश के सर्वकालिक महानतम नेता मंडेला स्वयं गांधी जी को अपना आदर्श मानते थे? मंडेला का भारत से आत्मीय संबंध था। वह लंबी जेल यात्रा से रिहा होने के बाद 1990 में दिल्ली आए थे। वह उनकी जेल से रिहा होने के बाद पहली विदेश यात्रा थी। भारत सरकार ने उन्हें सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से भी सम्मानित किया। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मंडेला के नाम पर एक मार्ग का नामकरण भी किया गया। मित्र राष्ट्र परस्पर सौहार्द के लिए एक-दूसरे के देशों के महापुरुषों, जननेताओं तथा राष्ट्राध्यक्षों के नामों पर अपने यहां सड़कों, पार्कों और संस्थानों के नाम रखते हैं। उसी परंपरा के अनुसार भारत सरकार ने भी एक खास सड़क का नामकरण किया। मंडेला 1995 में फिर भारत आए। उनके नाम पर जामिया



सड़कों पर उतरे जैकब जुमा के हिंसक समर्थक। फाइल

मिल्लिया इस्लामिया में 2004 में नेल्सन मंडेला सेंटर फॉर पीस एंड कनफ्लिट रिज्योलूशन की स्थापना की गई। इस केंद्र की स्थापना मुख्य रूप से इसलिए की गई, ताकि दुनिया भर में शांति और सद्भाव के लिए भारत के प्रयासों का गहराई से अध्ययन हो सके। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में भी अफ्रीका अध्ययन केंद्र है। वहां नेल्सन मंडेला चेयर भी है। दिल्ली विश्वविद्यालय में 1954 से डिपार्टमेंट आफ अफ्रीकन स्टडीज सक्रिय है।

दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के साथ फिलहाल जो कुछ हो रहा है, वह स्पष्ट है कि कुछ भारत विरोधी शक्तियां ही यह सब करवा रही हैं। भारत तो सभी 54 अफ्रीकी देशों से बेहतर संबंध स्थापित करने को लेकर प्रतिबद्ध है। भारत अफ्रीका में बड़ा निवेशक है। अफ्रीका में टाटा, महिंद्रा, भारती एयरटेल, बजाज आटो, ओएनजीसी जैसी प्रमुख भारतीय कंपनियां कारोबार कर रही है और लाखों अफ्रीकी नागरिकों को रोजगार भी दे रही हैं। भारती एयरटेल ने अफ्रीका के करीब 17 देशों में दूरसंचार क्षेत्र में 13 अरब डॉलर का निवेश किया है। भारतीय कंपनियों ने अफ्रीका में कोयला, लोहा और मैंगनीज खदानों के अधिग्रहण में भी अपनी रुचि दिखाई है। इसी तरह भारतीय कंपनियां दक्षिण अफ्रीकी कंपनियों से यूरेनियम और परमाणु प्रौद्योगिकी प्राप्त करने की राह देख रही है। अफ्रीकी कंपनियां एग्रो प्रोसेसिंग और कोल्ड चेन, पर्यटन एवं होटल और रिटेल क्षेत्र में भारतीय कंपनियों के साथ सहयोग कर रही हैं। कुछ समय पहले तक दक्षिण अफ्रीका के प्रमुख शहरों में भारतीय कंपनियों के विशाल विज्ञापन होर्डिंग्स को प्रमुख चौराहों पर लगा हुआ देखा जा सकता था।

अन्य अफ्रीकी देशों में भी भारत और भारतवंशी सक्रिय हैं। अंग्रेज 1896 से लेकर 1901 के बीच करीब 32 हजार मजदूरों को भारत के विभिन्न राज्यों से केन्या, तंजानिया, युगांडा लेकर गए थे। उन्हें केन्या में रेल पटरियां बिछाने के लिए ले जाया गया। पूर्वी अफ्रीका का समूचा रेल नेटवर्क पंजाब के लोगों ने ही विकसित किया। इन्होंने बेहद कठिन हालत में रेल नेटवर्क तैयार किया। उस दौर में गुजराती भी केन्या में आने लगे, लेकिन वे वहां कारोबार करने के इरादे से पहुंचे। रेलवे नेटवर्क का काम पूरा होने के बाद अधिकांश पंजाबी श्रमिक वहीं बस गए। अब तो पूर्वी अफ्रीका के हर बड़े छोटे शहर में भारतवंशी और उनके पूजा स्थल हैं। केन्या के तो तमाम बड़े शहरों जैसे नैरोबी और मोम्बासा में बहुत सारे मंदिर और गुरुद्वारे हैं। इन भारतवंशियों के चलते भी अफ्रीका में भारत को लेकर एक बेहतर माहौल रहा है। दक्षिण अफ्रीका की हिंसा पूर्वी अफ्रीका के इस माहौल को खराब करने का काम कर सकती है।

भारत की ख्वाहिश रही है कि अफ्रीका के बाजार में भारत को और जगह मिले। भारत की समूचे अफ्रीका के प्रति सद्भावना को लगता है कि दक्षिण अफ्रीका में समझा ही नहीं गया। इसीलिए वहां भारतवंशी हमलों के शिकार हो रहे हैं। ये हमले फौरन थमने चाहिए। दक्षिण अफ्रीका की सरकार को हिंसक तत्वों से सख्ती से निपटना चाहिए। उन्हें अपने देश के भारतीय मूल के नागरिकों को सुरक्षा देनी होगी। इस माहौल में भारतीय विदेश मंत्रालय को भी चाहिए कि वह दक्षिण अफ्रीकी सरकार से राजनयिक स्तर पर इस मामले को और गंभीरता से उठाए ताकि भारतवंशियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो।

(लेखक राज्यसभा के पूर्व सदस्य एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

सदाचार

सदाचार का अर्थ है सज्जन का आचरण अथवा शुभ आचरण। सत्य, अहिंसा, ईश्वर विश्वास, मैत्री भाव, महापुरुषों का अनुसरण करना आदि बातें सदाचार में गिनी जाती हैं। सदाचार को धारण करने वाला व्यक्ति सदाचारी कहलाता है। इसके विपरीत आचरण करने वाले व्यक्ति को दुराचारी कहते हैं। सदाचारी व्यक्ति समाज में पूजित होता है। सच्चरित्रता सदाचार का सर्वोत्तम साधन है। एक कहावत के अनुसार धन नष्ट हो जाए तो मनुष्य की विशेष हानि नहीं होती है, स्वास्थ्य बिगड़ जाने पर कुछ हानि होती है, किंतु चरित्र का पतन होने पर मनुष्य का सर्वस्व नष्ट हो जाता है। मनुष्य का वास्तविक प्रतिबिंब उसका चरित्र ही है। जो व्यक्ति सदाचारी नहीं, उसका पतन सुनिश्चित है। रावण के पास धन, वैभव और विद्या सब कुछ था, किंतु अनाचार के कारण उसका सब कुछ नष्ट हो गया। महाभारत की एक कथा के अनुसार एक राजा का शील नष्ट हुआ तो उसका धर्म नष्ट हो गया।

सदाचार मनुष्य की काम, क्रोध, मोह आदि बुराइयों से रक्षा करता है। अहिंसा की भावना से मन की क्रूरता समाप्त होती है तथा उसमें करुणा, सहानुभूति एवं दया की भावना जागृत होती है। क्षमा, सहनशीलता आदि गुणों से मनुष्य का नैतिक उत्थान होता है तथा मनुष्यों से लेकर पशु-पक्षी तक के प्रति उदारता की भावना पैदा होती है। इस प्रकार सदाचार का गुण धारण करने से मनुष्य का चरित्र उज्ज्वल होता है और उसमें कर्तव्यनिष्ठा उत्पन्न होती है। सदाचार के बिना मनुष्य कभी भी अपने जीवन लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकता है। सत्य भाषण, उदारता, विशिष्टता, विनम्रता और सहानुभूति आदि गुण जिस व्यक्ति में होते हैं, वही सदाचारी कहलाता है। हमें ऐसे मूल्य आत्मसात करने ही चाहिए। राम, कृष्ण और गांधी के चरित्र को आदर्श मानकर न्यायप्रिय आचरण करना चाहिए। राष्ट्र का सच्चा निर्माण, और सच्ची प्रगति तभी संभव है, जब प्रत्येक भारतवासी सदाचारी बनने का संकल्प ले।

- सूर्यदीप कुशवाहा

बेसहारा पशुओं की बेलगाम समस्या

देवेंद्रराज सुथार

सड़कों पर घूमते बेसहारा पशु न केवल भयानक हादसों का कारण बनते हैं, बल्कि उनसे देश की छवि भी खराब होती है

देश के तमाम हिस्सों से आए दिन बेसहारा पशुओं के उत्पात के किस्से सामने आते रहते हैं। बात सिर्फ फसल नष्ट करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके कारण लोग हादसों के शिकार भी रहे हैं। उनके आतंक से देश के पर्यटन उद्योग पर भी विपरीत असर पड़ रहा है। कुछ दिन पहले भारत घूमने आई एक जर्मन महिला को बेसहारा मवेशी ने घायल कर दिया। ऐसे मामले अंतहीन हैं। स्पष्ट है कि ऐसे विदेशी पर्यटक अच्छी स्मृतियों के साथ स्वदेश नहीं लौटेंगे। इससे भारत में पर्यटन संबंधी गतिविधियों पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। आंकड़े भी यही बताते हैं कि भारत में सड़क हादसों के कारण होने वाली मौतों की एक बहुत बड़ी वजह सड़कों पर घूमने वाले ये बेसहारा मवेशी हैं। ये यातायात व्यवस्था बाधित करने के साथ ही अचानक सड़क के बीच आकर चलते हुए वाहनों को अनियंत्रित करने और गिराने का काम करते हैं।

स्थिति इन बेसहारा पशुओं की भी अच्छी नहीं है। वे भी गलियों और सड़कों के किनारे पसरे कूड़े-कचरे को निगलकर अपनी जान से हाथ धो रहे हैं। देश भर में बेसहारा मवेशियों की कुल अनुमानित संख्या पांच लाख से भी अधिक है। इनमें अधिकांश गोवंश हैं। देश में गोवंश की संख्या के अनुपात में पर्याप्त गोशाला नहीं होना भी एक अलग समस्या है। दूसरा कारण यह है कि कुछ गोपालक गोवंश का दूध निकालने के बाद उन्हें ऐसे ही घूमने के लिए खुला छोड़ देते हैं। सच्चाई है कि जब तक गाय दूध देती है, तब तक वह मां मानी जाती है और जब दूध देना बंद कर देती है तो उसे या तो आवारा घूमने के लिए छोड़ दिया जाता है या फिर कसाई के हाथों बेच दिया जाता है। यह भी एक विद्रूप है कि जहां हमारा देश विश्व की छठी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है वहीं हम आज तक अपने बेसहारा पशुओं के लिए कोई उचित आसरा तक नहीं तलाश कर पाए हैं।

दूसरे कई देशों में गाय तो छोड़िए कुत्ता भी आवारा घूमता हुआ नजर नहीं आएगा। इस मामले में अपने देश का हाल बहुत बेहाल है। आवश्यकता है कि हम अपने देश में विकास की बुलेट ट्रेन दौड़ाने से पहले अपने बेसहारा मवेशियों से जुड़ी समस्या का समाधान करें। इसके लिए गोशालाओं की संख्या में वृद्धि कर बेसहारा घूमने वाले गोवंश पर नकेल कसनी होगी। बेसहारा मवेशियों के नियमन और निषेधन को लेकर स्थानीय प्रशासन को अपनी जिम्मेदारी तय करनी होगी और अपने क्षेत्र में घूमने वाले बेसहारा मवेशियों के मालिकों का पता लगाकर उन्हें दंडित करना होगा ताकि वे दोबारा अपने पशुओं को खुला न छोड़ें। किसानों को चाहिए कि खेतों में घुसने वाले बेसहारा मवेशियों को पकड़कर उन्हें अपने खेतों में बांधकर रखें, असली मालिक स्वयं ही उन्हें ढूंढते हुए आ जाएगा। यदि वे फिर भी न आएं तो पशुओं को स्थानीय प्रशासन के हवाले कर दिया जाना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

कानून पर मध्यमार्गी हो नजरिया

सोमवार के संस्करण में प्रकाशित 'कानून की आवश्यकता पर भी हो विचार' में हृदयनारायण दीक्षित ने यथार्थ ही लिखा है कि किसी कानून का दुरुपयोग होने भर से उसे निरसित नहीं किया जा सकता। यदि यही मापदंड अपनाया गया तो दंड संहिता से तमाम प्रविधानों को समाप्त करना होगा। यह सही है कि राजद्रोह कानून अंग्रेजों के जमाने का है और अब उसकी उपयोगिता पर विचार किया जाना चाहिए, लेकिन उसे सिरे से खारिज कर देना भी न्यायोचित नहीं होगा। यदि हम परिस्थितियों का निष्पक्ष आकलन करें तो पाएंगे कि लोकमान्य तिलक और गांधी जी जैसे महानुभावों के खिलाफ अंग्रेजों ने इस कानून का उपयोग किया तो अब भला भारतीयों के खिलाफ यह क्यों लागू होना चाहिए। जब अंग्रेजी राज में यह कानून प्रवर्तित होता था तब हम यह क्यों भूल जाते हैं कि भारत परतंत्र था और अंग्रेजी हुक्मरान भारतीय जनता नहीं चुनती थी। ऐसे में उनके प्रतिरोध के लिए ऐसे विरोध के अतिरिक्त कोई अन्य विकल्प ही नहीं था। इसके विपरीत अब परिस्थितियां भिन्न हैं। भारत स्वतंत्र है। सरकार की आलोचना संभव है। मर्यादित दायरे में सरकार की आलोचना राजद्रोह नहीं है, लेकिन यदि सरकार की आलोचना की आड़ में राष्ट्रीय प्रतीकों या उसकी अस्मिता पर प्रहार किया जाए तो यह राजद्रोह ही माना चाहिए। ऐसी दशा में उसके उपचार के लिए कानून भी उतना ही आवश्यक है। स्मरण रहे कि संविधान सभा के अपने अंतिम भाषण में संविधान शिल्पी बाबा साहब डॉ. बीआर आंबेडकर ने कहा था कि अब हम आजाद हैं और अब हमें अपना विरोध प्रदर्शित करने के लिए अराजकता का परित्याग करना होगा। उनके शब्दों को ध्यान में रखते हुए यह कहना उचित होगा कि विरोध लोकतंत्र को सशक्त करता है, लेकिन अंधविरोध या अराजकता राष्ट्र को शर्मसार ही करती हैं। उनसे निपटने के लिए कुछ कड़े विकल्प अवश्य होने चाहिए। वहीं सत्ता प्रतिष्ठान को भी यह याद रहे कि कानून का दुरुपयोग उसकी साख पर ही सवाल उठाएगा। ऐसे में इस कानून को लेकर मध्यमार्ग ही राष्ट्रहित में होगा।

गुंजन शर्मा, नई दिल्ली

अंग्रेजी कानून को बदलने का समय

मैसूर के अवकाश प्राप्त मेजर जनरल एसजी वोम्बटकेरे ने सर्वोच्च न्यायालय में आइपीसी की धारा-124 ए (राजद्रोह) की संवैधानिकता को चुनौती देते हुए एक याचिका दायर की है। याचिका की सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि एक औपनिवेशिक कानून जिसका प्रयोग महात्मा गांधी, बाल गंगाधर तिलक आदि स्वतंत्रता सेनानियों के दमन के लिया किया गया था, आजादी के 75 साल बाद उसकी क्या आवश्यकता है। लेकिन आलोचकों के दमन का सबसे आसान रास्ता होने के कारण किसी भी सरकार ने इसे निरस्त करने की न तो जहमत उठाई और न ही कभी इसके बारे में सोचा। वैसे राजद्रोह ही क्यों, भारतीय दंड संहिता सहित देश के ज्यादातर कानून अंग्रेजों के ही बनाए हुए हैं। मास्टर-स्लेव अवधारणा पर बने ये कानून और इनकी दमनकारी धाराएं आज भी आजाद भारतीयों पर इस्तेमाल हो रही हैं। अब शासक तो हम हैं मगर हमें शासित करने वाली मानसिकता और पद्धति अंग्रेजों वाली ही है इसलिए कह सकते हैं कि हमें अभी तक पूर्ण स्वराज्य नहीं मिला है। हम जो स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं उसे प्राप्त करने के लिए हमें अंग्रेजी कानून और शासन पद्धति पूर्णतः त्यागनी होगी। उम्मीद है कि सैकड़ों अप्रासंगिक कानूनों को खत्म करने वाली मोदी सरकार इस ओर भी ध्यान देगी।

बृजेश माथुर, गाजियाबाद।

हंगामे की भेंट चढ़ता संसद सत्र

संसद के एक सत्र को संचालित करने में करोड़ों रुपये खर्च होते हैं, लेकिन अफसोस की बात है कि हर बार सत्र शोरगुल की भेंट चढ़ जाता है। जनता के पैसों से चल रहा अधिवेशन समाप्त भी हो जाता है, लेकिन सरकार और विपक्षी हंगामे के बीच योजनाएं लटकी रह जाती हैं। सरकार जब भी किसी विधेयक को लाने की बात करती है तो विपक्ष उस पर हंगामा करने लगता है, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए।

विजय कुमार धानिया, नई दिल्ली।

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।
अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व. नरेन्द्र मोहन, संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए, नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) - विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

127 करोड़ की बचत का लक्ष्य रखा है उत्तराखंड के सीएनजी बसों से। तीन साल में एक हजार बसों को सीएनजी में परिवर्तित करने की योजना। घाटे में चल रहे परिवहन निगम की आय बढ़ाने की कोशिश है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर रिहा हुआ मणिपुर में राजनीतिक कार्यकर्ता

- मणिपुर के जेल अधिकारियों को तुरंत भेजा गया आदेश, शाम 4.45 पर किया गया रिहा
- शीर्ष अदालत ने कहा था- एक रात के लिए भी जेल में नहीं रखा जा सकता, भाजपा नेताओं की आलोचना पर लगाया गया एनएसए


न्याय की आस : सुप्रीम कोर्ट। फाइल फोटो

नई दिल्ली, प्रेट्र : कोरोना के इलाज में गोबर और गोमूत्र के इस्तेमाल पर भाजपा नेताओं की आलोचना करने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत गिरफ्तार मणिपुर के एक राजनीतिक कार्यकर्ता लीचोम्बम एरेंड्रो को सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पांच बजे तक रिहा करने का आदेश दिया। इसके बाद शीर्ष अदालत का आदेश तत्काल मणिपुर जेल अधिकारियों को भेजा गया और शाम करीब 4.45 बजे एरेंड्रो को रिहा कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट का कहना था कि उन्हें एक रात के लिए भी जेल में नहीं रखा जा सकता।

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एमआर शाह की पीठ ने कहा कि उन्हें बंदी बनाए रखना संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत उनके मौलिक अधिकार का उल्लंघन होगा। जब सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वह याचिका का विरोध नहीं कर रहे हैं, लेकिन जवाब दाखिल करेंगे तो पीठ ने मामले को मंगलवार के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

इससे पहले पीपुल्स रीसर्जेंस एंड जस्टिस अलायंस के सह-संयोजक लीचोम्बम एरेंड्रो के पिता एल. रघुमणि सिंह की ओर से पेश अधिवक्ता शादान फरसाती ने कहा कि ऐसे मामले में एहतियातन गिरफ्तारी का प्रविधान इस्तेमाल किया गया है जिसमें साधारण दंडात्मक प्रविधान की भी जरूरत नहीं है। याचिका में एरेंड्रो की एनएसए के तहत एहतियातन गिरफ्तारी को चुनौती दी गई है। इसमें आरोप लगाया गया है कि ऐसा भाजपा नेताओं की आलोचना करने पर उन्हें सिर्फ दंडित करने के लिए किया गया है।

एरेंड्रो के पिता ने याचिका में दावा किया कि उनके पुत्र ने 13 मई को फेसबुक पर पोस्ट किया था कि गोबर और गोमूत्र कोरोना का इलाज नहीं हैं। यह बयान कोरोना के कारण मणिपुर भाजपा अध्यक्ष की मौत के संदर्भ में कई भाजपा नेताओं द्वारा अपनाए जा रहे अवैज्ञानिक रुख और फैलाई जा रही गलत सूचनाओं की आलोचना के तौर पर दिया गया था। हालांकि इस पोस्ट को 13 मई को ही डिलीट कर दिया गया था। याचिका में आरोप लगाया गया है कि इस आलोचना के लिए एरेंड्रो को उसके खिलाफ शुरू किए गए आपराधिक मामले के कारण कुछ दिन हिरासत में गुजारने पड़े और जमानत मिलने के बाद वह एहतियातन हिरासत में है।

याचिका में इम्फाल पश्चिम जिले के जिलाधिकारी द्वारा 17 मई को जारी हिरासत आदेश और हिरासत के आधार को रद करने की मांग की गई है। संबंधित अधिकारियों को इसके बाद एरेंड्रो को आजाद रखने के निर्देश देने की मांग भी की गई है। साथ ही अदालत से मुकदमे के खर्च के अलावा याचिकाकर्ता और उनके पुत्र के लिए उचित मुआवजा प्रदान करने का अनुरोध भी किया गया है।

याचिका में दावा किया गया है कि एरेंड्रो की हिरासत शीर्ष कोर्ट के 30 अप्रैल के आदेश का उल्लंघन है और शीर्ष अदालत में अलग अवमानना याचिका दाखिल की गई है। महामारी के दौरान आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं के वितरण पर स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई के दौरान 30 अप्रैल को शीर्ष अदालत ने केंद्र से लेकर पुलिस प्रमुखों तक अधिकारियों को चेतावनी दी थी कि वे मदद की गुहार लगा रहे लोगों और उनके अनुरोध को इस आधार पर खामोश करने की कोशिश न करें कि वे इंटरनेट पर फर्जी शिकायतें कर रहे हैं। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया था कि लोगों की ओर से मदद की गुहार समेत सूचनाओं के स्वतंत्र प्रवाह पर रोक के किसी भी प्रयास को अदालत की अवमानना की तरह लिया जाएगा।

मोदी के खिलाफ पोस्टर चिपकाने पर दर्ज केसों का मांगा विवरण

- याचिकाकर्ता को दिया हफ्तेभर का समय, अगले सप्ताह फिर सुनवाई

नई दिल्ली, प्रेट्र : कोरोना के खिलाफ टीकाकरण अभियान के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करने वाले पोस्टर कथित रूप से चिपकाने पर दर्ज मामलों और गिरफ्तार लोगों के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिकाकर्ता से विवरण मांगा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह पुलिस को एक सामान्य आदेश जारी नहीं कर सकती कि केंद्र की टीकाकरण नीति की आलोचना करने वाले पोस्टर चिपकाने पर वह एफआइआर दर्ज न करे। मामले पर आगे की सुनवाई अगले हफ्ते होगी।

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एमआर शाह की पीठ ने याचिकाकर्ता और अधिवक्ता प्रदीप कुमार यादव को विवरण देने के लिए एक हफ्ते का समय दिया है। साथ ही कहा कि उन्हें अखबार की खबरों पर भरोसा करने के बजाय अपना होमवर्क करना चाहिए था। यादव ने कहा कि मामले दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और लक्षद्वीप में दर्ज किए गए हैं। इस पर पीठ ने कहा कि वे भी अखबार पढ़ते हैं और लक्षद्वीप का विवाद अलग था। याचिकाकर्ता दिल्ली और अन्य जगहों पर दर्ज मामलों के बारे में बताएं। यादव ने अपनी याचिका में इस मामले में दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआइआर रद करने की मांग की है। समाचार एजेंसी एएनआइ ने याचिका के हवाले से बताया है कि इस सिलसिले में दिल्ली में गिरफ्तारियां 12 मार्च को शुरू हुई थीं जब विशेष शाखा ने दिल्ली पुलिस आयुक्त एसएन श्रीवास्तव को इन पोस्टरों के बारे में सूचित किया था। इनमें लिखा था, 'मोदी जी हमारे बच्चों की वैक्सीन विदेश क्यों भेज दी?'

न्यूज गैलरी

कल्याण सिंह की सांस की तकलीफ बढ़ी

लखनऊ : उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को सांस की तकलीफ ज्यादा बढ़ने पर हाई प्रेशर आक्सीजन मास्क (नान इनवेसिव वेंटिलेशन) पर रखा गया है। उन्हें शनिवार की तुलना में अधिक दबाव के साथ आक्सीजन की जरूरत पड़ रही है। पीजीआइ (लखनऊ) निदेशक डा. आरके धीमन ने बताया कि कल्याण सिंह की सेहत स्थिर बनी हुई है। रविवार रात सांस की तकलीफ ज्यादा बढ़ गई, जिसके बाद उन्हें नान इनवेसिव वेंटिलेशन सपोर्ट पर रखना पड़ा। (जासं)

बिकरू कांड : केंद्र ने मांगी पुलिस कर्मियों की जांच रिपोर्ट

कानपुर : कानपुर के बिकरू कांड की एसआइटी जांच में दोषी करार दिए गए पुलिस कर्मियों की जांच रिपोर्ट केंद्र सरकार ने तलब की है। केंद्र ने 60 दिनों के भीतर जांच पूरी करके रिपोर्ट मांगी है। एसआइटी की जांच में कई आइपीएस अधिकारियों, नौ सीओ और 37 इंस्पेक्टर, दारोगा व सिपाही आरोपित थे। (जासं)

पुलिस निरीक्षक पर पत्नी की हत्या का संदेह

अहमदाबाद : गुजरात में 38 दिनों से लापता स्वीटी पटेल की हत्या का शक उसके पुलिस निरीक्षक पति पर ही होने के बाद उसे पूछताछ के लिए गांधीनगर लाया गया है। गत दिनों पुलिस को हाथ लगे मानव हड्डी के जले हुए अवशेषों के डीएनए टेस्ट के बाद शक और गहरा गया है। पुलिस को दोनों के इंटरनेट मीडिया चैट भी हाथ लगे हैं। दोनों के बीच मतभेद की बात सामने आई है। (राब्यू)

महाराष्ट्र में भारी बारिश से आठ और लोगों की मौत

आफत ▶ ठाणे में पहाड़ से खिसके पत्थरों की चपेट में आने से पांच लोग मारे गए

मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे तक बारिश जारी रहने की दी चेतावनी

राज्य ब्यूरो, मुंबई


भारी बारिश बनी आफत... : भारी मानसूनी बारिश ने मुंबई महानगर के लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। शहरी आबादी के साथ ही आसपास के हिल स्टेशनों पर भी दुश्वारियां बढ़ गई हैं। यहां की एक पहाड़ी पर घूमने गए लगभग 116 पर्यटक अचानक आए पानी के सैलाब से पहाड़ी के दूसरे छोर पर फंस गए। बाद में स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें वहां से सुरक्षित निकाला गया। एएनआइ

महाराष्ट्र के मुंबई, कोंकण, रायगढ़, ठाणे एवं पालघर में शनिवार रात से ही हो रही भारी बरसात की वजह से सोमवार को भी आठ लोगों के मारे जाने की खबर है। मुंबई व नवी मुंबई का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने मुंबई एवं आसपास में अगले 48 घंटों तक भारी बारिश जारी रहने की चेतावनी दी है।

ठाणे के कलवा क्षेत्र स्थित घोलाई नगर में दोपहर बाद पहाड़ से खिसककर नीचे आए बड़े-बड़े पत्थरों ने दो झोपड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना के समय लगभग पूरा परिवार झोपड़ियों के अंदर था, जो पत्थरों के नीचे दब गया। पड़ोसियों ने मलबे में दबे लोगों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, तीन बच्चों सहित पांच लोगों की मौत हो गई। पांचों मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे। दो घायलों को छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर, पालघर जनपद के नालासोपारा में चार साल का बच्चा गटर में बह गया। एक व्यक्ति की मीरा रोड एवं एक युवक की शहापुर में डूबने से मृत्यु हो गई। रायगढ़ में भी तीन लोगों के पानी के तेज बहाव में बहने की सूचना है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। बता दें कि मुंबई में पांच अलग-अलग हादसों में रविवार को भी 32 लोगों की मौत हो गई थी।

ट्रेनों का आवागमन प्रभावित : भारी बारिश का असर मुंबई के निचले इलाकों में जलभराव के रूप में देखने को मिला। सेंट्रल व वेस्टर्न रेलवे की पटरियों पर कई जगह पानी भर जाने से लोकल ट्रेनें धीमी गति से चलीं, तो कई बार इनका परिचालन कुछ देर के लिए रोकना भी पड़ा।

सड़कों पर लगा लंबा जाम : सप्ताह का पहला कार्य दिवस होने के कारण बीएमसी व मौसम विभाग की चेतावनी के बावजूद लोग अपने काम पर निकले। कई स्थानों पर उन्हें लंबे जाम में भी फंसना पड़ा। अधिक जलभराव वाले कुछ इलाकों में खुले गटर में लोगों के गिरने से रोकने के लिए सड़क के आरपार रस्सियां बांधनी पड़ीं।

बीएमसी की पार्किंग में फंसे 400 वाहन : कांदीवली उपनगर स्थित ठाकुर कांप्लेक्स में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) की एक अंडरग्राउंड पार्किंग में पानी भर जाने से करीब 400 वाहन फंस गए। इनमें कई महंगी कारें, मोटरसाइकिलें व आटोरिक्शा शामिल हैं।

कोविड टीकाकरण पर भी असर : भांडुप के श्रीराम कालेज में चल रहे टीकाकरण केंद्र में पानी भर जाने यह बंद रहेगा। ठाणे में भी टीकाकरण बंद रखने की सूचना जारी की गई है।

उत्तराखंड आ रहे हैं तो अभी टाल दें अपना प्लान

- अगले तीन चार दिन न मौसम साथ देगा न ही सड़कें
- मौसम विभाग ने जारी किया है भारी वर्षा का अलर्ट
- उत्तरकाशी में मलबे में दबे तीन शव बरामद, एक की खोजबीन
- सोमवार सुबह टिहरी जिले की बालगंगा घाटी में भी बादल फटा

जागरण टीम, देहरादून

अगर सैलानी अगले तीन-चार दिनों के अंतराल में उत्तराखंड आने की योजना बना रहे हैं तो फिलहाल इरादा टाल दीजिए। मौसम और सड़कें आपका साथ शायद ही दें। उत्तराखंड में पिछले 48 घंटों से बारिश का दौर चल रहा है और मौसम विभाग ने अगले कुछ दिन मौसम का मिजाज ऐसा ही रहने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने आरेंज और यलो अलर्ट जारी किया है।

इधर, रविवार रात उत्तरकाशी में बादल फटने के बाद मांडों गांव में उफान के साथ आए मलबे में दबे तीन शव बरामद कर लिए गए हैं। मृतकों में तीन साल की एक बच्ची, उसकी मां और ताई शामिल हैं। जबकि, कंकराड़ी गांव में मलबे में दबे युवक का अभी कुछ पता नहीं चल पाया। रेस्क्यू दल प्रभावित गांवों में डटे हुए हैं। पैदल और मोटर पुल टूटने से 100 से अधिक गांवों का संपर्क कट गया है। बिजली, पानी और संचार सेवाएं भी बाधित हैं। सोमवार सुबह टिहरी जिले की बालगंगा घाटी के खैंडी तोक में भी बादल फटा। यहां आधा दर्जन घरों में मलबा घुस गया।

बारिश के चलते पर्वतीय इलाकों में दुश्वारियां खड़ी हो गई हैं। मुख्य मार्गों के साथ ही 200 से ज्यादा संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त होने की वजह आवागमन में दिक्कतें पेश आ रही हैं। यात्रा मार्ग और अन्य मुख्य मार्गों पर नए भूस्खलन जोन उभर आए हैं। इन स्थानों पर पहाड़ी से मलबा और पत्थर गिरने की वजह से सफर जोखिम भरा माना जा रहा है। कुछ स्थानों पर वाहनों को गुजारने के लिए काफी देर तक इंतजार कराना पड़ रहा है।

पूर्णागिरि जाने पर रोक : पूर्णागिरि मार्ग पर पहाड़ी से लगातार पत्थर गिर रहे हैं। भारी बारिश के अलर्ट और सुरक्षा की दृष्टि से चम्पावत जिला प्रशासन ने 20 जुलाई तक श्रद्धालुओं के पूर्णागिरि जाने पर रोक लगा दी है।

नदी-नाले उफान पर : पर्वतीय इलाकों में बारिश के चलते नदियों का जल स्तर बढ़ गया है। हरिद्वार व ऋषिकेश में गंगा चेतावनी रेखा के करीब बह रही है। नदियों के किनारे बसे लोगों को आगाह किया गया है।

सुरक्षा कवच बढ़ाने के लिए रची हमले की 'कहानी'

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर


पकड़ा गया झूठ : भाजपा नेता मुहम्मद शफी मीर

उत्तरी कश्मीर में कुपवाड़ा जिले के गुलगाम में गत शुक्रवार को भाजपा नेता के पुत्र को गोली लगने की घटना ने अब एक नया मोड़ ले लिया है। शुरू में यह आतंकी हमला बताया गया फिर अंगरक्षक की राइफल से अचानक गोली चलने की बात होने के बाद अब यह घटना सुनियोजित फिल्मी ड्रामे पर पहुंच गई है। गोली गलती से नहीं चली थी, बल्कि भाजपा नेता और उसके पुत्र द्वारा लिखी गई पटकथा के आधार पर पुलिस द्वारा प्रदान किए गए अंगरक्षक ने चलाई थी।

पुलिस ने इस मामले में भाजपा की कुपवाड़ा जिला इकाई के प्रधान मुहम्मद शफी मीर के पुत्र इश्फाक अहमद मीर, भाजपा जिला प्रवक्ता बशारत अहमद और दोनों अंगरक्षक रियाज अहमद खान व मोहम्मद इरफान को गिरफ्तार कर लिया है। चारों को सोमवार को अदालत में पेश कर सात दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। इनके खिलाफ पुलिस ने आरपीसी की धारा 307 और 7/27ए के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं, शफी मीर को भी हिरासत में लिए जाने की सूचना है, लेकिन पुलिस ने इसकी अधिकारिक स्तर पर पुष्टि नहीं की है। इस बीच, भाजपा ने मुहम्मद शफी मीर को निलंबित करते हुए जिला प्रभारी अनवर खान को अगले आदेश तक कुपवाड़ा में भाजपा की गतिविधियों की कमान संभालने को कहा है।

दरअसल, शुक्रवार की रात को इश्फाक अहमद मीर पर आतंकी हमले की सूचना आई थी। इश्फाक की बाजू में गोली लगी थी। पुलिस व केंद्रीय अर्धसैनिकबल के जवान सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गए थे। अधिकारियों ने बताया कि मौके पर जाकर जब जांच की तो उसी समय कुछ बातें संदिग्ध लगी थीं। इश्फाक व उसके साथियों को लगा था कि आतंकी हमले की कहानी सिरे नहीं चढ़ेगी और अंगरक्षक को भी लगा कि वह फंस गया है, तो सभी ने नई कहानी सुनाई कि गोली एक अंगरक्षक की राइफल से अचानक चल गई थी। इसके बाद दूसरे अंगरक्षक ने गोली चलाई।

पार्टी में प्रभाव बढ़ाना था मकसद: कुपवाड़ा के एसएसपी ने शुक्रवार की रात को ही साफ कर दिया था कि कोई आतंकी हमला नहीं हुआ है। जांच में जुड़े एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि गोली अचानक नहीं चली थी, बल्कि सोची समझी साजिश के तहत चलाई गई। पूरी पटकथा मोहम्मद शफी मीर ने अपने पुत्र और कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर रचा था। उनका मकसद इस फर्जी हमले की आड़ में अपने लिए सरकारी सुरक्षा कवच को और बढ़ाने के साथ ही भारतीय जनता पार्टी में अपनी पहुंच और प्रभाव को मजबूत बनाना था। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का ध्यान अपनी तरफ लाना था।

अंगरक्षक बोले-हमें गोली चलाने के लिए मजबूर किया गया : पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच लगभग पूरी हो चुकी है। पूछताछ में दोनों अंगरक्षकों ने बताया है कि उन्हें भाजपा नेता ने ही गोली चलाने के लिए मजबूर किया था ताकि आतंकी हमला साबित किया जा सके। यह घटना शुक्रवार की रात को करीब पौने नौ बजे हुई थी। स्थानीय लोगों ने भी गोलियां चलने की आवाज सुनी थी। इस मामले में मोहम्मद इश्फाक मीर, भाजपा जिला प्रवक्ता बशारत अहमद को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके अलावा गोली चलाने वाले दोनों अंगरक्षक (पुलिस कांस्टेबल) गिरफ्तार कर लिए गए हैं।

भाजपा ने जारी किया कारण बताओ नोटिस : भाजपा नेत्री प्रिया सेठी के मुताबिक, इस घटना से भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं की छवि, प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा है। इसलिए पूरे मामले की जांच की जा रही है। भाजपा प्रवक्ता जीएम मीर को मामले की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। वह 25 जुलाई को अपनी रिपोर्ट देंगे।

पार्टी के प्रोटोकाल को तोड़ा है: भाजपा भाजपा के कश्मीर मीडिया प्रभारी मंजूर अहमद बट ने बताया कि इश्फाक अहमद मीर और बशारत अहमद दोनों ही राशन बांटने के लिए गुलगाम में रात के समय गए थे। उन्होंने पार्टी द्वारा निर्धारित प्रोटोकाल का उल्लंघन किया है। सूर्यास्त के बाद भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं को अपने घरों से बाहर जाने, लोगों से मिलने जुलने से मना किया गया है। पुलिस ने भाजपा नेतृत्व को सूचित किया है कि इन लोगों ने अपनी सुरक्षा बढ़वाने के लिए ही हमले की साजिश रची थी।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने पर ईडी के सामने पेश होंगे अनिल देशमुख

राज्य ब्यूरो, मुंबई : महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख ने कहा है कि वह सर्वोच्च न्यायालय में दायर अपनी याचिका पर फैसला आने के बाद ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश होंगे। ईडी मनी लांड्रिंग मामले में देशमुख, उनकी पत्नी एवं पुत्र से पूछताछ करना चाहती है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता का यह बयान ईडी द्वारा उनके दो आवासों की तलाशी के एक दिन बाद आया है। सोमवार को देशमुख ने एक वीडियो संदेश में कहा, 'मुझे पूछताछ के लिए ईडी के समन मिले हैं। इसके बाद मैंने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। याचिका पर फैसला आने के बाद ही मैं ईडी के सामने अपना बयान दर्ज कराने जाऊंगा।' ईडी ने पूछताछ के लिए देशमुख, उनकी पत्नी आरती एवं पुत्र ऋषिकेश को भी सम्मन भेजा था। इस मामले में देशमुख के दो सहायकों की गिरफ्तारी हो चुकी है। देशमुख ने कहा, 'ईडी ने मेरी कुछ संपत्तियों की प्रारंभिक जब्ती भी की है। इनकी कीमत करीब चार करोड़ रुपये है। पुत्र सलिल ने एक भूखंड वर्ष 2006 में 2.67 करोड़ रुपये में खरीदा था। कीमत आज 300 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

स्टेन स्वामी के कार्य का करते हैं सम्मान : बांबे हाई कोर्ट

- एनआइए और न्यायपालिका की आलोचना से आहत पीठ ने कहा, इसी अदालत ने वरवर राव की मंजूर की थी जमानत


दिवंगत पादरी स्टेन स्वामी। फाइल फोटो

मुंबई, प्रेट्र : बांबे हाई कोर्ट ने माओवाद समर्थक दिवंगत पादरी स्टेन स्वामी द्वारा एलगार परिषद-नक्सली संपर्क मामले में दाखिल की गई अपील पर सुनवाई करते हुए कहा कि वह एक बेहतर व्यक्ति थे। उनके काम के लिए अदालत उनका सम्मान करती है।

जस्टिस एसएस शिंदे और जस्टिस एनजे नामदार की पीठ को सोमवार को सुनवाई के दौरान जानकारी दी गई कि 84 वर्षीय स्टेन स्वामी का पिछले दिनों होली फैमली अस्पताल में हृदय गति रुकने से निधन हो गया है।

जस्टिस शिंदे ने कहा, 'सामान्य रूप से हमारे पास समय नहीं होता है, लेकिन मैंने स्वामी की अंत्येष्टि देखी। वह एक बेहतर इंसान थे। उन्होंने समाज की कई तरह की सेवा की। उनके काम के लिए हमारे दिल में बहुत सम्मान है। कानूनी तौर पर उनके खिलाफ क्या है, यह एक भिन्न मुद्दा है।'

पीठ ने स्वामी की मौत के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) और न्यायपालिका की हुई आलोचना का उल्लेख किया। पीठ ने अफसोस जाहिर किया कि कई मामलों में सुनवाई की प्रतीक्षा में विचाराधीन कैदी जेल में बंद हैं। पीठ ने कहा कि स्वामी की मेडिकल आधार पर जमानत याचिका के साथ ही एलगार परिषद-नक्सली संपर्क मामले में अन्य सह आरोपितों की याचिका पर आदेश जारी करते समय वह निष्पक्ष बनी रही।

हाई कोर्ट ने कहा कि किसी ने भी उल्लेख नहीं किया कि इसी अदालत ने वरवर राव की जमानत मंजूर की थी। एक अन्य मामले में हनी बाबू को उनकी पसंद के अस्पताल में भेजा। हमने कभी अनुमान नहीं लगाया था कि हिरासत में स्वामी की मौत हो जाएगी।

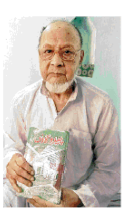
इतिहास

मतांतरण को लेकर देशभर में छिड़ी बहस के बीच बिहार के पीरू गांव से आई नई जानकारी

पीरू गांव के मुस्लिम बोले, हां! हमारे पूर्वज हिंदू थे

- अमानुल्लाह खान ने लिखी है किताब, पूर्वजों ने किया था मतांतरण
- शादी-विवाह में आज भी निभाई जाती हैं वे रस्में, जो विरासत हैं पूर्वजों की
- 80 फीसद मुस्लिमों के पूर्वज हिंदू थे

उपेंद्र कश्यप, औरंगाबाद


अपनी पुस्तक 'पीरू गांव : एक तआरुफ' के साथ अमानुल्ला खान। जागरण


नेशात खान। जागरण


मो जलाल। जागरण


मो.शाहनवाज खान


विजय अकेला

मत अलग हो गए हैं, इबादत का तरीका भी अलग, पर पूर्वजों की विरासत अब भी एक है। यही कारण है कि शादी-विवाह के समय हिंदुओं के साथ-साथ मुस्लिम परिवारों के आंगन में भी महिलाएं यह गीत गाती गाती हैं- केकर पोखरा खनावल, घाट बंधावल हो..., राजा दशरथ पोखरा खनावल, घाट बनावल हो...।

सिंदूर दान भी होता है और फूफा मंडप भी बनाते हैं। हिंदू-मुस्लिमों का डीएनए एक होने की बहस के बीच बिहार के औरंगाबाद के पीरू गांव का भी इतिहास सामने आया है। यहां के लोगों ने कहा कि हां! हमारे पूर्वज हिंदू ही थे, हिंदू हों या मुस्लिम, डीएनए एक है। कुछ दिनों पहले बिहार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान ने भी कहा था कि उनके पूर्वज हिंदू थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत द्वारा यह कहे जाने पर कि हिंदू-मुस्लिम का डीएनए एक है, इस पर विमर्श शुरू हो गया है।

बिहार के औरंगाबाद के हसपुरा प्रखंड का पीरू गांव भी इसी में शुमार है। यहां के वाशिंदे अमानुल्लाह खान ने उर्दू में सौ पृष्ठों की एक किताब लिखी है। इसमें बताया है कि उनके पूर्वज हिंदू थे। इस किताब का नाम है, पीरू गांव : एक तआरुफ़। चूंकि वे इतिहास की चर्चा करते थे, इसलिए उनके गांव के ही शाहनवाज खान ने यह पुस्तक लिखने के लिए प्रेरित किया। अमानुल्लाह हेवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन (एचइसी) में कनीय प्रबंधक पद से 1997 में सेवानिवृत्त होने के बाद गांव आए।

उन्होंने तीन वर्षों तक कई गांवों का दौरा किया और काफी शोध कर जानकारी जुटाई। 1936 में स्थापित पब्लिक उर्दू लाइब्रेरी, पीरू ने 2000 में इसमें प्रकाशित किया था। अमानुल्लाह खान ने बताया कि फिरोजशाह तुगलक (1351-1388) के शासनकाल में पीरू के समीप के गांव बम्भई (कलेर, अरवल) निवासी मथुरा चौधरी मतांतरण कर गुलाम मुस्तफा खान बन गए। औरंगजेब के शासनकाल में बम्भई के ही कमल नयन सिंह नसीरुद्दीन हैदर खान बन गए। इन्हीं दोनों के वंशज आज पीरू में रहते हैं। उन्हें यह स्वीकार करने में कोई हिचक नहीं है। सो पीढ़ियों को यही सत्य बताने के लिए ही यह किताब लिखी।

शाहनवाज खान कहते हैं कि सैयद को छोड़कर करीब 80 फीसद मुस्लिमों के पूर्वज हिंदू ही थे। मतांतरण कर मुस्लिम बन गए, पर वंश परंपरा एक है। फसाद की जड़ राजनीति है।

आशीष बनकर लिव इन रिलेशनशिप में रह रहा था आसिफ

जागरण संवाददाता, संभल : मतांतरण का एक मामला उप्र के संभल के चंदौसी क्षेत्र में सामने आया है। युवक अपना नाम आसिफ कुरैशी की जगह आशीष बताकर किशोरी के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है जबकि किशोरी को मेडिकल परीक्षण और न्यायालय में बयान दर्ज कराने के लिए भेजा जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र ने बताया कि सात जुलाई को चंदौसी कोतवाली में एक रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, जिसमें किशोरी के पिता ने दूसरे संप्रदाय के युवक आसिफ कुरैशी पर बेटी को अगवा करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए किशोरी को बरामद कर आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों लिव इन रिलेशनशिप में जयपुर में किराये पर रह रहे थे।

संसद पर प्रदर्शन को लेकर पुलिस और मोर्चा के बीच नहीं हुई बैठक

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : कृषि सुधार कानूनों के विरोध में संसद भवन के बाहर धरना देने के मसले पर सोमवार को होने वाली दिल्ली पुलिस और संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक टाल दी गई। इस मुद्दे पर रविवार को हुई बैठक बेनतीजा रही थी।

संयुक्त किसान मोर्चा ने मानसून सत्र के दौरान 22 जुलाई से रोज दो सौ लोगों के साथ संसद भवन के बाहर धरना-प्रदर्शन की घोषणा कर रखी है। कई दिनों से इसकी तैयारी भी चल रही है, लेकिन दिल्ली पुलिस ने अब तक इसकी अनुमति नहीं दी है। रविवार को हुई बैठक में पुलिस ने कोविड दिशानिर्देशों का हवाला देते हुए मोर्चा से धरने के लिए किसी वैकल्पिक जगह पर विचार करने को कहा था। रविवार को सिंघु बार्डर के निकट दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने किसान मोर्चा के नेताओं के साथ बैठक की थी, लेकिन मोर्चा ने सकारात्मक रुख नहीं दिखाया था।

वीडियोकान के अधिग्रहण पर एनक्लैट की रोक

नई दिल्ली : नेशनल कंपनी ला अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनक्लैट) ने वीडियोकान इंडस्ट्रीज के अधिग्रहण की प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। एनसीएलटी ने उद्योगपति अनिल अग्रवाल नियंत्रित ट्विन स्टार टेक्नोलाजीज द्वारा दिवालिया प्रक्रिया तहत कंपनी के लिए 2,962.02 करोड़ रुपये की बोली को पिछले महीने स्वीकार कर लिया था। कंपनी के दो कर्जदाताओं ने इस वैल्यूएशन और उन्हें मिलने वाली रकम पर आपत्ति जताई थी। (प्रेट्र)



चालू वित्त वर्ष में आर्थिक विकास दर 11 फीसद तक रह सकती है। कोरोना की दूसरी लहर का असर व्यापक नहीं है।
– कृष्णमूर्ति सुब्रमणियन, मुख्य आर्थिक सलाहकार

सेंसेक्स	निफ्टी	सोना (प्रति दस ग्राम)	चांदी (प्रति किलोग्राम)	डॉलर	क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल
52,553.40	15,752.40	₹ 46,967	₹ 66,856	₹ 74.88	$ 71.91
▼ 586.66	▼ 171	▼ ₹126	▼ ₹97	▲ ₹0.31	

बुनियाद मजबूत, इकोनामी पर एफडीआइ को भरोसा

लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा – पिछले वर्ष विदेशी निवेश 25 फीसद बढ़ा

नई दिल्ली, प्रेट्र: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि भारत की मजबूत बुनियाद और बड़ा बाजार विदेशी निवेश को आकर्षित करता रहेगा। उन्होंने यह बात गिरीश भालचंद्र बापट और राहुल शेवाले द्वारा पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में लोकसभा में कही। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआइसी) के कर्मचारियों और अधिकारियों के वेतनमान पहली अगस्त, 2017 से संशोधित किए जाने की भी जानकारी दी।

वित्त मंत्री ने विश्व निवेश रिपोर्ट, 2021 का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 2020 में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) प्रवाह 25.4 फीसद बढ़कर 64 अरब डालर तक पहुंच गया है। वर्ष 2019 में यह 51 अरब डालर था। एफडीआइ प्राप्त करने के मामले भारत वर्ष 2019 में आठवें स्थान पर था, जो 2020 में पांचवें स्थान पर आ गया। ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट को लेकर होने वाली घोषणाओं की बात करें तो 2020 में इसमें 19 फीसद की गिरावट आई है। हालांकि यह विकसित देशों में आई 44 फीसद की गिरावट की तुलना में काफी कम है।



वित्त मंत्री सीतारमण ने विश्व निवेश रिपोर्ट 2021 का दिया हवाला ● फाइल फोटो

दमदार बाजार
- वर्ष 2020 में एफडीआइ 64 अरब डालर पर जा पहुंचा
- विश्व के सापेक्ष भारत में आर्थिक हालात काफी तेजी से सुधर रहे

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि अगर समग्र विदेशी निवेश के प्रवाह को देखें तो भारतीय इकोनामी की बुनियाद मजबूत है और यह काफी बड़ा बाजार है। ऐसे में यह लंबी अवधि में विदेशी निवेश को आकर्षित करता रहेगा।

उन्होंने कहा कि विश्व बैंक की आर्थिक संभावनाओं को लेकर तैयार की गई रिपोर्ट के बाद वैश्विक विकास को संशोधित करके 5.6 फीसद कर दिया गया है। इसकी मुख्य वजह निरंतर टीकाकरण और वित्तीय प्रोत्साहन के चलते अर्थव्यवस्था में हो रहा तेज सुधार है। उन्होंने कहा कि विश्व के सापेक्ष भारत में आर्थिक हालात काफी तेजी से सुधर रहे हैं।

पेट्रोल-डीजल से हुई 3.35 लाख करोड़ की कमाई

नई दिल्ली, प्रेट्र : पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले टैक्स से बीते वित्त वर्ष के दौरान केंद्र सरकार की कमाई 88 फीसद बढ़कर 3.35 लाख करोड़ रुपये हो गई है। उत्पाद शुल्क बढ़ाए जाने के चलते सरकार की कमाई में इजाफा हुआ है। यह जानकारी सोमवार को पेट्रोलियम राज्यमंत्री रामेश्वर तेली ने लोकसभा में दी। दरअसल, पिछले पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 19.98 रुपये थी जिसे बढ़ाकर 32.90 रुपये कर दिया गया। इसी तरह डीजल पर पिछले साल एक्साइज ड्यूटी 15.83 रुपये थी जिसे बढ़ाकर 31.80 रुपये कर दिया गया था। इस साल अप्रैल-जून की अवधि में सरकार को 1.01 लाख करोड़ रुपये उत्पाद शुल्क के तौर पर मिले हैं। इसी अवधि में प्रत्यक्ष कर संग्रह 2.41 लाख करोड़ से कुछ ज्यादा रहा है। यह जानकारी वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को लोकसभा में दी।

राज्यों को 81,179 करोड़ रुपये जीएसटी क्षतिपूर्ति दिया जाना बाकी

वित्त वर्ष 2020-21 के लिए राज्यों को जीएसटी क्षतिपूर्ति के तौर पर 81,179 करोड़ रुपये दिया जाना बाकी है। वहीं इस वर्ष अप्रैल-मई की बात करें तो 55,345 करोड़ रुपये दिया जाना शेष है। यह जानकारी लोकसभा में वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने दी।

17,000 से ज्यादा कंपनियां स्थापित हुईं

इस वर्ष अप्रैल से जून के दौरान देश में 17,200 से अधिक नई कंपनियां स्थापित हुईं। यह जानकारी कारपोरेट मामलों के राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने सोमवार को लोकसभा में दी। इस वर्ष 30 जून तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो 21,87,026 कंपनियां पंजीकृत थीं। इनमें 13,76,366 कंपनियां सक्रिय थीं, जबकि 8,10,660 कंपनियां बंद हो चुकी थीं।

चालू वित्त वर्ष में ही आएगा एलआइसी का आइपीओ

नई दिल्ली, प्रेट्र: सरकार चालू वित्त वर्ष में ही एलआइसी का आइपीओ लाने की योजना बना रही है। वित्त राज्यमंत्री भागवत किशनराव कराड ने सोमवार को लोकसभा में यह जानकारी दी। सरकार ने देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी के प्रारंभिक पब्लिक आफर (आइपीओ) के आकार-प्रकार और उसकी लिस्टिंग के लिए मर्चेंट बैंकर और कानूनी सलाहकारों की नियुक्ति से संबंधित बोलियां बीते सप्ताह गुरुवार को आमंत्रित की थीं। जानकारों के मुताबिक अगर सरकार को अपना विनिवेश लक्ष्य प्राप्त करना है तो इसी वित्तीय वर्ष में एलआइसी की लिस्टिंग कराना जरूरी होगा। इस मुद्दे पर सरकार भी तेजी दिखा रही है। यही वजह है कि मर्चेंट बैंकरों से बोलियां आमंत्रित करने के दौरान वित्त मंत्रालय ने कहा था कि आइपीओ का संभावित आकार अब तक का सभी रिकार्ड तोड़ने वाला होगा।

आयातकों को दलहन भंडारण सीमा से छूट

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार ने दलहन के आयातकों के लिए भंडारण की सीमा खत्म कर दी है। मिलों तथा थोक कारोबारियों के लिए भी नियमों में ढील दी गई है। देश में प्रमुख दलहनों की कीमतों में कमी आने के बाद केंद्र सरकार ने यह कदम उठाया है। सोमवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि अब स्टाक की सीमा 31 अक्टूबर तक सिर्फ तुअर, उड़द, चना और मसूर दाल पर लागू होगी। हालांकि, इन इकाइयों को उपभोक्ता मामलों के विभाग के पोर्टल पर अपने स्टाक की सूचना देना जारी रखना होगा।

बयान के अनुसार दलहन आयातकों को स्टाक की सीमा से छूट देने का फैसला किया गया है। थोक व्यापारियों के लिए स्टाक की सीमा 500 टन होगी। ऐसे कारोबार कोई भी एक दाल 200 टन से अधिक नहीं रख सकेंगे। वहीं, मिलों के लिए स्टाक की सीमा छह माह का उत्पादन या 50 फीसद की स्थापित क्षमता (जो भी अधिक हो) रहेगी। वहीं खुदरा व्यापारियों के लिए भंडारण की पांच टन की पूर्व सीमा लागू रहेगी।

मिलों और थोक कारोबारियों के लिए भी सिर्फ तुअर, उड़द, चना और मसूर दाल पर लागू रहेगी सीमा

बयान के अनुसार आयातकों, मिलों, खुदरा तथा थोक व्यापारियों को स्टाक की घोषणा पोर्टल पर करती रहनी होगी। यदि उनके पास निर्धारित सीमा से अधिक स्टाक है, तो उन्हें 19 जुलाई को जारी अधिसूचना के 30 दिनों के भीतर इसे निर्धारित सीमा में लाना होगा।

सरकार ने दो जून को थोक और खुदरा व्यापारियों, आयातकों तथा मिलों के लिए अक्टूबर तक मूंग को छोड़कर सभी दलहनों की भंडारण सीमा निर्धारित कर दी थी। इसका मकसद दालों की महंगाई पर काबू करना था।

अदाणी ग्रुप की कंपनियों की हो रही जांच

कंपनियों पर नियमों के उल्लंघन का आरोप, समूह से जुड़ी छह कंपनियों के शेयरों में पांच फीसद तक गिरावट

नई दिल्ली, प्रेट्र : पूंजी बाजार नियामक सेबी और डायरेक्टरेट आफ रेवेन्यू इंटेलीजेंस (डीआरआइ) अदाणी ग्रुप की कुछ कंपनियों की जांच कर रहे हैं। इन कंपनियों पर नियमों के उल्लंघन का आरोप है। वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को लोकसभा में यह जानकारी दी। हालांकि उन्होंने जांच के दायरे में आई कंपनियों के नाम या उल्लंघन किए गए नियमों के प्रकार के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ग्रुप की कंपनियों की जांच नहीं कर रहा है।

सरकार द्वारा सदन में यह जवाब दिए जाने के बाद अदाणी ग्रुप से जुड़ी छह कंपनियों के शेयर 1.1 से 4.8% तक गिरकर बंद हुए। इस बारे में अदाणी ग्रुप के प्रवक्ता ने कहा कि ग्रुप हमेशा सेबी के नियमों का अनुपालन करता रहा है और उसे हाल-फिलहाल बाजार नियामक द्वारा किसी तरह की जांच किए जाने की जानकारी नहीं है। जहां तक डीआरआइ द्वारा जांच किए जाने की बात है तो जांच एजेंसी से पांच वर्ष पहले एक कारण बताओ नोटिस मिला था। हालांकि जांच में एजेंसी को किसी तरह की गड़बड़ी नहीं मिली थी, लेकिन इससे जुड़ा विवाद कोर्ट में विचाराधीन है।

पिछले महीने अदाणी ग्रुप की कुछ कंपनियों में बड़ा निवेश करने वाले तीन फारेन पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) के अकाउंट फ्रीज किए जाने की खबरों के बाद 18 जून को भी उन कंपनियों में भारी बिकवाली हुई थी।

पोषक फसलों की खरीद गारंटी देगा केंद्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: पोषक तत्वों से भरपूर अनाज के उत्पादन से किसानों की आमदनी बढ़ाने पर विचार करने के लिए अंतर मंत्रालयी समिति का गठन किया गया है, जो इसकी खेती को बढ़ावा देने के लिए मदद करेगी। इसी दिशा में असिंचित क्षेत्रों में ज्वार, बाजरा और अन्य मोटे अनाजों व सब्जियों की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। पोषक तत्वों वाली फसलों की उपज की खरीद की गारंटी भी दी जाएगी, ताकि किसानों को उपज की बिक्री में कोई मुश्किल न आए। कुपोषण की चुनौती से निपटने के लिए यह कदम बेहद अहम माना जा रहा है। इसके तीन प्रमुख अवयव शामिल किए गए हैं, जिनमें न्यूट्री गार्डन, न्यूट्री थाली और बायो-फोर्टिफाइ बीजों का वितरण शामिल किया गया है।

अंतर मंत्रालयी समिति में कृषि, महिला व बाल विकास, उर्वरक, कपड़ा और ग्रामीण विकास मंत्रालयों के अधिकारी शामिल हैं। देशभर में कुल 15 लाख आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं, जिन्हें होम गार्डन में न्यूट्रीशन यानी पोषण आधारित सब्जियों की खेती के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।



योजना
- अंतर मंत्रालयी समिति देगी ऐसी खेती को बढ़ावा
- फार्मर फर्स्ट योजना से आय बढ़ाने में मिली सहायता
- कुपोषण की चुनौती से निपटने के लिए यह कदम बेहद अहम

इसी तरह 3.5 लाख कामन सर्विस सेंटर के साथ इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (आइसीएआर) का समझौता किया गया है। यह गठजोड़ किसानों को उनकी सेहत का ध्यान रखने के लिए टेली मेडिसिन सुविधा दिलाने में मदद करेगा। डिप्टी डायरेक्टर जनरल (एक्सटेंसन) डा. एके सिंह ने बताया, किसानों को पोषक तत्वों वाली फसलों के उत्पादन को बेहतर बीज, टेक्नोलाजी व बाजार में उपज बेचने की पूरी गारंटी के साथ हर तरह की मदद दी जाती है। इसके लिए देशभर में 700 से अधिक कृषि विज्ञान केंद्र अहम भूमिका निभा रहे हैं। कृषि क्षेत्र में युवाओं को आकर्षित करने को आइसीएआर आर्या नाम की योजना चला रहा है। इसके तहत 400 से अधिक इकाइयां स्थापित की गई है, जिससे किसानों को हर महीने 12,000-14,000 रुपये की मासिक आमदनी होने लगी है। इसी तरह फार्मर फर्स्ट योजना में क्लस्टर बनाकर खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसमें 2500 गांवों को शामिल किया गया है, जिसके 50 हजार से अधिक किसान परिवारों को सीधा फायदा पहुंच रहा है।

कंपनी प्रबंधन से अलग हुए, सलाह देते रहेंगे शिव नादर

नई दिल्ली, प्रेट्र: एचसीएल टेक्नोलाजीज के संस्थापक शिव नादर ने कंपनी के प्रबंधन से खुद को पूरी तरह अलग कर लिया है। हालांकि वह बोर्ड के मानद चेयरमैन के साथ ही निदेशक मंडल को सलाह देते रहेंगे। पिछले वर्ष जुलाई में चेयरमैन पद से इस्तीफा देने के बाद बेटी रोशनी नादर मल्होत्रा ने उनकी जगह ली थी। रोशनी शेयर बाजार में सूचीबद्ध आइटी कंपनी की पहली महिला चेयरपर्सन हैं।

कंपनी द्वारा शेयर बाजार को दी गई सूचना के मुताबिक, '76 वर्षीय नादर ने प्रबंध निदेशक और मुख्य रणनीतिक सलाहकार के पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा 19 जुलाई से प्रभावी है। हालांकि वह बोर्ड के मानद चेयरमैन के साथ ही निदेशक मंडल को सलाह देते रहेंगे। मानद चेयरमैन के तौर पर उनकी नियुक्ति 20 जुलाई से पांच वर्षों के लिए होगी।' कंपनी ने सोमवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में उसका मुनाफा 9.9 फीसद बढ़कर 3,214 करोड़ रुपये हो गया है।



अगले पांच वर्षों के लिए कंपनी के मानद चेयरमैन रहेंगे नादर ● फाइल फोटो

समीक्षाधीन अवधि में कंपनी की आय 12.5 फीसद बढ़कर 20,068 करोड़ रुपये हो गई। निदेशक मंडल ने शेयरधारकों को छह रुपये प्रति शेयर लाभांश देने का एलान किया है।

महिंद्रा करेगी 600 वाहन रिकाल

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश की अग्रणी आटो कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने सोमवार को कहा कि वह लगभग 600 वाहन रिकाल कर रही है। ये वाहन डीजल-चालित हैं और इनके इंजन में खामी का अंदेशा है। इन सभी वाहनों का निर्माण कंपनी के नासिक (महाराष्ट्र) संयंत्र में हुआ है।

कंपनी ने कहा कि एक खास सीरीज के इन वाहनों का निर्माण इस वर्ष 21 जून से दो जुलाई के दौरान हुआ है। खामी का अंदेशा 600 से कम वाहनों में है। कंपनी ने कहा है कि ग्राहकों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क किया जाएगा। वाहन की रिकालिंग सामान्य प्रक्रिया है। कंपनियां संयंत्रों से निकले वाहनों में से कुछ का प्रयोगशाला में निरीक्षण-परीक्षण करती रहती हैं। इस दौरान खामी नजर आने पर वे उस सीरीज के बिक चुके वाहन वापस मंगा लेती हैं और उन्हीं खामियों की पड़ताल करती हैं। खामी पाए जाने पर कंपनियां उन्हें मुफ्त में ठीक कर ग्राहकों को लौटा देती हैं।

राष्ट्रीय फलक

न्यूज गैलरी

दो महिला समेत तीन नक्सलियों ने डाले हथियार

संबलपुर : दक्षिण ओडिशा के मलकानगिरी, कोरापुट और कंधमाल जिला में सक्रिय नक्सली संगठन के तीन कट्टर नक्सलियों तामनपल्ली गांव की रामे पोडियामी उर्फ सविता, दलदली गांव के राइधर धुरुआ उर्फ राइधर और पिलबोरे गांव की तालसे हुईका उर्फ तालसी ने ओडिशा सरकार की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण कर दिया। (जासं)

हरकी पैड़ी पर हुड़दंग कर रहे नौ यात्री गिरफ्तार

हरिद्वार : हरकी पैड़ी पर हुड़दंग करने वाले नौ आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आपरेशन मर्यादा के तहत चलाए जा रहे इस अभियान में उप्र के सहारनपुर निवासी छोटा, हरियाणा के हिसार निवासी दीपक, भिवानी के दिनेश, सोनीपत के सुरेश, अजय व संदीप व यमुनानगर निवासी रवि, राजीव और दीपक को गिरफ्तार कर लिया। गंगा घाटों पर गंदगी फैलाने वाले 23 आरोपितों का भी चालान काटा गया है। (जासं)

इंश्योरेंस करवाने के नाम पर साढ़े 22 हजार रुपये ठगे

अमृतसर : सदर थाना पुलिस ने इनोवा की आनलाइन इंश्योरेंस करवाने के नाम पर साढ़े 22 हजार रुपये ठगने के आरोप में दिल्ली के चार लोगों के नरेला के पन्ना मम्मूपुर निवासी लूसी कुमारी, माया कुमारी, नरेला स्थित राजीव कालोनी निवासी सतीश कुमार और दिल्ली स्थित महिलापुर निवासी अशोक कुमार के खिलाफ केस दर्ज किया है। (जासं)

सराफा दुकान से तीन करोड़ के हीरे-जेवरात पार

रायपुर : छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के सदर बाजार इलाके में नाहटा मार्केट स्थित नगीना जेम्स से रविवार सुबह करीब तीन करोड़ रुपये के हीरे-जेवरात और तीन लाख रुपये नकद चोरी कर लिए गए। इसकी जानकारी दुकान संचालक को सोमवार को तब लगी, जब वह दुकान खोलने को पहुंचा। संचालक ने दुकान में काम करने वाले युवक पर ही शक जताया है। सीसीटीवी फुटेज में भी वह एक अन्य युवक के साथ नजर आया है। (नईदुनिया)

उत्तर प्रदेश में माफिया की 1574 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

योगी सरकार ने माफिया व कुख्यात अपराधियों की जरायम से जुटाई गई काली कमाई को जब्त करने की रिकार्ड कार्रवाई की है। माफिया व विधायक मुख्तार अंसारी व पूर्व सांसद अतीक अहमद समेत 25 कुख्यात अपराधियों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध अभियान के तहत कार्रवाई की गई है।

अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी का कहना है कि राज्य सरकार के चार वर्ष से अधिक के कार्यकाल में गैंगस्टर एक्ट के तहत कुल 1574 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध संपत्तियों को जब्त किया गया। इसमें 1322 करोड़ रुपये की संपत्ति 2020 से अब तक जब्त की गई है। दूसरी ओर गैंगस्टर एक्ट के तहत करीब 14 हजार अभियोग पंजीकृत किए गए हैं। इन मुकदमों के तहत 43 हजार से अधिक आरोपितों की गिरफ्तारी की गई है।

अवस्थी ने बताया कि गैंगस्टर एक्ट के तहत 1431 प्रकरणों में अवैध संपत्तियों को जब्त किया गया है। इनमें सरकारी जमीन अवमुक्त कराने व अवैध कब्जे के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई भी शामिल है। गैंगस्टर एक्ट के तहत सर्वाधिक कार्यवाही वाराणसी जोन में की गई है, जहां अब तक 420 प्रकरणों में अपराधियों की 202 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई है। गोरखपुर जोन में 208 प्रकरणों में ढाई अरब रुपये से अधिक तथा बरेली जोन में 184 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई है। सूत्रों की माने तो प्रदेश की अपराध मुक्त छवि के लिए यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

- गैंगस्टर एक्ट के तहत करीब 14 हजार मुकदमे दर्ज कर हुई कार्रवाई

योगी शासनकाल में ढेर हुए 139 अपराधी

अपर मुख्य सचिव, गृह का कहना है कि संगठित अपराध पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। 20 मार्च 2017 से 20 जून 2021 के मध्य पुलिस व बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में अब तक कुल 139 अपराधी मारे गए हैं जबकि 3196 अपराधी घायल हुए। पुलिस मुठभेड़ के दौरान बदमाशों की गोली लगने से 13 पुलिसकर्मी वीर गति को प्राप्त हुए, जबकि 1122 पुलिसकर्मी घायल हुए।

जम्मू-कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल से पिछले तीन वर्षों का मांगा रिकार्ड

जासं, जम्मू : एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने सोमवार को जम्मू स्थित स्पोर्ट्स काउंसिल के कार्यालय में छापा कर कई दस्तावेजों को खंगाला। उन्होंने काउंसिल से तीन वर्षों के खेलों के विभिन्न सामान की खरीदारी सहित विभिन्न निर्माण कार्यों और बिल संबंधी दस्तावेज उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

सूत्रों ने बताया कि एसीबी को काउंसिल में धांधलियों के बारे में लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसी आधार पर ब्यूरो की टीम ने काउंसिल से वर्ष 2018-19, 2019-20 और 2020-21 में किए गए खर्चों का लेखा-जोखा मांगा। टीम ने पाया कि काउंसिल ने कुछ काम बिना टेंडर प्रक्रिया के ही किए हैं। गत वर्ष स्पोर्ट्स काउंसिल के श्रीनगर में तैनात वरिष्ठ खेल अधिकारी ने इंटरनेट मीडिया पर देश विरोधी टिप्पणी भी की थी। इसके बाद जांच भी शुरू हुई लेकिन सार्वजनिक नहीं किया है।

नोटबुक पर लिखी गलत टिप्पणी शिक्षक को पांच साल की सजा

जागरण संवाददाता, कैथल

एक स्कूली छात्रा की नोट बुक पर गलत टिप्पणी लिखने वाले सरकारी स्कूल के एक पोस्ट ग्रेजुएट टीचर (पीजीटी) को दोषी करार देते हुए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश पूनम सुनेजा की विशेष अदालत ने पांच साल की सजा सुनाई है। साथ ही उसे 25 हजार रुपये जुर्माना भी देना होगा। जुर्माना न भरने पर अतिरिक्त सजा काटनी होगी। बता दें कि इस मामले में शिक्षा विभाग ने इस स्कूल प्राध्यापक के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पहले ही बर्खास्त कर दिया था।

अदालत ने अपने फैसले में टिप्पणी करते हुए कहा कि विद्यालय वह स्थान है, जहां पर माता-पिता अपने बच्चों को विद्या ग्रहण करने के लिए भेजते हैं और यह आशा करते हैं कि उनके बच्चों का सुरक्षित पालन पोषण हो। एक शिक्षक के रूप में व्यक्ति को मानवीय मूल्यों के प्रति जागरूक एवं चरित्रवान होना चाहिए। दुर्भाग्य से नीतिहीन दोषी अध्यापक संजीव ने अपनी शिष्या के साथ घिनौना अपराध करके विद्यालय, विद्यार्थी, माता-पिता और समाज के विश्वास के साथ धोखा किया है। एसपी लोकेंद्र सिंह ने बताया कि 24 अक्टूबर 2017 को पुलिस थाना सीवन में अंग्रेजी पढ़ाने वाले पीजीटी संजीव के खिलाफ केस दर्ज हुआ था।

फैसला
- अदालत ने कहा दोषी शिक्षक ने किया गुरु-शिष्या के पवित्र रिश्ते को कलंकित
- अदालत ने कहा, दोषी नरमी का हकदार नहीं है दोषी

संभल में बरातियों की बस में दूसरी भिड़ी, सात की मौत

जागरण संवाददाता, सम्भल : आगरा-मुरादाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार रात बरात से लौट रही एक बस खराब हो गई और उसे तेज रफ्तार दूसरी बस ने टक्कर मार दी। हादसे में सात लोगों की जान चली गई जबकि 10 लोग गंभीर घायल हो गए। हादसे के कारण खड़ी बस का बीच सड़क पर खड़ा होना व इंडीकेटर चालू न होना माना जा रहा है।

धनारी थाना क्षेत्र के गांव छपरा निवासी सतीश के बेटे विवेक की रविवार शाम चन्दौसी के मुहल्ला सीता आश्रम पर बरात गई थी। कुछ बराती कार से तो कुछ बस में बैठकर गए थे। 40 से 45 बराती बरात चढ़त के बाद खाना खाकर बस द्वारा वापस गांव आने लगे। गांव लहरावन के पास टायर पंचर हो गया तो चालक कल्याण सड़क पर ही टायर बदलने लगा। इसी बीच सात बराती बस से उतरकर पीछे खड़े हो गए। तभी चन्दौसी की तरफ से आ रही तेज रफ्तार बस ने खड़ी बस में टक्कर मार दी। इससे वीरपाल, हप्पू, छोटे, राकेश, अभय, विनीत कुमार निवासी गांव छपरा और भूरे निवासी गांव कौआखेड़ा की मौके पर ही मौत हो गई।

परमजीत से वाट्सएप पर होती थी सुरेंद्र की बात

दीपक बहल, अंबाला

जासूसी प्रकरण

भारतीय सेना और रक्षा संस्थान की महत्वपूर्ण जानकारियां पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ को मुहैया कराने की जांच कर रही सुरक्षा एजेंसियों को अहम सुराग मिले हैं। इस मामले के तार आगरा से जुड़ रहे हैं, जहां पर परमजीत सिंह (लांसनायक) की पहले ही गिरफ्तारी हो चुकी है। परमजीत और सुरेंद्र की वाट्सएप पर बात होती थी। परमजीत फिलहाल आगरा कैंट में तैनात था, जो ठेकेदार हबीबुर्रहमान उर्फ हबीब को दस्तावेज देता था। हबीबुर्रहमान इसे पाकिस्तान पहुंचाता था।

सूत्रों के मुताबिक लांसनायक परमजीत ने उत्तर प्रदेश से ही सिम लिया था, जिसका जिक्र पुलिस ने अपनी जांच में किया है। आरोप है कि गोपनीय दस्तावेज देने के बदले बैंक खातों में रुपये भेजे जाते हैं। अब पलवल पुलिस सुरेंद्र कुमार के स्टेट बैंक आफ इंडिया के खातों को खंगाल रही है। बैंक से पता किया जा रहा है कि सुरेंद्र कुमार के खाते में किस-किस देश से और कब तथा कितने रुपये आए हैं। हबीब भारतीय सेना में ठेकेदार है, जो पोखरण क्षेत्र में सब्जियां सप्लाई करता है। परमजीत की तैनाती भी इसी क्षेत्र में रही है, जहां पर दोनों की जान-पहचान हुई। परमजीत और सुरेंद्र के खिलाफ अलग-अलग थानों में मामला दर्ज किया गया है। एक मामले की पलवल तथा दूसरे की जांच दिल्ली की क्राइम ब्रांच कर रही है। सुरेंद्र कुमार अभी भी पुलिस रिमांड पर है। पूछताछ में पता चला है कि सुरेंद्र अपने दो मोबाइल नंबरों के माध्यम से वाट्सएप के माध्यम से परमजीत के संपर्क में रहता था और इसी माध्यम से सूचनाएं लेनदेन की बात सामने आई है।

अंबाला छावनी से सेवानिवृत्त है सुरेंद्र: बता दें कि सुरेंद्र कुमार अंबाला छावनी से ही टू कोर में सेना पुलिस से सेवानिवृत्त हुआ था। रिटायरमेंट के बाद सुरेंद्र ने फेसबुक पर अपनी आइडी बनाई और अपनी वर्दी में फोटो भी अपलोड करता था।

नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म में पूर्व मंत्री के बेटे के खिलाफ आरोप-पत्र पेश

जागरण संवाददाता, जम्मू

नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म के आरोप में पूर्व मंत्री रहे अब्दुल गनी वकील के पुत्र आबिद गनी और उसके एक दोस्त के खिलाफ जम्मू पुलिस ने कोर्ट में आरोपपत्र पेश कर दिया है। यह मामला 26 अप्रैल, 2015 जम्मू के दोमाना पुलिस थाने में दर्ज हुआ था।

आरोपपत्र में पुलिस ने कहा है कि वारदात के दिन सातवीं कक्षा की छात्रा अपने स्कूल के शिक्षक और कुछ अन्य विद्यार्थियों के साथ एक खेल कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जम्मू शहर के ही पलौड़ा इलाके में गई थी। कार्यक्रम के बाद पीड़िता जब मिनी बस से अपने घर जाने लगी तो तभी आरोपित आबिद गनी अपने एक दोस्त के साथ कार से वहां पहुंचा। आबिद ने पीड़िता से कहा कि वह उसके पिता का दोस्त है, इसलिए वह उसे घर तक छोड़ देगा। आरोपित उसे कार में बैठाकर शहर के तालाब तिल्लो में स्थित सरकारी क्वार्टर में ले गया। यहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया। इसके बाद पीड़िता को आरोपित अपनी ही कार से उसके घर के पास छोड़ गया। चूंकि आरोपित पूर्व मंत्री का बेटा है, इसलिए छह वर्ष तक किसी भी पुलिस अधिकारी ने उस पर हाथ नहीं डाला। अब इस मामले में जम्मू पुलिस की एक टीम ने बीते माह ही आरोपित आबिद गनी के बारामुला जिले के सोपोर स्थित घर पर दबिश दी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। वह अपने पिता एवं पूर्व मंत्री अब्दुल गनी वकील के साथ रहता है। अब्दुल गनी कांग्रेस से जम्मू कश्मीर में मंत्री रह चुके हैं। वर्तमान में वह कांग्रेस को छोड़कर पीपुल्स कांफ्रेंस में शामिल हो चुके हैं।

बेंगलुरु में भी यौन शोषण का मामला दर्ज

जम्मू पुलिस के अनुसार नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपित आबिद गनी के खिलाफ बेंगलुरु में भी एक युवती के यौन शोषण का मामला दर्ज है। इसके अलावा उस पर बेंगलुरु में ही युवतियों से छेड़छाड़ करने की कई शिकायतें भी दर्ज हैं।

विधायक राठौर की गिरफ्तारी पर रोक

जासं, नैनीताल: दुष्कर्म मामले में फंसे हरिद्वार के ज्वालापुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक सुरेश राठौर की गिरफ्तारी पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। साथ ही उन्हें जांच में सहयोग करने का आदेश देते हुए सरकार को तीन सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा है। भाजपा विधायक सुरेश राठौर ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि उनके खिलाफ महिला ने एक जुलाई को थाना बहादराबाद में दुराचार का केस दर्ज कराया है। याचिककर्ता के अनुसार उन पर लगाए गए आरोप निराधार हैं। वह पुलिस जांच में सहयोग को तैयार हैं। विधायक के अनुसार 2020 में उनके द्वारा महिला के खिलाफ ब्लैकमेलिंग का मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस ने जांच के बाद उसके पति समेत दो अन्य को गिरफ्तार कर जेल भी भेजा था।

आजकल

बोलने की आजादी और राजद्रोह

ऐसा कोई भी कानून जो नागरिकों के मौलिक अधिकारों का दमन करता हो वह न केवल भारत के संविधान, बल्कि संयुक्त राष्ट्र की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय मानकों से भी असंगत होगा। दरअसल राजद्रोह कानून पर उच्चतम न्यायालय द्वारा हाल में की गई टिप्पणी भारत में परिपक्व हो रहे लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतों के अनुकूल है और राज्य को इससे दिशानिर्देश लेते हुए प्रगतिशील रवैया अपनाने की आवश्यकता है



सीवीपी श्रीवास्तव

अध्यक्ष, सेंटर फॉर अप्लायड रिसर्च इन गवर्नेंस, दिल्ली



सुप्रीम कोर्ट की व्याख्या के अनुसार वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को प्रतिबंधित करने के लिए राजद्रोह के कानून को लागू करना असंवैधानिक है। फाइल

हाल में भारत के उच्चतम न्यायालय ने राजद्रोह के कानून के विषय पर केंद्र सरकार से प्रश्न किया है कि इस कानून को अब तक निरस्त क्यों नहीं किया गया है जब अधिकांश ऐसे औपनिवेशिक कानूनों को निरस्त करने की प्रक्रिया चलाई जा रही है। ज्ञात हो कि राजद्रोह कानून भी औपनिवेशिक काल में बनाया गया था। आज देश में उसके व्यापक स्तर पर दुरुपयोग की बातें सामने आ रही हैं। राजद्रोह के कानून के दुरुपयोग को लेकर लंबे समय से देश के संविधान और विधि विशेषज्ञों के बीच विवाद रहा है। उल्लेखनीय है कि इस विषय पर संविधान सभा में भी विवाद हुआ था। और तब सदस्यों ने वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को निर्बंधित करने के लिए इसे एक आधार के रूप में शामिल नहीं करने का निर्णय लिया था।

ध्यातव्य हो कि इस विषय पर संविधान सभा में एक प्रस्ताव प्रस्तुत कर इस अधिकार को निर्बंधित करने के लिए कुछ आधारों जैसे परिवाद, बदनामी, मानहानि, सदाचार या नैतिकता के विरुद्ध अपराध, राजद्रोह या राज्य की सुरक्षा पर आघात करने वाले अन्य कार्यों को शामिल करने की बात कही गई थी, लेकिन सदस्यों ने राजद्रोह के विषय पर उसकी दमनकारी प्रकृति के कारण उपेक्षा का दृष्टिकोण अपनाया और अंततः इसे संविधान में शामिल नहीं किया गया। इसे शामिल नहीं किए जाने वाले कारणों में एक महत्वपूर्ण कारण यह था कि इसे भारत के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े बड़े नेताओं विशेषकर लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और महात्मा गांधी के विचारों का दमन करने के लिए प्रयोग किया गया था।

एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि राजद्रोह की संकल्पना भारतीय दंड संहिता, 1860 के मूल दस्तावेज में नहीं रखी गई थी। इसे एक संशोधन के जरिये 1870 में धारा 124ए में शामिल किया गया। धारा 124ए के अनुसार, 'जो कोई बोले गए या लिखे गए शब्दों द्वारा या संकेतों के द्वारा या दृश्यरूपण द्वारा या अन्यथा भारत में विधि द्वारा स्थापित सरकार के प्रति घृणा या अवमान पैदा करेगा या पैदा करने का प्रयत्न करेगा, असंतोष उत्पन्न करेगा या करने का प्रयत्न करेगा, उसे आजीवन कारावास या तीन वर्ष तक की कैद और जुर्माना अथवा सभी से दंडित किया जाएगा।'

राजद्रोह का मतलब: इस प्रविधान से यह स्पष्ट है कि राजद्रोह एक जघन्य अपराध है। यहां राजद्रोह का अर्थ समझना अनिवार्य है। इसे राष्ट्र द्रोह या देश द्रोह नहीं कहा जाना चाहिए। राजद्रोह का संबंध सरकार से है। राष्ट्र एक राजनीतिक और सांस्कृतिक संकल्पना है जिसमें राज्य के अनिवार्य तत्वों के अलावा वहां निवास करने वाली जनसंख्या में एकता की भावना शामिल है। दूसरी ओर, देश शब्द का प्रयोग भौगोलिक संदर्भ में किया जाता है। अतः राजद्रोह इन दोनों ही संकल्पनाओं से भिन्न है। भारत के उच्चतम न्यायालय ने बृज भूषण बनाम दिल्ली राज्य, 1950 और रमेश थापर बनाम मद्रास राज्य, 1950 मामलों में कहा था कि दंड संहिता की धारा 124ए संविधान के प्रविधानों से संगत नहीं है, लेकिन बाद में न्यायालय ने केदार नाथ यादव बनाम बिहार राज्य, 1962 मामले में धारा 124ए की संवैधानिक वैधता को स्वीकार कर लिया था।

संविधान के पहले संशोधन अधिनियम, 1951 द्वारा लोक व्यवस्था शब्दावली को राज्य की सुरक्षा के उद्देश्य से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार पर निर्बंधन लगाने वाले एक आधार के रूप में अनुच्छेद 19(2) में शामिल किया गया, लेकिन संविधान में इसे परिभाषित नहीं किया गया है। उच्चतम न्यायालय ने किशोरी मोहन बनाम पश्चिम बंगाल राज्य, 1972 मामले में लोक व्यवस्था और राज्य की सुरक्षा के बीच अंतर की व्याख्या की है। न्यायालय के अनुसार ऐसा कुछ भी जो लोक शांति और लोक शांत चित्तता को भंग करता है वह लोक व्यवस्था को भंग करता है, लेकिन महज सरकार की आलोचना से लोक व्यवस्था भंग नहीं होती। दूसरी ओर राज्य की सुरक्षा के अर्थ में राज्य को अपदस्थ करने के इरादे से किए गए हिंसा के अपराधों, सरकार के खिलाफ युद्ध और विद्रोह या बाहरी आक्रमण या युद्ध से राज्य की सुरक्षा को खतरे में डालने के इरादे से दिए गए सभी बयान शामिल हैं। ऐसी व्याख्या से यह स्पष्ट है कि सरकारी कार्यों, नीतियों और कार्यक्रमों की आलोचना पर रोक लगाने के उद्देश्य से असहमति पर अंकुश लगाने या वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को प्रतिबंधित करने के लिए राजद्रोह के कानून को लागू करना संवैधानिक जनादेश के गंभीर उल्लंघन के रूप में देखा जा सकता है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का महत्व : यहां यह उल्लेख करना भी समीचीन है कि लोकतांत्रिक मूल्यों का आधुनिकीकरण अधिकारों के प्रति निरंतर बढ़ती जागरूकता में स्पष्ट रूप से झलकता है। आज की विश्व व्यवस्था में वैश्वीकरण और आर्थिक उदारीकरण के प्रसार के बाद यह बात बिल्कुल स्पष्ट हो गई है कि राष्ट्रों के समक्ष विद्यमान समस्याओं का समाधान सहमति-आधारित निर्णयन के बिना संभव नहीं है। वास्तव में सहमति निर्माण लोकतांत्रिक शासन के सबसे ठोस कार्यात्मक स्तंभों में से एक है। साथ ही यह लोकतांत्रिक निर्णयन के सर्वोत्तम उदाहरणों में से भी एक है। यह तभी संभव हो सकता है जब विश्व भर में नागरिकों को जानने का अधिकार, सूचना का अधिकार, वैचारिक स्वतंत्रता का अधिकार और वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार देकर उन्हें सशक्त बनाया जाए।

भारत के संविधान में अनुच्छेद 19(1)(ए) में प्रत्येक नागरिक को वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान किया गया है। इसके अर्थ में जानने का अधिकार, विचारों की स्वतंत्रता और प्रेस की स्वतंत्रता का अधिकार अंतर्निहित हैं। जहां तक सूचना के अधिकार का प्रश्न है, यह एक सांविधिक मूल अधिकार है और वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की एक प्रजाति के रूप में विकसित अधिकार है। इन सभी से भारत के लोकतांत्रिक शासन में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के महत्व की पुष्टि होती है। इसे इस रूप में प्रमाणित भी किया जा सकता है कि भारत के पहले प्रेस आयोग ने यह कहा था कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सभी स्वतंत्रताओं की जननी है।

यह भी विदित है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता निरपेक्ष स्वतंत्रता के नैसर्गिक (प्राकृतिक) अधिकार की एक प्रजाति है। अतः इसे सभ्य समाज में निरपेक्ष नहीं छोड़ा जा सकता है। इस कारण इस पर तार्किक अथवा युक्तियुक्त निर्बंधन लगाया जाना अनिवार्य है, ताकि व्यक्तिगत और सामाजिक हितों तथा राज्य के प्राधिकार और नागरिकों के अधिकारों के बीच संतुलन बनाया जा सके। ऐसी ही भावना से प्रेरित होकर संविधान के अनुच्छेद 19(2)-19(6) में स्वतंत्रता के अधिकारों पर निर्बंधन लगाने के लिए आठ आधारों का उल्लेख है। इन आधारों में राजद्रोह शामिल नहीं है। जैसा कि ऊपर कहा गया है कि इसे संविधान सभा में ही निर्बंधन के आधार के रूप में स्वीकार नहीं किया था, क्योंकि औपनिवेशिक दमनकारी मनोवृत्ति वाला ऐसा आधार स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक शासन पद्धति के विरुद्ध होता।

भारत में लोकतांत्रिक शासन पद्धति की विशेषता: संविधान में लोकतंत्र के जिस स्वरूप को शामिल किया गया है वह अप्रतिम है। भारत में लोकतंत्र मुख्यतः चार रूपों में प्रचलित है। राजनीतिक लोकतंत्र सभी मूल अधिकारों में प्रतिबिंबित है, जबकि उदारवादी लोकतंत्र विशेषकर स्वतंत्रता के अधिकारों में अंतर्निहित है। लोकतंत्र के इन दोनों स्वरूपों को भाग तीन में मूल अधिकारों (नागरिक एवं राजनीतिक) के रूप रखा गया है। दूसरी ओर सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र की स्थापना के लिए राज्य को भाग चार में शामिल नीति निदेशक तत्वों के जरिये उत्तरदायी बनाया गया है। इसके लिए लोकतंत्र और समाजवाद का मिश्रण भी भारतीय शासन पद्धति का उत्कृष्ट पक्ष है। इसी आधार पर सभी मूल अधिकारों के संरक्षण के साथ लोकतांत्रिक समाजवाद के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए राज्य को उत्तरदायी बनाया गया है। ध्यातव्य हो कि यही संयुक्त राष्ट्र द्वारा क्रियान्वित विकास का अधिकार आधारित दृष्टिकोण भी है। ऐसी स्थिति में ऐसा कोई भी कानून जो अधिकारों का दमन करता हो वह न केवल भारत के संविधान, बल्कि संयुक्त राष्ट्र की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय मानकों से भी असंगत होगा। ऐसे में इस पर समग्रता से विचार करना आवश्यक है।

कानून का दुरुपयोग चिंताजनक

यदि भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए पर विचार करें तो हाल के वर्षों में व्यापक स्तर पर इसका दुरुपयोग गंभीर चिंता का विषय बन गया है। यही चिंता उच्चतम न्यायालय द्वारा हाल में की गई टिप्पणी से भी स्पष्ट होती है। विदित है कि उच्चतम न्यायालय न केवल संविधान का संरक्षक है, बल्कि वह अधिकारों के संरक्षण और प्रवर्तन के लिए भी सशक्त है। न्यायालय की यह उत्कृष्ट भूमिका मेनका गांधी बनाम भारत संघ, 1978 मामले में दिए गए ऐतिहासिक निर्णय से स्पष्ट होती है जिसमें न्यायालय ने भारत के संविधान के 'स्वर्णिम त्रिभुज' की व्याख्या की है। इस त्रिभुज का निर्माण अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार), अनुच्छेद 19 (वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सहित अन्य मौलिक स्वतंत्रता) तथा अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) से हुआ है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के जरिये इस त्रिभुज के संरक्षण के लिए न्यायालय ने श्रेया सिंघल बनाम भारत संघ, 2015 मामले में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66ए को असंवैधानिक घोषित किया था। तब उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि धारा 66ए पूरी तरह से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन है, लेकिन दुख की बात है कि हाल तक इस धारा के तहत मामले दर्ज किए जाते रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि देशभर में 1307 केस दर्ज किए गए। सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख और केंद्रीय गृह मंत्रालय के स्पष्ट दिशानिर्देश के बाद अब उम्मीद की जानी चाहिए कि ऐसा नहीं होगा।

अंत में यह कहना उपयुक्त होगा कि राजद्रोह कानून पर उच्चतम न्यायालय द्वारा हाल में की गई टिप्पणी भारत में परिपक्व हो रहे लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतों के अनुकूल है और राज्य को इससे दिशा निर्देश लेते हुए प्रगतिशील होने की आवश्यकता है।

खरी-खरी

कोउ नृप होउ हमै का लाभा!

अशोक गौतम

असल में मैंने होरी से दूध इसलिए लगवा रखा है कि पुराने जमाने का जीव है। ऊपर से जन्म-जन्म का ईमानदारी का मारा। डालेगा भी तो अधिक से अधिक दूध में ही पानी डालेगा, पानी में दूध नहीं। कल सुबह फिर रोज की तरह होरी दूध लेकर आया तो मैंने उससे अपनी खुशी शेयर करनी चाही। मेरी खुशी ये थी कि इस बार मंत्रिमंडल विस्तार होने पर साम, दाम, दंड, भेद से मेरे दूर के रिश्तेदारों के एक रिश्तेदार भी मंत्री बने थे। अपनी दूर की रिश्तेदारी में ही सही, किसी का मंत्री बनना उसके दूर पार के रिश्तेदारों तक को मोक्ष प्राप्ति वाली बात होती है।

मैंने दूध लेने को पतीला होरी के आगे धरा तो वह कैन कर ढक्कन खोलता लंबी आह भरकर बोला- सरकार! कोउ नृप होई हमै का लाभा! हद है यार! देश में 1947 के बाद से लोकतंत्र है और होरी अभी भी राजाओं-महाराजाओंकी बात कर रहा है? पर ऐसी बातें होरी ऐसे ही नहीं करता। कोई बात तो जरूर है। सो मैंने होरी से पूछा-होरी! क्या तुम मंत्रिमंडल विस्तार से खुश नहीं? बाबूजी! कितने नृप आए कितने चले गए! क्या मिला गरीब आदमी को? कोरी गप्पों से तो हमारा विकास नहीं होगा न! जो भी आया, हम गरीब को झांसा दे राजनीति की वैतरणी पार कर खुदा हो लिया। डेमोक्रेसी तो तब मानें जो हमें पटवारी से मुक्ति मिले। डेमोक्रेसी तो तब मानें जो हमें थानेदार से मुक्ति मिले। घोषणाओं से कभी किसी का पेट भरा है क्या बाबू साहेब? हां! घोषणाएं करने वालों का जरूर भरा है। जनता के पेट तो तब भरे जो घोषणाओं में लिखा-कहा हमारे घर तक पहुंचे। देश के गली-कूचों की दीवारें गवाह हैं कि कितनी ही योजनाएं बनीं हमें उठाने की, पर आज भी बात वहीं की वहीं। आज भी गोबर का बच्चा रोज रेड लाइट के पास पैंट वालों को कभी नाड़े बेच लेता है तो कभी पंद्रह अगस्त को तिरंगे।

कुछ देर रुकने के बाद फिर बोला- आज कितना दूध दूं बाबू जी? जितना दूध में दूध हो बस, उतना। मैंने उसके साथ मजाक किया तो उसने बुरा नहीं माना। दिन में पचासियों बार रोज सच सुने जाने के एक समय बाद आदमी सच सुनने पर भी सच का बुरा नहीं मानता।

ट्वीट-ट्वीट

बारिश केवल कीचड़, गंदगी, उमस या ट्रैफिक जाम नहीं है। यह सौंधी मिट्टी की खुशबू है। बरसती बूंदों का कर्णप्रिय संगीत है। ठंडी हवा का झोंका है। ताजगी का अहसास है। झूमते पेड़ और लहलहाती फसलें है। बारिश है तो जीवन है। केवल कुढ़े न, इसका आनंद भी लें।
अखिलेश शर्मा@akhileshsharma1

अगर कोरोना के आधार पर आप कांवड़ यात्रा पर तुरंत प्रतिबंध लगाते हैं या फिर उसका समर्थन करते हैं और बकरीद के मामले में लोगों को सड़कों पर आने की छूट देते हैं या भीड़भाड़ पर चुप्पी साध लेते हैं तो यह आला दर्जे का दोगलापन है। यह सेक्युलरिज्म नहीं कट्टरता को बढ़ाता है!
ब्रजेश कुमार सिंह@brajeshksingh



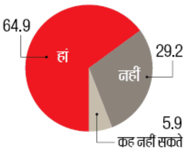
हमारी अदालतों में लंबित चार करोड़ मामलों में से 50,846 करीब 35 साल पुराने हैं। वहीं लगभग 1.7 लाख दुष्कर्म से जुड़े हैं। इससे यही लगता है कि न्याय का पहिया सुस्त नहीं पड़ा, बल्कि थम गया है।
आनंद रंगनाथन@ARanganathan72

कैप्टन अमरिंदर सिंह एक सैनिक, एक नेता और एक महाराजा हैं। उन्हें अपनी इस प्रकार भद नहीं पिटवानी चाहिए। बेहतर होगा कि वह अपनी पूरी कैबिनेट के साथ इस्तीफा दे दें। स्पष्ट है कि कांग्रेस ने अपनी दुर्गति पर मुहर लगा दी है।
सिमी ग्रेवाल@Simi_Garewal

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या उच्च शिक्षण संस्थानों को एक अक्टूबर से खोलने का फैसला सही है?



सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या विपक्ष को प्रधानमंत्री को संसद में अपने मंत्रियों का परिचय कराने का अवसर देना चाहिए था?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

वैसाखी लेकर चलें जब सिद्धू जी चार,
कांग्रेस का हो चुका तो समझो उपचार।
तो समझो उपचार चार की चार दिशाएं,
ऊपर से कप्तान स्वयं का राग सुनाएं।
यह प्रैक्टिस का दौर चल रही समझो झांकी,
टिकट बांटते वक्त मनाएंगे वैसाखी!
– ओमप्रकाश तिवारी

बंगाल डायरी

चुनावों को लेकर ममता का दोहरा मापदंड



जयकृष्ण वाजपेयी

राज्य ब्यूरो प्रमुख, बंगाल



नई दिल्ली में पिछले गुरुवार को केंद्रीय चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात के बाद चुनाव आयोग के दफ्तर से बाहर निकलते तृणमूल कांग्रेस के नेता। इंटरनेट मीडिया

राजनीति में कुर्सी ही सबसे अहम है। इसके लिए नेता कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। इसके प्रमाण आए दिन मिलते हैं। इस समय बंगाल में कुर्सी का खेल खूब दिख रहा है। पिछले एक दशक से बंगाल की सत्ता पर काबिज तृणमूल कांग्रेस प्रमुख एवं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनावों को लेकर कभी जल्दबाजी में नहीं रहीं, लेकिन इस बार विधानसभा उपचुनाव को लेकर बेचैन हैं। विधानसभा चुनाव संपन्न हुए अभी महज सवा दो महीने ही हुए हैं, लेकिन वह तुरंत उपचुनाव चाहती हैं। पिछले गुरुवार को तृणमूल का छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल विधानसभा की खाली सीटों पर उपचुनाव तत्काल कराने की मांग करते हुए नई दिल्ली स्थित केंद्रीय चुनाव आयोग के दफ्तर पहुंच गया। ममता खुद भी कई बार कह चुकी हैं कि सूबे में तुरंत उपचुनाव कराए जाएं। साथ ही उपचुनाव में देरी के लिए केंद्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधने से भी गुरेज नहीं कर रही हैं, जबकि इसी बंगाल में कोलकाता, हावड़ा, बिधाननगर, सिलीगुड़ी, आसनसोल जैसे नगर निगमों समेत 100 से अधिक नगर निकायों में निर्वाचित बोर्डों का कार्यकाल समाप्त हुए एक वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन राज्य सरकार की तरफ से वहां चुनाव कराने की बात एक बार भी नहीं कही जा रही है। भला वहां चुनाव की जरूरत भी क्यों हो, चुनाव जीते बिना ही उन सभी नगर निकायों पर तृणमूल का कब्जा जो है। बंगाल सरकार ने सभी निकायों में अपने नेताओं को प्रशासक बनाकर बैठा रखा है। वहां चुनाव होने से कुर्सी जा भी सकती है, इसीलिए निकायों के चुनाव ममता के लिए जरूरी नहीं हैं, पर उपचुनाव आवश्यक हैं।

इसे लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष का कहना है कि 'दीदी मोनी (ममता बनर्जी) विधानसभा उपचुनाव कराने की जल्दबाजी में हैं, क्योंकि नंदीग्राम से हारने के बाद उनका मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे रहने के लिए किसी भी सीट से छह माह के भीतर निर्वाचित होना जरूरी है। इसीलिए वह परेशान हैं। निकाय चुनाव नहीं होने से लोग परेशान हो रहे हैं। इस पर ममता की नजर नहीं है, पर उपचुनाव होने चाहिए। यह चुनावों को लेकर उनके दोहरे मापदंड को दर्शाता है।'

सौ से अधिक नगर निकायों में निर्वाचित बोर्डों का कार्यकाल 2020 की शुरुआत में ही समाप्त हो चुका है। कभी कहा जाता है कि कोरोना महामारी की वजह से चुनाव नहीं कराया जा सकता तो कभी कुछ और बहाना बनाया जाता है। यह सही है कि 2020 के मार्च से कोरोना का प्रकोप शुरू हो गया था, लेकिन नवंबर-दिसंबर में निकायों के चुनाव कराए जा सकते थे, पर विधानसभा चुनाव के मद्देनजर टाल दिए गए। दरअसल कोलकाता नगर निगम का चुनाव नहीं होने का मामला हाई कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव कराने को लेकर राज्य चुनाव आयोग से जवाब भी तलब किया था, परंतु राज्य सरकार ने विधानसभा चुनाव का हवाला देकर निकाय चुनावों को टाल दिया था।

विधानसभा चुनाव से पहले ही बंगाल में भी कोरोना महामारी तेज हो गई तो ममता ने सवाल उठाया था कि कोरोना काल में आठ चरणों में विधानसभा चुनाव क्यों कराए जा रहे हैं? इस मुद्दे पर उन्होंने चुनाव आयोग से लेकर केंद्र सरकार तक पर निशाना साधा था। इसके बाद जब वह जीत गईं और मुख्यमंत्री पद की शपथ ले लीं तो उन्होंने तत्काल बंगाल में लाकडाउन लगा दिया, जो कुछ रियायतों के साथ अब भी जारी है। अब ममता कह रही हैं कि उनकी सरकार ने निर्वाचन आयोग को सूचित कर दिया है कि वह राज्य में कुछ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव कराने के लिए तैयार है, क्योंकि उन क्षेत्रों में कोरोना की स्थिति नियंत्रण में है। दरअसल निर्वाचन आयोग ने यह जानना चाहा था कि क्या बंगाल दो रिक्त राज्यसभा की सीटों पर चुनाव कराने के लिए तैयार है, जिसके जवाब में मुख्य सचिव ने आश्वासन दिया था कि राज्य कोरोना नियमों का पालन करते हुए इसके लिए भी तैयार है। ममता का कहना है कि बंगाल में कोरोना संक्रमण दर घटकर 1.5 फीसद रह गई है। यह स्थिति उपचुनाव कराने के लिए अनुकूल है।

ऐसे में निकाय चुनाव भी क्यों न हों? भाजपा समेत अन्य विरोधी दल पिछले एक साल से कई बार पत्र लिखकर इसकी मांग कर चुके हैं। कोर्ट का दरवाजा तक खटाखटा चुके हैं, लेकिन चुनाव नहीं हुआ। इस मुद्दे पर तृणमूल नेता खुलकर कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

मंथन

बंद हो आतंकवाद पर राजनीति

अगर कुछ नेता वोट बैंक या भाजपा से विरोध के कारण गैर जिम्मेदार तरीके से संदिग्ध लोगों की गिरफ्तारियों का विरोध करेंगे तो इससे आतंकवादियों का ही हौसला बढ़ेगा



अवधेश कुमार

वरिष्ठ पत्रकार



एटीएस द्वारा गिरफ्तार किए गए आतंकवादी मिनहाज और मसीरुद्दीन। फाइल

आतंकवाद के आरोप में हुई गिरफ्तारियों पर तब तक अंतिम निष्कर्ष नहीं दिया जा सकता, जब तक कि छानबीन के साथ पूरा सच सामने नहीं आ जाता। यह बात अगर उन पर लागू होती है, जो गिरफ्तार हुए सभी को तुरंत आतंकवादी मान लेते हैं तो उन पर ही भी, जो सीधे पुलिस, उसके आतंकवाद निरोधक दस्ते यानी एटीएस, राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआइए की कार्रवाई को ही प्रश्नों के घेरे में खड़ा कर देते हैं। आज भारत और विश्व में एक-एक व्यक्ति को पता है कि आतंकवाद संपूर्ण मानवता के लिए कितना भयानक खतरा है। हम सबने कई बार भारत में आतंकवादियों द्वारा खून और विध्वंस के भयानक दृश्य का अनुभव किया है। स्वयं उत्तर प्रदेश कई भीषण आतंकवादी हमले झेल चुका है। गत दिनों उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दो संदिग्ध आतंकवादियों की गिरफ्तारी के बाद जिस तरह दूसरी गिरफ्तारियां हो रही हैं और आतंकवाद को लेकर जो जानकारियां आ रही हैं उनसे प्रदेश ही नहीं, देश भी चिंतित है। किंतु कई हलकों से जिस तरह की प्रतिक्रियाएं आई हैं वे ज्यादा चिंता बढ़ाने वाली हैं। अखिलेश यादव प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री रहे हैं। अपने कार्यकाल में उनके सामने भी आतंकवाद की साजिशों, उसके विस्तार की रिपोर्ट और सुबूत आए होंगे। बावजूद वे कह रहे हैं कि मुझे उत्तर प्रदेश पुलिस पर विश्वास नहीं और सरकार पर तो बिल्कुल विश्वास नहीं है तो इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण कुछ नहीं हो सकता।

जिन दो आतंकवादियों को एटीएस ने गिरफ्तार किया वे अलकायदा की भारतीय उपमहाद्वीप शाखा यानी एक्यूआइएस समर्थित अंसार गजवातुल हिंद से जुड़े हैं। ये दोनों संदिग्ध मिनहाज अहमद और मसीरुद्दीन ने पूछताछ में अभी तक जो बताया उन सबको हम एटीएस पर अविश्वास कर खारिज कर दें तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आत्मघाती होगा।

अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां और संस्थाएं बार-बार भारत में आतंकवादी खतरों की जानकारी दे रही हैं। एक्यूआइएस के बारे में उत्तर प्रदेश एटीएस ने पहली बार जानकारी नहीं दी है। भारत के पास यह जानकारी पिछले सात वर्षों से उपलब्ध है। जब अलकायदा के प्रमुख अयमान अल जवाहिरी ने एक्यूआइएस की घोषणा करते हुए इसके पहले कमांडो की बात की उसके कुछ ही समय बाद स्पष्ट हो गया कि वह व्यक्ति उत्तर प्रदेश का है। बाद में वह अफगानिस्तान में मारा गया। इस समय एक्यूआइएस का प्रमुख उमर हलमंदी है यह भी जाना तथ्य है। तो एक्यूआइएस से सीधे जुड़े या उसके समर्थन में काम करने वाले आतंकवादी संगठन किसी न किसी तरह उससे जुड़े होंगे। इसलिए एटीएस अगर कह रही है कि यह हलमंदी के निर्देशानुसार काम कर रहे थे तो उसे आतंकवाद के जानकार और विशेषज्ञ खारिज नहीं कर सकते। मार्च 2017 में लखनऊ में ही छिपे आतंकवादी सैफुल्लाह मुठभेड़ में मारा गया था, जो आइएसआइएस के खुरासान माडल का सदस्य था। वह भी कानपुर का ही रहने वाला था। उसके बाद कई गिरफ्तारियां हुईं। अयोध्या से लेकर वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, रामपुर ऐसे अनेक स्थल पिछले डेढ़ दशकों में आतंकवादी हमलों का शिकार हो चुके हैं। छानबीन में प्रदेश में व्यापक आतंकवादी संजाल का पता चला और उनमें सजाएं भी हुईं। कुछ मुकदमे चल रहे हैं, लेकिन हमारे देश के कुछ नेताओं, एक्टिविस्टों के लिए तो सब झूठ है। जब हमला होता है तो सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस, खुफिया एजेंसियों को कोसते हैं, सरकार को कठघरे में खड़ा करते हैं, पर अगर सुरक्षा एजेंसियां हमले के पहले ही आतंकवाद की साजिशों का खुलासा कर साजिशकर्ताओं को गिरफ्तार करती हैं तो वे लोग उनके पक्ष में झंडा उठाकर खड़े हो जाते हैं। आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र की पिछले साल जारी रिपोर्ट में भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा के 180 से 200 आतंकवादियों के होने की जानकारी थी। इसमें कहा गया था कि ये आतंकवादी भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और म्यांमार से हैं। हम यह भी जानते हैं कि भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा आइएस का सहयोगी है।

लखनऊ की गिरफ्तारी के अगले ही दिन कोलकाता में भी तीन आतंकवादियों की गिरफ्तारी हुई। बंगाल की पुलिस कह रही है कि बांग्लादेशी आतंकवादी संगठन जेएमबी के स्लीपर सेल यहां पहले से हैं। अन्य कई गिरफ्तारियां होंगी, क्योंकि तीनों आतंकवादियों से पूछताछ के दौरान पता चला कि जेएमबी के 10 संदिग्ध आतंकवादी ओडिशा, बिहार और जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में चले गए हैं। तो क्या बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी आप संदेह करेंगे, जो मुस्लिम वोट बैंक के लिए किसी सीमा तक जाने को तैयार रहती हैं? वास्तव में आतंकवाद हमारे देश के लिए सबसे बड़ी सुरक्षा चुनौती बना हुआ है और अफगानिस्तान में अमेरिका की वापसी तथा तालिबानों के वर्चस्व के बाद खतरा कहीं ज्यादा बढ़ गया है। ऐसे में यह आवश्यक है कि आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाइयों को निशाना बनाने, किसी सरकार को कठघरे में खड़ा करने की जगह संतुलित रूप से अपनी बात कही जाए। अगर कुछ नेता वोट बैंक या भाजपा से विरोध के कारण तथा एक्टिविस्ट अपने निहित स्वार्थों के साए में गैर जिम्मेदार तरीके से गिरफ्तारियों का विरोध करेंगे तो आतंकवादियों का ही हौसला बढ़ेगा।

24 से 28 जुलाई, 2021 तक रद रहेगी देहरादून से वाराणसी के बीच चलने वाली जनता एक्सप्रेस। स्टेशन अधीक्षक ने बताया कि शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन पर नान इंटरलाकिंग का कार्य कराने के लिए रेलवे ने ब्लाक लिया है।

उत्तराखंड

अंदरूनी खींचतान में फंसी कांग्रेस

उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव को अब छह-सात महीने शेष हैं, लेकिन मुख्य विपक्ष कांग्रेस अंदरूनी खींचतान में फंसी है। कौन विधानसभा चुनाव में पार्टी की बागडोर संभालेगा, प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष के रूप में क्या नए चेहरे दिखाई देंगे, इन सवालों के जवाब तलाशने के लिए प्रदेश कांग्रेस के दिग्गज पिछले एक पखवाड़े से दिल्ली में डटे हैं। ऐन चुनाव से पहले, जब विपक्ष के रूप में तमाम जनहित के मुद्दों को लेकर कांग्रेस को मोर्चे पर रहना चाहिए, पार्टी वर्चस्व की लड़ाई में वक्त जाया कर रही है। यह स्थिति तब है जब कांग्रेस पिछले सात वर्षों से उत्तराखंड में बुरे दौर से गुजर रही है। पिछले दोनों लोकसभा चुनावों में राज्य की पांचों सीटों पर करारी शिकस्त झेलने वाली कांग्रेस वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में 70 में से केवल 11 ही सीटों पर जीत दर्ज कर पाई।

दरअसल उत्तराखंड में वर्ष 2014 से कांग्रेस में टूट की शुरुआत हुई। पूर्व केंद्रीय मंत्री सतपाल महाराज वर्ष 2014 और फिर वर्ष 2016 में पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा समेत 10 कांग्रेस विधायक भाजपा में शामिल हो गए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रहे यशपाल आर्य भी वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपाई हो गए। इसका ही असर रहा कि कांग्रेस ने अलग राज्य बनने के बाद विधानसभा चुनाव में अब तक का सबसे कमजोर प्रदर्शन किया। कांग्रेस का यह हश्र गुटबाजी और बड़े नेताओं की निजी महत्वाकांक्षाओं के कारण हुआ, मगर लगता नहीं कि पार्टी ने इससे सबक लिया। चुनावी वर्ष में नए प्रदेश प्रभारी देवेंद्र यादव सामूहिक नेतृत्व में चुनाव की बात कहते हैं, लेकिन राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत चेहरा घोषित कर चुनाव में जाने के हिमायती हैं। पिछले महीने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डा. इंदिरा हृदयेश के निधन से पार्टी को झटका तो लगा ही, कांग्रेस में वर्चस्व साबित करने का दौर नए सिरे से शुरू हो गया। क्षेत्रीय एवं जातीय संतुलन साधने के फेर में नए नेता विधायक दल के साथ ही प्रदेश अध्यक्ष पद पर बदलाव की जोड़तोड़ शुरू हो गई।

> उत्तराखंड में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की स्थिति इतनी विकट है कि वह जनमुद्दों के बजाय आपसी खींचतान में उलझी है

हालांकि कांग्रेस उत्तराखंड में 10 साल सत्ता में रही है और समय-समय पर पार्टी ने जनता से जुड़े विषयों पर सक्रियता भी प्रदर्शित की, लेकिन चुनावी साल में इस तरह की अंदरूनी खींचतान पार्टी की खुद की सेहत के लिए शायद बेहतर नहीं कही जा सकती। संसदीय प्रणाली में जन सरोकारों को लेकर विपक्ष की उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जितनी सत्तापक्ष की। वह सरकार पर अंकुश का काम करता है, लेकिन उत्तराखंड में कांग्रेस विपक्ष के रूप में जनता के प्रति अपनी जवाबदेही को दरकिनार करती दिख रही है।

झारखंड

पौधे लगाएं, आक्सीजन उपजाएं

कोरोना महामारी ने आक्सीजन के महत्व और इसे उपजाने वाली फैक्ट्री पेड़ों के महत्व को भी हमें बताया है और चेताया भी है। यह अच्छी बात है कि अब महामारी काबू में है और आक्सीजन की किल्लत जैसे हालात कहीं दिखाई नहीं दे रहे हैं, लेकिन इससे मिली सीख को हमेशा याद रखना होगा। अब पर्यावरण संरक्षण की बातों से आगे बढ़कर सोचने और इसके संरक्षण के लिए कुछ करने का वक्त आ गया है।

हमें न सिर्फ पुरानी विरासत को सहेजने की आवश्यकता है, बल्कि नए पौधे लगाकर प्रकृति का कर्ज भी अदा करना होगा। एक वृक्ष हमें क्या-क्या देता है। इस सवाल पर मंथन करेंगे तो पाएंगे कि पेड़-पौधे हमारी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सभी तरह की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। पेड़ों का हमारे स्वास्थ्य एवं समृद्धि से सीधा जुड़ाव है। पेड़ आक्सीजन के मुख्य स्रोत हैं। पर्यावरण को शुद्ध रखने में मदद करते हैं। अल्ट्रावायलेट किरणों से बचाने में मजबूत कवच का काम करते हैं। जल संरक्षण में भी इनकी अहम भूमिका है। वाष्पीकरण को कम करने में तो वे अपनी भूमिका निभाते ही हैं।

> अब पर्यावरण संरक्षण की बातों से आगे बढ़कर सोचने और कुछ करने का वक्त आ गया है


सिर्फ पौधा ही नहीं लगाएं, बल्कि उसकी देखरेख भी करें। फाइल

भोजन के मुख्य स्रोत और आयुर्वेद के भी ये आधार स्तंभ हैं। मृदा का कटाव भी वृक्ष ही रोकते हैं। अच्छी बारिश में भी ये सहायक हैं। अर्थव्यवस्था का भी सीधा सरोकार पेड़-पौधों से है। पौधारोपण के लिए हमेशा की तरह मानसून के मौसम में वन विभाग अभियान चला रहा है। करीब पौने दो करोड़ पौधे वनों और वनों के बाहर लगाए जाएंगे। मनरेगा की बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत भी करीब तीस लाख पौधे 28 जुलाई तक लगाए जाने की तैयारी है, लेकिन सिर्फ इतना ही पर्याप्त नहीं है। समाज के सभी वर्ग को भी इस दिशा में आगे आना होगा। इसके लिए लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। गत पांच जून से शुरू 'मिशन ऑक्सीजन' के तहत अबतक आम और खास सभी को प्रेरित कर लाखों पौधे लगवाए गए हैं। यह मिशन अभी थमा नहीं है, जारी है। ऐसे प्रयास जारी रखने होंगे।

पौधों को सिर्फ लगाना ही नहीं है, बल्कि कुछ वर्षों तक उनकी देखरेख अपनों की तरह करनी है। नहीं तो पौधे लगाने का उद्देश्य निरर्थक साबित होगा। एक पौधे को यदि हम तीन सालों के लिए बचा लेंगे तो वह आजीवन औसतन सात लोगों की आक्सीजन की पूर्ति करेगा। प्रकृति के कर्ज को उतारना संभव नहीं है, लेकिन पेड़-पौधे लगाकर हम ब्याज जरूर अदा कर सकते हैं।

बिहार

गांवों में बढ़े टीकाकरण

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की चुनौतियों को लेकर बिहार सरकार सजग थी। कोरोना जांच, इलाज और वैक्सीनेशन को लेकर विशेष तैयारी की गई थी। बिहार में हर साल जन-धन की भारी हानि होती है। कोसी के अलावा कई और नदियां हैं, जो नेपाल से बाढ़ लाती हैं। इस कारण बड़ी संख्या में लोग बेघर हो जाते हैं और उन्हें पशुओं के साथ ऊंचे स्थानों पर पलायन करना पड़ता है। डर यह है कि यदि इस बीच कोरोना की तीसरी लहर आती है तो गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। पिछले दो दिनों में बारिश का दौर शुरू हुआ तो नए इलाके बाढ़ से घिरने लगे हैं। गंडक, बूढ़ी गंडक, बागमती, लखनदेई में पानी बढ़ने लगा है। इससे आम जनजीवन पर तो प्रभाव पड़ा ही है, खेती और कोरोना जांच-इलाज बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। वैक्सीन लगाने की प्रक्रिया को भी बाधा पहुंच रही है। इस बीच सरकार ने घोषणा की है कि गन्ना जैसी फसलों की क्षति का भुगतान भी आनलाइन आवेदन के आधार पर किया जाएगा। शीघ्र ही इस दिशा में कार्य शुरू कराने की तैयारी है।



ग्रामीण इलाकों में टीकाकरण की सफलता ही कोरोना की तीसरी लहर को रोकने में कामयाब होगी। फाइल

प्रशासन ने काफी पहले से कोरोना के दौरान बाढ़ को ध्यान में रखकर तैयारी की थी। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पिछली बार की तुलना में अधिक संख्या में शरण स्थल बनाने का निर्णय लिया गया था। इन्हें बनाया भी गया है। स्थानीय तौर पर गड़बड़ी यह हुई कि वैसे स्थानों पर आश्रयस्थल बनाए गए हैं, जो खुद पानी से घिरे हैं। बाढ़ प्रभावितों के लिए सामुदायिक रसोई में भी बड़ी संख्या में लोगों को भोजन मिल रहा है।

> बाढ़ वाले इलाकों और अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना जांच, इलाज और टीकाकरण को लेकर अत्यधिक सतर्कता और सक्रियता जरूरी है

समझा जा सकता है कि बाढ़ की वजह से रोजी-रोजगार और दैनिक जीवनयापन को लेकर कष्ट झेल रहे लोग कोरोना वैक्सीन लगाने को लेकर उतने तत्पर नहीं दिखेंगे, जैसे दूसरे इलाकों में दिख रहे। बाढ़ वाले इलाकों में प्रशासन को अधिक तत्पर दिखना होगा।

नाव पर टीका केंद्र खोलने जैसे निर्णय अच्छे हैं, लेकिन चुनौती यह है कि अधिक से अधिक पीड़ितों तक पहुंचा जाए। उन्हें समझाया जाए। ग्रामीण इलाकों में टीकाकरण की सफलता ही तीसरी लहर को रोकने में कामयाब होगी। इन इलाकों में पूरी ताकत लगाई जानी चाहिए।

बंगाल

तृणमूल को तीन मोर्चों पर घेर रही भाजपा

बंगाल विधानसभा की सभी स्थायी समितियों से इस्तीफा देने के बाद लोक लेखा समिति अध्यक्ष मुकुल राय के विधायक पद खारिज कराने को लेकर भाजपा ने तिहरी रणनीति बनाई है। जिससे बच निकलना तृणमूल कांग्रेस नेता मुकुल राय के लिए आसान नहीं होगा। भगवा ब्रिगेड ने तृणमूल छोड़कर भाजपा में शामिल हुए दो सांसदों शिशिर अधिकारी एवं सुनील मंडल को लोकसभा सचिवालय की ओर से दलबदल विरोधी कानून के तहत नोटिस भेज कर पहली चाल चल दी है। क्योंकि तृणमूल कांग्रेस के नेता बार-बार यह कह रहे थे कि पहले दलबदल विरोधी कानून के तहत शिशिर और सुनील पर कार्रवाई की जाए। ऐसे में अब नैतिक और राजनीतिक रूप से तृणमूल और विधानसभा स्पीकर पर दबाव बढ़ जाएगा कि वे भी मुकुल के खिलाफ कार्रवाई शुरू करें। इस बीच मुकुल के विधायक पद खारिज करने को लेकर भाजपा की शिकायत पर शुक्रवार को विधानसभा में सुनवाई हुई थी और तीस जुलाई को फिर से सुनवाई होनी है। इससे पहले ही लोकसभा सचिवालय ने तृणमूल छोड़कर आए भाजपा के दो सांसदों को नोटिस जारी कर दिया है। शिशिर-सुनील को 15 दिनों में नोटिस का जवाब देने को कहा गया है। जवाब से संतुष्ट नहीं होने पर लोकसभा अध्यक्ष की ओर से अगर उन दोनों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है तो स्वाभाविक रूप से मुकुल के खिलाफ भी कार्रवाई को लेकर दबाव बढ़ेगा। ऐसे में मुकुल के मुद्दे को खारिज करना ममता के लिए आसान नहीं होगा। दूसरी रणनीति के रूप में भाजपा दलबदल विरोधी कानून के तहत मुकुल की सदस्यता खारिज कराने के लिए कलकत्ता हाई कोर्ट जाने की भी तैयारी शुरू कर दी है। यदि विधानसभा स्पीकर कुछ कार्रवाई नहीं करते हैं तो भाजपा नेताओं ने साफ कह दिया है कि वे लोग कोर्ट जाएंगे। तीसरी रणनीति के तहत आगामी माह नौ अगस्त को दिनेश त्रिवेदी के इस्तीफा से रिक्त हुई राज्यसभा सीट पर होने वाले चुनाव में जीत की संभावना नहीं होने के बावजूद भाजपा अपना उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है। भगवा कैंप के ऐसा करने के पीछे का मकसद अपने पार्टी विधायकों को व्हिप जारी कर मुकुल राय पर दबाव बनाना है। क्योंकि व्हिप जारी हो जाने पर यदि मुकुल भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान नहीं करते हैं तो वे कार्रवाई के दायरे में आ जाएंगे। परंतु राज्यसभा की एक ही सीट के लिए मतदान होना है और तृणमूल के पास 210 विधायक हैं। ऐसे में मुकुल अनुपस्थित रहेंगे तो कुछ अधिक फर्क नहीं पड़ेगा। खैर जो भी हो पर, भाजपा मुकुल को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ेगी।

> मुकुल राय के विधायक पद को खारिज कराने को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने तिहरी रणनीति बनाई है। राय के लिए इससे बच निकल पाना आसान नहीं होगा

उप्र में नहीं मिलेगा एक संतान वालों को अतिरिक्त प्रोत्साहन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जनसंख्या नियंत्रण को लेकर बन रहे कानून पर मिले आठ हजार से अधिक सुझाव

राज्य विधि आयोग ने भले ही उप्र में जनसंख्या नियंत्रण को लेकर बन रहे कानून में एक संतान वाले दंपती को अतिरिक्त प्रोत्साहन की सिफारिश की है, लेकिन इस पर आम सहमति नजर नहीं आ रही। प्रस्तावित कानून पर ऐसे कई अहम बिंदुओं पर नए सिरे से मंथन होगा। राज्य विधि आयोग को उप्र जनसंख्यक (नियंत्रण, स्थिरीकरण व कल्याण) विधेयक-2021 के प्रारूप पर आठ हजार से अधिक सुझाव मिले हैं। आयोग के प्रस्तावित प्रारूप में कई बिंदुओं पर छूट का दायरा बढ़ भी सकता है और कुछ कटौतियां भी हो सकती हैं। राज्य विधि आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति एएन मित्तल का कहना है कि आठ हजार से अधिक सुझाव मिले हैं, जिन्हें अलग-अलग श्रेणी में बांटकर उनका अध्ययन किया जाएगा। माना जा रहा है कि आयोग इस माह के अंत तक प्रारूप को अंतिम रूप देकर उसे शासन को सौंप देगा। राज्य सरकार अगले माह मानसून सत्र में जनसंख्या नियंत्रण कानून के विधेयक को विधान मंडल में ला सकती है।

उत्तर प्रदेश में जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर दूसरे राज्यों तक में चर्चा छिड़ी है। इसी कड़ी में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने बीते दिनों विधि आयोग के प्रस्तावित प्रारूप पर सवाल भी उठाया था। उनका कहना था कि केवल एक ही बच्चा पैदा करने वाले दंपती को अधिक लाभ दिए जाने के बिंदु पर दोबारा सोचा जाना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कुछ अनुषंगिक संगठन की ओर से भी सुझाव भेजे गए हैं। कुछ संगठनों ने दो बच्चों के बजाए कानून को तीन बच्चों की न्यूनमत सीमा के अनुरूप बनाए जाने का सुझाव दिया है। आयोग अब सभी बिंदुओं पर मंथन करेगा। प्रदेश की जनसंख्या के आंकड़ों का भी अध्ययन किया जा रहा है।

आयोग ने जनसंख्या नियंत्रण कानून का प्रारूप करीब 15 दिन पूर्व बेवसाइट पर अपलोड कर 19 जुलाई तक सुझाव मांगे थे। आयोग ने प्रस्तावित प्रारूप में आम लोगों के साथ-साथ सरकारी अधिकारियों-कर्मियों व जनप्रतिनिधियों पर बड़े अंकुश लगाए जाने की सिफारिशें की हैं। दो से अधिक बच्चे वालों को स्थानीय निकाय चुनाव (नगर निकाय से लेकर पंचायत चुनाव तक) से वंचित रखने से लेकर सरकारी नौकरी की प्रवेश परीक्षा में प्रतिबंध लगाने की बात कही है। एक बच्चा ही रखने वाले दंपती को अतिरिक्त लाभ दिए जाने का प्रस्ताव है। बहुविवाह करने वालों को भी इस कानून के दायरे में लाया गया है। अब पक्ष व विपक्ष में आए सुझावों के आधार पर प्रमुख बिंदुओं व आपत्तियों को अलग किया जाएगा, जिसके आधार पर बदलाव पर विमर्श होगा।

सीबीएसई की 10वीं कक्षा का परिणाम अब 22 जुलाई के बाद

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 10वीं का परिणाम जारी होने में अभी वक्त लग सकता है। इसके 22 जुलाई के बाद जारी होने का अनुमान लगाया जा रहा है। वहीं, 12वीं का परिणाम 31 जुलाई को जारी किया जा सकता है।

पहले सूचना आ रही थी कि 10वीं कक्षा का परिणाम 20 जुलाई को जारी किया जाएगा। बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि कुछ स्कूलों ने तय नीति के मुताबिक मूल्यांकन नहीं किया था। स्कूलों ने अनुशोधन (माडरेशन) में सभी छात्रों को सीमा से अधिक अंक दे दिए थे। स्कूलों की इस लापरवाही से सीबीएसई के निष्पक्ष मूल्यांकन पर सवाल उठ सकते थे। लिहाजा, स्कूलों को इन खामियों को दूर कर 17 जुलाई तक दोबारा अंक अपलोड करने को कहा गया था। फिलहाल, बोर्ड को स्कूलों की तरफ से दिए गए अंकों की जांच करने में थोड़ा समय लगेगा।

इस बार 10वीं की परीक्षा में करीब 21.5 लाख छात्रों ने पंजीकरण कराया था। बोर्ड ने स्कूलों को पिछले तीन साल के प्रदर्शन में श्रेष्ठ प्रदर्शन को आधार बनाकर परिणाम तैयार करने को कहा था। स्कूलों को इसमें प्री-बोर्ड, मिड टर्म, यूनिट टेस्ट और आंतरिक मूल्यांकन के अंक परिणाम में जोड़ने हैं।

व्यवस्था परिवर्तन को विहिप की धर्म सभाएं

बिजेंद्र बंसल, नई दिल्ली

रामजन्मभूमि मंदिर का निर्माण शुरू होने के बाद विश्व हिंदू परिषद अब अपना ध्यान धार्मिक सभाओं पर केंद्रित करेगी। मठ-मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्ति दिलाने और मतांतरण के खिलाफ इन धार्मिक सभाओं के जरिये जागरूकता अभियान चलाकर जनमानस को व्यवस्था परिवर्तन के लिए तैयार किया जाएगा।

फरीदाबाद में दो दिन चली विहिप केंद्रीय समिति और प्रन्यासी मंडल की बैठक में पारित दो प्रस्तावों को जमीन पर क्रियान्वित करने के लिए सोमवार को केंद्रीय पदाधिकारियों ने क्षेत्रीय एवं संगठन मंत्रियों को दायित्व सौंपे। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की तरफ से भैयाजी जोशी ने विहिप की बैठक में लगातार दो दिन अपने संबोधन दिए। व्यवस्था परिवर्तन के दोनों प्रस्तावों को प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में इस आवश्यकता पर भी जोर दिया गया कि बजरंग दल को पहले की तरह सक्रिय किया जाए। विहिप के कार्याध्यक्ष आलोक कुमार का कहना है कि परिषद की इस बैठक में उत्तर प्रदेश या अन्य किसी राज्य में होने वाले चुनाव के मद्देनजर कोई चर्चा नहीं हुई। कहा कि चुनाव लड़ना या किसी के लिए प्रचार प्रसार करना विहिप का कार्य नहीं है। महामंत्री मिलिंद परांडे ने कहा है कि सही प्रतिनिधि चुनने के लिए विहिप हिंदू समाज को जागरूक करती रहेगी। हिंदू हितों को साधने वाले सत्तासीन हों, इसके लिए विहिप को जो करना होगा, वह समयानुसार किया जाएगा।

परिषद ने देश में युवाओं में बढ़ रही नशाखोरी पर चिंता जताई है। पंजाब व दिल्ली-एनसीआर में नशीले पदार्थों की बिक्री को रोकने के लिए विहिप ने सरकार से सख्त कदम उठाने का आग्रह किया है। विहिप के संयुक्त महामंत्री डा. सुरेंद्र जैन का कहना है कि परिषद नशाखोरी के खिलाफ भी देशव्यापी विशेष जागरूकता अभियान चलाएगी। इसमें बजरंग दल का सक्रिय सहयोग लिया जाएगा।



> राम मंदिर आंदोलन के दौरान अलग माहौल था, मगर अब अलग है। परिषद ने मतांतरण करने वालों की घरवापसी का जो जिम्मा लिया है, उसके लिए जरूरी हुआ तो छोटी-बड़ी धार्मिक सभाओं का आयोजन करेगी।
> –सुरेंद्र जैन, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री, विहिप

विहिप ने कई प्रांतों के बदले अध्यक्ष

संजय कुमार, रांची

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने केंद्रीय प्रबंध समिति एवं प्रन्यासी मंडल की बैठक के अंतिम दिन कई प्रांतों के अध्यक्ष व प्रदेश मंत्री बदल दिए। इसके साथ ही अयोध्या में चल रहे राम मंदिर निर्माण कार्य में विहिप के केंद्रीय उपाध्यक्ष चंपतराय का सहयोग करने के लिए कर्णावती व जयपुर के क्षेत्र संगठन मंत्री व वर्तमान में केंद्रीय सह मंत्री गोपाल को जिम्मेदारी दी गई है। दक्षिण बिहार प्रांत का अध्यक्ष कामेश्वर चौपाल को बनाया गया है। डा. आरएन सिंह को अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने के बाद पद खाली हो गया था। चौपाल श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य भी हैं।

झारखंड प्रांत का कार्यकारी अध्यक्ष तिलक राज मंगलम को बनाया गया है। तिलक राज अभी रामगढ़ के आरएसएस के जिला संघचालक हैं। विजय लंबी को केरल, राजेश्वर निवल को विदर्भ, रवी देव आनंद को उत्तराखंड, रवींद्रनाथ चटर्जी को अंदमान, राजकुमार बडपंडा को पश्चिम ओडिशा, प्रफुल्लकुमार मिश्रा को पूर्व ओडिशा, मुनीन्द्र मोहन डेका को उत्तर पूर्व, पुलक लीड़ा को अरुणाचल प्रदेश और शांतनु नायक को असम-दक्षिण पूर्व प्रांत का अध्यक्ष बनाया गया है। साथ ही टोकचोम शिवदत्त सिंह मणिपुर उप प्रांत के अध्यक्ष बनाए गए हैं।

कई संगठन मंत्री भी बदले

फरीदाबाद में हुई बैठक के अंतिम दिन कई प्रांतों के संगठन मंत्री भी बदल दिए गए। यादी रेड्डी को तेलंगाना और श्रीनिवास रेड्डी को उत्तर और दक्षिण आंध्र प्रदेश का प्रांत संगठन मंत्री बनाया गया। इसके साथ ही संजय मुदाले को महाराष्ट्र, अशोक डिडवानिया को जयपुर, सुनील शर्मा को पंजाब व सुनील जयसवाल को हिमाचल प्रदेश का प्रांत मंत्री बनाया गया है। इसके साथ ही सत्यनारायण धनापती को पश्चिम ओडिशा का प्रांत सह संगठन मंत्री व बुबई नासकर को अंदमान निकोबार उप प्रांत का संगठन मंत्री घोषित किया गया है।

मोबाइल बन जाएगा टीवी, बिना इंटरनेट देख सकेंगे फिल्म

जागरण संवाददाता, कानपुर : दर्शकों में ओवर द टाप (ओटीटी) प्लेटफार्म के बढ़ते क्रेज को देखते हुए अब बिना इंटरनेट के मोबाइल पर फिल्म और नाटकों के प्रसारण की तैयारी है। आइआइटी कानपुर और प्रसार भारती मिलकर नेक्स्ट जेनरेशन ब्राडकास्टिंग टेक्नोलाजी पर काम करने जा रहे हैं। इसमें टीवी के सारे चैनल मोबाइल, स्मार्टफोन और अन्य तरह की डिवाइस पर प्रसारित होने लगेंगे।

आइआइटी कानपुर और प्रसार भारती के बीच तकनीक और शोध के लिए पहले ही करार हो चुका है। अब दोनों के सहयोग से संस्थान में नेक्स्ट जेनरेशन ब्राडकास्टिंग टेक्नोलाजी सेंटर आफ एक्सीलेंस का गठन किया जाएगा।

आइआइटी कानपुर के निदेशक प्रो.अभय करंदीकर ने बताया कि मोबाइल व टेबलेट का उपयोग अधिक बढ़ गया है। फिल्म, सीरियल, न्यूज चैनल को देखने के लिए रोजाना काफी डाटा इस्तेमाल किया जाता है। इसको ध्यान में रखकर तकनीक विकसित की जा रही है। प्रसार भारती की ओर से आर्थिक सहयोग किया जा रहा है। मोबाइल में लिखने या फिर बोलने पर संबंधित चैनल आ सकेगा। प्रसार भारती के सीईओ शशि शेखर वेंपति के मुताबिक मेक इन इंडिया के अंतर्गत बेहतर कार्य होगा। यह प्रसारण के बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण करेगा। भविष्य के परिदृश्य में आडियो और वीडियो प्रसारण को सीधे स्मार्टफोन और मोबाइल पहुंचाया जा सकता है।

भौतिकी पढ़ाकर दुनिया में हिंदी की अलख जगा रहे प्रोफेसर वर्मा

जागरण विशेष

पद्मश्री एचसी वर्मा की देश-विदेश में ख्यात आनलाइन क्लास में सर्वाधिक कोर्स हिंदी में, रामायण-महाभारत से भी समझाएंगे फिजिक्स

समीर दीक्षित ● कानपुर

रचनात्मक अभिव्यक्ति और ज्ञान में प्रसन्नता जगाना शिक्षक की सर्वोत्तम कला है...अल्बर्ट आइंस्टीन का यह सूत्र वाक्य जेहन में तब साकार स्वरूप लेता है जब आप संत रूपी शिक्षक पद्मश्री एचसी वर्मा से रूबरू होते हैं। देश-विदेश में मशहूर प्रो. वर्मा की निश्शुल्क आनलाइन क्लास में हिंदी और देश के विकास को अहमियत दी जाती है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) कानपुर से सेवानिवृत्त प्रो. वर्मा ने भौतिक विज्ञान को नए आयाम दिए हैं। सेवानिवृत्ति के बाद भी शिक्षा की मशाल जलाए हैं। शिक्षादान के लिए अपनी जेब खाली करने से भी नहीं हिचके, लेकिन प्रचार के आडंबर से बिल्कुल दूर रहे।


« आनलाइन क्लास में व्याख्यान देते प्रोफेसर एचसी वर्मा ● सौ. स्वयं

70-80 देशों में जलाई ज्ञान की ज्योति: प्रो. वर्मा के जो आनलाइन क्लास प्रोग्राम संचालित हैं, उनसे भारत ही नहीं, अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जापान आदि 70-80 अन्य देशों के छात्र भी जुड़कर भौतिक विज्ञान सीखते हैं। इनमें आठवीं से लेकर स्नातक स्तर तक भौतिकी के कोर्स शामिल हैं। इनमें हिंदी भाषा के पाठ्यक्रम की संख्या अधिक है। इस बारे में प्रो. वर्मा कहते हैं कि भारत के विकास के लिए वह हिंदी में अपने लेक्चर देते हैं।

भौतिकी के गूढ़ रहस्यों को बनाया आसान: प्रो. वर्मा ने छात्र-छात्राओं को गूढ़ भौतिक विज्ञान से ऐसे जोड़ा कि उन्होंने ज्ञान के सागर में गोते लगाकर अपने लिए कामयाबी के मोती चुन लिए। बेहद सादगी से रहने वाले प्रो. वर्मा ने वर्ष 1975 से 1980 तक आइआइटी कानपुर से भौतिक विज्ञान से स्नातकोत्तर (एमएससी) व डाक्टर आफ फिलासफी (पीएचडी) की उपाधि हासिल की। साल 1994 में फैकल्टी के रूप में यहां नई पारी शुरू की। सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने आइआइटी कानपुर से कुछ दूर सोपान आश्रम बनाया। यहां वह छात्रों को भौतिक विज्ञान में पारंगत करने के लिए दिन-रात काम करते हैं। उनका सादगी भरा जीवन यह बताने को काफी है कि उन्हें सिर्फ और सिर्फ शिक्षा से लगाव है।

'कांसेप्ट आफ फिजिक्स' खोलती दिमाग के ताले: उन्होंने 29 साल पहले भौतिक विज्ञान को सहजता से समझाने वाली पुस्तक 'कांसेप्ट आफ फिजिक्स' लिखी थी। विद्यालयों में भौतिक विज्ञान की चर्चा होते ही प्रो. वर्मा का नाम छात्रों की जुबान पर आ जाता है। छात्रों को इस पुस्तक के अगले संस्करण का बेसब्री से इंतजार है। प्रो. वर्मा कहते हैं कि पहले भाग को छात्र अगर ठीक से पढ़ लें तो पूरी भौतिक विज्ञान आसानी से समझ लेंगे।

लिखीं कई किताबें: वह बताते हैं कि दो-तीन किताबें और लिखी हैं। इसी साल कहानियों की शक्ल में वह छात्रों के सामने आएंगी। इनमें रामायण, महाभारत व कुछ जातक कथाओं समेत 28 कहानियों का वर्णन है। छात्र कहानियों से बेहतर तरीके से भौतिक विज्ञान जान, समझ और सीख सकेंगे। स्नातक पाठ्यक्रम के लिए इलेक्ट्रोडायनामिक्स पर किताब लाने की भी तैयारी है।



> प्रो. वर्मा चलती-फिरती पाठशाला हैं। वह हम सभी के लिए आदर्श और प्रेरणास्रोत हैं। भौतिकी के अध्यापन में उनका अमूल्य योगदान है। आइआइटी कानपुर को गर्व है कि उनकी देखरेख में मेधावियों की पौध पनपी और दुनिया में फैलकर यश कमा रही है।
> – **अभय करंदीकर**, निदेशक आइआइटी कानपुर

शिक्षा से ही राष्ट्र और समाज का विकास संभव

प्रो. वर्मा का मानना है कि राष्ट्र व समाज का विकास शिक्षा से ही संभव है। शिक्षा तभी मिलेगी, जब जानकारी होगी। वह कहते हैं कि जानकारी के लिए पढ़ना जरूरी है, जितना अधिक पढ़ेंगे उतनी जल्दी शिक्षित होंगे।

इस खबर को विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें

राष्ट्रपति करेंगे रामलला के दर्शन, प्रेसिडेंशियल ट्रेन से होगी यात्रा

निशांत यादव, लखनऊ

- अगस्त में तीन दिनों के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर शुरू हुई तैयारी
- लखनऊ और अयोध्या के अलावा गोरखपुर जाने की भी है योजना

पिछले महीने प्रेसिडेंशियल ट्रेन के जरिये दिल्ली से कानपुर और फिर कानपुर से लखनऊ तक की यात्रा के बाद राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द एक बार फिर से लखनऊ आ सकते हैं। इस बार राष्ट्रपति लखनऊ से अयोध्या तक प्रेसिडेंशियल ट्रेन से सफर कर सकते हैं। राष्ट्रपति का अगस्त में तीन दिन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर रेलवे सहित कई विभागों में तैयारियां शुरू हो गई हैं।

राष्ट्रपति का संभावित कार्यक्रम 27 से 29 अगस्त तक है। रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक राष्ट्रपति इस बार लखनऊ से अयोध्या तक ट्रेन यात्रा कर सकते हैं। राष्ट्रपति भवन से उनकी यात्रा को लेकर सूचना दी गई है। हालांकि अभी कार्यक्रम अधिकारिक रूप से जारी नहीं किया गया है। संभावित कार्यक्रम के तहत राष्ट्रपति विशेष विमान से 27 अगस्त को लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट आएंगे। यहां से 28 अगस्त को गोरखपुर जाएंगे। गोरखपुर में राष्ट्रपति आयुष विश्वविद्यालय का शिलान्यास करेंगे। साथ ही गुरु गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय में अस्पताल भवन का उद्घाटन भी करेंगे। देर शाम राष्ट्रपति लखनऊ वापस लौटेंगे और अगले दिन 29 अगस्त को लखनऊ से प्रेसिडेंशियल ट्रेन के जरिये वह अयोध्या की यात्रा पर जाएंगे। राष्ट्रपति अयोध्या में रामलला के दर्शन करेंगे। इसके अलावा उनका वहां कई विकास कार्यक्रमों के उद्घाटन और शिलान्यास का भी कार्यक्रम है। रेलवे लखनऊ से फैजाबाद रूट पर मेंटीनेंस से जुड़े काम तेजी से कर रहा है। इससे पहले राष्ट्रपति 25 जून को दिल्ली सफदरजंग से कानपुर प्रेसिडेंशियल ट्रेन से आए थे। अपने पैतृक गांव के भ्रमण के बाद वह इसी ट्रेन से कानपुर से लखनऊ आए थे।

350 से ज्यादा फायरिंग की घटनाएं हो चुकी हैं अमेरिका में इस वर्ष अभी तक। इनमें 385 से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। गोलीबारी की सबसे ज्यादा घटनाएं (80) जुलाई में हुई, जिनमें 25 लोगों की जान गई।

वार्ता में उलझाकर अफगानिस्तान पर कब्जा कर रहा तालिबान

हिंसाग्रस्त देश ▸ बकरीद के मौके पर भी नहीं बनी युद्धविराम पर सहमति

बुनियादी ढांचा और नागरिकों की रक्षा पर हुई रजामंदी, 15 देशों के राजनयिकों ने कहा, लड़ाई भी हो बंद


कतर की राजधानी दोहा में चल रही शांति वार्ता के दौरान अफगानिस्तान के मुख्य कार्यकारी अब्दुल्ला-अब्दुल्ला (बाएं से पहले) तालिबान के प्रतिनिधियों के साथ। एएफपी

दोहा, एएनआइः अफगानिस्तान में चल रहे भीषण युद्ध के दौरान तालिबान वार्ता में उलझाकर हिंसाग्रस्त देश में तेजी से अपनी ताकत बढ़ा रहा है। उसने शांति वार्ता जारी रखने पर सहमति जताई है, लेकिन बकरीद के मौके पर भी युद्धविराम करने पर कोई बात नहीं की। इस बीच उसने युद्ध तेज कर दिया है। पिछले 24 घंटे में एक जिले पर और कब्जा कर लिया है।

कतर की राजधानी दोहा में तालिबान और अफगान प्रतिनिधिमंडल के बीच दो दिनों से वार्ता चल रही है। इस वार्ता में अफगानिस्तान के मुख्य कार्यकारी अब्दुल्ला अब्दुल्ला भी भाग ले रहे हैं। टोलो न्यूज के अनुसार, दोनों पक्षों ने वार्ता के संबंध में संयुक्त बयान जारी किया है। बयान में कहा गया है कि दोनों पक्ष शांति वार्ता जारी रखने, देश के बुनियादी ढांचे के विकास और नागरिकों की रक्षा के लिए राजी हैं। मानवीय सहायता करने पर सहमति बनी है। दोनों ही पक्ष देश को मौजूदा स्थिति से आगे जाने पर भी सहमत हुए हैं। बयान में हिंसा को कम करने या युद्ध विराम के संबंध में कोई बात नहीं की गई है। हालांकि तालिबान के प्रवक्ता मोहम्मद नईम ने कहा, बकरीद पर युद्धविराम या तालिबानी कैदियों की रिहाई पर सहमति नहीं बन पाई है। नईम ने युद्धविराम के संबंध में चल रही खबरों का खंडन किया है। बेशक दोहा की वार्ता में शांति प्रक्रिया को तेजी से बढ़ाए जाने की बात की जा रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात अलग हैं। हिंसा तेज हो रही है।

उरुजगन का अंतिम जिला भी तालिबान के कब्जे में : आइएएनएस के अनुसार, पिछले 24 घंटे के अंदर तालिबान ने उरुजगन के आखिरी प्रांत देहराउद पर भी कब्जा कर लिया है। इससे पहले वह इस प्रांत के सभी जिलों पर काबिज हो चुका है। कई प्रांतों में भीषण संघर्ष चल रहा है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा है कि अब हमारा अगला निशाना उरुजगन की राजधानी तिरिन कोट और आसपास का क्षेत्र है। अफगान सेना ने समंगान प्रांत के दारा ए सूफबाला जिले को कुछ ही घंटों में फिर अपने नियंत्रण में ले लिया है। राष्ट्रपति अशरफ गनी ने इस बीच हेरात प्रांत का दौरा किया। यहां के सभी जिलों पर तालिबान का कब्जा हो गया है।

15 देशों के राजनयिकों ने की तालिबान से युद्धविराम की अपील : रायटर के अनुसार, अफगानिस्तान में 15 देशों के राजनयिकों ने तालिबान से युद्धविराम की अपील की है। राजनयिकों ने कहा, बकरीद पर तालिबान को अपने हथियारों को शांत कर देना चाहिए। इस बयान का समर्थन करने वाले देशों में नाटो व यूरोपीय देशों के साथ अमेरिका, आस्ट्रेलिया, जापान, ब्रिटेन भी शामिल हैं। तुर्की के राष्ट्रपति तैयप एर्दोगन ने कहा है कि तालिबान को जिलों पर कब्जा करना बंद करना चाहिए।

राजनयिक की पुत्री के अपहरण में पाक विदेश मंत्री ने की वार्ताः प्रेट्र के अनुसार, पाकिस्तान में अफगान राजनयिक नाजिबुल्लाह अलीखिल की पुत्री के अपहरण के संबंध में विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने अपने समकक्ष मोहम्मद अतमार से टेलीफोन पर वार्ता की। कुरैशी ने अफगान दूतावास, राजनयिकों व उनके परिजनों की सुरक्षा का वादा किया। पाक के गृह मंत्री शेख रशीद अहमद ने अपहरण को अंतरराष्ट्रीय साजिश बताया है।

भारत-नेपाल रिश्तों के पटरी पर लौटने के संकेत

बदल रहा रुख

▸ प्रधानमंत्री मोदी ने नवनियुक्त पीएम देउबा से की बात

▸ नेपाल ने मांगी कोरोना वैक्सीन, भारत कर रहा विचार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

तकरीबन तीन वर्षों बाद भारत और नेपाल के रिश्ते अब तेजी से पटरी पर लौट सकते हैं और हाल के वर्षों में जिन मुद्दों पर दोनों देशों के रिश्तों में खटास आई थी, उन्हें दोनों ठंडे बस्ते में डाल सकते हैं। नेपाल में नई सरकार आने के बाद कूटनीतिक सर्किल में हवा के बदलने के साफ संकेत हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के नए प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा से सोमवार को टेलीफोन पर बात की। मोदी ने देउबा को उनके एक बार फिर नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने और संसद में विश्वास मत जीतने पर बधाई दी। दोनों नेताओं के बीच व्यक्तिगत तौर पर मुलाकात करने और द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत बनाने की दिशा में काम करने को लेकर बात हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के ऐतिहासिक रिश्तों को याद किया और कोरोना महामारी के क्षेत्र में भावी सहयोग को लेकर भी बीच बात हुई।

नेपाली प्रधानमंत्री देउबा ने इस बातचीत के बारे में ट्विटर पर जानकारी दी और बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को उनकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने यह भी कहा है कि वह प्रधानमंत्री मोदी के साथ आगे काम करना चाहते हैं ताकि द्विपक्षीय रिश्तों को और विस्तार दिया जा सके। देउबा ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें आश्वस्त किया है कि भारत जल्द ही नेपाल को कोरोना वैक्सीन की आपूर्ति करेगा। सनद रहे कि भारत ने पहले नेपाल और दूसरे पड़ोसियों को काफी मात्रा में वैक्सीन दी थीं, लेकिन बाद में जब अपने देश में कोरोना की दूसरी लहर आई तो वैक्सीन निर्यात पर रोक लगा दी गई। भारत के प्रधानमंत्री से वार्ता के कुछ ही देर बाद देउबा को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी बधाई दी। यह पूछे जाने पर कि भारत कब तक नेपाल या दूसरे पड़ोसी देशों को वैक्सीन देगा, विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि इस बारे में संयुक्त तौर पर समिति में फैसला होगा। लेकिन अभी भारत अपनी घरेलू जरूरतों को ही पूरा करने पर ध्यान दे रहा है। बताते चलें कि भारत की तरफ से वैक्सीन निर्यात पर रोक लगाए जाने की वजह से नेपाल, भूटान, बांग्लादेश जैसे देशों में भी कोरोना वैक्सीनेशन की रफ्तार थम गई है। ये सारे देश लगातार भारत से वैक्सीन की आपूर्ति फिर शुरू करने की मांग कर रहे हैं। नेपाल में सत्ता परिवर्तन को लेकर भारतीय विदेश मंत्रालय में सकारात्मक माहौल है। नेपाली कांग्रेस के साथ भारत के रिश्ते हमेशा से काफी अच्छे रहे हैं। जब भी वहां दूसरी पार्टियों की सरकार बनती है तो भारत के साथ रिश्तों में तनाव आ जाता है। हाल ही में हटाए गए पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भारत के साथ रिश्तों को काफी तनावपूर्ण बना दिया था।


संसद में विश्वासमत हासिल करने के दौरान सदस्यों का अभिवादन करते नेपाल के नए प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा। एएफपी

न्यूज गैलरी

रूस ने हाइपरसोनिक मिसाइल का किया परीक्षण

मास्को : रूस की सेना ने सोमवार को हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल का एक और सफल परीक्षण किया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि देश के उत्तर में श्वेत सागर में युद्धपोत एडमिरल ग्रोशकोव से मिसाइल जिरकोन का प्रक्षेपण किया गया। मंत्रालय ने कहा कि परीक्षण के दौरान ध्वनि से सात गुना अधिक रफ्तार से इस मिसाइल ने 350 किलोमीटर दूर बेरिंट सागर के तट स्थित लक्ष्य को सटीकता से निशाना बनाया। वहीं, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि जिरकोन मिसाइल ध्वनि से भी नौ गुना तेज गति से निशाना साधने में सक्षम है। इसकी रेंज एक हजार किमी तक है। उन्होंने कहा कि इसकी तैनाती से रूस की सैन्य क्षमता उल्लेखनीय रूप से मजबूत होगी। रूस जिरकोन के साथ ही कई हाइपरसोनिक मिसाइलें विकसित कर रहा है। रूसी नौसैना ने इससे पहले कई नई मिसाइलों का परीक्षण किया है, जिनमें से एक का पिछले साल अक्टूबर में पुतिन के जन्मदिन पर परीक्षण किया गया था। (एपी)

राष्ट्रपति के पदभार ग्रहण करने के बाद ईरान वियना वार्ता करेगा शुरू

तेहरान : ईरान ने विदेश मंत्रालय ने कहा है कि राष्ट्रपति के पद पर चुने गए इब्राहिम रईसी के पदभार ग्रहण करने के बाद वियना वार्ता शुरू कर दी जाएगी। वियना में अपरोक्ष रूप से 2015 के परमाणु समझौते को लेकर संबंधित सभी पक्षों की वार्ता चल रही है। परमाणु समझौते से 2018 में अमेरिका हट गया था, इसके बाद ईरान ने भी समझौते की कई शर्तों का पालन करना बंद कर दिया। अब बाइडन प्रशासन ने समझौते में फिर से शामिल होने की प्रक्रिया शुरू की है। (आइएएनएस)

बाइडन प्रशासन ने ग्वांतानामो बे जेल से पहला कैदी छोड़ा

वाशिंगटन : अमेरिका के बाइडन प्रशासन ने ग्वांतानामो बे जेल से पहले कैदी को उसके देश मोरक्को भेजा है। 50 वर्षीय मोरक्को निवासी कैदी अब्दुल्लातिफ नासेर के प्रत्यावेदन को 2016 में एक समीक्षा बोर्ड ने अपनी मंजूरी दे दी थी। तत्कालीन ट्रंप प्रशासन ने उस समय नासेर को नहीं छोड़ा था। पेंटागन ने कहा है कि अब नासेर के बंद रहने की कोई जरूरत नहीं है। बोर्ड ने उसे स्वदेश स्थानान्तरित करने की अनुमति दे दी है। (एपी)

साइबर हमलों में चीन को बेनकाब करेगा अमेरिका

वाशिंगटन, एएनआइ : अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने तय किया है कि लंबे समय से साइबर हमले कर रहे चीन को अब पूरी तरह से बेनकाब किया जाएगा। इन साइबर हमलों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानते हुए ड्रैगन को कड़ा जवाब देने की भी तैयारी की जा रही है।

इस संबंध में अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारी ने बयान जारी करते हुए कहा है कि साइबर हमले राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा और आर्थिक स्थिति को नुकसान पहुंचाने की स्थिति तक पहुंच गए हैं। ऐसे में अब चीन को कड़ा जवाब देना जरूरी हो गया है।

साइबर हमलों का मुकाबला करने और कड़ा जवाब देने के लिए अमेरिका ने यूरोपियन यूनियन, नाटो के साथ ही आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व जापान के साथ संयुक्त रणनीति बनाई है। ये सभी देश साइबर हमला करने पर चीन के खिलाफ एक साथ मोर्चा खोलेंगे। यह पहला मौका है कि जब नाटो देशों ने भी साइबर हमलों की निंदा की है।

अमेरिकी प्रशासन ने कहा है कि चीन के साइबर अपराधियों को बेनकाब किया जाएगा। ये बताया जाएगा कि वे किस तरह से वैश्विक स्तर पर हमले कर ब्लैकमेलिंग करते हुए क्रिप्टोकरेंसी में फिरौती मांगते हैं। हमारी सुरक्षा एजेंसी बताएंगी कि चीन में बैठे साइबर अपराधी किस तरह से अपराध को अंजाम देते हैं और उन खतरों का कैसे सामना किया जाए। हम इन अपराधों खिलाफ अभियान चलाकर पहले से ही रोक देने के लिए काम करेंगे। इसके लिए माइक्रोसाफ्ट जैसी कंपनियों के उत्पादों की रैंसमवेयर हमलों को लेकर जो कमजोरियां हैं, उन्हें दूर कराया जाएगा।

आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान, नाटो और यूरोपीय देश के साथ चलेगा संयुक्त अभियान



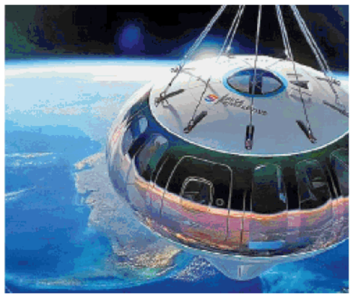
हजारों कंप्यूटरों से छेड़छाड़ की चीन ने

एपी के अनुसार, अमेरिका ने पिछले दिनों माइक्रोसाफ्ट एक्सचेंज ईमेल सर्वर साफ्टवेयर को हैक करने के लिए चीन को जिम्मेदार ठहराया है। इसके माध्यम से चीन ने दुनिया के हजारों कंप्यूटरों से छेड़छाड़ की। इनमें वे हमले भी शामिल हैं, जिनमें रैंसमवेयर के जरिये लाखों डालर की मांग की गई।

निसान के पूर्व प्रमुख को भगाने में दो अमेरिकियों को जेल

टोक्यो, एपीः प्रख्यात वाहन निर्माता कंपनी निसान के पूर्व चेयरमैन कार्लोस गोन को जापान से भगाने के मामले में अमेरिकी नागरिक माइकल टेलर और उसके बेटे पीटर को जेल भेज दिया गया। टोक्यो की अदालत ने इस मामले में दोषी अमेरिकी नागरिकों को सोमवार को सजा सुनाई। माइकल को दो साल और उसके बेटे को एक साल आठ महीने की सजा दी गई है।

कार्लोस गोन पर भ्रष्टाचार के मामले चल रहे थे। इसी दौरान वह गुपचुप तरीके से जापान से भाग गए थे, जिसमें इन दोनों पिता-पुत्र ने मदद की थी। कार्लोस 2019 में टोक्यो स्थित अपने घर से बुलेट ट्रेन से ओसाका पहुंचे और यहां होटल से एक बाक्स में बंद होकर तुर्की पहुंच गए। तुर्की से निजी विमान से लेबनान भाग गए। जापान की लेबनान से प्रत्यर्पण संधि नहीं है। अतः दोनों को वापस नहीं लाया जा सका है। माइकल व उसके बेटे को मई 2020 में मैसाचुसेट्स में पकड़ा गया था।



स्पेस वेडिंग का सपना भी होगा साकार...

डेस्टिनेशन वेडिंग और अंडरवाटर वेडिंग के बाद अब लोगों का स्पेस वेडिंग का सपना भी जल्द साकार होने वाला है। लोग अंतरिक्ष में जाकर शादी कर सकेंगे। इसे अमेरिका स्थित फ्लोरिडा की कंपनी स्पेस पर्सपेक्टिव साकार करेगी। समुद्र तल से 1,00,000 फीट ऊपर तैरने वाले फुटबाल स्टेडियम के आकार के एक गुब्बारे द्वारा ले जाए गए कैप्सूल के अंदर जोड़े शादी कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें मोटी रकम चुकानी होगी। यह बाथरूम, बार और वाई-फाई की सुविधाओं से लैस होगा। सौ. स्पेस पर्सपेक्टिव

पाकिस्तान में ट्रक से टकराई बस, 30 लोगों की मौत


पाकिस्तान के डेरा गाजी खान के समीप तेज रफ्तार बस और कंटेनर की भीषण भिड़ंत के बाद क्षतिग्रस्त वाहनों को देखते लोग। एपी

लाहौर, प्रेट्र : पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में सोमवार को यात्रियों से भरी एक बस ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में 30 लोगों की मौत हो गई और 40 से ज्यादा घायल हो गए। पुलिस ने एक घायल यात्री के हवाले से बताया कि ड्राइवर को झपकी आ गई थी, जिसके चलते वह बस पर नियंत्रण खो बैठा और हादसा हो गया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह बस जब सियालकोट से राजनपुर जा रही थी तो उसी दौरान लाहौर से करीब 430 किलोमीटर दूर डेरा गाजी खान जिले में हादसे का शिकार हो गई। यात्रा करने वालों में ज्यादातर मजदूर थे। वे बकरीद मनाने के लिए अपने घरों को जा रहे थे। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने ट्वीट के जरिये सड़क हादसे में 30 लोगों के मरने की पुष्टि की है। बता दें कि पाकिस्तान में सड़क हादसे आम हैं। इसके लिए बदहाल सड़कों और अप्रशिक्षित ड्राइवरों को प्रमुख कारण माना जाता है।

पैगंबर पर विवादित कार्टून बनाने वाले डेनिश कार्टूनिस्ट का निधन

हेलसिंकी, एपीः पैगंबर मुहम्मद साहब पर विवादित कार्टून बनाने वाले डेनिश कार्टूनिस्ट कर्ट वेस्टरगार्ड का 86 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके कार्टून से वर्ष 2005 में डेनमार्क के खिलाफ मुस्लिम देशों में गुस्सा भड़क गया था। हिंसक विरोध प्रदर्शन किए गए थे।

डेनिश मीडिया के अनुसार, वेस्टरगार्ड के परिवार ने रविवार रात उनके निधन की घोषणा की। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। जन्मदिवस के दूसरे दिन 14 जुलाई को उनकी मौत हुई। वेस्टरगार्ड वर्ष 2005 में उस समय दुनियाभर में चर्चित हो गए थे, जब पैगंबर पर उनके विवादित कार्टून डेनमार्क के प्रमुख अखबार जिलैंड्स-पोस्टेन में प्रकाशित किए गए थे। वेस्टरगार्ड इस अखबार के साथ बीती सदी के नौवें दशक के प्रारंभ से काम कर रहे थे। 75 वर्ष के होने तक वह इसी अखबार के साथ जुड़े रहे। पड़ोसी देश नार्वे के कई अखबारों ने भी विवादित कार्टून प्रकाशित किए थे।


कर्ट वेस्टरगार्ड
फाइल/इंटरनेट मीडिया

हरकतों से बाज नहीं आ रहा चीन, लद्दाख के पास बना रहा एयरबेस

नई दिल्ली, एएनआइ : चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा। एक तरफ वो लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर टकराव वाले सभी बिंदुओं से सैनिकों की वापसी को लेकर भारत के साथ बातचीत कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ पूर्वी लद्दाख से सटे शिंजियांग प्रांत के शाकचे शहर में लड़ाकू विमानों के लिए एयरबेस भी विकसित कर रहा है।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि चीन यह नया एयरबेस पहले से काशगर और होगान में मौजूद एयरबेस के बीच में विकसित कर रहा है। अभी तक इन दोनों एयरबेस से ही चीन भारतीय सीमा के पास अपनी हरकतों को अंजाम देता रहा है। इस नए एयरबेस के बन जाने के बाद इस क्षेत्र में उसके लड़ाकू विमानों की मौजदुगी और बढ़ जाएगी। पहले भारतीय सीमा से चीन के सबसे नजदीकी एयरबेस की दूरी करीब 400 किलोमीटर थी।

सूत्रों ने बताया कि शाकचे शहर में पहले से ही एक एयरबेस है और उसे ही और विकसित किया जा रहा है। इस एयरबेस पर बहुत तेजी से काम चल रहा है, इसलिए जल्द ही यहां से लड़ाकू विमानों का संचालन भी शुरू हो सकता है।

चीन की हरकतों पर नजर : भारतीय एजेंसियां चीन की हरकतों पर लगातार नजर रख रही हैं। उत्तराखंड के चमोली जिले के बाराहोती के पास भी चीन बड़ी संख्या में मानव रहित एरियल व्हिकल्स यानी यूएवी को तैनात किया है। ये यूएवी सीमा के पास लगातार मंडराते नजर आते हैं।

ड्रैगन की शातिर चाल

▸ पूर्वी लद्दाख के पास शिंजियांग प्रांत के शाकचे शहर में विकसित कर रहा अड्डा

▸ अभी भारत की सीमा से 400 किलोमीटर दूर है चीन का सबसे नजदीकी एयरफोर्स स्टेशन



ईरान में पुलिस ने पानी की मांग रहे लोगों पर बरसाई गईं गोलियां

दुबई, एपी : ईरान के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में पानी की जबर्दस्त किल्लत से परेशान हजारों लोगों ने प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के दौरान पानी की मांग कर रहे लोगों पर पुलिस ने फायरिंग की। इस घटना के वीडियो वायरल हो रहे हैं। फायरिंग में एक व्यक्ति की मौत हो गई है।

यह घटना ईरान के खुजस्तान प्रांत में सूसनगर्द शहर में हुई। यहां के मानवाधिकार संगठन ने पुलिस का गोलियां चलाते हुए वीडियो जारी किया है। वीडियो में पहले पुलिस हवा में फायर कर रही है, उसके बाद नागरिकों की तरफ पिस्टल का निशाना लगाते हुए देखा गया। इस क्षेत्र में अधिकांश आबादी अरब लोगों की है। यहां पूर्व में भी प्रदर्शन होते रहे हैं। शिया समुदाय के अत्याचार की अक्सर शिकायत मिलती रही हैं। प्रदर्शन के दौरान लोग पुलिस का शिकार होते रहे हैं।

खुजस्तान प्रांत के डिप्टी गवर्नर ने प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा की गई फायरिंग में एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि की है। यहां अरब मूल के उग्रवादी भी लंबे समय से सक्रिय बने हुए हैं।

ईस्टर हमले को लेकर भारत ने श्रीलंका को किया था आगाह

▸ पूर्व प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने संसद में दी जानकारी

कोलंबो, प्रेट्र : श्रीलंका के पूर्व प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने संसद में सोमवार को कहा कि ईस्टर हमले को लेकर भारत ने पहले ही आगाह किया था, लेकिन भारत की ओर से मुहैया कराई गई खुफिया जानकारी पर पुलिस कार्रवाई करने में नाकाम रही थी। यह द्वीपीय देश 21 अप्रैल, 2019 को उस समय दहल गया था, जब नौ आत्मघाती हमलावरों ने कई चर्चों और तीन फाइव स्टार होटलों को निशाना बनाया था। इसमें 11 भारतीयों समेत 270 लोगों की मौत हुई थी। हमले के समय विक्रमसिंघे श्रीलंका के प्रधानमंत्री थे।

विक्रमसिंघे ने संसद में बताया कि उनकी सरकार में मंत्री रहे हरिन फर्नांडो ने हमले के बाद आपबीती सुनाई थी। विक्रमसिंघे के अनुसार, फर्नांडो ने बताया था कि उनकी बहन को पिता ने ईस्टर पर चर्चा जाने को लेकर चेताया था कि कोई अनहोनी हो सकती है। पूर्व पीएम ने कहा, 'जब पुलिस ने भारतीय खुफिया जानकारी पर कुछ नहीं किया तो क्या वह फर्नांडो की सूचना पर कुछ करती।' बीते हफ्ते श्रीलंकाई कैथोलिक चर्च ने सरकार से हमले रोकने में नाकाम रहे तत्कालीन पीएम विक्रमसिंघे पर कार्रवाई का आग्रह किया था। चर्च ने कहा कि तत्कालीन राष्ट्रपति के आदेश पर हुई जांच में विक्रमसिंघे को दोषी पाया गया था। उन्होंने बढ़ते इस्लामिक कट्टरपंथ को लेकर नरम रुख अपना रखा था। चर्च ने जांच आयोग की सिफारिशों पर अमल के लिए राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को पत्र लिखा है।

सभी पाबंदियों के खत्म होने पर ब्रिटिश पीएम बोले, रहें सावधान

▸ देशभर में एक दिन में पाए गए 48 हजार नए कोरोना से संक्रमित

लंदन, प्रेट्र : ब्रिटेन में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच सोमवार से लाकडाउन संबंधी सभी पाबंदियों को खत्म कर दिया गया। इससे इंग्लैंड के लोगों ने सबसे ज्यादा राहत की सांस ली है। हालांकि प्रधानमंत्री बोरिस जानसन ने लोगों से कहा कि वे सावधान रहें। क्योंकि कोरोना के सबसे संक्रामक डेल्टा वैरिएंट के चलते देश में संक्रमण दर निरंतर बढ़ रही है। इस बीच, देशभर में बीते 24 घंटे में 48 हजार 161 नए मामले पाए गए और 25 पीड़ितों की मौत हो गई।

ब्रिटेन में कोरोना महामारी की दूसरी लहर शुरू होने के बाद गत जनवरी में राष्ट्रव्यापी लाकडाउन लगाया गया था। बाद में कुछ ढील दी गई थी। शेष पाबंदियों को अब खत्म किया गया। पाबंदियों को समाप्त करने वाले दिन को फ्रीडम डे के तौर पर देखा गया।

समाचार एजेंसी एएनआइ के अनुसार, ब्रिटेन में मास्क पहनना अब अनिवार्य नहीं रह गया है। लोगों को सार्वजनिक परिवहन और दुकानों में मास्क पहनने की सलाह दी गई है। बड़े स्टेडियमों को पूरी दर्शक क्षमता के साथ संचालित करने की अनुमति दी गई है। डिस्को, पब और बार पर भी सभी पाबंदियां खत्म कर दी गई हैं। इधर, प्रधानमंत्री बोरिस जानसन ने कोरोना संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने के बाद खुद को आइसोलेट कर लिया है। वह किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आ गए थे। ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री साजिद जाविद भी पाजिटिव पाए गए हैं।


कोरोना से बेखौफ लोग...: विश्व के कई देशों के साथ ही ब्रिटेन में भी कोरोना के डेल्टा वैरिएंट से गंभीर खतरा पैदा हो गया है। सरकार ने सोमवार को एक दिन के लिए कोरोना को लेकर लागू सभी प्रतिबंधों को हटा लिया, जबकि उसके इस निर्णय पर चिकित्सकों ने गंभीर चिंता व्यक्त की थी। प्रतिबंधों में छूट मिलने के बाद लोगों ने भी रही-सही कसर पूरी कर दी। कुछ ने तो घरों से निकलने के बाद मास्क लगाया, लेकिन ऐसे लोगों की भी कमी नहीं रही जो बिना मास्क के घूमते नजर आए। लंदन के वाटरलू स्टेशन पर बिना मास्क के घूमते कुछ लोग। एएफपी

ईरान : कोरोना संक्रमण फिर बढ़ने पर राजधानी तेहरान और आसपास के क्षेत्रों में सोमवार से एक हफ्ते के लिए लाकडाउन फिर लगा दिया गया है।

आस्ट्रेलिया : डेल्टा वैरिएंट के प्रसार को रोकने के लिए विक्टोरिया प्रांत में लाकडाउन बढ़ाने की तैयारी की गई है। कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।

श्रीलंका : यहां डेल्टा वैरिएंट तेजी से अपना पांव पसार रहा है। कोलंबो में मिले नए मामलों में से 30 फीसद का जुड़ाव इसी वैरिएंट से पाया गया है।

सिंगापुर : कोरोना के नए केस बढ़ने पर पाबंदियों में राहत देने की योजना फिलहाल टाल दी गई है। रोकथाम के प्रयासों को तेज कर दिया गया है।

चीन के लोगों ने अमेरिकी लैब के खिलाफ जांच की मांग की

बीजिंग, आइएएनएस : कोरोना वायरस की उत्पत्ति को लेकर चीन की भूमिका सवालों के घेरे में रही है। दुनिया भर से उसकी वुहान स्थित लैब की जांच की मांग एक बार उठने लगी है। चीन वुहान लैब से कोरोना वायरस के लीक होने के आरोपों को खारिज करता रहा है। अब चीन के लोगों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को एक खुला पत्र लिखा है और कोरोना वायरस के मूल का पता लगाने के लिए अमेरिका के फोर्ट डेट्रिक लैब की जांच कराने की मांग की है। चीनी लोगों ने डब्ल्यूएचओ से अमेरिका के मैरीलैंड प्रांत के फोर्ट डेट्रिक स्थित अमेरिकी सेना के मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट आफ इंफेक्शस डिजीज की जांच की मांग की है। अमेरिका ने इस लैब को बंद कर दिया है। चीन की कम्युनिस्ट सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक चीन के लोगों ने भावी महामारी को रोकने के लिए अमेरिकी लैब की जांच की मांग की है।





सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

श्रीलंका के खिलाफ दूसरा वनडे मैच आज, भारत की अंतिम एकादश में बदलाव की संभावना नहीं

कोलंबो, प्रेट्र : भारत के युवा खिलाड़ी फिर से अपना दमदार प्रदर्शन करके श्रीलंका के खिलाफ मंगलवार को यहां दूसरे वनडे मैच में ही सीरीज अपने नाम करने की कोशिश करेंगे।

भारत की तरफ से पहले वनडे में कप्तान शिखर धवन ने एक छोर संभाले रखा, जबकि दूसरे छोर पर पृथ्वी शा, इशान किशन और सूर्यकुमार यादव ने आसानी से रन बटोरकर टीम को सात विकेट से एकतरफा जीत दिलाई। भारत टी-20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए छोटे प्रारूप में आक्रामक अंदाज में खेलना चाहता है तथा शा, इशान और सूर्यकुमार इस मामले में उम्मीदों पर पूरी तरह से खरे उतरे। उनके अच्छे प्रदर्शन से भारत की दमदार बल्लेबाजी का भी पता चलता है। अपना पहला वनडे खेलने वाले इशान और सूर्यकुमार तो पहली गेंद से ही हावी हो गए थे। श्रीलंका की गेंदबाजी भी प्रभावशाली नहीं थी, जिससे भारत ने 37वें ओवर में ही जीत दर्ज कर ली थी।



अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी ● फाइल फोटो, बीसीसीआइ

भारत अपनी अंतिम एकादश में शायद ही बदलाव करेगा, क्योंकि वह सीरीज जीतने के बाद तीसरे वनडे में अन्य युवा खिलाड़ियों को मौका देना चाहेगा। केवल मनीष पांडे का स्थान खतरे में लगता है, जिन्होंने 40 गेंदों पर संघर्षपूर्ण 26 रन बनाए। शा ने अपने वापसी वाले मैच में कुछ जानदार स्ट्रोक लगाए, लेकिन वह बड़ा स्कोर नहीं बना सके। दूसरे मैच में वह इसकी भरपाई करना चाहेंगे।

लंबे अर्से बाद स्पिनर कुलदीप यादव व युजवेंद्रा सिंह चहल को एक साथ गेंदबाजी करते हुए देखा गया। उन्होंने फिर से साबित किया कि जोड़ी के तौर पर वे बेहतर प्रदर्शन करते हैं। स्पिनरों ने अधिकतर ओवर किए और आलराउंडर हार्दिक पांड्या ने भी पांच ओवर करके उम्मीदें जगाईं। सीनियर तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार प्रभाव नहीं छोड़ सके। अगले मैच में वह भी भरपाई करने की कोशिश करेंगे।

श्रीलंका को यदि मैच जीतना है तो उसके खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इस अनुभवहीन टीम ने दिखाया कि उसके पास चुनौती पेश करने के लिए प्रतिभा है, लेकिन अभी उन्हें जीतना सीखना होगा। अधिकतर बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन वे उसे बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। उन्हें भारत को चुनौती देने के लिए बड़ी पारियां खेलनी होंगी। गेंदबाजों को भी अतिरिक्त प्रयास करने होंगे तभी वे भारत की मजबूत बल्लेबाजी पर दबाव बना सकते हैं। दोनों टीमें इस धीमी पिच पर लक्ष्य का पीछा करना पसंद करेंगी क्योंकि बाद में पिच बल्लेबाजी के लिए अधिक अनुकूल लग रही थी।

टीमें

भारत : शिखर धवन (कप्तान), पृथ्वी शा, देवदत्त पडीक्कल, रुतुराज गायकवाड़, सूर्यकुमार यादव, मनीष पांडे, नीतीश राणा, इशान किशन, संजू सैमसन, हार्दिक पांड्या, क्रुणाल पांड्या, कृष्णप्पा गौतम, युजवेंद्रा सिंह चहल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, राहुल चाहर, दीपक चाहर, भुवनेश्वर कुमार, चेतन सकारिया, नवदीप सैनी।

श्रीलंका : दासुन शनाका (कप्तान), धनंजय डिसिल्वा, अविष्का फर्नांडो, भानुका राजपक्षे, पथुम निसंका, चरित असलंका, वानिंदु हसरंगा, अशेन बंडारा, मिनोद भानुका, लाहिरू उदारा, रमेश मेंडिस, चमिका करुणारत्ने, दुष्मंता चमीरा, लक्षण संदाकन, अकिला धनंजय, शिरन फर्नांडो, धनंजय लक्षण, इशान जयरत्ने, प्रवीण जयविक्रमा, असिता फर्नांडो, कसुन रजिता, लाहिरू कुमारा, इसुरू उदाना।

भारत का टोक्यो ओलंपिक में कार्यक्रम

24 जुलाई

पदक के मैच – **भारोत्तोलन :** मीराबाई चानू, **तीरंदाजी :** अतानु दास और दीपिका कुमारी (मिक्स्ड टीम), **निशानेबाजी :** सौरभ चौधरी, अभिषेक वर्मा, इलावेनिल वलारिवन (व्यक्तिगत स्पर्धाएं)

अन्य– **हाकी :** पुरुष टीम बनाम न्यूजीलैंड, महिला टीम बनाम नीदरलैंड्स, **बैडमिंटन :** पीवी सिंधू का पहला मैच, **टेनिस :** सानिया मिर्जा/अंकिता रैना (महिला डबल्स राउंड-1)।

25 जुलाई

पदक के मैच – **निशानेबाजी :** मनु भाकर, यशस्वी देसवाल, दिव्यांश सिंह पंवार (व्यक्तिगत स्पर्धाएं)

अन्य– **हाकी :** पुरुष टीम बनाम आस्ट्रेलिया, **बैडमिंटन :** पीवी सिंधू का दूसरा मैच (संभावित), **टेबल टेनिस :** शरत कमल और मनिका बत्रा मिक्स्ड डबल्स क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल (संभावित)।

26 जुलाई

पदक के मैच – **निशानेबाजी :** अंगद बाजवा और मैराज अहमद खान (पुरुष स्कीट), **टेबल टेनिस :** शरत कमल और मनिका बत्रा मिक्स्ड डबल्स फाइनल या तीसरे स्थान का मैच (संभावित)।

अन्य– **तलवारबाजी :** भवानी देवी, **हाकी :** महिला टीम बनाम जर्मनी, **टेनिस :** सानिया मिर्जा/अंकिता रैना महिला डबल्स राउंड-2 (संभावित)।

27 जुलाई

पदक के मैच – **निशानेबाजी :** 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम (सौरभ चौधरी व मनु भाकर की जोड़ी और अभिषेक वर्मा व यशस्विनी देसवाल की जोड़ी), 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम (इलावेनिल वलारिवन व दिव्यांश पंवार की जोड़ी)

अन्य– **तीरंदाजी :** दीपिका कुमारी (महिला व्यक्तिगत स्पर्धा), **हाकी :** पुरुष टीम बनाम स्पेन, **टेनिस :** सानिया मिर्जा और अंकिता रैना महिला डबल्स के दूसरे दौर और क्वार्टर फाइनल (संभावित)।

28 जुलाई

तीरंदाजी : दीपिका कुमारी (महिला व्यक्तिगत स्पर्धा), **हाकी :** महिला टीम बनाम ग्रेट ब्रिटेन।

29 जुलाई

पदक के मैच – **टेबल टेनिस :** मनिका बत्रा महिला सिंगल्स सेमीफाइनल (संभावित)

अन्य– **हाकी :** पुरुष टीम बनाम अर्जेंटीना, **टेनिस :** सानिया मिर्जा/अंकिता रैना महिला डबल्स सेमीफाइनल (संभावित), **मुक्केबाजी :** मेरी कोम का पहला मुकाबला।

30 जुलाई

पदक के मैच – **निशानेबाजी :** मनु भाकर और राही सरनोबत 25 मीटर पिस्टल (महिला व्यक्तिगत स्पर्धा), **तीरंदाजी :** दीपिका कुमारी (महिला व्यक्तिगत स्पर्धा), **मुक्केबाजी :** विकास कृष्णन क्वार्टर फाइनल (संभावित)।

अन्य– **बैडमिंटन :** महिला क्वार्टर फाइनल, **एथलेटिक्स :** दुती चंद की पहली 100 मीटर हीट, **हाकी :** महिला टीम बनाम आयरलैंड और पुरुष टीम बनाम जापान।

31 जुलाई

पदक के मैच – **निशानेबाजी :** 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन महिला, **बैडमिंटन :** महिला सिंगल्स सेमीफाइनल, **टेनिस :** महिला डबल्स कांस्य मैच

अन्य–**मुक्केबाजी :** अमित पंघाल व मनीष कौशिक रिंग में उतरेंगे, **हाकी :** महिला टीम बनाम भारत।

1 अगस्त

पदक के मैच – **बैडमिंटन :** महिला सिंगल्स फाइनल, **टेनिस :** महिला डबल्स फाइनल, **मुक्केबाजी :** विकास कृष्णन (सेमीफाइनल, संभावित), मेरी कोम (क्वार्टर फाइनल, संभावित।

अन्य– **एथलेटिक्स :** दुती चंद की पहली 200 मीटर हीट (2 अगस्त भी हो सकती है), **हाकी :** पुरुष क्वार्टर फाइनल।

2 अगस्त

पदक के मैच – **निशानेबाजी :** ऐश्वर्य प्रताप सिंह (पुरुषों की 50 मीटर थ्री पोजीशन)

अन्य–**हाकी :** महिला क्वार्टर फाइनल।

3 अगस्त

मुक्केबाजी : विकास कृष्णन (फाइनल, संभावित), अमित पंघाल और मनीष कौशिक (क्वार्टर फाइनल, संभावित), **हाकी :** पुरुष सेमीफाइनल

4 अगस्त

पदक के मैच – **मुक्केबाजी :** मेरी कोम (सेमीफाइनल, संभावित)

अन्य– **कुश्ती :** रवि कुमार, दीपक पूनिया करेंगे शुरुआत, **एथलेटिक्स :** नीरज चोपड़ा, **हाकी :** महिला सेमीफाइनल



5 अगस्त

पदक के मैच – **कुश्ती :** विनेश फोगाट, रवि कुमार और दीपक पूनिया (संभावित), **मुक्केबाजी :** अमित पंघाल (सेमीफाइनल, संभावित)

अन्य – **हाकी :** पुरुषों के कांस्य और स्वर्ण पदक के मैच

6 अगस्त

पदक के मैच – **कुश्ती :** विनेश फोगाट (संभावित पदक दौर), **मुक्केबाजी :** मनीष कौशिक (सेमीफाइनल, संभावित)

अन्य– **कुश्ती :** बजरंग पूनिया करेंगे आगाज, **हाकी :** महिला कांस्य और स्वर्ण पदक के मैच

7 अगस्त

पदक के मैच – **मुक्केबाजी :** मेरी कोम (फाइनल, संभावित), अमित पंघाल (फाइनल, संभावित), **कुश्ती :** बजरंग पूनिया (फाइनल, संभावित), **एथलेटिक्स :** नीरज चोपड़ा (फाइनल, संभावित)

8 अगस्त

पदक के मैच– **मुक्केबाजी :** मनीष कौशिक (फाइनल, संभावित)

नोट : ओलिंपिक स्पर्धाएं भारतीय समयानुसार सुबह पांच बजे से शुरू होंगी।

इंटरनेट मीडिया में लियोन मेसी ने तोड़ा रोनाल्डो का रिकार्ड

नई दिल्ली, एएनआइ : लियोन मेसी जब भी मैदान पर उतरते हैं तो किसी ना किसी वजह से रिकार्ड बुक में उनका नाम दर्ज हो जाता है। हाल ही में उन्होंने अर्जेंटीना के लिए कोपा अमेरिका खिताब जीतकर एक और उपलब्धि अपने नाम दर्ज की थी। फिर मेसी ने एक और रिकार्ड तोड़ दिया। उन्होंने इंटरनेट मीडिया में पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो को पीछे छोड़ा। मेसी ने कोपा अमेरिका जीतने के बाद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ट्राफी के साथ एक तस्वीर पोस्ट की थी जो इस मंच पर खेल से जुड़ी सबसे पसंदीदा तस्वीर बन गई। मेसी की इस तस्वीर को दो करोड़ लाइक्स मिले। इससे पहले यह उपलब्धि रोनाल्डो के नाम पर थी। उन्होंने पिछले साल अर्जेंटीना के डिएगो माराडोना की मृत्यु पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया था। इसे 1.9 करोड़ लोगों ने पसंद किया था।

बोपन्ना और एआइटीए में रार

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत के टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआइटीए) पर सभी को गुमराह करने का आरोप लगाया है। बोपन्ना का मानना है कि एआइटीए ने आनन-फानन में उनकी जोड़ी सुमित नागल के साथ बनाई और कहा कि ओलिंपिक जाने का मौका है। लेकिन, ऐसा कुछ भी नहीं हुआ और सभी को गुमराह किया गया। इस पर एआइटीए ने कहा कि हम बोपन्ना को गुमराह नहीं, बल्कि उन्हें ओलिंपिक में भेजने के लिए मदद कर रहे थे। इस घटना को टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने भी शर्मनाक बताया है।

एआइटीए ने टोक्यो खेलों में पुरुष डबल्स स्पर्धा के लिए पहले बोपन्ना और शरण की जोड़ी के लिए नामांकन का एलान किया था। बोपन्ना (विश्व रैंकिंग 38) और शरण (विश्व रैंकिंग 75) की संयुक्त रैंकिंग 113 क्वालीफिकेशन हासिल करने में नाकाम रही। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आइटीएफ) के अनुसार, 16 जुलाई की समय सीमा से कुछ दिन पहले यह जोड़ी विकल्प की सूची में पांचवें स्थान पर थी। नागल ने इसके बाद पुरुष सिंगल्स के लिए क्वालीफाई कर लिया। कोविड-19 के कारण ओलिंपिक में टेनिस में डबल्स मुकाबलों को उन खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जा रही है जिन्होंने सिंगल्स के लिए क्वालीफाई किया है। एआइटीए ने पुरुष डबल्स में नागल के साथ बोपन्ना की जोड़ी बना दी।

बोपन्ना ने ट्वीट किया, 'आइटीएफ ने कभी भी सुमित नागल और मेरी जोड़ी को स्वीकार नहीं किया। एआइटीए ने सभी को यह कहकर गुमराह किया है कि हमारे पास अभी भी मौका है।' जवाब में एआइटीए के महासचिव अनिल धूपर ने कहा, 'सच तो यह है कि बोपन्ना की रैंकिंग क्वालीफिकेशन के लिहाज से काफी अच्छी नहीं थी। हमने केवल उनकी मदद करने की कोशिश की, ताकि वह खेलों में प्रतिस्पर्धा कर सकें। उन्होंने अपने दम पर क्वालीफाई क्यों नहीं किया?'

अभ्यास मैच में मयंक पर होंगी नजरें

काउंटी एकादश के खिलाफ आज होगा कोहली की टीम का मैच

डरहम, प्रेट्र : भारतीय टेस्ट एकादश में अपनी जगह फिर से हासिल करने के लिए सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल का संघर्ष मंगलवार से काउंटी एकादश (काउंटी सेलेक्ट इलेवन) के खिलाफ तीन दिवसीय मैच से शुरू होगा, जहां उनके सबसे अच्छे दोस्त केएल राहुल नियमित विकेटकीपर रिषभ पंत की अनुपस्थिति में विकेट के पीछे का मोर्चा संभालेंगे।

इस मैच को प्रथम श्रेणी मुकाबले का दर्जा हासिल है, जो भारतीय टीम के साथ पिछले कई वर्षों में पहला मौका है। पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धौनी का मानना था कि आधिकारिक मैच के होने से सभी खिलाड़ियों को अभ्यास का मौका नहीं मिलता है। टीम प्रबंधन हालांकि, अगले महीने टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले लय हासिल करने के लिए प्रथम श्रेणी मैच खेलना चाहता था।



मयंक अग्रवाल ● फाइल फोटो, ट्विटर

बीसीसीआइ के सूत्रों के अनुसार, कोविड-19 जांच में पाजिटिव आने के बाद पंत ने लंदन में 10 दिवसीय क्वारंटाइन पूरा कर लिया है और ठीक हो रहे हैं, लेकिन उन्हें डरहम में टीम के बायो-बबल (कोरोना से बचाव के लिए बनाया गया सुरक्षित माहौल) में शामिल होना बाकी है। बीसीसीआइ के एक अधिकारी ने कहा, 'अगर पंत अभ्यास मैच के लिए समय पर पहुंच जाते तो भी उन्हें मैच के लिए जरूरी फिटनेस हासिल करने के लिए पर्याप्त आराम दिया जाएगा। उनमें बीमारी के लक्षण नहीं हैं, लेकिन नाटिंघम में शुरुआती टेस्ट से पहले अच्छी तरह से अभ्यास करने की आवश्यकता होगी।' इस अभ्यास मैच में राहुल विकेटकीपर की भूमिका निभाएंगे।

टीम प्रबंधन की नजरें हालांकि मयंक पर होंगी, क्योंकि चोटिल शुभमन गिल के सीरीज से बाहर होने के बाद पहले टेस्ट में रोहित शर्मा के साथ उनके सलामी जोड़ी बनाने की संभावना है। मयंक आस्ट्रेलिया दौरे से अच्छे लय में नहीं हैं। आस्ट्रेलिया में रोहित के आने के बाद वह अंतिम-11 से बाहर हो गए थे। राहुल ने भी टेस्ट करियर के अपने 2000 रन में से ज्यादातर स्कोर पारी का आगाज करते हुए ही किया है।

भारतीय खिलाड़ियों ने खेल गांव में शुरू किया अभ्यास

टोक्यो, प्रेट्र : भारतीय खिलाड़ियों ने महामारी के बीच आयोजित किए जा रहे टोक्यो ओलिंपिक खेलों के लिए सोमवार से अभ्यास शुरू कर दिया। भारतीय खिलाड़ियों का पहला दल कोविड-19 से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद रविवार की सुबह खेल गांव पहुंचा था।

तीरंदाज दीपिका कुमारी और अतानु दास, टेबल टेनिस खिलाड़ी जी साथियान और शरत कमल, बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और बी साई प्रणीत तथा भारत का प्रतिनिधित्व कर रहीं एकमात्र जिम्नास्ट प्रणति नायक ने सोमवार को अभ्यास शुरू कर दिया।

अतानु और दीपिका ने सुबह युमेनोशिमा पार्क में अभ्यास किया, जबकि साथियान और शरत कमल ने भी तैयारियां शुरू कीं। प्रणति ने कोच लक्ष्मण मनोहर शर्मा की देखकर में अभ्यास शुरू कर दिया। सिंधू और प्रणीत ने एक ही कोच पार्क ताइ सुंग की देखरेख में अभ्यास किया, जबकि चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी की डबल्स जोड़ी अपने कोच मैथियास बो के साथ कोर्ट पर पहुंची। भारत का 15 सदस्यीय निशानेबाजी दल भी सोमवार को शूटिंग रेंज पर गया। आयोजन समिति ने पहले जो दिशानिर्देश तय किए थे उनके अनुसार भारत से जाने वाले खिलाड़ियों को तीन दिन के अनिवार्य क्वारंटाइन पर रहना था, लेकिन बाद में इसे हटा दिया गया जिससे खिलाड़ियों को बड़ी राहत मिली।



खेल गांव पहुंचने के बाद सेल्फी लेते भारतीय टेटे खिलाड़ी जी साथियान ● ट्विटर

ओलिंपिक डायरी



खेल गांव में अभ्यास करते भारतीय तीरंदाज दीपिका कुमारी व अतानु दास ● एएनआइ



खेल गांव में नाश्ते के दौरान भारतीय महिला मुक्केबाज एमसी मेरी कोम ● ट्विटर

भारतीय ओलिंपिक कुश्ती टीम के कोच बने राजीव तोमर : भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआइ) ने अनुभवी कोच राजीव तोमर को टोक्यो ओलिंपिक के लिए भारतीय कुश्ती टीम का कोच नियुक्त किया है। राजीव इससे पहले राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई चैंपियनशिप, विश्व चैंपियनशिप और ओलिंपिक क्वालीफायर में कुश्ती टीम को कोच रह चुके हैं और उनके अनुभव को देखते हुए महासंघ ने उन्हें कुश्ती टीम का कोच नियुक्त किया है। राजीव ने बताया कि मैं महासंघ का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने मुझे यह जिम्मेदारी दी। हम कुश्ती में ज्यादा से ज्यादा पदक लेकर वापस आएंगे।

कोको गाफ कोरोना संक्रमित, ओलिंपिक से हटीं : अमेरिका की टेनिस खिलाड़ी कोको गाफ का कोरोना वायरस के लिए किया गया परीक्षण पाजिटिव आया और वह टोक्यो ओलिंपिक से हट गई हैं।

गाफ ने ट्वीट किया, 'मैं इस समाचार को साझा करते हुए बेहद निराश हूं कि मुझे कोविड के लिए पाजिटिव पाया गया है और मैं टोक्यो ओलिंपिक खेलों में भाग नहीं ले पाऊंगी। ओलिंपिक में अमेरिका का प्रतिनिधित्व करना मेरा सपना रहा है और उम्मीद है कि भविष्य में मुझे इसके मौके मिलेंगे।' गाफ इस महीने के शुरू में विंबलडन के चौथे दौर तक पहुंची थीं जहां उन्हें एंजलिक कर्बर ने 6-4, 6-4 से हराया था। 17 वर्षीय गाफ डब्ल्यूटीए रैंकिंग में 25वें स्थान पर हैं।

खेल गांव के व्यंजनों में दाल और परांठे शामिल

टोक्यो, प्रेट्र : टोक्यो ओलिंपिक के खेल गांव में डाइनिंग हाल में दुनिया भर के व्यंजन परोसे जा रहे हैं जिनमें भारतीय दाल और परांठे भी शामिल हैं। टेबल टेनिस खिलाड़ी जी साथियान ने कहा, 'मुझे खाने और अभ्यास की सुविधा से कोई दिक्कत नहीं है। मैंने कल दाल और परांठा खाया, जो अच्छा था।' भारतीय दल के उप प्रमुख प्रेम वर्मा ने कहा, 'दूसरे देश में जाने पर वहां की संस्कृति व खानपान को अपनाना चाहिए। यहां अच्छे भारतीय व्यंजन परोसे जा रहे हैं। उसकी तुलना भारत के खाने से ना करें।' वहीं खिलाड़ियों की गर्म पानी की मांग के मद्देनजर भारतीय दूतावास से 100 से अधिक इलेक्ट्रानिक केतली मांगी गई हैं। खेल गांव में कमरों में केतलियां नहीं रखी गई हैं। इसके साथ ही कोरोना महामारी के कारण व्यक्तिगत संपर्क न्यूनतम रखने की कवायद में कमरों की सफाई तीन दिन में एक बार होगी।

यह भारतीय खेलों के लिए शानदार समय

गगन नारंग



कलम से

आखिरकार टोक्यो ओलिंपिक की शुरुआत होने जा रही है। ये अपने साथ मेरी अपनी यात्रा की ढेर सारी यादें ले आया है। 2004 में जब मैं एथेंस गया तो मेरे लिए सब कुछ नया और किसी परिकथा जैसा था। चार साल बाद बीजिंग में मेरा दिल उस समय टूट गया, जब एयर राइफल फाइनल में जगह बनाने से मैं सिर्फ एक प्वाइंट से चूक गया। लंदन 2012 में इसकी कुछ भरपाई हुई और मैंने कांस्य पदक जीता। 2016 की कहानी तो बिलकुल ही अलग रही।

एक प्रशंसक से खिलाड़ी तक फिर पदक से मेंटर तक का सफर पूरा करने के बाद मैं कह सकता हूं कि मैं खेल को वापस कुछ देने की चुनौती का लुत्फ उठा रहा हूं। मेरे फाउंडेशन जो रन फार ग्लोरी कार्यक्रम चलाता है, उसने अहमदाबाद के संस्कारधाम स्कूल की एयर राइफल निशानेबाज इलावेनिल वलारिवन की खोज की और उसे दुनिया की नंबर एक निशानेबाज बनाने का सफर शानदार रहा।



निशानेबाजी महंगा खेल है और बहुत सी प्रतिभाएं इस वजह से हिम्मत हार जाती हैं। हमारा लक्ष्य ऐसे हीरों को तलाशना, उन्हें निखारकर फिर राष्ट्रीय कैंप भेजना है। इसके लिए हम सभी की जिम्मेदारी और जवाबदेही है। किसी एथलीट के रास्ते में कोई अड़चन ना आए, यह सुनिश्चित करने के लिए हम अपनी सर्वश्रेष्ठ कोशिश कर रहे हैं। मैं यह देख पा रहा हूं कि हमने एक ऐसा सिस्टम बना लिया है जो सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को ढूंढकर उन्हें तराशने का काम कर रहा है। खेलो इंडिया गेम्स, स्कालरशिप और मान्यता प्राप्त अकादमी इसी की ओर बढ़ाया गया एक कदम है। जो एथलीट अच्छे होते हैं वो आगे चलकर टारगेट ओलिंपिक पोडियम स्कीम (टाप्स) में डेवलपमेंट ग्रुप में पहुंचते हैं और सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को टाप्स (कोर ग्रुप) से समर्थन मिलता है।

निजी कंपनियों की भागीदारी भी काफी बढ़ रही है। यहां तक कि कई बार क्राउड फंडिंग भी देखने को मिल रही है। ज्यादा बेहतर पेशेवर अप्रोच के साथ एक सिस्टम तैयार हो रहा है, जिसका फोकस सभी क्षेत्र में हाई परफोरमेंस विकास हो। मैं बिना किसी हिचक के यह कह सकता हूं कि यह भारतीय खेलों के लिए बेहद शानदार समय है।

मैं देख पा रहा हूं कि टोक्यो 2020 ने पहले ही कुछ नए मील के पत्थर हासिल कर लिए हैं। इस बार ओलिंपिक में भारत अब तक का अपना सबसे बड़ा दल भेज रहा है। मेरे लिए यह अच्छे काम के संकेत हैं, जिसे सबने मिलकर किया है, ताकि एथलीट अपने सपने को पूरा कर सकें। ऐसे में इस बार हम ज्यादा पदकों की उम्मीद तो कर ही सकते हैं। मैं जानता हूं कि खेल में कभी भी कुछ भी हो सकता है, लेकिन जब हमने हमारे एथलीटों को तैयारियों के लिए सर्वश्रेष्ठ अवसर दिए हैं और वे मानसिक और शारीरिक रूप से बेहतर ढंग से तैयार भी हैं तो हम अच्छे परिणाम की उम्मीद तो कर ही सकते हैं।



भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन

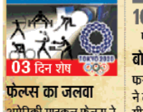
भारत ने लंदन ओलंपिक खेलों में छह पदक जीतकर अब तक का अपना ना सिर्फ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, बल्कि वह उन देशों में चोटी पर रहा, जिन्होंने इस खेल महाकुंभ में एक भी स्वर्ण पदक नहीं जीता। भारत ने दो रजत और चार कांस्य सहित छह पदक अपने नाम किए।



तालिका में शीर्ष पांच देश

देश	स्वर्ण	कुल पदक
अमेरिका	46	103
चीन	38	88
ब्रिटेन	29	65
रूस	22	79
द. कोरिया	13	28

टोक्यो ओलिंपिक



03 दिन शेष

27 जुलाई से 12 अगस्त

10768 एथलीट | **204** देश | **26** खेल 302 मुकाबले

फेल्प्स का जलवा

अमेरिकी माइकल फेल्प्स ने अकेले उतने पदक हासिल किए, जितने भारत ने जीते। इस महान तैराक ने चार स्वर्ण सहित छह पदक जीते।

बोल्ट की बादशाहत

फर्राटा के बादशाह जमैका के उसेन बोल्ट ने लंदन ओलंपिक में 100 मीटर, 200 मीटर और 4 गुना 100 मीटर की स्पर्धा में स्वर्ण जीता। इन्हीं तीनों स्पर्धाओं में बोल्ट ने बीजिंग ओलंपिक में भी स्वर्ण पदक जीते थे, लेकिन बाद में 4 गुना 100 मीटर की स्पर्धा का स्वर्ण वापस ले लिया गया था।

स्वर्ण से चूके सुशील

स्टार पहलवान सुशील कुमार कुश्ती के 66 किग्रा वर्ग के फाइनल में हारकर स्वर्ण पदक जीतने से चूक गए, लेकिन उन्हें रजत पदक मिला। सुशील लगातार दो ओलिंपिक में व्यक्तिगत स्पर्धा का पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी हो गए। उन्होंने बीजिंग में कांस्य पदक जीता था। पहलवान योगेश्वर दत्त भी कांस्य जीतने में सफल रहे।



योगेश्वर दत्त

साइना की सनसनी



साइना नेहवाल ने वो कर दिखाया जो अब तक किसी भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने नही किया था। साइना फाइनल में पहुंचने में तो असफल रही, लेकिन तीसरे स्थान के लिए मुकाबले में चीनी शटलर वांग झिन पर भारी पड़ी।

मैग्निफिशेंट मेरी



एमसी मेरी कोम महिला मुक्केबाजी के 51 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में ब्रिटेन की निकोला एडम्स से हार गई। स्वर्ण की दावेदार मानी जा रही मेरी कोम को कांस्य से संतोष करना पड़ा।

निशानेबाजी में फिर पदक

यह लगातार तीसरा मौका था, जब निशानेबाज पदक लाए। विजय कुमार ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में रजत तो गगन नारंग ने 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य जीता।



विजय कुमार



गगन नारंग

ओलिंपिक के अनधिकृत प्रसारण पर रोक

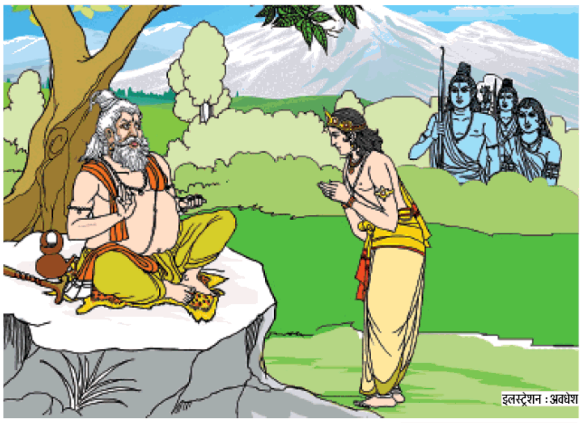
जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : विभिन्न वेबसाइट और मल्टी-सिस्टम आपरेटरों व स्थानीय केबल आपरेटरों द्वारा आगामी टोक्यो ओलिंपिक के अनधिकृत प्रसारण पर दिल्ली हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति सी हरिशंकर की पीठ ने इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आइएसपी) को निर्देश दिया कि वे इन वेबसाइटों को अपने प्लेटफार्म पर अवैध रूप से प्रसारित करने से रोकें और केंद्र सरकार को इस संबंध में आवश्यक निर्देश व अधिसूचनाएं जारी करने को कहा।

टोक्यो ओलिंपिक के विशेष प्रसारक सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया की याचिका पर सुनवाई के बाद पीठ ने कहा कि रोक लगाने का अंतरिम आदेश 29 सितंबर को होने वाली अगली सुनवाई तक लागू रहेगा। पीठ ने साथ ही पक्षकारों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के अंदर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

सोनी पिक्चर्स, सोनी टेन नेटवर्क का मालिक है और उसका संचालन करता है। सोनी पिक्चर्स की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता अभिषेक मल्होत्रा ने पीठ को बताया कि उनके मुवक्किल ने टोक्यो ओलिंपिक के प्रसारण का विशेष लाइसेंस हासिल किया है और वही राइट होल्डर ब्राडकास्टर है।



भक्ति के संदर्भ में गुरु, शिष्य का ईश्वर से संबंध स्थापित करता है। ज्ञान के संदर्भ में वही गुरु शिष्य को आत्मबोध कराता है। भक्ति और मुक्ति के मार्ग में हेतु और सेतु गुरु ही होता है। श्रीरामचरितमानस में गुरु-शिष्य की आध्यात्मिक अनंतता के सूत्र शिष्य सुतीक्ष्ण और गुरु अगस्त्य के संबंधों में मिलते हैं...



इलस्ट्रेशन : अवधेश

निर्झरिणी



अपनी प्रतिज्ञा का मान करें। काम के लिए जो समय निर्धारित किया है उसी समय पर करें, अन्यथा लोगों का विश्वास आपसे उठ जाएगा।

- स्वामी विवेकानंद

आत्मसाक्षात्कार का अवसर



हरिशयनी एकादशी

सन्तोष कुमार तिवारी
रामकथा के अध्येता



शास्त्रों में उल्लेख मिलता है कि आषाढ़ मास के शुक्लपक्ष की एकादशी को जगत के पालनहार श्रीविष्णु चार माह के लिए शयन (योगनिद्रा) हेतु क्षीरसागर में चले जाते हैं। इस एकादशी को आषाढ़ी, देवशयनी, पद्मनाभा और हरिशयनी एकादशी भी कहते हैं।

पौराणिक आख्यानों में इससे जुड़े विभिन्न प्रसंग मिलते हैं। अंगिरा ऋषि के कथनानुसार, सूर्यवंशी प्रजापालक राजा मंधाता के राज्य में अनावृष्टि से पड़े अकाल के फलस्वरूप आषाढ़ के शुक्लपक्ष की एकादशी को स्वयं राजा, मंत्री, पार्षद, प्रजा सहित व्रत पालन से राज्य में पूर्ववत धन-धान्य की पूर्णता हुई। दूसरी कथा बलि के अहंकार-मर्दन हेतु श्रीविष्णु के वामनावतार से जुड़ी है :

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशम्
विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभांगम्।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं
योगिभिध्यानगम्यम्
वंदे विष्णु भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम्।।

महाभारत युद्ध के पश्चात् धर्मराज युधिष्ठिर केशव से इसी एकादशी-व्रत-विधान के बारे में जिज्ञासा व्यक्त करते हैं, तो नारद जी को पिता ब्रह्मा देवशयनी एकादशी माहात्म्य के बारे में बताते हैं कि कलियुग में समस्त प्रकार की व्याधि व आपदा से मुक्ति हेतु हरिशयनी एकादशी का व्रत रखना चाहिए। वैष्णव अनुयायी आषाढ़ के शुक्लपक्ष की इस एकादशी से कार्तिक माह के शुक्लपक्ष की देवोत्थान एकादशी के मध्य चार माह को चौमासा (चातुर्मास) कहते हैं, जिसमें शुभ कार्य वर्जित माने जाते हैं। ऐसे में आत्मशुद्धि हेतु पूजन, यजन एवं शास्त्र की शरण में जाने का विधान है।

लोगों में सहज जिज्ञासा होती है कि जब भगवान चार माह के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं तो सृष्टि का संचालन कैसे होता है? दरअसल, इस समयावधि में सूर्य, चंद्रमा और प्रकृति का तेजतत्व कम हो जाता है। इस संबंध में विशिष्टाद्वैतवादियों का मानना है कि जीव, माया और ब्रह्म के एकीकरण से ही सृष्टि का अस्तित्व है। माया जीव को भ्रमित करती रहती है। श्रीविष्णु योगनिद्रा में रहकर माया को समेटते हैं, ताकि जीव ब्रह्म को प्राप्त करने में निर्बाध रूप से अग्रसर हो सके। यह श्रीहरि की आध्यात्मिक निद्रा है। अचेतन में चैतन्यता बनाए रखना ही इसका संदेश है। देवशयनी एकादशी आत्मचिंतन, शोधन, इंद्रिय-निग्रह से एकाग्रता की ओर बढ़ते हुए, स्वयं के स्वयं से मिलन (आत्मसाक्षात्कार) की अवस्था का ही दूसरा नाम है।

गुरु बनाते हैं अपूर्ण को पूर्ण

गुरु पूर्णिमा पर विशेष



संत मैथिलीशरण
(भाई जी)
मानस मर्मज्ञ

वेदों से लेकर वर्तमान काल तक गुरु-शिष्य परंपरा गंगा की अविरल धारा की तरह प्रवहमान है। पुराणों और हिंदी-संस्कृत साहित्य में गुरु महिमा छाई हुई है, पर गुरु और शिष्य के बीच एक सूत्र ओझल-सा पड़ा हुआ है, जो पहली दृष्टि में तो शिष्य को गुरु से भी ऊपर उठाता-सा दिखता है, पर गहराई से देखने पर उसका विलय केंद्र भी गुरु महिमा ही है। श्रीरामचरितमानस में गुरु विश्वामित्र अपनी सारी विद्याओं को अपने शिष्य श्रीराम को समर्पित कर देते हैं :

तब ऋषि निज नाथहिं जिए चीन्हीं।
विद्यानिधि कहं बिद्या दीन्हीं।।

उसी के कारण श्रीराम मारीच को अपने बाण के प्रभाव से दूर फेंक देते हैं तथा ताड़का और सुबाहु का वध एक ही बाण से कर देते हैं। दूसरे गुरु वशिष्ठ हैं, जो श्रीराम और श्रीभरत से प्रभावित होकर स्वयं को श्रीराम और श्रीभरत में ही विलीन कर देते हैं। इसी परंपरा में श्रीरामचरितमानस में एक अद्भुत पात्र हैं सुतीक्ष्ण जी, जो बिल्कुल निराले हैं :

मुनि अगस्ति कर सिष्य सुजाना।
नाम सुतीछन रति भगवाना।।

जिस भक्त के पास भगवान स्वयं चल कर आ जाएं, फिर भी उसे अपनी साधना में परिपूर्णता न दिखे, श्रीरामचरितमानस में ऐसे ही भक्त हैं सुतीक्ष्ण! भगवान के चरणों में रति हो जाने पर संसार से 'विरति' और 'उपरति' की किसी पृथक साधना का कोई स्थान ही नहीं रहता है। वह सहज संभव हो जाती है। सुतीक्ष्ण की रति भगवान के चरणों में है। मुनि अगस्त्य के परम शिष्य ऋषि सुतीक्ष्ण पुराणों के पुनीत इतिहास में एक ऐसे पात्र हैं, जो अपने गुरु को भगवान का दर्शन कराने का माध्यम बने। सुतीक्ष्ण मन, वचन और कर्म से मात्र राम के ही उपासक हैं।

संसार में और कथाओं में यह तो सुनने में आता है कि गुरु, शिष्य को भगवान के सम्मुख करने के कारण भगवान से भी अधिक पूज्य हो जाता है, पर यहां अद्भुत दृश्य है। जब दंडकारण्य के सघन बीहड़ जंगलों में भक्त सुतीक्ष्ण को यह पता चलता है कि भगवान आ रहे हैं, तो वे इस संदेश से प्राप्त आनंद को हृदय में समेट नहीं पाते। वे भावराज्य में डूबकर अत्यंत मधुर कल्पनाएं करने लगते हैं और प्रभु से मिलन के लिए आतुर होकर दौड़ने लग जाते हैं।

आनंद की स्थिति में सहजता नहीं रह पाती। अचानक सुतीक्ष्ण उस दिव्य प्रेमभक्ति से निकलकर साधन भक्ति में प्रवेश कर जाते हैं, जहां पर उन्हें भगवत्प्राप्ति की किसी योग्यता या साधना का दर्शन अपने अंदर नहीं होता है। वे सोचने लगते हैं कि न तो मेरे अंदर जप है, न तप है, न ही मैंने संतों का सत्संग ही किया है। शरीर रोमांचित और पुलकित होता जा रहा है कि क्या मैं अपने प्रभु को इन्हीं नेत्रों ने देखूंगा? वे अचानक नृत्य करने लगे, कभी पीछे, कभी सामने देखने लगे। सुतीक्ष्ण भगवान को देखें, इसके पूर्व ही भगवान अपने भक्त के भावराज्य पर विमोहित होकर एक वृक्ष की आड़ लेकर छुपकर देखने लगे। ब्रह्म और जीव की एकरूपता सिद्ध हो गई, जहां कोई भी अपने में नहीं है। अविरल प्रेमभक्ति की प्राप्ति के पश्चात भगवान अचानक प्रकट हो गये।

प्रकट जो होता है, वह कहीं दूर से नहीं आता, बल्कि वह देश, काल, व्यक्ति के आवरण वृक्षों के पीछे ही रहता है। ज्यों ही भक्ति भाव से इनका अनावरण होता है, उस वृक्ष की कोई वास्तविक सत्ता नहीं रह जाती। सुग्रीव के बड़े भाई बालि को मिथ्या भ्रम था कि भगवान उसके बल के भय से आतंकित होकर उसे मारने के लिए वृक्ष के पीछे छिपे थे। सुतीक्ष्ण के सामने भी वे वृक्ष के ही पीछे छिपे। एक स्थान पर वे काल रूप में प्रकट हुए, क्योंकि वहां बालि अपने बल के अहंकार के कारण देश, काल, व्यक्ति की सीमा से ऊपर नहीं उठ सका। वहीं सुतीक्ष्ण भगवान को देखे बगैर, सूचना मात्र से प्रेम में मगन हो गये। वहां भगवान प्रेम रूप में प्रकट हो गये। उस समय सुतीक्ष्ण का शरीर कटहल के फल जैसा नुकीला हो गया, मानो अपने प्रत्येक रोम को तीक्ष्ण (नुकीला) करके वे भगवान के दिव्य रूप का दर्शन कर रहे हैं। वास्तव में बुद्धि की तीक्ष्णता की सार्थकता तभी है, जब वह अनन्य होकर भगवान को स्वीकारने में अपनी तीक्ष्णता का उपयोग करे। इसीलिए नाम से सुतीक्ष्ण तो पहले से थे, पर गुण से भी सुतीक्ष्ण हो गये।

> "शिष्य अपनी दृष्टि में अपूर्ण ही होता है। शिष्य की पूर्णता यही होती है कि वह गुरु को पूर्ण मानता है। पर गुरु की पूर्णता भी यही होती है कि शंकर जी की तरह द्वितीया के वक्र और अपूर्ण चंद्रमा को अपने सिर पर धारण करके शिष्य को अपने समान और अपने साथ ही संपूज्य बना देता है।"

गुरु की परोक्ष कृपा से उनकी सुतीक्ष्णता की पराकाष्ठा तब हो गई, जब उनके मन में यह आया कि मैं अपने गुरुदेव अगस्त्य जी को भी प्रभु के दर्शन करा दूं। उनका यह भाव गुरुकृपा का ही फल था। अब इस प्रसंग को पढ़कर स्वाभाविक रूप से लोगों को यही लगेगा कि धन्य है वह शिष्य, जिसने गुरु को भगवान के दर्शन करा दिए, पर वस्तुतः ऐसा नहीं है। यह गुरुकृपा और गुरुमहिमा के साक्षात्कार का सर्वोत्तम प्रसंग है, जहां शिष्य गुरु के समक्ष भगवान के रूप में उनकी कृपा का फल दिखाने और गुरु की महिमा को अवतरित करने के लिए भगवान को उनके पास ले जाता है कि प्रभु आपकी कृपा का इससे बड़ा सुप्रमाणित फल क्या होगा। आपकी महती कृपा से इस दास को प्रभु ही मिल गये। सुतीक्ष्ण ने सोचा कि मेरे पास जो है, वह केवल गुरुकृपा से ही प्राप्त है। गुरु तो नित्य बोध रूप ही हैं, पर आज अपने उस बोध को गुरुदेव ने मेरे जीवन में साकार करके दिखा दिया। यही गुरु कृपा है।

सुतीक्ष्ण को समाधि लग गई। भगवान स्वयं उन्हें समाधि से निकालकर अपना भुवनमोहन रूप दिखाते हैं। तब कहीं जाकर सुतीक्ष्ण व्यावहारिक भक्ति में आये। उन्होंने साधन का आश्रय लेकर भगवान का पूजन-यजन किया और भगवान से कहा कि निराकार, साकार, सगुण, निर्गुण सब आप ही हैं। अंत में वे भगवान से कहते हैं कि प्रभु, कृपा करके आप मुझे यह अभिमान दे दीजिए कि आप मेरे हैं और मैं आपका हूं। यदि संसार में किसी के अंदर यह अभिमान आ गया तो फिर संसार में कोई पराया रह ही नहीं जाएगा। सुतीक्ष्ण ने भगवान से कहा कि आप मेरे तमोमय हृदय में अपने अनुज श्रीलक्ष्मण और मां श्रीसीता जी के साथ इसी रूप में सदा के लिए ऐसे निवास कीजिए, जैसे आकाश में पूर्णिमा का चंद्रमा रहता है। जैसे चंद्रमा ने अपने शरीर पर कालिमा स्वीकार कर ली है, वैसे ही आप मेरे हृदय की कालिमा को स्वीकार करके मुझे धन्य कर दीजिए। जो सर्वथा निष्कलंक हो और सबके कलंकों का शमन करने वाला हो, वह मेरी कालिमा के कलंक को स्वीकार कर मुझे अपनी धवलता में समाहित कर लेगा। तो प्रभु! संसार में आपकी सबसे बड़े निष्काम रूप में ख्याति भी हो जाएगी :

अनुज जानकी सहित प्रभु चाप बान धर राम।
मम हिए गगन इंदु इव बसहु सदा निहकाम।।

भगवान ने सुतीक्ष्ण को हृदय से लगाकर तथास्तु कह दिया। शिष्य अपनी दृष्टि में अपूर्ण ही होता है। शिष्य की पूर्णता यही होती है कि वह गुरु को पूर्ण मानता है। पर, गुरु की पूर्णता भी यही होती है कि शंकर जी की तरह द्वितीया के वक्र और अपूर्ण चंद्रमा को अपने सिर पर धारण करके शिष्य को अपने समान और अपने साथ ही संपूज्य बना देता है। शिष्य और गुरु दोनों स्वयं अपनी दृष्टि से अपूर्ण होते हैं, पर दोनों दूसरे को पूर्ण ही मानते हैं।

गुरु पूर्णिमा का तात्पर्य है कि जो अपूर्ण को पूर्ण बना दे, उसकी पूजा, उसकी अभ्यर्थना ही हमारी सनातन संस्कृति है।

maithili.sharan@yahoo.com

प्रेरक प्रसंग

ज्ञान का अभिमान है अज्ञान

एक अफ्रीकी लोककथा है कि एक व्यक्ति अपने इलाके का सबसे ज्ञानी मनुष्य समझा जाता था। सभी उससे सलाह लेने आते थे। उसके पास ज्ञान का अपार भंडार था। उसे अहंकार हो गया कि उसके ज्ञान देने से ही लोग समझदार हो पा रहे हैं। उसने सोचा कि लोग समझदार हो गए, तो मुझे सम्मान नहीं देंगे। अत: उसने तय किया कि वह सारा ज्ञान हमेशा के लिए छिपा देगा, ताकि कोई ज्ञानी न बन सके। उसने सारा ज्ञान बटोर कर एक घड़े में भर लिया। वह उसे ऐसी जगह रखना चाहता था, जहां किसी की नजर न पड़े। उसका बेटा समझ गया था कि पिता जी कोई गोपनीय काम कर रहे हैं। उत्सुकता में वह उनके पीछे लग गया। उसने देखा कि पिता जी एक घड़ा लेकर दबे पांव घर से बाहर जा रहे हैं। दूर पहुंचकर उस व्यक्ति ने एक बहुत ऊंचा पेड़ खोज लिया। अपने ज्ञान से उसे इतनी आसक्ति थी कि वह उसे अपनी नजरों के सामने ही पेड़ के शिखर पर सुरक्षित छिपाना चाहता था, इसलिए उसने पेड़ पर चढ़ते समय अपने सीने पर मटके को बांध लिया। सीने पर मटका होने के कारण पेड़ पर चढ़ना मुश्किल हो गया। सामने मटका होने के कारण वह पेड़ को पकड़ ही नहीं पा रहा था। आखिरकार बेटा बोल पड़ा - पिताजी, मटके को अपनी पीठ पर टांगेंगे, तभी आप पेड़ पर चढ़ पाएंगे। वह व्यक्ति हैरान हो गया। बोला - मुझे तो लगता था कि मैंने दुनिया का सारा ज्ञान इस मटके में बंद कर लिया है, लेकिन तुम्हारे पास तो मुझसे भी ज्यादा ज्ञान है। इस बात पर गुस्से में उसने मटका जमीन पर पटक दिया। जमीन पर गिरते ही मटका टूट गया और उसमें बंद सारा ज्ञान मनुष्यों में फैल गया।

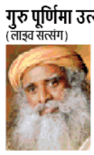
कथा-मर्म : ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती। ज्ञानी होने का अभिमान करना सबसे बड़ा अज्ञान है।

संत सान्निध्य



इस स्तंभ के तहत जाने-माने गुरुओं/संतों के आनलाइन प्रवचनों/उपदेशों/कथाओं आदि की जानकारी साझा की जाती है, ताकि इन्हें सुनकर उदासी, एकरसता दूर करने और मनोबल बढ़ाने में मदद मिल सके...

गुरु पूर्णिमा उत्सव
(लाइव सत्संग)



वक्ता : सद्गुरु
यूट्यूब चैनल : isha.sadguru.org/in/hi/events/sadguru-satsang
समय : 23 जुलाई को शाम सात बजे से।

अनुरोध : इस तरह के प्रमुख कार्यक्रमों की प्रामाणिक संक्षिप्त जानकारी इस मेल आइडी पर साझा की जा सकती है : feature@jagran.com

सप्ताह के पर्व-त्योहार



20 जुलाई : हरिशयनी एकादशी व्रत। चातुर्मास प्रारंभ।
24 जुलाई : गुरु पूर्णिमा
25 जुलाई : श्रावण मास प्रारंभ।
26 जुलाई : श्रावण का प्रथम सोमवार व्रत।

आलेखों में लेखकों के निजी विचार हैं। उनसे संपादकीय सहमति होना जरूरी नहीं है। अपनी राय हमें जरूर बताएं : feature@jagran.com

सृष्टि के गायन का महीना

श्रावण मास पर



सलिल पांडेय
आध्यात्मिक विषयों के अध्येता



श्रावण मास को प्राकृतिक शीतलता के रूप में ही नहीं, बल्कि मानव-समुदाय के बीच शांति के रूप में भी देखा जाता है। महर्षि वाल्मीकि रामायण के किष्किंधाकांड के 28वें सर्ग में लिखते हैं कि सावन आते ही धरती पर राजाओं के बीच चल रहे युद्ध और वैरभाव समाप्त हो जाते हैं। देखा जाए तो ग्रीष्म ऋतु की ज्वाला से दहकती-झुलसती धरती भी सावन की वर्षा से शीतल हो जाती है। इस महीने में आकाश में मेघों को देखकर लगता है कि लंबे अरसे से बिछुड़ा कोई सगा-संबंधी या सखा आ गया हो। जीव-जंतु से लेकर पेड़-पौधे, नदी-तालाब, वन-उपवन, पर्वत-झरनों तक को लगता है कि हर प्रकार के ताप हरने वाले भगवान शंकर ने डमरू बजा दिया है। महादेव का डमरू 'नाद-सृष्टि' का अलौकिक-यंत्र है, जिसकी ध्वनि से अक्षर, शब्द निकले, मंत्र गूंजे। महर्षि पाणिनि को इसी गूंज से माहेश्वर सूत्र सुनाई पड़े।

इस स्थिति में गोस्वामी तुलसीदास को वर्षा ऋतु के महीने 'राम' सदृश लगते हैं और वे 'वर्षा ऋतु रघुपति भगति तुलसी सालि सुदास, राम नाम बर बरन जुग सावन भादव मास' कहकर इस ऋतु को सम्मान दे रहे हैं। इतना ही नहीं, मानस में वे लिखते है कि महादेव के आराध्य मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम राज्य छोड़कर अरण्य (जंगल) में आ गए हैं। श्रीराम के आगमन का उद्देश्य आरण्यक-संस्कृति को विकासोन्मुखी बनाना भी है। कर्म-उपासना-भक्ति की त्रिधारा को स्थापित करना है। सावन इस मामले में सर्वाधिक उपयुक्त महीना है। कृषक कृषि-कर्म में लग जाते हैं, ऋषि-मुनि-साधक-तपस्वी उपासना में तो सामान्य गृहस्थ व्रत-पूजा-अनुष्ठान के जरिए भक्ति में। श्रीराम दंडकारण्य में अहिल्या के उद्धार के माध्यम से उन स्थलों को जो 'अ-हल्या' (जहां हल नहीं चल सकते) की स्थिति में हैं तथा पाषाणवत होकर गैर-उपजाऊ है, वहां अनाज के रूप में प्राण-शक्ति उत्पन्न करते हैं। सीता के हरण की पीड़ा के बावजूद किष्किंधाकांड में वे लक्ष्मण से वर्षा ऋतु की मोहकता का वर्णन करते हैं।

मनुष्य पशु से भिन्न होकर विशिष्ट तब हुआ, जब उसमें श्रवण शक्ति का विकास हुआ। यही श्रावण मास है, जिसकी पूर्णिमा में श्रवण नक्षत्र का संयोग बनता है। ऋषियों ने चैत्र से लेकर फाल्गुन तक हर महीने का जो नामकरण किया, वह खगोलीय प्रभावों को दृष्टिगत करके किया। चंद्रवर्ष के इन महीनों में चंद्रमा से कब किस सोम (अमृत) की वर्षा होगी, वह सोममंडल (नक्षत्र मंडल) के गहरे अध्ययनों के बाद किया गया। इसी तरह सावन में भगवान शंकर की पूजा उनके पंचानन स्वरूप को ध्यान में रखकर की गई। चंद्रवर्ष का पांचवां महीना सावन है। पंच-भूतों 'क्षिति जल पावक गगन समीरा, पंच रचित यह अधम शरीरा' से बने मानव-तन को 'बड़े भाग मानुष तन पावा' तक पहुंचाने की प्रक्रिया भी है।

सावन प्रकृति के देवता महादेव की कृपा प्राप्ति का अवसर देता है। वर्षा-ऋतु में भोलेनाथ कैलाश पर्वत से उतरकर पृथ्वी पर जब आते हैं तो उत्सव का माहौल बन जाता है। शिखरस्थ शक्ति जब भी सामान्यजन के बीच होती है तो प्रकृति के उल्लास का संचरण होता है। बरसते मेघों से नदियां ही नहीं उछलती-कूदती हैं, बल्कि खुशी और आनंद के साथ मानव की आस्था भी हिलोरें लेने लगती है। सूखते पेड़ों और बाग-बगीचों को नया जीवन मिल जाता है। चतुर्दिक हरियाली छा जाती है। हरियाली का आशय ही 'हरि' (पालनकर्त्ता नारायण) की सत्ता है, जो पृथ्वी की संपन्नता का सूचक है। देवशयनी एकादशी को श्रीहरि योगनिद्रा में जाते समय भगवान शंकर को अपनी सत्ता का नेतृत्व सौंप देते हैं। वे मूलतः हैं दानी। कोई कुछ भी मांग ले, सब 'तथास्तु'। इस भोलेपन का समय-समय पर दैत्यों ने भी खूब फायदा उठाया। खुद भस्मासुर जैसा दैत्य उन्हें ही चुनौती देने लगा, लेकिन जो दाता होता है उसे देने में ही आनंद आता है।

सावन माहात्म्य वर्णन में उल्लेख है कि दक्ष प्रजापति के यज्ञकुंड में भगवान शंकर के अपमान पर माता पार्वती ने आत्माहुति के बाद हिमालय-पुत्री के रूप में जन्म लिया। फिर भगवान शंकर को पति रूप में पाने के लिए उन्होंने इसी सावन माह से ही कठोर तपस्या प्रारंभ की थी।

भगवान शंकर के प्रिय मास में सोमवार का दिन महादेव के शीश पर विराजते चंद्रमा से ऊर्जा पाने का दिन है। चंद्रमा मन के देवता हैं। महर्षि वाल्मीकि सावन मास पर इतने मुग्ध हैं कि इसे 'उत्सव का महीना' कहते हैं। रामायण के किष्किंधाकांड के 28वें सर्ग के 44वें श्लोक में वह लिखते हैं- 'गजेंद्र' (हाथी) मतवाले हो रहे हैं। गवेंद्र (वृषभ) आनंदमग्न हैं, मृगेंद्र (सिंह) वनों में अत्यंत पराक्रम प्रकट कर रहे हैं, नगेंद्र (बड़े-बड़े पर्वत) रमणीय दिखाई देते हैं, नरेंद्र (राजा लोग) मौन हैं-युद्ध विषयक उत्साह छोड़ बैठे हैं और सुरेंद्र (इंद्रदेव) जलधरों के साथ क्रीड़ा कर रहे हैं।' इस तरह सावन में महादेव के डमरू-वादन से सृष्टि के कोने-कोने से संगीत गूंजने लगता है।

आज का भविष्यफल

के. प. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति: 20 जुलाई, 2021 मंगलवार आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष एकादशी का राशिफल।
आज का राहुकाल: दोपहर 03:00 बजे से 04:30 बजे तक।
आज का दिशाशूल: उत्तर।
पर्व-त्योहार: हरिशयनी एकादशी।
विशेष: चातुर्मास्य व्रतारम्भ।
आज की भद्रा: प्रातः 08:41 बजे से शाम 07:18 बजे तक।

कल 21 जुलाई का पंचांग



कल का दिशाशूल: उत्तर।
पर्व एवं त्योहार: प्रदोष व्रत।
विक्रम संवत 2078 शके 1943 दक्षिणायन, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष की द्वादशी 16 घंटे 27 मिनट तक, तत्पश्चात् त्रयोदशी ज्येष्ठा नक्षत्र 18 घंटे 30 मिनट तक, तत्पश्चात् मूल नक्षत्र ब्रह्म योग तत्पश्चात् ऐन्द्र योग वृश्चिक में चंद्रमा तत्पश्चात् धनु में।

मेष: संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में चल रहा प्रयास फलीभूत होगा। बुद्धि कौशल से किए गए कार्य में सफलता मिलेगी।

वृष: किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। रचनात्मक कार्यों में प्रगति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन: व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिल सकता है। किसी कार्य के संपन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी।

कर्क: स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। अपने अहंकार पर नियंत्रण रखें। रिश्तों में तनाव और टूटन की स्थिति आ सकती है।

सिंह: व्यावसायिक मामलों में प्रगति होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। नए संबंध बनेंगे।

कन्या: आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा।

तुला: पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। किसी कार्य के संपन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। गृह कार्य में व्यस्त रहेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।

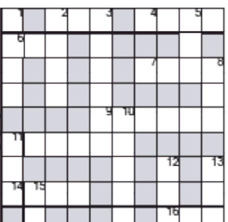
धनु: पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा की दिशा में सफलता मिलेगी। नए संबंध बनेंगे।

मकर: उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी। व्यावसायिक मामलों में प्रगति होगी।

कुंभ: रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। दांपत्य जीवन में तनाव आ सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।

मीन: धन, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। किया गया पुरुषार्थ फलदायी होगा।

वर्ग पहेली-1642

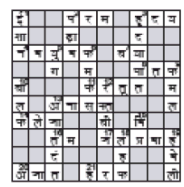


© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं
1 [illegible] (3)।
4 बोलने में अटकना (4)।
6 दृढ़ निश्चय, स्थिर (3)।
7 अनुसंधान, छान-बीन (4)।
9 छूट देना, सहूलियत देना (4,2)।
11 ...ओठ दो आगे तीतर, ...ओठ दो पीछे तीतर, बोलो कितने तीतर (3,3)।
14 [illegible] (4)।
16 शांत, सौम्य (3)।
17 [illegible] (2,2)।
18 [illegible] (3)।

ऊपर से नीचे
1 तृप्ति का अभाव (4)।
2 [illegible] (4)।
3 जीवनी, जीवन का वृतांत (3,3)।
5 खोया हुआ, लुप्त, गुमशुदा (3)।
8 [illegible] (3)।
10 एक तरफ से दूसरी तरफ होना (2,2,2)।
11 [illegible] (3)।
12 [illegible] (4)।
13 [illegible] (4)।
15 [illegible] (3)।

कल का हल



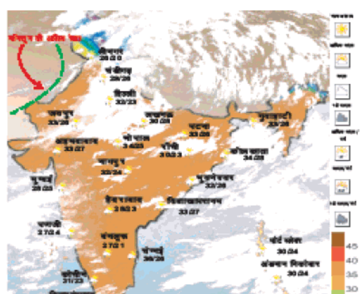
जागरण सुडोकू-1642

9		7		1		3		2
				2			7	
1		3				9		5
	3		5	6				
7					8	5		4
			7	9				
3					2		8	6
	4		3		6	1		
2		1		4			5	

कल का हल

1	2	3	4	7	9	5	8	6
8	9	4	1	6	5	2	3	7
7	6	5	8	2	3	1	4	9
4	5	2	9	8	7	6	1	3
3	1	8	6	5	2	9	7	4
9	7	6	3	1	4	8	5	2
5	3	1	7	9	6	4	2	8
2	4	9	5	3	8	7	6	1
6	8	7	2	4	1	3	9	5

मौसम



हिमाचल प्रदेश व लद्दाख में अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा तथा जम्मू-कश्मीर में अनेक स्थानों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होगी। पंजाब, हरियाणा व दिल्ली में अनेक पर गरज के साथ हल्की से मध्यम वर्षा तथा पूर्वी व पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा संभव है।

कल पढ़ें



भीड़ न पड़ जाए भारी

दैनिक जागरण
राष्ट्रीय संस्करण
आजकल
मंगलवार 20 जुलाई, 2021
14
www.jagran.com

पहली बार इंसान ने चांद पर अपने कदम रखे

वर्ष 1969 में आज ही नील आर्मस्ट्रांग और बज एल्ड्रिन ने चांद पर कदम रखा था। नील आर्मस्ट्रांग, बज एल्ड्रिन और माइकल कोलिंस ने 16 जुलाई को अपोलो 11 के जरिये धरती से उड़ान भरी थी।





अमेरिका में पहले स्पेशल ओलिंपिक्स समर गेम्स की शुरुआत

वर्ष 1968 को आज ही पहले स्पेशल ओलिंपिक्स इंटरनेशनल समर गेम्स की शिकागो में शुरुआत हुई थी। इसमें अमेरिका के 26 राज्यों और कनाडा से मानसिक रूप से कमजोर करीब 1000 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था।

एवरेस्ट फतह करने वाली पहली दिव्यांग महिला अरुणिमा सिन्हा

पूर्व वालीबाल खिलाड़ी और पर्वतारोही अरुणिमा सिन्हा का जन्म आज ही वर्ष 1988 में उत्तर प्रदेश के आंबेडकर नगर में हुआ था। बचपन से खेल में रुचि ने इन्हें राष्ट्रीय स्तर का वालीबाल खिलाड़ी बना दिया था। 2011 में दिल्ली जाते समय ट्रेन में चोरों ने विरोध पर बाहर फेंक दिया था। इस हादसे में इनका बायां पैर काटना पड़ा। कृत्रिम पैर से ट्रेनिंग लेने के बाद वर्ष 2013 में 52 दिनों का सफर तय कर 21 मई को माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचीं। इन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया है।



अंतरिक्ष के सस्ते सफर की राह खोलेंगे बेजोस

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति और अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस अंतरिक्ष में उड़ान के लिए तैयार हैं। उनकी कंपनी ब्लू ओरिजन का न्यू शेपर्ड राकेट बेजोस समेत कुल चार लोगों को लेकर मंगलवार को उड़ान भरेगा। बेजोस की टीम पिछले हफ्ते अंतरिक्ष यात्रा पर गई रिचर्ड ब्रेनसन की टीम से भी आगे तक जाएगी। बेजोस के इस सफर में सबसे खास बात उनका राकेट है, जो पूरी से तरह से दोबारा प्रयोग किया जा सकेगा। निसंदेह यह अंतरिक्ष में जाने के सफर को सस्ता करेगा।

कुल चार सवार : जेफ बेजोस के अलावा उनके भाई मार्क बेजोस, सबसे कम उम्र में अंतरिक्ष में जा रहा 18 वर्षीय छात्र ओलिवर डेमन और सबसे ज्यादा उम्र में अंतरिक्ष में जा रही 82 वर्षीय वैली फंक इस यान में रहेंगी। फिलहाल उनकी टीम अंतरिक्ष में रवाना होने से पहले प्रशिक्षण के लिए ब्लू ओरिजन के 'एस्ट्रोनाट विलेज' में रुकी है।



अंतरिक्ष में रवानगी से पहले जेफ व उनकी टीम प्रशिक्षण ले रही है। ओलिवर डेमन, वैली फंक, जेफ बेजोस और मार्क बेजोस (बाएं से) को लेकर ब्लू ओरिजन का न्यू शेपर्ड राकेट मंगलवार को रवाना होगा। इंटरनेट मीडिया

कारमन लाइन को करेंगे पार

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पृथ्वी से 100 किलोमीटर ऊपर अंतरिक्ष की सीमा मानी गई है, जिसे कारमन लाइन कहा जाता है। बेजोस अपनी टीम के साथ इस सीमा के आगे तक जाएंगे। ब्रेनसन की टीम 86 किलोमीटर तक गई थी।

उड़ान के लिए तारीख चुनने की भी खास वजह

जेफ बेजोस ने अंतरिक्ष में जाने के लिए 20 जुलाई की तारीख भी बहुत सोच समझकर तय की है। 1969 में इसी दिन इंसान ने पहली बार चांद पर कदम रखा था। अमेरिका का अपोलो-11 अंतरिक्ष यान नील आर्मस्ट्रांग और बज एल्ड्रिन को लेकर चांद पर पहुंचा था। इतना ही नहीं, ब्लू ओरिजन के राकेट का नाम भी अंतरिक्ष में जाने वाले पहले अमेरिकी एलन शेपर्ड के सम्मान में न्यू शेपर्ड रखा गया है।



न्यू शेपर्ड राकेट की फाइल फोटो।

सफर के पड़ाव

- न्यू शेपर्ड राकेट यात्रियों समेत कैप्सूल को लेकर उड़ान भरेगा और कारमन लाइन पर पहुंचकर कैप्सूल अलग हो जाएगा
- यात्रियों को चार मिनट अंतरिक्ष में भारहीनता का अनुभव होगा। इसके बाद पैराशूट के जरिये वेस्ट टेक्सास के रेगिस्तान में कैप्सूल की लैंडिंग होगी।

वीटीवीएल तकनीक पर काम करता है राकेट न्यू शेपर्ड

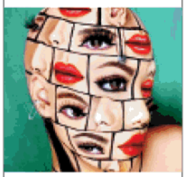
ब्लू ओरिजन का न्यू शेपर्ड राकेट वीटीवीएल (वर्टिकल टेक-आफ वर्टिकल लैंडिंग) तकनीक पर काम करता है। इस तकनीक में राकेट जिस तरह ऊपर जाता है, ठीक उसी तरह से नियंत्रित और कम गति से नीचे की ओर आता है। इसमें लगा कंप्यूटर ही इस पूरे सफर को नियंत्रित करेगा। स्पेसएक्स का फाल्कन-9 कुछ हद तक इस श्रेणी में आता है, हालांकि इसे पूरी तरह दोबारा प्रयोग में नहीं लाया जा सकता है। स्पेसएक्स अपने स्टारशिप राकेट पर भी काम कर रही है। माना जा रहा है कि स्पेसएक्स का यह राकेट तकनीक के मामले में बिलकुल न्यू शेपर्ड जैसा होगा।

अंतरिक्ष के राकेट की वापसी की कठिन रही है डगर

वीटीवीएल की तकनीक सुनने में भले आसान लगे, लेकिन असल में यह इतनी आसान नहीं है। इस दिशा में सफलता से पहले कई प्रयोग विफल भी हुए हैं। ऐसा राकेट बनाना जो आसानी से वापस भी आ जाए, बड़ी चुनौती रहा है। नीचे की ओर आते समय राकेट के थ्रस्ट को नियंत्रित करना सरल नहीं होता है। वापसी की पूरी प्रक्रिया को नियंत्रित करने के लिए हर बारीक चीज का ध्यान रखना होता है। लैंडिंग के समय किसी भी गणना में जरा सी चूक से पूरी कोशिश विफल हो सकती है। चांद पर उतरते समय भारत के चंद्रयान-2 के लैंडर के मामले में ऐसी ही चूक से मिशन विफल हो गया था। (जागरण रिसर्च)

इधर-उधर की

महिला ने चेहरे पर कई चेहरे बनाकर चौंकाया



आठ घंटे की मेहनत से बदला चेहरा। इंटरनेट मीडिया

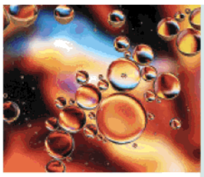
ओटावा, एजेंसी: आम इंसान के पास सिर्फ एक ही चेहरा होता है। क्या हो अगर एक चेहरे पर कई चेहरे दिखने लगें। इंटरनेट मीडिया पर ऐसा ही वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें महिला के चेहरे पर इतनी खूबसूरती से मेकअप किया गया है, जिससे एक साथ कई आंखें, होंठ और कई इयररिंग्स दिख रही हैं। वीडियो को कनाडा की मेकअप आर्टिस्ट मिमी चोई ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। वह अपने अनोखे आप्टिकल इल्यूजन फेस डिजाइन के लिए काफी प्रसिद्ध हैं।

तेल की बूंद में तैरेंगे माइक्रोरोबोट

तलाशी राह ▶ लंदन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी के विज्ञानियों ने तैयार की प्रणाली

लंदन, एएनआइ : रोबोटिक्स के क्षेत्र में लगातार तरक्की की जा रही है। दुनिया भर के विज्ञानी इसमें नित नए प्रयोग कर रहे हैं, ताकि इंसानी जीवन को और आसान बनाया जा सके। अब इस कड़ी में विज्ञानियों को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। दरअसल, विज्ञानियों ने तेल और पानी के संयोजन से एक ऐसी युक्ति तैयार की है, जिसमें माइक्रोरोबोट तैर सकेगा और उसके लिए अलग से ऊर्जा देने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

तेल की बूंदें ऊर्जा को संग्रहित करने और तैरने के लिए अपने आसपास के वातावरण के तापमान में होने वाले उतार-चढ़ाव का उपयोग करती हैं। ठंडा होने पर बूंदें पर्यावरण में पतले पूंछ जैसे धागे छोड़ती हैं। पूंछ और आसपास के तरल पदार्थ के बीच उत्पन्न घर्षण छोटी बूंदों को धक्का देता है, जिससे वे गति करती हैं। गर्म करने पर बूंदें अपनी पूंछ को अपनी मूल स्थिति में वापस ले लेती हैं और अपने पर्यावरण की गर्मी का प्रयोग स्वयं को रिचार्ज करने के लिए करती हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि ये बूंदें कई बार रिचार्ज हो सकती हैं और एक बार में 12 मिनट तक तैरने में सक्षम होती हैं।



नई प्रणाली में अलग से ऊर्जा देने की नहीं पड़ेगी जरूरत। फाइल फोटो इंटरनेट मीडिया

लंदन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी में केमिकल इंजीनियरिंग में रीडर और इस अध्ययन के लेखक डा. स्टोयन स्मोकोव के मुताबिक, हमें उम्मीद है कि यह अध्ययन अत्याधुनिक विज्ञान में जुड़े लोगों के लिए नए अवसर खोलेगा। चूंकि, ऐसी किसी प्रणाली को तैयार करने के लिए केवल एक साधारण आप्टिकल माइक्रोस्कोप की आवश्यकता होती है, इसलिए लोग तैरने वाली इन सूक्ष्म चीजों का सेट-अप प्रयोगशाला, यहां तक कि घर में भी बना सकते हैं। इस युक्ति की मदद से कृत्रिम रूप से तैरने वाले रोबोट बेहद कम कीमत में तैयार किए जा सकते हैं।

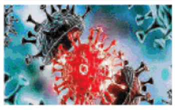
बकौल डा. स्टोयन स्मोकोव, प्रकृति में हम अक्सर बड़ी संख्या में बैक्टीरिया जैसे जीवों को एक साथ समूह में देखते हैं, लेकिन ये जीव एक-दूसरे के साथ कैसे तालमेल करते हैं, अभी हमें इसकी पूरी जानकारी नहीं है। हमारे इस नवीन कृत्रिम तैराकों को ऐसे जीवों के समूहों के साथ मिलाकर हम एक स्पष्ट तस्वीर तैयार कर सकते हैं, जिससे पता चले कि ये परस्पर किस प्रकार तालमेल बैठाते हैं।

वर्तमान प्रणालियों से इसलिए है बेहतर

ऐसा नहीं है कि माइक्रोरोबोटिक्स के क्षेत्र में पहले किसी तरल में इस तरह का प्रयोग नहीं किया गया है। वर्तमान में भी ऐसी कुछ प्रणालियां मौजूद हैं। अभी कृत्रिम रूप से तैराकों की जो प्रणालियां मौजूद हैं वो रासायनिक क्रियाओं पर चलती हैं, जिनमें बुलबुले पैदा किए जाते हैं, ताकि तरल में तैराक आगे बढ़ सके। इसके लिए चुंबकीय या विद्युत क्षेत्रों की मदद से भौतिक बल की जरूरत होती है। वहीं, विज्ञानियों द्वारा तलाशी गई इस नई प्रणाली की मदद से जो कि आकार में करीब लाल रक्त कोशिकाओं (रेड ब्लड सेल) जितनी होती हैं, उनमें किसी माइक्रोरोबोट को तैराने के लिए किसी बाहरी ऊर्जा की आवश्यकता ही नहीं पड़ती। चूंकि यह प्रणाली अन्य जीवित चीजों के लिए हानिकारक नहीं हैं, इसलिए विज्ञानियों को उम्मीद है कि इसका उपयोग बैक्टीरिया और शैवाल जैसे जीवों के बीच बुनियादी तालमेल के अध्ययन के लिए किया जा सकता है।

कोरोना संक्रमण के नौ महीने बाद भी बनी रहती है एंटीबाडी

अनुसंधान



इटली व ब्रिटेन के शोधकर्ताओं ने अध्ययन के आधार पर दी जानकारी। फाइल/इंटरनेट मीडिया

कोरोना वायरस (कोविड-19) की चपेट में आने के बाद शरीर में बनने वाली एंटीबाडी को लेकर एक नया अध्ययन किया गया है। इसका दावा है कि कोरोना संक्रमण के नौ महीने बाद भी शरीर में उच्च स्तर पर एंटीबाडी बनी रहती है। एंटीबाडी की यह मौजूदगी लक्षण और बिना लक्षण वाले दोनों मामलों में पाई गई है। यह निष्कर्ष एक इतालवी कस्बे के डाटा के विश्लेषण के आधार पर निकाला गया है। इटली की पादुआ यूनिवर्सिटी और ब्रिटेन के इंपीरियल कालेज लंदन के शोधकर्ताओं ने गत वर्ष फरवरी और मार्च में कस्बे के तीन हजार निवासियों में से 85 फीसद से ज्यादा का कोरोना संक्रमण को लेकर टेस्ट किया था। इन लोगों में एंटीबाडी को लेकर गत वर्ष मई और फिर नवंबर में जांच की गई थी। नेचर कम्युनिकेशंस पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, गत वर्ष फरवरी और मार्च में कोरोना संक्रमित पाए गए लोगों में से 98.8 फीसद में गत नवंबर में पहचान करने योग्य मात्रा में एंटीबाडी की मौजूदगी पाई गई। कोरोना के खिलाफ बनने वाली इस एंटीबाडी को लेकर आए इस नतीजे में लक्षण और बिना लक्षण वाले पीड़ितों में कोई अंतर पाया नहीं गया। इंपीरियल कालेज लंदन की शोधकर्ता इलारिया डोरिगटी ने कहा, 'लक्षण और बिना लक्षण वाले कोरोना पीड़ितों में एंटीबाडी के स्तरों में कोई अंतर नहीं मिलने से यह जाहिर होता है कि इम्यून रिस्पांस की क्षमता लक्षणों और संक्रमण की गंभीरता पर निर्भर नहीं करती है।' -प्रेट्र

स्क्रीन शॉट

सिर्फ मेरी घटना को दिखाना सही नहीं : मधुरिमा तुली



बिग बास 13 में विशाल और मधुरिमा के बीच हुई थी झड़प। इंस्टाग्राम

रियलिटी शो बिग बास 13 में भाग ले चुकीं अभिनेत्री मधुरिमा तुली खतरों के खिलाड़ी 11 में महक चहल और विशाल आदित्य सिंह के बीच किए गए एक एक्ट से बेहद नाराज हैं। दरअसल, बिग बास 13 के दौरान मधुरिमा ने अपने पूर्व ब्वायफ्रेंड विशाल आदित्य सिंह को फ्राइंग पैन से मारा था, जिसके बाद मधुरिमा को शो से बाहर होना पड़ा था। इस एक्ट को खतरों के खिलाड़ी के मेजबान रोहित शेट्टी के कहने पर महक और विशाल ने मजाकिया अंदाज में दोहराया, जहां महक ने विशाल को वैसे ही मारा, जैसे मधुरिमा ने मारा था। यह बात मधुरिमा को पसंद नहीं आई है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करते हुए कलर्स चैनल को टैग किया है, जिसमें उन्होंने निवेदन किया है कि वह उस एक्ट को बार-बार न दिखाएं। साथ ही मधुरिमा ने यह भी लिखा है कि उनके परिवार की भावनाओं के साथ बार-बार न खेलें। दैनिक जागरण से बात करते हुए मधुरिमा ने कहा कि मेरे लिए इसके बारे में बात करना बहुत जरूरी हो गया था। उस घर में बहुत सारी चीजें हुई थीं, लेकिन सिर्फ मेरी घटना को बार-बार दिखाया जाता है। मुझे कलर्स चैनल से कोई माफी नहीं चाहिए। माफी के बजाए मैं बस चाहती हूं कि वे दोबारा से उस सीन को एक्ट करके न दिखाएं। मैंने अपनी बात रख दी है। जो भी बिग बास में हुआ था, उसे भुलाने में मुझे एक साल लग गया। दर्शकों ने जो देखा था वह भूलना भी जरूरी है। एक साल के बाद जब मुझे लगा कि सब ठीक हो रहा है तो इस एक्ट की वजह से वे चीजें दोबारा मुझे और दर्शकों को याद आ गई हैं। लोग भूलना भी चाहेंगे तो कैसे भूलेंगे। खबर लिखे जाने तक कलर्स चैनल की तरफ से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

सस्पेंस थ्रिलर फिल्म चेहरे के निर्माता आनंद पंडित का कहना है कि फिल्मों की 90 प्रतिशत कमाई इन दो बड़े शहरों से होती है। फिलहाल देश में वैक्सीनेशन की प्रक्रिया जोरों पर है। उम्मीद है कि कुछ दिनों में सिनेमाघरों को खोलने की अनुमति मिल जाएगी।

दिल्ली, मुंबई के थिएटर का खुलना जरूरी है : आनंद पंडित

कई फिल्मों की रिलीज के लिए सिनेमाघरों के खुलने का इंतजार किया जा रहा है। इनमें अमिताभ बच्चन, इमरान हाशमी अभिनीत थ्रिलर और सस्पेंस फिल्म चेहरे भी शामिल है। यह जानर डिजिटल प्लेटफार्म पर खूब पसंद किया जाता है। फिल्म के निर्माता आनंद पंडित के पास यह विकल्प था कि वह चेहरे को डिजिटल पर ले आएं, लेकिन उनका कहना है कि वह सिनेमाघर के 100 प्रतिशत क्षमता के साथ खुलने का इंतजार करेंगे। दैनिक जागरण से बातचीत में आनंद पंडित ने कहा कि दिल्ली, मुंबई के थिएटर का खुलना हमारे लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। 90 प्रतिशत फिल्म की कमाई इन्हीं शहरों से कवर होती है। ऐसे में जैसे ही इन शहरों में थिएटर खुलने की इजाजत मिलेगी, हम फिल्म को रिलीज कर देंगे। यह फिल्म हमने बड़े पर्दे के लिए ही बनाई है। चेहरे का फिल्मांकन, बड़ा बजट सब बड़े पर्दे के मुताबिक है। फिल्म के कलाकारों की भी इच्छा है कि इसे थिएटर में ही रिलीज किया जाए। हमारी कोशिश यही है कि जब सरकार थिएटर खोलने की इजाजत दे देगी, तो हम फिल्म को रिलीज कर देंगे। वैक्सीनेशन की प्रक्रिया भी जोरों पर है। कुछ जगहों पर थिएटर खुलने भी लगे हैं। उम्मीद है कि चेहरे जब थिएटर में आएगी, तो दर्शकों को थिएटर तक खींचेगी।



थिएटर में ही रिलीज होगी अमिताभ अभिनीत फिल्म चेहरे • पीआर टीम

जब मैं इंडिया आई थी तो सोचा था कि अंग्रेजी डायलाग बोलकर काम हो जाएगा : एलनाज

अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में काम करते हुए कलाकारों के लिए एक नई भाषा सीखना बहुत बड़ी चुनौती होती है। जब कलाकार किसी अन्य भाषा और संस्कृति में पला-बढ़ा हो तो यह चुनौती और बड़ी हो जाती है। हालांकि, ईरान में पैदा हुई और जर्मनी में पली-बढ़ी अभिनेत्री एलनाज नौरोजी को नई भाषाएं सीखना और उससे संबंधित सिनेमा में काम करना पसंद है। उन्होंने न सिर्फ हिंदी, बल्कि पंजाबी और तमिल फिल्मों में भी काम किया है। इस पर दैनिक जागरण से बातचीत में वह कहती हैं, 'किसी कलाकार के लिए नई भाषा और संस्कृति सीखना बहुत चैलेंजिंग होता है। पंजाबी फिल्म खिदो खुंडी के लिए मैंने सिर्फ दो सप्ताह में पंजाबी भाषा सीखी थी। मुझे नई-नई भाषाएं सीखने में बहुत मजा आता है। तमिल अभिनेता जयम रवि के साथ फिल्म करने के दौरान मुझे लगा कि यह तमिल भाषा सीखने में मुझे दो साल लग जाएंगे। इसलिए मैंने फिल्म के निर्माताओं से कह दिया कि एक्टिंग में आप मुझसे जितनी मेहनत हो सके करा लें, लेकिन मुझसे यह भाषा सीखने के लिए मत कहिए। मैं पहले से ही फारसी, जर्मन, अंग्रेजी, फ्रेंच, हिंदी, उर्दू व पंजाबी सात भाषाएं जानती हूं। जब मैं इंडिया आई थी तो मुझे हिंदी नहीं आती थी। पहले सोचा था कि मैं अंग्रेजी में डायलाग बोलूंगी और फिर उसे हिंदी में डब कर लिया जाएगा। यहां आने के बाद मुझे अहसास हुआ कि जिस इंडस्ट्री और देश में मुझे काम करना है वहां की भाषा और संस्कृति की जानकारी होना जरूरी है।'



हिंदी और अंग्रेजी समेत सात भाषाएं जानती हैं एलनाज। सौ. टीम सोनी लिव

इंटरनेट मीडिया चलाने के मामले में बुरा हूं : राकेश ओमप्रकाश मेहरा

अच्छे फिल्ममेकर के साथ हर कोई काम करना चाहता है। इंटरनेट मीडिया एक ऐसा जरिया है, जिससे उन फिल्ममेकर तक सीधे अपनी बात पहुंचाई जा सकती है, जिसके साथ कोई कलाकार काम करने की इच्छा रखता है। ऐसा ही एक मैसेज मृणाल ठाकुर ने भी फेसबुक पर किया था भाग मिल्खा भाग और तूफान फिल्म के निर्देशक राकेश ओमप्रकाश मेहरा को। क्या राकेश मृणाल का वह मैसेज देख पाए थे? इस बारे में दैनिक जागरण से बात करते वक्त राकेश ने कहा कि मैंने फेसबुक अकाउंट कब खोला था, उसका पासवर्ड क्या था मुझे याद भी नहीं है। जब सब फेसबुक पर अपना अकाउंट बना रहे थे तो मैंने सोचा कि यह भी चलाकर देख लेते हैं। मैं इंटरनेट मीडिया चलाने के मामले में बहुत बुरा हूं। इसलिए मैंने वह मैसेज नहीं देखा होगा, लेकिन मेरा मानना है कि अगर हम सच्चे दिल से कुछ चाहते हैं तो कायनात वह बात सुनती है और वैसा हमारे साथ हो जाता है। तूफान फिल्म में मृणाल और मेरा साथ काम करना शायद उसी की वजह से हो पाया। मृणाल इस फिल्म की अहम कड़ी हैं। जैसे फरहान अख्तर के बिना यह फिल्म संभव नहीं थी, वैसे ही मृणाल के बिना भी कहानी पूरी नहीं होती।



राकेश की खेल पर आधारित दूसरी फिल्म है तूफान। सौ. टीम राकेश

अर्ध से फिल्मी करियर शुरू करेंगी रुबीना

शाह रुख खान, अमित साध और सुशांत सिंह राजपूत जैसे कई कलाकारों ने टेलीविजन की दुनिया से निकलकर खुद को हिंदी सिनेमा में स्थापित किया। अब बिग बास 14 की विजेता अभिनेत्री रुबीना दिलैक भी हिंदी सिनेमा में अपने करियर का आगाज करने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली फिल्म अर्ध होगी। इस फिल्म का निर्देशन संगीतकार पलाश मुच्छल करेंगे। बतौर निर्देशक यह पलाश की भी पहली फिल्म होगी। इस फिल्म में रुबीना के साथ टीवी अभिनेता हितेन तेजवानी और राजपाल यादव अहम भूमिकाओं में रहेंगे। इस फिल्म की शूटिंग सितंबर में शुरू होगी। रुबीना इस समय धारावाहिक शक्ति : अस्तित्व के अहसास की में सौम्या का किरदार निभा रही हैं। फिलहाल फिल्म की कहानी, पृष्ठभूमि और अन्य कलाकारों के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। पलाश ने इंस्टाग्राम पर अपने नए आफिस के उद्घाटन का वीडियो साझा करते हुए यह जानकारी सार्वजनिक की। वहीं दूसरी तरफ एक्टर से प्रोड्यूसर बनीं रिचा चड्ढा और उनके ब्वायफ्रेंड अली फजल ने अपने प्रोडक्शन पुशिंग बटन्स स्टूडियो के अंतर्गत बनने वाली पहली फिल्म गर्ल्स विल बी गर्ल्स पर काम शुरू कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों ने पिछले सप्ताह देहरादून में इस फिल्म का पहला टीजर शूट किया।



बिग बास 14 की विजेता रुबीना फिल्मी दुनिया के लिए तैयार • इंस्टाग्राम

भारी बरसात में भी चलती रही बच्चन पांडे की शूटिंग

कोरोना काल के बीच मुंबई की भारी बरसात भी सितारों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। शुक्रवार की रात से ही मुंबई बरसात की चपेट में है। खास बात यह है कि पिछले तीन दिनों से जारी इस भारी बरसात में भी फिल्ममेकर्स और कलाकारों का अपने काम के प्रति जज्बा बरकरार है। पहले ही कोरोना काल की वजह से फिल्मों को बनाने में देरी हुई है और नुकसान झेल रहे निर्माता बरसात को लेकर बिल्कुल परेशान नहीं हैं, बल्कि वह शूटिंग जारी रखे हुए हैं। अक्षय कुमार और कृति सैनन भी बरसात में मुंबई से सटे ठाणे में अपनी फिल्म बच्चन पांडे की शूटिंग कर रहे हैं। कृति ने बताया कि इस बरसात में काफी मुश्किल है ठाणे तक आकर शूट करना, लेकिन कोई विकल्प नहीं है। मौसम बरसात का है, तो पानी भरना और ट्रैफिक होना तो सामान्य बात हो गई है। काम तो करना ही है। वहीं मसाबा मसाबा वेब सीरीज के भी दूसरे सीजन की शूटिंग मुंबई के छत्रपति शिवाजी टर्मिनस में लगे सेट पर होती रही। मेकर्स राज एंड डीके के प्रोडक्शन की वेब सीरीज अश्वलिंगा की भी शूटिंग मुंबई के एक उपनगरीय स्टूडियो में चल रही है।



बच्चन पांडे फिल्म में कृति और अक्षय होंगे साथ • इंस्टाग्राम >>

दूसरों के मेकअप पर नजर रखती हूं : तारा सुतारिया

शो बिजनेस में हमेशा खूबसूरत दिखना होता है। उसके लिए मेकअप करना और स्टाइलिश कपड़ों में रहना पड़ता है। पता नहीं कब, कहां पैपराजी तस्वीरों में सितारों के कैद कर लें। इंटरनेट मीडिया के दौर में देश-विदेश के माडल्स व कलाकारों के मेकअप और उनके लुक्स किसी से छुप नहीं रह सकते हैं। बात करें अगर स्टूडेंट आफ द ईयर 2 और मरजावां फिल्म की अभिनेत्री तारा सुतारिया की तो वह भी खुद के लुक्स को लेकर बहुत सतर्क रहती हैं। कई बार जो चीजें उन्हें अपने लुक्स के साथ करने का मन करता है, वह नहीं कर पाती हैं। एक लाइव चैट के दौरान तारा ने बताया कि मेरी जुड़वा बहन है। बहुत वक्त से मन है कि हम दोनों साथ में अपने बालों को नीले या लाल रंग का करा लें, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री में काम करते हुए यह संभव नहीं हो पाता है। मुझे एक शूट से दूसरे शूट पर जाना होता है। बालों के रंग को किरदारों के मुताबिक रखना होता है। मेरे पास वह लक्जरी अब नहीं रह गई है कि मैं अपने मन से बालों को रंग लूं। मेकअप नए तरीके का रखना भी बहुत जरूरी है। मैं दूसरी एक्ट्रेसेस, माडल्स, मेकअप आर्टिस्ट के इंस्टाग्राम पेज पर नजर रखती हूं। जो पसंद आता है, वह अपनी मेकअप आर्टिस्ट को भेज देती हूं। वैसे मुझे पिछली सदी के छठवें और सातवें दशक का मेकअप बहुत पसंद रहा है। उसमें एक सादगी होती थी। उस वक्त की सुंदरता से मैं ज्यादा कनेक्ट करती हूं। तारा की आगामी फिल्मों में हीरोपंती 2, तड़प और एक विलेन रिटर्न्स शामिल हैं।



हीरोपंती 2 में नजर आएंगी तारा। इंस्टाग्राम

'अजय सर के साथ कामेडी फिल्म का सपना था'



भुज : द प्राइड आफ इंडिया में अजय देवगन के साथ रोमांस करती दिखेंगी प्रणिता • इंटरनेट मीडिया

दक्षिण भारतीय सिनेमा की अभिनेत्री प्रणिता सुभाष अजय देवगन अभिनीत फिल्म भुजः द प्राइड आफ इंडिया से हिंदी सिनेमा में पदार्पण करने वाली थीं। हालांकि महामारी की परिस्थितियों के कारण 23 जुलाई को डिज्नी प्लस हाटस्टार पर रिलीज हो रही हंगामा 2 उनकी पहली हिंदी फिल्म होगी। भुजः द प्राइड आफ इंडिया 13 अगस्त को इसी प्लेटफार्म पर रिलीज होगी। सोमवार को अजय और प्रणिता पर फिल्माया गया इस फिल्म का पहला रोमांटिक गाना हंजूगम रिलीज किया गया। प्रणिता ने कहा, मैं हमेशा से ही अजय सर (अजय देवगन) के स्टारडम से प्रभावित रही हूं। फिल्म की शूटिंग के दौरान मैंने उन्हें बताया भी था कि अगर हिंदी फिल्मों में मेरे करियर की शुरुआत उनके साथ गोलमाल जैसी मसाला कामेडी फिल्म से होती तो यह मेरे लिए सपना सच होने जैसा अनुभव होता। उनके साथ काम करते हुए मेरे लिए उनके अनुशासन से लेकर अनुभवों तक सीखने के लिए बहुत कुछ था।

Vikas Divyakriti Sir Hindi literature Full Course

Year - 2020-21
Total - 157 Video lectures + 20 Booklet Pdf

👉(Real Price - 40000/-)
👉We Provide only ₹1499 ✅

दृष्टि The Vision

Contact on Telegram 👉 @prakashstudy24

